शतपिटकम्

INDO-ASIAN LITERATURES

Volume 3(7)

Reproduced in original scripts and languages

Translated, annotated and critically evaluated
by
specialists of the East and the West
in a Series of Collectanea

Founded by

RAGHU VIRA

M.A., Ph.D., D.Litt. et Phil., M.P.

EDITOR-IN-CHIEF

ŚATA-PIṬAKA

आर्य-रघुवीर-समुपक्रान्तं

जम्बुद्वीप-राष्ट्राणां

(भारत-नेपाल-गान्धार-शूलिक-तुरुष्क-पारस-ताजक-

भोट-चीन-मोंगोल-मञ्जु-उदयवर्ष-

सिंहल-सुवर्णभू-श्याम-कम्बुज-

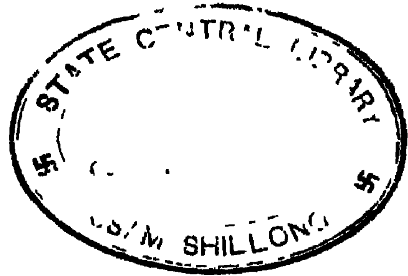
चम्पा-द्वीपान्तरादीनां)

एकैकेषां समस्रोतसां संस्कृति-साहित्य-समुच्चय-
सरितां सागरभूतं

शतपिटकम्

BHOṬA-PIṬAKA

being
the Tibetan Collectanea
in
the series of Indo-Asian Literatures
forming
the Śatapiṭaka



Vol. 1 (7)

TIBETAN-SANSKRIT DICTIONARY, part 7 ཉ་ པ་

शतपिटके

भोट-पिटकम्

तत्र

प्रथमं प्रसूनं

भोट-संस्कृताभिधानम्

(तत्र सप्तमो भाग.)

तच्च

श्रीमता लोकेशचन्द्रेण नाना-भोट-संस्कृत-ग्रन्थान्
परिशील्य संकलितम्

༄༅། བོད་དང་ལེགས་སྦྱར་གྱི་མཛོད། །

भोट-संस्कृताभिधानम्

Tibetan-Sanskrit Dictionary

Part 7 ཉ་ ཏ་

based on
a close comparative study of
Sanskrit originals and Tibetan translations of several texts

by

Dr. Lokesh Chandra, M.A., D.Litt.

INTERNATIONAL ACADEMY OF INDIAN CULTURE
New Delhi-16 (India)

1960

Price Rs. 25.

Printed by
The Academy's own printing works
The Arya Bharati Mudranalaya
New Delhi 16

ན

ན་ (१) अथ (अतः?) बो.च.६.८८ख

(२) °अन्तर सु.प्र.

གཞལ་མེད་ཁང་ན་འདུག་པ་ विमानान्तर-संस्थित सु.प्र.१३०.१७प.

(३) མི་ན་ स्वस्थ बो.च.२.३३ग, ५.८८ख

(४) सं. काले बो.च.

དེས་ན་དེ་མཐོང་བ་ན་དེ། སྟོང་ཉིད་བག་ཆགས་ཉམ་ཆུང་ཞིང་ तद्बुद्धिकाले तस्यातो दुर्बला शून्यवासना बो.च.९.३१गघ

(५) चेत् न्या.बि.१५.६, ११९.१२, १३५.१६, बो.च.

ཁྲོད་དང་འདི་གཉིས་སོ་སོ་ན་(ना.ནས་) त्वत्तश् चेत्पृथगेवायम् बो.च.५.६०ग

བརྩོན་པར་མ་བྱས་ན་ म ... चेत् क्रियते यत्नः बो.च.४.१२ग

སེམས་ཀྱི་གླང་པོ་དམ་བཏགས་ན་ बद्धश्चे-च्चित्तमातंगः बो.च.५.३ख

(६) यत्र सु.प्र.

རྒྱལ་པོས་ཡུལ་བར་པོར་ན་དེར་ तत्र यत्र राजा ह्युपेक्षकः सु.प्र.१०७.९

(७) यदि प्र.द.१६, १८, २२, बो.च.

ཤེས་བྱ་ལས་སྔར་ཤེས་ཡོད་ན་ ज्ञेयात् पूर्वं यदि ज्ञानम् बो.च.१०.१०४क

(८) रोगित बो.च.

ན་མ་གྱུར་ मा.. रोगितः [भूत्] बो.च.१०.४१ख

(९) व्याधि उद्रा., ल.वि.१५.१६.२०, १७.२

ན་ཚ་འཚེ་བ་ व्याधिजंरा...अन्तकः उद्रा. २२ २८प.

(१०) हि न्या.बि.५६.९, १५

དེ་ལྟ་ན་ एवं हि बो च.५.४४क

དེ་ལྟར་བྱས་ན་ एवमेव हि बो.च.५.८९ग

द्र. ཀྱི་ན་, ཅེ་ན་, ནང་ར་, དཔེར་ན་, ཞེས་ན་, བཞིན་ར་, ཡང་ན་ཤེ་ན་, ཤེས་ན་

ན་གྲ་ नक्र म.व्यु., श.दा.

ཆུ་སྲིན་ན་གྲ་ नक्र म.व्यु.४८३६

ན་ཁྲི་ शीतल, मुषित श.दा.

ནཱ་ག་ नाग श दा.

ནཱ་ག་གེ་སར་ (१) =གསེར་མིང་ཅན་ नागकेसर श.दा., सु.प्र.८०.२२ (ན°)

(२) नागपुष्प श.दा.

ནཱ་ག་ར་ཀྵ་

འཇམ་དཔལ་~ नागरक्ष चि.पं.८१ख

ན་གུ་ལེ་ कौशिक श.दा.

ན་ཆུང་ युवति म.व्यु.४०८२, श.दा.

ན་ཆུང་མ་=ན་ཕྲ་མོ་ युवती श.दा.

ན་མཉམ་པ་ (१) अभिक उद्रा.४७.३६

(२) =གྲོགས་མོ་ समवयसी श.दा.

ན་དང་མི་ན་ स्वस्थास्वस्थ बो.प.२.३३ग

ན་ཉིང་ पुरतः श.दा.

ན་ཕྲ་མོ་ (१) तरुणी श.दा.७२५क

(२) =ན་ཆུང་མ་ युवती श.दा.

ན་བ་ (१) आतुर म.व्यु.४१०१

(२) आमय उद्रा.१५.१०

(३) क्लम बो.प.६.१५६ख (दे.)

(४) ग्लान म.व्यु.५८९३, ६१३६, ८६०१-१०, सु.प्र.

(५) बाध सु.प्र.१४३.६

(६) व्याधि लं.सू.१३७क, ल.वि.१६.४.७

द्र. ནད་

ན་བ་མ་ལི་ཀ་ नवमल्लिका म.व्यु.६१५६ (पा. °मालिका), श.दा.

ན་བ་ཙ་ཊི་ཀ་ नवचटक श.दा.

ན་བའི་སྡུག་བསྔལ་ व्याधिदुःख म.व्यु.२२३५

ན་བའི་གསོས་སྨན་ ग्लानप्रत्ययभैषज्य म.व्यु.५८९३ (पा °གསོ་°), ६१३६, सु.प्र.८७.२५

ན་བུན་ महिका, मिहिका श.दा.

ན་བུན་སྐྱུགས་པ་ महिका म.व्यु.७१५८

ན་མོ་ नमः श.दा.

ནམོ་བུདྡྷ་ཡའི་འགྲེལ་པ་ क.तं.२३००

ན་ཚོད་ (१) वयस् म.व्यु.४०७३, श.दा., श.पं. ११०

(२) वयस्य बु.च.५४

ན་ཚོད་རྗེས་སུ་ཐོབ་པ་ वयोऽनुप्राप्त सु.प्र.१३८.१५

ན་ཚོད་མཉམ་པ་ वयस्य श.दा.

ན་ཚོད་ལྡན་ युवन् श.दा.

ན་ཚོད་གནས་ (१) =སྐྱུ་རུ་ར་ आमलकी श.दा.

(२) =ཨ་རུ་ར་ हरीतकी श.दा.

ན་ཚོད་གནས་པ་=ཡང་ཚོ་དར་བ་ वयःस्था श.दा.

ན་ཚོད་བཟང་པོ་ सुवयस् मद्र.३०६, ३४५

ན་ཧྲ་ मृष्ट श.दा.

ན་ཁུན་སྐྱུགས་པ་ महिका म.व्यु.७१५८

ན་གཞོན་པ་ द्र. གཞོན་ནུ་

ན་བཟའ་ (१) चीवर द मू.१ख ., १०ख. ए, ह, बो.प.२.१२ख

(२) निवासन श.दा.

(३) =གོན་པོ་ वस्त्र श.दा.

(४) वासस् बु.च.६३, ६४, श.दा.

ན་བཟའ་དམ་པ་ वस्त्रवर म.च.६क

ན་ར་ཀ་ नरक श.दा.

ན་རག་=རྡོ་རྗེ་རྒྱལ་བ་ वज्रनरक श.दा.७२८क

ན་རི་ཀེ་ལ་=གཞོལ་ལྡན་, བེ་དའི་ཤིང་ नारिकेल

घ.वा.

ན་རེ་ मनु उग्रा.

ཁྱེད་གཉིས་ཉིད་~། དགྲ་བཅོམ་པ་གསོད་དུ་

བཅུག་གོ་ मनु युवाभ्यामेवाहमर्हन्तं कारितः

उग्रा.३५.१२

ན་རོ་ रोग घ.वा.

ནཱ་རོ་མཁའ་སྤྱོད་ नारो-खाचिनी थि.पं.१२क,

२८ग



ནཱ་རོ་མཁའ་སྤྱོད་

ན་རོ་མཁའ་སྤྱོད་མ་ सर्वबुद्धडाकिनी धु.चि.४१

ནཱ་རོ་འགྲེལ་ཆེན་ वज्रपादसारसंग्रहपञ्जिका

नी.पु.२.८३०, १७८(कं.तं.११८६)

ནཱ་རོ་པ་ नाडपाद थि.ब.१८

གྲུབ་ཆེན་~ महासिद्ध नाडपाद थि.थि.१६

ནཱ་རོ་པཎ་ཌི་ཏའི་གླུ་ कं.तं.२१६६

ན་ལ་ नलद सु.प्र.८०.२१

ན་ལ་ད་ नरद घ.वा. (नारद), अ.स्तो.७८

ན་ལན་ད་ द्र. དཔལ་ན་ལན་ད་ म.व्यु.४१२०

ན་ལམ་ नाल म.व्यु.६२२२

ན་ལིན་ नलिन (?) घ.वा.

ན་ལེ་ཤམ་ (१) नागकेसर घ.वा.

(२) मरिच अ.हृ.१.६.१६०, घ.वा

(३) मौक्तिक घ.वा.

ན་ལེ་ཤམ་དཀར་པོ་ रेणुक घ.वा.

ན་ལེ་ཤམ་གྱི་ཚ་བ་ཉིད་ मरिच-तिक्तत्व सं.नि.३.

६

ན་ལེན་དྲ་ नालन्दा घ.वा.

ནག་ (१) असित म.व्यु.३२१

(२) काल उग्रा.३०.२०, म.व्यु.४१२१

(३) कृष्ण का.प., म.व्यु.३५३६, ७५३२

མགོ་ནག་ कृष्णशिरस् का.प.१३

(४) མུན་ནག་ अन्धकार बो.भ.१.५क

ནག་གི་ཞིང་ कर्कुर घ.वा.

ནག་འགྲོ་ असितगति घ.वा.

ནག་འཐིབས་ नी.पु.२.४४२ (=कं.तं.४७३+

४६८)

ནག་ནོག་ पराजुषा घ.वा.

ནག་པ་ (१) कृष्ण उग्रा.

རྣམ་པར་སྨིན་པ་ནི་གཅིག་ཏུ་~ एकान्तकृष्णो विपाकः उद्रा.४७.९, ४८.३०

ལས་གཅིག་ཏུ་~རྣམས་ एकान्तकृष्णानि कर्माणि उद्रा.४७.८, ११, ४८.३०, ३४

(२) चित्र तु.५२१, नी.पु.२.८१७

(३) चित्रा तु.५११, म.व्यु.३१९८, श.दा.

(४) चैत्र म.व्यु.८२६२

(५) དབུ་སྐྲ་བྱུང་བ་ལྟར་~ भ्रमरसदृशकेशः म.व्यु.३४२

द्र. གནག་པ་

ནག་པའི་ཚོགས་ कर्बुर श.दा.

ནག་པས་ཉ་ चैत्रपूर्णिमा श.दा.

ནག་པོ་ (१) असित ल.वि.७.१.३, ३.८, ४.८, ५.८, ६.३, ७.५, ९.५ ..

(२) काल चि.च.२१५, म.व्यु.८७४९, श.दा.

(३) कालक म.व्यु.३३२७, ८३९७

(४) कालिक तु.५६५

(५) कालो नागराजा म.व्यु.३२५१

(६) कृष्ण नी.पु.१.३५८ (आचार्य~), २.८४७ (पण्डित~), ९६८, म.व्यु.३१३१, ७३८५, लं.सू.९३ख, श.दा.

(७) महाकाल <यक्ष-नाम> सु.प्र.१२६.१५

ནག་པོ་ཆེན་པོ་ महाकाल कं.तं.४४० (~तन्त्र-राज), म.व्यु.३१६२, श.दा.

~འི་རྒྱུད་ (श्री) महाकालतन्त्र कं.तं.६६७

~འི་སྒྲུབ་ཐབས་ महाकालसाधन कं.तं.१७७२, ३६४४

~འི་མངོན་པར་རྟོགས་པ་ महाकालाभिसमय कं.तं.१७५६

~འི་ཚོགས་ हेरुक श.दा.

~འི་གཟུངས་རིམས་ནད་ཐམས་ཅད་ལས་ཐར་བར་བྱེད་པོ་ कं.तं.६६९, १०८६

ནག་པོ་དང་དཀར་པོ་དང་མི་དཀར་བ་དང་མི་ནག་པ་ कृष्णशुक्लाकृष्णशुक्ल द.भू.९फ

ནག་པོ་དམ་ཚིག་རྡོ་རྗེ་ कृष्णसमयवज्र नी.पु.१.२६१, ३६०, ३७४

ནག་པོ་རྡོ་རྗེ་ཞབས་ཀྱི་དོ་ཧ་མཛོད་ཀྱི་གླུ་ཆེར་འགྲེལ་པ་ (श्री)कृष्णवज्रपाददोहकोषटीका कं.तं.२३०२

ནག་པོ་པ་ (१) कालिक तु.५६९

(२) कृष्ण नी.पु.२.८०३ <आचार्य-नाम>, २.८४३

(३) कृष्णपाद नी.पु.२.७५४

(४) कृष्णाचार्य तु.३६९, नी.पु.१.३६०, ३८५, २ ६३९

ནག་པོ་སྤྱོད་པ་ कृष्णचारिन् (=कृष्णाचार्य, कृष्ण-पाद, कान्हपाद) चि.च.१४

གྲུབ་ཆེན་~ महासिद्ध कृष्णचारिन् चि.त्रि.१५

ནག་པོ་སྤྱོད་པ་བ་ (१) कृष्णचारिन् नी.पु.२.६०२

(२) कृष्णाचार्य नी.पु.१.३८०

ནག་པོ་ཞབས་ कृष्णपाद नी.पु.१.३७३

ནག་པོ་ཞབས་ཆེན་པོ་ कृष्णपाद नी.पु.१.२४३

ནག་པོ་ཞལ་གསུམ་ཕྱག་དྲུག་པའི་སྒྲུབ་ཐབས་ कं.तं.१९६२

ནག་པོའི་གཤེད་ कृष्णयमारितन्त्रराज नी.पु.१.३७७ (कं.तं.१९२०)

ནག་པོའི་ཚ་ལག་ कृष्णबन्धु म.व्यु.७३८५

ནག་པོའི་ཞབས་ कृष्णपाद नी.पु.२.८६९

ནག་ཕྱོགས་ कृष्ण श.दा.

ནག་མོ་ कालिका लु.४९०, श.दा.

ནག་མོ་ལྷ་ལེན་ कृष्णा पाञ्चाली श.दा.

ནག་མོ་ཅན་ पीतचन्दन, सितचन्दन श.दा.

ནག་མོའི་ཁོལ་ = ནག་མོའི་འབངས་ कालिदास ग.वा.

ནག་མོའི་འབྲས་ उवर्क श.दा.

ནག་ཚང་ = མེ་ཁང་ महानस श.दा.

ནག་ཚལ་ = ནགས་ཚལ་ एकाकिता बो.च.८.३७ख(ना.)

ནག་ཚུར་ (१) कायुश म.व्यु.५८३०

(२) कायूष म.व्यु.५९३७

(३) कासीस द.भू.२एए, अ., म.व्यु.५९३८ (पा. काशीश)

(४) पुष्पकासीस म.व्यु.५८२९

ནག་འཚུར་ (१) कायूष म.व्यु.५९३७

(२) कासीस म.व्यु.५९३७ (पा. काशीश)

ནག་ཟླ་བ་ चैत्रमास श.दा.

ནགས་ (१) गहन श.दा.

(२) वन अ.अ १.५३, ना.आ ३.९, ११, ४, ५.२, प्र.द.२, बु.च.११, २१, २८, ६६, बो.च ८.'४ख, ८६ग, १०.६ख(दे.), म.व्यु. २९९३, ४९४१-४२, श.दा., सु.प्र.१२९.१३, १५९.१४...

(३) वनस्पति म.व्यु.४२१३

(४) वन्य बु.च.५९

(५) वक्ष द.भू.५ल

(६) सं. ००

ནགས་ན་རི་དྭགས་བྱ་དག་(དེ. རྣམས་)དང་། ཤིང་རྣམས་མི་སྙན་བརྗོད་(དེ. རྗོད་)མི་བྱེད་

सं. नावध्यायन्ति तरवो न चाराध्याः प्रयत्नतः बो.च.८.२५कख

द्र. འབྲོག་

ནགས་ཀྱི་རྒྱལ་ काननराज श.दा.

ནགས་ཀྱི་ནང་དག་ཏུ་ वनभूमिषु बो.च.८.८५ख

ནགས་ཀྱི་གནས་ वनभूमि लं.सू.२०५ख

ནགས་ཀྱི་རིན་ཆེན་ वनरत्न नी.पु.२.१०१८

ནགས་ཀྱི་ལྷ་ वनदेवता श.दा.

ནགས་ཀླུང་ अरण्य श.दा.

ནགས་ཁྲོད་ (१) तपोवन प्रस.४३६.११

(२) ग्रामवनप्रस्था म.व्यु.२९८९

(३) वनखण्ड म.व्यु.४१२४

(४) वनविवर सु.प्र.१५७.१०, १६२.१६, १६३.१३...

(५) वनषण्ड म.व्यु.४२१४

ནགས་ཁྲོད་པ་དག་ आटविक, अटविक म.व्यु.३६८१

ནགས་ཁྲོད་ན་གནས་པ་ वानप्रस्थ म.व्यु.२९९८

ནགས་ཁྲོད་པ་ वानप्रस्थ श.दा.

ནགས་ཉེ་བ་ अनुवन, उपवन श.दा.

ནགས་མཐའ་ प्रान्त म.व्यु.२९९०

ནགས་འདབ་ उपवन म.व्यु.२९९४, सु.प्र.१५९.१३ (ནགས་མདབ་)

ནགས་ལྷན་ बर्हिण श.दा.

ནགས་སྟུག་པོ་(ཆེན་པོ་)བཅུ་གཉིས་(པོ་) (महा)द्वादशवनगुल्म(विवर) सु.प्र.१५६.२७, १५७.४, १४, १५९.११

ནགས་ན་གནས་ वनवासिन् वि.व.२७४, वि.त्रि.१९५, वि.पं.६क, तु.५६१ →

ནགས་ནས་བྱུང་བ་ आरण्यक बु.च.६४

ནགས་གནས་ (१) वनवासिन् तु.५६५

(२) वानप्रस्थ श.दा.८९६ख

ནགས་པ་ वनिक म.व्यु.१०६६

ནགས་བྱུང་=ནགས་ཚལ་སྐྱེས་ वनज श.दा.

ནགས་ཚལ་ (१) अटवी ल.स्तो.६२

(२) उद्यान लं.सू.१००ख

(३) एकाकिता बो.च.८.१७ख(टे.)

(४) वन ना.ना.१०.७, बु.च.१५, बो.च.२.३ख, म.व्यु.२११३, ६४४३, ८५२२, सु.प्र.१२१.२७

རལ་གྲིའི་ལོ་མའི་~ असिपत्रवन बो.च.६.४६ख, १०.६क

(५) वनगहन लं.सू.७१ख

(६) वनस्पति का.प.३०, सु.प्र.४६.१, १४.६, ७, १२१.२२

ནགས་ཚལ་སྐྱེས་=ནགས་བྱུང་ वनज श.दा.

ནགས་ཚལ་བདག(ས་)པ་ལས་རྒྱལ་བ་ वनविजयगत म.व्यु.८५२२ (ཀ་°བསྟན་པ་ལས་°)

ནགས་ཚལ་སྟུག་པོ་ वनखण्ड सु.प्र.१६६.७

ནགས་ཚལ་ནས་ནགས་ཚལ་མེད་པར་ག་ཤེགས་



ནགས་ན་གནས་

वनात् निर्गमनावसरः म.व्यु.६४४३

ནགས་ཚལ་མ་གྲོགས་ वनप्रवेश बो.च.२.३ख

ནགས་ཚོགས་ वनषण्ड सु.प्र.१५४.७

ནགས་ཚོགས་སྡེ་ चित्रवनसेन सु.५७७

ནགས་རིན་ཁུགས་ཀྱི་སྒྲོལ་དཀར་ वनरत्नकज सिततारा चि.सं.२क (द्र. आरणाल पृ.२६१, को.सू.२.१२१, २०७)



ནགས་རིན་ཁུགས་ཀྱི་སྒྲོལ་དཀར་

ནགས་ལ་ཁྲུས་=ཁྲུག་ वनमिथ शा.बा.

ནགས་སྣ་སྦྱང་བ་ वन्य बु.च.६३

ནགས་ལྷ་ वनदेवता सु.प्र.१२८.८

ནང་ (१) अध्यात्म ब.मू.३क, ४ख, न्या.बि.२२.३, म.व्यु.६३४, ६३६, १५१२, १५२०-२५, १५५७, अं.सू.६४क

(२) आध्यात्मिक अं.सू.६६ख

(३) अन्तर् उद्रा., बो.च.६.१०२ग, म.व्यु. ६२७६, ६३४२, शा.बा.

(४) अन्तर्गत अं.सू.१५६ख

(५) अन्तर्वा शा.बा.

(६) अभ्यन्तर उद्रा., का.प., कं.सू.१३४क

(७) अन्तस अ.स्तो.६०

(८) कात्स्य म.व्यु.५३१३

(९) गर्भ बा.आ.११.४, अ.स्तो.६०

(१०) मध्य उद्रा., प्र.व.६

ཀྱི་མཚོའི་ནང་(དུ་) समुद्रमध्ये उद्रा.२१.३५, २२.३

(११) संस्कृते सप्तमी

མི་ནང་ मनुष्येषु सु.प्र.७.४प.

द्र. ནང་གི་, ནང་དུ་, ནང་ན་

ནང་ཁོང་སྙེམས་ अन्तर्व्याधि शा.बा.

ནང་གྲོལ་ सं. अन्तर्निर्गुण्डी (?) बो.प.६.५८ग

ནང་འཁྲུག་ उद्रा.१.८, २१

ནང་གི་ (१) अध्यात्मम् स.नि ५.६

(२) अन्तर् अ.स्तो.५७, ८७

(३) अन्तर न्या.बि.२६.७

(४) अन्तरे (?) सु.प्र.१४०.६

(५) अभ्यन्तर न्या.बि.७४.११

(६) आध्यात्मिक न्या.बि.२२.१३, सं.नि.८. ३६.२

ནང་གི་སྐྱེ་མཆེད་ (१) अध्यात्मायतन सं.नि.६.३२

(२) आध्यात्मिक अं.सू.१६०क

(३) आध्यात्मिकायतन सं.नि.८.२०.१, ८.२१.१

ནང་གི་ཁྱབ་པ་ अन्तर्व्याप्ति कं.तं.४२६०, न्या.इ.३४३

ནང་གི་མཆོད་སྦྱིན་ बलि श.दा.

ནང་གི་སྙེ་མ་ अन्तर्मञ्जरी कं.तं.१३७७

ནང་གི་ལྟ་བ་ अध्यात्मदृष्टिनिलय लं.सू.२०६ख

ནང་གི་བདེ་བ་ अध्यात्मसुख सं.नि.८.२६.५

ནང་གི་ནམ་མཁའ་ अभ्यन्तरे आकाशधातु का.प.७८

~དེ་ནི་ཆུང་བ་ཡིན་ आकाशं अभ्यन्तरितोपरित्तम् का.प.७८प.

ནང་གི་བྱེད་པ་ अन्तःकरण श.दा , ल.स्तो.७८

ནང་གི་མི་སྨྲ་བ་འཕགས་པའི་བདེ་བ་ आध्यात्मिकं आर्यतूष्णीम्भावसुखम् स.नि.२.३

ནང་གི་ཚུལ་མི་ཤེས་ अध्यात्मगते नाभिज्ञा का.प.१०७

ནང་གི་མཚན་མ་ अध्यात्मनिमित्त सं.नि.८.३६.३

ནང་གི་ཞི་བའི་རྣམ་པར་ཐར་པ་ अध्यात्मशान्तविमोक्ष सं.नि.८.२६.७

ནང་གི་ཡིད་ལ་བྱེད་པ་ལ་བརྟེན་ནས་ अध्यात्ममनसिकारं निश्रित्य सं.नि.८.३४.५

ནང་གི་རབ་ཏུ་དབེན་པའི་བདེ་བ་ आध्यात्मिकं प्रविवेकसुखम् सं.नि.२.२

ནང་གི་རིག་པ་ अध्यात्मविद्या म.व्यु.१५५७

ནང་གི་སེམས་ अध्यात्मचित्त का.प.१०७प.

ནང་གྲུན་ (१) कल्यारि म.व्यु.३८४१

(२) कल्पिकार म.व्यु.३८४०

ནང་གྲོལ་བ་=སྒྲགས་གྲོལ་བ་ व्याकोश (?) श.दा.

ནང་སྒྲུབ་ अन्तरसाधन

ཆོས་རྒྱལ་~ अन्तरसाधन धर्मराज चि.त्रि.२३६

འཇམ་དབྱངས་~ अन्तरसाधन मञ्जुघोष चि.च.३१

ཞང་བློན་རྡོ་རྗེ་བདུད་འདུལ་~ 'अन्तरसाधन मारजित् चि.पं.११३क

ནང་སྟོང་ཉིད་ अध्यात्मशून्यता अ.अ.२-१०

ནང་སྟོང་པ་ཉིད་ अध्यात्मशून्यता म.व्यु.६३४, श.दा., सं.नि.८.२६.३

ནང་དང་ཕྱི་རོལ་གྱི་འདུ་བྱེད་ अध्यात्मबाह्यसंस्कार सं.नि.१०.७.४.७

ནང་དུ་ (१) अध्यात्मम् का.प.१०५

~སེམས་སོ་སོར་རྟོག་སྟེ་ आध्यात्मं चित्तनिर्व्यापितं प्रत्यवेक्षते का.प.१०७

(२) अन्तरे ना.आ.१२.१४

ཁང་པ་རྣམས་ཀྱི་~ भवनान्तरेषु सु.प्र.६४.५

(३) अभ्यन्तरे उद्रा.१२.३५, १३.५

(४) गर्भ ल.स्तो.५४

(५) मध्ये म.स्तो.५३

(६) संस्कृते सप्तमी न्या.बि.८२.१२

ཞི་བའི་ནགས་ཀྱི་ནང་དག་ཏུ་ शान्तासु वन-भूमिषु बो.प.८.८५ख

ལྷ་རྣམས་ཀྱི་~སྐྱེས་མོ་ देवेषूपपन्नः का.प.१४०

(७) संस्कृते समासः

བཙུན་མོའི་འཁོར་གྱི་~འཇུག་པ་ अन्तःपुर-प्रवेश उद्रा.१२.३

द्र. ནང་, ནང་ན་, ནང་ལ་

ནང་དུ་ཀུན་ཆགས་སུ་ आध्यात्मिकप्रबन्ध सं.नि.८.३

ནང་དུ་ཏིང་ངེ་འཛིན་གྱི་སྤྱོད་ཡུལ་གཟུགས་བརྙན་ अध्यात्मसमाधिगोचरबिम्ब सं.नि.८.४, ५

ནང་དུ་རྟོགས་ अन्तर्गत न्या.बि.१५१.४

ནང་དུ་བལྟ་བ་ अन्तर्मुखप्रवृत्त म.व्यु.६७३५(पा. °བལྟས་པ་)

ནང་དུ་འདུས་པ་ (१) अन्तर्गतत्व लं.सू.१५०क

(२) अन्तर्भाव न्या.बि.७६.१७, ८५.१३, ८६.११...

(३) अन्तर्भावित न्या.बि.१०३.३

(४) अन्तर्भूत न्या.बि.१४२.१७

(५) क्रोडीकरण न्या.बि.१७५.१२

ནང་དུ་འདུས་པ་ཡིན་ अन्तर्भवन्ति न्या.बि.८३.२०

ནང་དུ་མཚན་

ཀླིག་པའི་~ནུབ་པ་ अभ्यन्तरगूढप्रतिच्छन्नः म.व्यु.८१२०

ནང་དུ་ཞུགས་པ་ अनुगत म.व्यु.११६८

ནང་དུ་འོང་བར་གྱིས་ཤིག་ प्रविशतु ल.वि.७.४.१५

ནང་དུ་ཡང་དག་འཇོག་ प्रतिसंलयन म.व्यु.१४८८, शा.वा.

ནང་དུ་ཡང་དག་(པར་)འཇོག་པ་ प्रतिसंलयन म.व्यु.१६४२

ནང་དུ་ཡང་དག་བཞག་ནས་ प्रतिसंलीन सं.नि.८.३

ནང་དུ་ཡིད་ལ་བྱེད་པ་ अध्यात्ममनसिकार सं.नि.८.५

ནང་དུ་སེམས་རྣམ་པར་གཡེང་བ་ अध्यात्मचित्त-विक्षेप सं.नि.८.३४

ནང་དུ་སེམས་སོ་སོར་རྟོག་སྟེ་ आध्यात्मं चित्तं प्रत्यवेक्षते का.प.१०७

ནང་དུ་སོང་བ་ अनुप्रविष्ट द.भू.२य

ནང་བདག་ (१) अध्यात्म च.श.११

(२) अन्तरात्मन् च.श.१३

ནང་ན་ (१) ~ཡང་མེད་ न ... आध्यात्मेन का.प.१४३

(२) अन्तर्° उद्रा

ཁྱིམ་གྱི་~གནས་པ་བུད་མེད་དག་ अन्तर्भवन-विचारिण्यो योषितः उद्रा.१९.९

(३) °अन्तर सु.प्र.११६.११

(४) °अन्तरगत सु.प्र.१६७.२६

(५) मध्य म.व्यु.८०३, २४३४, ६४३३-३७, सु.प्र.१७६.२०(मध्यं)

(६) अ. °स्थ न्या.बि.७४.६

(७) संस्कृते षष्ठी

དེ་དག་གི་ ~ सर्वेषां तेषाम् का.प.९६

(८) सं. ००

དེ་ནི་བྱང་ཆུབ་སེམས་དཔའ་ལ། ཁྱུང་བའི་ ~སྐྱི་བ་སྐྱེ་ बोधिसत्त्वस्य तेनैवं सर्वापत्तिर् गरीयसी बो.भ ४ नकल

द्र. ནང་, ནང་དུ་, ནང་ལ་

ནང་ན་འཁོད་པ་ अन्तरीभूत द.भू १०ज

ནང་ན་སྤྱི་བ་ पुष्करं मज्जति म.व्यु.७५३३, ग.दा.

ནང་ན་བདག་ལྟ་བ་ आत्मदृष्टि का.प १०९प.

ནང་ན་བདག་ཏུ་འཛིན་པ་ आत्मग्राह का.प.१०९

ནང་ནས་ (१) मध्ये न्या.बि ३९.१३, १४० १०, १७१ ७

(२) संस्कृते पञ्चमी न्या.बि ७४.७

द्र ནང་, ནང་དུ་, ནང་ལ་

ནང་ནས་འབྱུང་བ་ अबृभजित म.व्यु ५०५, २०८२ (सं ००)

ནང་པ་ (१) अभिव्यक्त ग.दा

(२) ནང་པར་ कल्यम् सु.प्र ८६.२३प.

(३) प्रत्यूष ल.वि.१५ ९ ११

(४) ནང་པར་ प्रभाते ग.दा.

ནང་བའི་ཟླ་ अन्तर्वासिक म.व्यु.३६९०

ནང་པར་ཟོ་ན་ कल्यभोज म.व्यु.७१६८

ནང་པར་སྔར་ (१) कल्यभोज म.व्यु.७१६८, उग्रा. १६.३, ४५.२८(का°)

(२) काल्यम् उग्रा.१६.३, ४५.२८

ནང་བ་ समनुज्ञा म.व्यु.६६२०

ནང་བར་ कल्यम् सु.प्र.८६.२४

ནང་བློན་ཅན་ = ནང་བློན་སྤྲུན་པ་

ནང་བློན་སྤྲུན་པ་ अभिपर्ववत्सल म.व्यु.३६७८

ནང་མ་ गृहिणी ग.दा.

ནང་མི་ अन्तर्जन म.व्यु ३९१६, ग.दा.

ནང་མེ་ अन्तरग्नि ग.दा.

ནང་ཚོམས་ अजु म.व्यु.३९६९

ནང་ཡངས་པ་ अन्तर्विशाल म.व्यु ९३४२, ग.दा.

ནང་(ཡོངས་སུ་སྤྲས་པ་) गर्भ द.भू.१०ख

ནང་རིག་པ་ अध्यात्मविद्या ग.दा.

ནང་རིམ་ अभ्यन्तरपट्टिका म.व्यु.४३६२, ग.दा.

ནང་ལ་ आध्यात्मिक न्या.बि.२२.४

द्र. ནང་, ནང་དུ་, ནང་ན་, ནང་ནས་

ནང་ལ་ཡོད་པ་ अध्यात्मगत न्या.बि.२२.३

ནང་གྲོགས་ अन्त अ.श्लो.७६

ནང་ཤུན་ཅན་ त्रिपुट म.व्यु.९१८७

ནང་གསང་སྔགས་ गुह्यमन्त्र श.दा.१७२ख

ནང་གསལ་ = དྒུ་ཀ་ལའི་རྒྱ་ बहुवचन श.दा.

ནངས་ཀྱིས་དང་པོར་ प्रबलतरम् स.स्तो.८६

ནངས་པ་ प्रत्यय क.वि.१५.२०.४

ནད་ (१) आतुर बो.भ.७.२४ख

(२) आमय श.दा.

(३) उपसर्ग सु.प्र.७४.२२

(४) ग्रह का.प.

ཀློག་ནད་ཀླུ་འདེར་ཀྱིས་ནི་སྲོག་གི་དབང་པོ་འགག་པར་བྱེད་དོ་ नक्रग्रह सर्वेन्द्रियाणां ग्रहो भवति जीवितेन्द्रियस्योपरोधे वर्तते का.प. १०९

(५) ग्लानि श.दा.

(६) ग्लान्य का.प.६५, ११८प.

(७) ज्वर बो.भ.२ ४४ग, म.व्यु.७५, १२९३

(८) निदान कं सू.१६९ख

(९) मान्द्य बो.भ.८.१२२क

(१०) रुज् स.स्तो.८६

(११) रुजा का.प १२९

(१२) रोग उद्रा.१५.१९, २२.३०, बो.भ.३.८ख, म.व्यु.६३०८, ६५२०, ८२८३, श.दा., सु.प्र.१०.२, २३.१०, ५४.१२ ..

(१३) व्याध का.प.८७

(१४) व्याधि अ.अ.२.१४, ३.१४, का.प.८७, ८७प., १२९, द.भू.३ग, बो.भ.२.५४ग, ३.३० क, ५.२४क, ६.१६ख, म.व्यु.७१५५, ९४८२-८३, ९५०२, ९५२६, श.दा., सं.नि.८.२१.२, सु.प्र.३१.१, ४८.२०, ४९.२४...

ངན་འགྲོར་ནད་དང་འཆིང་(འཆི་?)བ་དང་ दुर्गतिव्याधिमरण° बो.भ.४.१४ग

ཉོན་མོངས་ནད་ क्लेशव्याधि का.प.१३०

ཉོན་མོངས་པའི་ནད་ क्लेशव्याधि का.प.१२९, १३०

ཕྲ་མལ་ནད་ इत्वरव्याधि बो.भ.२.५४क

(१५) शूल बो.भ.६.२३ख

ཀླད་ནད་ शिरःशूल बो.भ.१.२१क

(१६) ལས་ཀྱི་ནད་ ईति उद्रा.४०.३५

द्र. ན་བ་, ནད་པ་, བྲོ་འཚལ་

ནད་ཀྱི་བསྐལ་པ་བར་མ་ रोगान्तरकल्प म.व्यु.८२८३

ནད་ཀྱི་དགོན་པ་ व्याधिकान्तार सु.प्र.४८.२०

ནད་ཀྱི་ཀྱུན་ आबाधः सु.प्र.१४६.६

ནད་ཀྱི་བདབ་པ་ जम्बुजाल म.व्यु.६९५२

ནད་ཀྱི་བདག་མོ་ལ་བསྟོད་པ་ कं.त.१०९०

ནད་ཀྱི་ཕྱིར་ཁམས་ལ་མཁས་པར་བྱ་བ་ व्याधिधातुकौशल्य सु.प्र.१३८.२२

ནད་ཀྱི་མིང་ལ་ व्याधिनामानि म.व्यु.९४८२

ནད་ཀྱིས་བདབ་པ་ रोगस्पृष्ट सु.प्र.१०.२, १३८.३, ७, १०...

ནད་ཀྱིས་བདབ་པ་རྣམས་ནི་ནད་དང་བྲལ་བར་གྱུར་

रोगस्पृष्टा विगतरोगा भवन्ति स्म म.व्यु. ६३०८

ནད་ཀྱིས་ཕྲེ་བ་ཐ་དད་ रोगभेद लं.सू.१४९ख

ནད་ཀྱོད་སྨེམས་ क्षयव्याधि म.व्यु.९५०२

ནད་འགོ་བ་ उपसर्गं सु.प्र.६९.१४, ७१.१२, ७२.१५

ནད་འགོ་བ་མ་མཆིས་པ་ अनुपसर्गं सु.प्र.५८.१६

ནད་འགོ་བ་མེད་པ་ अनुपसर्गं सु.प्र.६२.९

ནད་འགྲོ་བ་ संचारव्याधि म.व्यु ९५२६

ནད་ཅན་ आम श.दा.

ནད་ཆེན་ महातुर बो.च.७.२४घ

ནད་བདབ་ व्याधित सु.प्र.३०.२५प.

ནད་ཐམས་ཅད་རབ་ཏུ་ཞི་བར་བྱེད་པ་ (आर्य) सर्वरोगप्रशमनी (नाम धारणी) कं.तं.६२२, १०१४

ནད་ཐམས་ཅད རབ་ཏུ་ཞི་བར་བྱེད་པའི་གཟུངས་ कं न.६२३, १०१५

ནད་དང་བཅས་པ་ सरुज प्र.द.१७

ནད་དང་བྲལ་བ་ विगतरोग सु.प्र.१०.२

ནད་སྣ་ཚོགས་ཀྱིས་བདབ་པ་ नानाव्याधिपरिगत म.व्यु.७१५५, श.दा. (°བདབ་)

ནད་པ་ (१) आतुर उद्रा.१५.१९, बो.च.१०.२ख, म.व्यु.४१०१, लं.सू.८०ख

(२) आर्त द.भू.१ओ

(३) ग्लान का.प.६५, १३०, बो.च.३.८क, सु.प्र., श.स्तो.५८

སེམས་ཅན་~མང་པོ་དག་ ग्लानेन बहुलाः सत्त्वाः सु.प्र.१०९.१५

(४) रोग प्र.द.१

(५) रोगिन् बो.च.५.१०९घ

(६) व्याधि च.श.१०, प्र.द.१७, ल.वि.१५.१५.१५

(७) सं.०० बो.च.१०.२१क

द्र. ན་བ་

ནད་པ་སོས་པ་ निरामयत्व बो.च.४.४८घ

ནད་པའི་དབང་དུ་སྨན་པ་ यथातुरवशात् लं.सू.१४९ख

ནད་མ་མཆིས་པ་ आरोग्य ल.वि.१५.१५.१३

ནད་མང་བ་ बहुग्लान्यता द.भू २कु

ནད་མི་མངའ་བ་ निर्ज्वर म.व्यु.७५

ནད་མེད་ (१) अरोग उद्रा.२४.२७, २८.५, भ.च.१६ख, म.व्यु.९५६६, सु.प्र.३१.२

(२) अरोगता बो.च.७.२३ख

(३) अरोगिन् श.दा.

(४) आरोग्य बो.च.४.१६क, ६.९०ग, ९.१५९क

ནད་མེད་པ་ (१) अनहंकार श.दा.

(२) अनुपसर्गा सु.प्र.७४.२२

(३) अरोग म.व्यु.९५२०, श.दा., सु.प्र.१४१.२७, १४२.१०, १४३.६

(४) अव्यथित श.दा.

(५) आरोग्य बो.भ.६.१३४ख

(६) निरामय श.दा.

(७) निर्ज्वर म.व्यु.१२६३

ནད་ཚ་ आतंक श.दा.

ནད་ཞི་བ་ रोगशान्ति श.दा.

ནད་གཡེར་བ་ महल्लक म.व्यु.४०६७

ནད་གཡོག་པ་ परिचारक श.दा.

ནད་གཡོག་བྱེད་པ་ उपस्थायक बो.भ.३.८ब

ནད་གསོ་ཐམས་=གསོ་དཔྱད་, ཚེའི་རིག་བྱེད་ आयुर्वेद श.दा.

ནད་གསོ་བ་ व्याधिचिकित्सक सु.प्र.१४३ १२

ནད་གསོར་མི་རུང་བ་ (१) दीर्घगैलान्य का प.

(२) दीर्घग्लान्य का.प.११८

འདི་གཉིས་ནི་རབ་ཏུ་བྱུང་བའི་~ द्वाविमौ... प्रव्रजितस्य दीर्घग्लान्यौ—མངོན་པའི་ང་རྒྱལ་གྱིས་སེམས་ངེས་པར་སེམས་པ་ अभिमानिकस्य च चित्तनिष्पत्तिः, ཐེག་པ་ཆེན་པོ་ལ་ཡང་དག་པར་ཞུགས་པའི་གང་ཟག་རྣམས་ཀྱི་འདུན་པ་ལྡོག་པ་ महायानसंप्रस्थितानां च सत्त्वानां विच्छन्दना का.प.११८

ནན་གྱིས་ (१) प्रसभम् बो.भ.४.३७ख, म.व्यु.६८५८

(२) बलात् बो.भ.६.२३ग, ८.१०४ख

(३) हठात् स.स्तो.५७

ནན་ཏན་ (१) अनुष्ठान श.दा.

(२) उद्यम म.व्यु.१८१७, श.दा.

(३) प्रतिपत्ति का.प., द.भू १अ, २ल, ३न, ५अ, म, ६म, ७न, म.व्यु.१८०१, १८१०

(४) यत्न श.दा.

(५) व्यवसाय बु.च.३०

(६) सगौरव द.भू.१क, कु

ནན་ཏན་གྱི་སྟོབས་བསྐྱེད་པ་ उद्यमबल श दा.

ནན་ཏན་སྙིང་པོར་བྱེད་པ་ प्रतिपत्तिसार का प.१५०, म.व्यु.१८१०

ནན་ཏན་དུ་ (१) प्रयत्नेन बो.भ.६.२ग

(२) सत्कृत्य द.भू.५म, ६स, ७न

ནན་ཏན་དུ་བསྒྲུབ་པ་ अनुष्ठान म.व्यु.११४

ནན་ཏན་དུ་བྱ་ प्रयत्यते म.व्यु ७६३९

ནན་ཏན་དུ་བྱ་བ་ प्रतिपत्ति द.भू.३क

ནན་ཏན་དུ་བྱ་བའི་སྤྱོད་པ་ प्रायोगिकचर्या द.भू.७ए

ནན་ཏན་དུ་བྱས་པ་ अनुष्ठित म.व्यु.२४२०

ནན་ཏན་དུ་བྱེད་ (१) प्रतिपद्यते द.भू.

(२) यत्नवन्तः सु.प्र.१६२.२७

ནན་ཏན་དུ་བྱེད་དེ་ प्रतिपद्यते का.प.१०

ནན་ཏན་དུ་བྱེད་པ་ प्रतिपत्ति द.भू.४ग

ནན་ཏན་དུ་མི་བྱེད་པ་ཡིན་ न प्रतिपद्यते का.प.९

ནན་ཏན་གནས་ प्रतिपत्तिसुस्थित का.प.१०प.

ནན་ཏན་བྱེད་པར་གནས་ प्रतिपत्तिसुस्थित का.प.

१२प.

ནན་དན་ཤིན་ཏུ་བྱེད་

བསྟན་པ་ལ་འདང་~ཇོ་ शासने च प्रतिपद्यते द.भू.१वउ

ནན་ཏུར་ प्रणिधि श.दा.

ནན་ཏུར་དུ་བྱ་བ་ प्रणिधिकर्म म.व्यु.९३०४

ནན་ལྷུར་ अपार श.दा.

ནབ་ནུབ་ (१) विजम्भ <संख्या-नाम> म.व्यु. ७७१९

(२) विभज <संख्या-नाम> म.व्यु.७८४५

ནབ་སོ་ पुनर्वसु म.व्यु.९४७३

ནབས་སོ་ पुनर्वसु म.व्यु.३१९१, श.दा. (पा.~ नक्षत्र)

ནམ་ (१) यदा का.प.१४३, सु.प्र.१५.१९, ५०.१, ११, २६...

(२) यावच्चिरेण(?) का.प.१४७

(३) °रात्र म.व्यु.८२२९, लं.सू.८०ख

(४) रात्रि ल.वि.१५.२०.३, श.दा., सु.प्र. १५०.२० (रात्री)

(५) (नकारमनु) वा न्या.बि.११७.९, ११४.६, ११, १२, १४

མིན་ནམ་ ननु बो.प.६.९१घ, ८.६६ग, ८.१०८ग...

མཚན་མོ་ནམ་ཡངས་པའི་ཚེ་ प्रत्यूषसमये उग्रा.८.८

द्र. མཚན་མོ་, གཞན་ཡང་

ནམ་ཁའ་=ནམ་མཁའ་

ནམ་མཁའ་ (१) अभ्यवकाश द.भू.८ख

(२) अम्बर श.दा., श.पं.३८ (ནམ་ཁའ་), सु.प्र.१२१.६

(३) आकाश उग्रा.११.१४, ३५.९, का.प. ९८, १०३, द.भू.१ग, ३क, म, ल, ४अ, ७अ, ८ब, न, १०ब, द, ए, न्या.प्र.६, १०, २७, ३३, न्या.बि.४४.९, ७०.१७, ७१.६, ७ .., बो.प.४.१०ग, ९.६९घ, १५४क..., म.व्यु.२२१, ६४७, ८२४, १५१४, १५३७, ६४३०, ७३९९, लं.सू.८३ख, श.दा., सं.नि. ४.११, ७.२८, सु.प्र.११.२४, २९.१६, ४६.१३...

(४) सं. आकाशधातु का.प.७८

(५) ख म.व्यु.२८३०, ७४०१, लं.सू.७१क

(६) खगपथ सु.प्र.१५०.११

(७) गगन द.भू.१अ, बो.प.५.१२क, १०.३७ग, म.प.२१घ, मद्र.७६३, म.व्यु.६२२, ७००, १३३६, ७४००, लं.सू.६९क, श.दा., सु.प्र. ७०.१७, १९, १३०.७, १३५.२८..., अ.स्तो. ६०, ८२

(८) नभस् का.प.४३प. (नभ), द.भू.१कु, ३आ., बो.प.१.१९घ, म.प.४७क(नभ), लं.सू. ७३ख, श.दा. (=གནམ་)

(९) परिवास श.दा.

(१०) विहायस् म.व्यु.२१२, २४०३, ७१८९

སྟེང་གི་ནམ་མཁའ་ལ་སོང་ངོ་ उपरिविहायसं संप्रस्थितः ज्ञा.४०.११

(११) व्योमन् बो.भ., श बा., अ स्तो ८०, ८१

(१२) सं. ००

དཔག་ཡས་ནམ་མཁའི་ཀྲུན་ཀྱུར་དེ་དག་ཀུང་ बिन्दुगगनमब्जगोस्तान् बो भ.२ १७ग

ནམ་མཁའ་ཁྱབ་པར་བྱེད་པ་ཞེས་བྱ་བའི་ཏིང་ངེ་འཛིན་ आकाशस्फरणो नाम समाधिः म.व्यु. ५२८

ནམ་མཁའ་མཐའ་ཡས་ཀྱི་སྐྱེ་མཆེད་ आकाशा-नन्त्य-आयतन प्र.पा.२५

ནམ་མཁའ་རྒྱལ་པོ་ गगनराज वि.ब.१७४

སྤྱན་རས་གཟིགས་ ~ अवलोकितेश्वर गगन-राज चि.पं.३१ख

ནམ་མཁའ་རྒྱལ་མཚན་ आकाशध्वज

སྒོ་བྲག་ ~ चि.त्रि.३१

ནམ་མཁའ་ཆེན་པོའི་རྒྱུད་ཀྱི་རྒྱལ་པོ་ (श्री)महा-खतन्त्रराज क.त.३८७

ནམ་མཁའ་སྙིང་ आकाशगर्भ तु.५५०

ནམ་མཁའ་སྙིང་པོ་ आकाशगर्भ तु ३७०, नी.पु. २.८४२

ནམ་མཁའ་ལྟར་ཆགས་པ་མེད་པས་རྣམ་པར་གྲོལ་ཞིང་གོས་པ་མེད་པ་ཞེས་བྱ་བའི་ཏིང་ངེ་འཛིན་ आकाशासंगविमुक्तिनिरुपलेपो नाम समाधिः म.व्यु.६२१

ནམ་མཁའ་མཐའ་ཡས་ आकाशानन्त्य सं.नि. ८.३७.१

ནམ་མཁའ་མཐའ་ཡས་སྐྱེ་མཆེད་ आकाशानन्त्याय-तन म.व्यु.१४९२-९३, १५१४-१५, १५२६-२७, २२९३, ३११०, शा.प्रा., सं.नि.८.११

ནམ་མཁའ་དང་མཉམ་པ་ཞེས་བྱ་བའི་རྒྱ་ཆེར་འགྲེལ་པ་ खसमानामटीका कं.तं १४२४

ནམ་མཁའ་དང་མཉམ་པའི་རྒྱུད་ श्रीखसमतन्त्र-राज नी पु.२.८४८ (कं.तं.३८६)

ནམ་མཁའ་དང་མཉམ་པའི་རྒྱུད་ཀྱི་རྒྱལ་པོ་ (श्री) खसमतन्त्रराज कं.त.३८६

ནམ་མཁའ་དང་ཡང་མཚུངས་ཤིང་འདྲ་བ་སྟེ་ आकाशतुल्य सु प्र.७५.२५

ནམ་མཁའ་དྲི་མ་མེད་པ་ཤིན་ཏུ་ཡོངས་སུ་དག་པ་ཆོས་ཀྱི་དབྱིངས་ཀྱི་ཡེ་ཤེས་ཀྱི་སྙིང་པོ་ गगनामलसुपरिशुद्धधर्मधातुज्ञानगर्भ (नाम) कं तं.२५८९

ནམ་མཁའ་དྲི་མེད་ཀྱི་སྒྲུབ་ཐབས་ कं.तं.२७५४

ནམ་མཁའ་བདག་པོ་ गगनपति <राज-नाम> नी.पु.१.१६

ནམ་མཁའ་ལྡིང་ (१) गरुड ब.मू.७म, १०ज, म.व्यु.३२२२, ३४०३ लं सू १७३क, शा.पं. १७, सं नि.०.१, सु.प्र.५.२४, ११.५, ४९.१२ .

(२) गारुडिक बो.भ.९.३६क

ནམ་མཁའ་ལྡིང་གི་རྒྱལ་པོ་རྡོ་རྗེ་སྒྲུབ་པའི་ཐབས་ वज्रपतिराजगरुडसाधन कं.तं.२८८३

ནམ་མཁའ་ལྡིང་གི་གདོན་ गरुडग्रह श.दा.६६३क

ནམ་མཁའ་ལྡིང་གི་དབང་པོའི་མིང་ལ་ गरुडेन्द्र-नामानि म.व्यु.३४०३

ནམ་མཁའ་ལྡིང་དང་འདྲ་བ་ལགས་ वैनतेयायते श.पं.७३

ནམ་མཁའ་ལྡིང་མོ་ गरुडी लं.सू.१७३क

ནམ་མཁའ་དབྱངས་ गगनस्वर भद्र.६६७

ནམ་མཁའ་མཛོད་ गगनगञ्ज नी.पु.२.१०३६

ནམ་མཁའ་མཛོད་ཀྱིས་ཞུས་པ་ (आर्य) गगन-गञ्जपरिपृच्छा (नाम महायानसूत्र) कं.तं. १४८

ནམ་མཁའ་བཞིན་ आकाशवत् न्या.प्र.४४, ४९

ནམ་མཁའ་རབ་འབྱམས་ཁམས་ཀྱི་མཐས་གདུགས་པ་ आकाशधातुप्रसरावधीनि बो.च.२.५ग

ནམ་མཁའ་ལ་འགྲོ་བ་ विहायसगामिन् म.व्यु. २४०३

ནམ་མཁའ་ལ་སྤྱུ་བ་ खेचर लं.सू.१७०ख

ནམ་མཁའ་ལ་མི་སྙེགས་པ་ नाकाशं परामृशति का.प.१६१

ནམ་མཁའ་ལ་ཡོངས་སུ་ཆགས་པ་ आकाशपलि-गोध का.प.

འདི་གཉིས་ནི་རབ་ཏུ་བྱུང་བའི་~སྐྱེ་ द्वाविमौ ...प्रव्रजितस्याकाशपलिगोधौ—འཇིག་རྟེན་རྒྱང་ཕན་པའི་གསང་ཚིག་ཡོངས་སུ་ཚོལ་བ་ लोकायतमन्त्रपर्येष्टिता, ལྷུང་བཟེད་དང་ ཆོས་གོས་ལྷག་པར་འཆང་བ་ उत्सवपात्र-चीवरधारणता का.प.१११

ནམ་མཁའ་ལ་སོགས་པ་ आकाशादि न्या.प्र.३१, ३२

ནམ་མཁའི་དཀྱིལ་ (१) आकाशतल म.व्यु. ६८८२, श.दा.

(२) गगनतल उद्रा.४६.२१, बो.च.१०. ११ग

(३) नभस्तल सु.प्र.१७८.२०

ནམ་མཁའི་ཁམས་ (१) सं. आकाश का.प.७९प.

(२) आकाशधातु का.प.७९, ७९प.

ནམ་མཁའི་ཁམས་ཀྱི་མཐའ་(མཐས་)ཀླས་པ་ आकाशधातुपर्यवसान म.व्यु.३७१

ནམ་མཁའི་ཁམས་ཀྱི་མཐར་གདུགས་ आकाश-धातुपर्यवसान म व्यु.६४३०

ནམ་མཁའི་ཁམས་ཀྱི་མཐས་གདུགས་པ་ आकाश-धातुपर्यवसान सं.नि.०.२

ནམ་མཁའི་གོས་ཅན་ (१) दिगम्बर न्या.इ.३२६, न्या.बि.१४२.१२, १४३.१७, २०९.६

ལྷ་མོ་~ देवी दिगम्बरा वि.पं.१३७क

(२) =སྨད་ཚོང་མ་ दिगम्बरी श.दा.

ནམ་མཁའི་གོས་ཅན་ཀྱིས་ཀུན་ཏུ་བརྟགས་པའི་

བདག་བརྟག་པ་ विज्ञप्तिपरिकल्पित-आत्म-परीक्षा न्या.ह.३२६

ནམ་མཁའི་སྙིང་པོ་ आकाशगर्भ कं.तं.२६०(आर्य ~नाम महायानसूत्र), पु.चि.२०, चि.च १६६, चि.चि.१५०, चि.पं.८५ग, बो.च २५१क, म.व्यु.६४७, १३४२, श.दा



ནམ་མཁའི་སྙིང་པོ

ནམ་མཁའི་སྙིང་པོའི་མདོ་ आकाशगर्भसूत्र श.दा.

ནམ་མཁའི་སྙིང་པོའི་མདོ་སྡེ་ आकाशगर्भसूत्र बो.च.५.१०४ग

ནམ་མཁའི་སྙིང་པོའི་མཚན་བརྒྱ་རྩ་བརྒྱད་པ་ གཟུངས་སྔགས་དང་བཅས་པ་ (आर्य) आकाशगर्भाष्टोत्तरशतकनामधारणीमन्त्र कं.तं. ६३६, ८७६

ནམ་མཁའི་མཐར་ཐུག་པར་གནས་པ་ आकाशधातु-स्थितक द.भू.१त

ནམ་མཁའི་མཐས་གདུགས་པ་ आकाशनिष्ठ बो.प. ३.२२क

ནམ་མཁའི་བདག་པོ་ गगनपति <राज-नाम> नी.पु.१ ५, १६

ནམ་མཁའི་རྡོ་རྗེ་ खवज्र नी.पु.२.८४३

ནམ་མཁའི་སྙིང་ गह्वर श.दा.

द्र. ནམ་མཁའ་སྙིང་

ནམ་མཁའི་དབུགས་ नभःश्वास श.दा.

ནམ་མཁའི་དབྱངས་ गगनस्वर भद्र.१६७

ནམ་མཁའི་དབྱིངས་ (१) आकाशतलक म.व्यु. ६८८२

(२) गगनपथ द.भू.१क, १०द, ए

~ཀྱི་མཐའ་གདུགས་པ་ आकाशधातुपर्यवसान म.व्यु.६४३०

ནམ་མཁའི་མེ་ गगनाग्नि लं.सू.१८७ख

ནམ་མཁའི་མེ་ཏོག (१) आकाशकुसुम श.दा.

(२) आकाशपुष्प लं.सू.६७ख

(३) खपुष्प प्रस.३४३.६, म.व्यु.२८३०, लं.सू.६१ख, सं.नि.७.७

ནམ་མཁའི་མེད་པ་ཉིད་དུ་བརྗོད་པ་ལ་ आकाशा-सत्त्ववादिनं प्रति न्या.प्र.२०

ནམ་མཁའི་མཛོད་ (१) गगनगञ्ज म.व्यु.७००, १३३६

(२) गगनगर्भ म.सू.९.४७
ནམ་མཁའི་མཛོད་བཞིན་དུ་ गगनगञ्जवत् बो.च. १०.२८क
ནམ་མཁར་འགྲོ་བ་(སྤྲིང་གི་) ऊर्ध्वंगत सु.प्र.४४.२
ནམ་ག་ཡིད་ལ་འདོད་ असंग श.दा.
ནམ་གང་ अमावस्या श.दा.
ནམ་གུང་ चतुर्थप्रहर म.व्यु.८२४३
ནམ་གྱི་ཆ་སྟོད་ पूर्वरात्र म.व्यु.८२२९, लं.सू. १६४ख, श.दा.
ནམ་གྱི་ཆ་སྨད་ (१) अपररात्र म.व्यु.८२३०
(२) पररात्र लं.सू.१६४ख
ནམ་གྱི་འབྲུག་ द्र. འབྲུག་
ནམ་གྱི་སྨད་ཆ་ अपररात्र श.दा.
ནམ་གྲུ་ रेवती <नक्षत्र-नाम> म.व्यु ३२१२, ४७६५, श.दा.
ནམ་གྲུ་སྐྱེས་ कालिन्दी श.दा.
ནམ་གྲུ་མ་ नर्मदा, रेवती श.दा.
ནམ་གྲུའི་གདོན་ रेवतीग्रह म.व्यु.४७६५
ནམ་མཐུག་འཚད་ཀ་ = ནམ་གཞུག་འཚད་ཀ་
हेमन्त श.दा
ནམ་ཐང་
སྤྲིན་མེད་~ནམ་མཁའ་ལ་ व्यभ्रे .. विगत-बलाहके नभे का.प.४३प.
ནམ་དུ་ जातु ल.वि.१५.१६.१७

ནམ་དུ་ཡང་ कदाचन बो.च.३.१५ग
ནམ་ཕྲུགས་ समय श.दा.
ནམ་ཕྱེད་ अर्धरात्र न्या.बि.८.१५, १६
ནམ་ཚོང་ जतु म.व्यु.३९६९
ནམ་འཚོང་ जतु म.व्यु.३९६९
ནམ་ཞིག་ (१) कदा बो.च.४.१५ख, ८.१२ख, २५ग...
(२) कदाचित् बो.क.४
(३) कदा नु म.व्यु.५४२५
(४) यदा सु.प्र.१४.४, १२, १६, २०, २५...
ནམ་གཞུག་འཚད་ཀ་ = ནམ་མཐུག་འཚད་ཀ་
हेमन्त श.दा.
ནམ་གསུམ་མཐའ་ཡས་ अवलिप्त म.व्यु.३१०७
ནམ་ཡང་ (१) कदाचन बो च.५.२९ख, ३५ख, ७ ३६ख, १०.३ख (दे.)
(२) कदाचि सु.प्र.११९.१५
(३) कदाचित् बो.क.१, बो.च.९.१३१ख
(४) जातु भ.च.२५घ, मू.का.१, श.स्तो.५५
द्र. གཞན་ཡང་
ནམ་ཡང་བརྗེད་མི་འགྱུར་ न जातु विमुह्येत् (न= मा) भ.च.२०ख
ནམ་ཡང་ . མ་ (१) न कदाचित् का.प.९०प.
(२) न जातु का.प.९०
ནམ་ཡང་མི་ (१) न कदाचि का.प.४३प.
(२) न जातु का.प.९१ (ནམ་ཡང་...མི་)

(३) न कहिंचित् का.प.१३प. (ནམ་ཡང་...མི་)

ནམ་ཡང་.. མེད་ न कथंचित् का.प.१९प.

ནམ་ཡང་མེད་ न...कदाचि का.प ३८प.

ནམ་ཡང་ཡོད་མིན་པ་ न कदाचि विद्यते सु.प्र. ११९.१५

ནམ་ལངས་ प्रत्यूष श.दा.

ནམ་ལངས་པ་ (१) མཚན་མོ་ ~ ཉི་ཚེ་ प्रत्यूष-समये उद्रा.८८

(२) रात्री प्रभाताभूत् सु.प्र.१५०.२०

ནམ་སོ་ (१) पुनर्वसु म.व्यु.३४७३

(२) पुष्य श.दा.३१६ख

ནམ་སྲོས་ सन्ध्यातमस् न्या.बि.७९.६

ནམས་ཀྱང་ कदाचन बो.प ५.२२घ

ནམས་ཀྱང་ .. མི་ न कदाचि का.प.४प.

ནམས་ཀྱང་མི་ཆགས་ཤིང་ न जातु सक्तः का.प. १३६

ནར་ནར་པོ་ वेणी म.व्यु ४०६९

ནར་བ་ उचित, उपचित म.व्यु.७५८३-८४

ནར་བ་(མ་)མ་ཡིན་པ་ अनुचित म.व्यु.७५८४

ནར་མ་ उचित म.व्यु ७५८३-८४

ནར་མའི་ཐམས་(ना. ཐང་)སྦྱོར་བ་ सत्यवायक बो.प.१.३२क

ནར་སོན་ विवृद्ध द.मू ७अ.

ནར་སོན་པ་ (१) महा॰ म.व्यु.५७६८

(२) संवृद्ध द.मू.७अ

ནལ་བུ་ कानीन श.दा.

ནལ་བྲེ་ कटच्छु म.व्यु.९०१३

ནས་ (१) गोधूम लं.न् २०ख

(२) चेत् बो प ५ ६०ग (ना.)

(३) यव म व्यु ५६५९, ८२००, लं सू.२०५ख

(४) ཀུན་ནས་ समन्ततः, समन्तेन, सर्वतः

གང་ནས་ कुतः, यतः

སྔོན་རོལ་ནས་ पूर्वम् बो.प.५.७६क

ཅི་ནས་ यथा बो प., सु.प्र.

ཇི་ཞིག་ལྟར་སྟེས་ནས་ कथंचिदपि बो.प.

གཉེར་ནས་ भावतः बो.प.४.६ख

སྙིང་ནས་ भावतः बो.प.२.५१घ

དེ་ནས་ अथ, ततः, यतः

དེ་རིང་ཉིད་ནས་ अद्यैव बो.प.२.४७घ

དེང་ནས་ अद्य बो.प.

མདུན་ནས་ पुरः बो.प.५.३८क

ཕྱི་ནས་ पुनः बो.प.७.१४ग

གཞན་ནས་ अन्यतः बो.प.९.१४२क

ཡུལ་ནས་ཕྱུང་ निर्वासित बो.प ४.४५क

རབ་ཏུ་བསྒྲིམས་ནས་ प्रयत्नतः बो.प.५.१ख

ནས་ཀྱི་རྒྱུ་ यवहेतुक लं.सू.२०५ख

ནས་ཀྱི་སོ་བ་ यवपिष्टक श.दा.

ནས་ཚང་ यवचुरा श.दा.

ནམ་ཚན་ कुल्माष घ.दा.

ནམ་བགྲེར་བ་ महल्लक म.व्यु.४०९७

ནི་ (१) च न्या.बि.३.१, ९.९, १५.८...

(२) तु न्या.बि.२.९, ३.११, १२, ९.७, ९, १३, १९...

(३) हि न्या.प्र.१..., न्या.बि.२.६, ४.१६, १९, ६.७...

(४) सं.०० उदा., बो.च., सु.प्र.

ནི་ཀུ་ पूग घ.दा.

ནི་རོ་དྷ་ निरोध घ.दा.

ནཱི་ལ་ཀཎྛ་ (आर्य) नीलकण्ठ(नाम धारणी) कं.तं.६९७, ९०५

ནིམ་བ་ निम्ब घ.दा.

ནིམ་བ་ཁ་ निम्बतिक्त घ.दा.

ནེ་ཨུ་ལེ་ नकुल घ.दा.

ནུ་བ་ भू., लोट् नུམ་

ནུ་མ་ནུ་བའི་མ་མ་ क्षीरधात्री म.व्यु.९४७९

ནུ་བོ་ (१) अनुज घ.दा.

(२) कनिष्ठ घ.दा.

(३) कनिष्ठभ्राता म.व्यु.३८८७

(४) कनीयान् भ्राता म.व्यु.३८८८, घ.दा. (कनीयो भ्राता)

(५) भ्रातृ सु.प्र.१५७.५, १६१.३, १८, १६७.१...

ནུ་འབུར་ चूचुक घ.दा.

ནུ་འབོར་ चूचुक घ.दा.७४१क

ནུ་མ་ (१) कुच अ.स्तो.७८

(२) पयोधर म.व्यु.३९१४

(३) = ཡོགས་སྐྱེས་ पयोज घ.दा.

(४) स्तन उदा.४३.५, न्या.बि.११.९, १०, म.व्यु.३९१३, घ.दा., सु.प्र.१६२.५, १४, १६४.२५, अ.स्तो.७५

(५) स्तन्य अ.स्तो.५५

(६) ནུ་མ་ནུ་བའི་མ་མ་ क्षीरधात्री म.व्यु.९४७९

ནུ་མ་མཐོ་བ་ तुंगपयोधर घ.दा.

ནུ་མ་འབྱུང་བ་ स्तनंधय घ.दा.

ནུ་མ་ནུ་བའི་མ་མ་ क्षीरधात्री म.व्यु.९४७९

ནུ་མ་བསྣུན་པ་ क्षीरधात्री म.व्यु.९४७९

ནུ་མ་བསྣུན་པའི་མ་མ་ क्षीरधात्री घ.दा.

ནུ་མ་ཟུང་ स्तनयुगल घ.दा.

ནུ་མོ་ स्वसृ घ.दा.

ནུ་སོང་ཟུ་གཉིས་ནས་ उभाभ्यां स्तनकुड्मलाभ्याम् सु.प्र.१६७.२७(ནུ་སོང་གཉི་གའི་ཟུ་མོ་ནས་), १६८.११

ནུབ་ (१) अपर म.व्यु.९०९१, घ.दा.

(२) निमज्जन व.मू.३म

(३) पश्चात् घ.दा.

(४) पश्चिम म.व्यु.८३३०, ल.वि.१५.२१.

४६, श वा.

(५) ཁྱིམ་མོ་ནུབ་ཙམ་དུ་ जानुमात्रम् सु.प्र. १४८.१०, १५०.७

ནུབ་ཀྱི་བ་གླང་སྤྱོད་ अपरगोदानीय म.व्यु.३०५४

ནུབ་ཀྱི་རི་ अपरशैल श.वा.

ནུབ་ཀྱི་རི་བོ་སྡེ་ अपरशैल श.वा.७१७ख

ནུབ་ཀྱི་རི་བོ་པ་ अपरशैलाः <संप्रदायविशेष> नी.पु.१.२७

ནུབ་ཀྱི་རི་བོ་འི་སྡེ་ अपरशैलाः म.व्यु.९०६१

ནུབ་གླིང་ अपरद्वीप सु.५६६

ནུབ་གཅིག་ एकरात्रम् सु.प्र.२०.१

ནུབ་པ་ (१) अस्तमित म.व्यु.२५७२

(२) अन्तर्हित सु प्र.१३२.२३

(३) अस्त श वा.

(४) अस्तं गच्छति म.व्यु.२५८२

(५) अस्तंगम द.भू.३क, म.व्यु.१४८१

(६) निवृत्ति न्या.बि.१४३.३

(७) प्रतिच्छन्न म.व्यु.८१२०

ནུབ་པདྨ་མཁའ་འགྲོ་མ་ पश्चिमपद्मडाकिनी चि.पं ३०ख →

ནུབ་པར་གྱུར་ཅིང་ अस्तंगम म.व्यु.१४९२, १५१४, १५२६

ནུབ་པར་གྱུར་པ་ अन्तर्हित सु.प्र.१३२.२३, १३७.११(གྱུར་ཏེ་)

ནུབ་པར་འགྱུར་ (१) अन्तर्धीयते उद्रा. ११.२४-२६ , द.भू.१०ङ

(२) अस्तं गच्छति द.भू १०ङ, ए

ནུབ་པར་མི་འགྱུར་ཏེ་ न परिहीयते सु प्र.१७.१३

ནུབ་པར་མི་འགྱུར་བ་ न अन्तर्धीयेत् सु.प्र.७६.१७ ८७.१३, ६८ १६

ནུབ་རི་ अस्ताचल श.वा.

ནུབ་མོར་གྱུར་པ་ अस्तंगत प्रस.३१७.१२

ནུབ་ཕྱོགས་མཛེས་ पश्चिमा विद्युन्मति म.व्यु. ३०२०

ནུབ་ཕྱོགས་བདག་ प्रतीचीपति श.वा.

ནུབ་ཕྱོགས་དམའ་ན་ पश्चिमा विगतनमति म.व्यु. ३०२१



ནུབ་པདྨ་མཁའ་འགྲོ་མ་

ནུབ་ཕྱོགས་སུ་ पश्चिमस्याम् सु.प्र.४.७

ནུབ་བ་གླང་སྤྱོད་ अपरगोदानीय श.दा.

ནུབ་བུ་ निमज्जयेत् उद्रा.२६.२०प.

ནུབ་བྱང་ पश्चिमोत्तरा म.व्यु.८३३४

ནུབ་མོ་ रात्रि म.व्यु ८५०६, लं.सू.१२३ख, श.पं. ४४

ནུམ་ स्तनयित्नु, स्तनित श.दा.

ནུར་ནུར་པོ་ कलल प्रम ३५६.५, म.व्यु ४०६७, श दा.

ནུར་བ་=རིང་དུ་སོང་ अपक्रमितव्य श दा.

ནུར་བ་ अपक्रमितव्य म.व्यु ५१००

ནུས་ ནུ་བ་ इत्यस्य भू., लोट्

(१) क्षम बो.च ४.३०ख

(२) पार्यते (पञ्जिका—शक्यते) बो.च.६. ७३ख

(३) प्रभोति ल वि ७.११ १६

(४) འཆི་བར་བྱེད་མི་ནུས་སོ་ न विनिपातयति का प.४८

(५) शक्त बो च , सु प्र ४६.१५

མི་ནུས་ अशक्त बो च ५ ४२ख

(६) शक्ति बो च ८ १४४ग

(७) शक्नुया का प.

གསོ་མི་ནུས་ན་ न शक्नुया चिकित्सितुम् का प १२९

(८) शक्नोति का.प ४८, बो.च.६.१२८घ, सु.प्र.५४.२९, १३८.१८

(९) शक्नोन्ति का.प.९६

(१०) शक्य का प., च.श.९, बो.च.८.५५ग, सु.प्र.११ १३, १५, १७, २२, २५.२, २९.२३

མི་ནུས་སོ་ न शक्यम् का.प.३३, १३९

(११) शक्यते का.प., प्र.द १४, बो.च.८ ५५ख

མི་ནུས་ न शक्यते बो.च.८.१३५घ

(१२) समर्थ न्या.बि टी., म व्यु.६६८६, सु.प्र. १६०.२

ཉེས་པར་བྱེད་མི་ནུས་ बोधं क्रिययासमर्थम् का.प.४८प.

(१३) सामर्थ्य बो.च ९.१२क

(१४) स. ००

སྐྱོབ་མི་ནུས་ न त्रायन्ते उद्रा.२१.२०प.

ཁྱོད་ཀྱི་ནད་དེ་སེལ་མི་ནུས་ न ते अपनेष्यन्ति रोगम् उद्रा २२.३०प.

ལྡོག་པར་མི་ནུས་ན་ न विवर्तये च का.प. १२९

ནུས་གྱུར་ शक्नोमि भ गी.४

ནུས་དེ་ (१) མི་~ नाशक्तः बो.च.७.५०ग

(२) शक्य न्या.बि (भा.)२१८

(३) མི་~ न शक्यते बो.च.८ १३५ख

ནུས་མཐུ་ (१) अनुभव श.दा.

(२) प्रभाव बो.क.१९

(३) सामर्थ्यं ल.स्तो.५४

ནུས་དང་ལྡན་ समर्थ प्र.व.२४

ནུས་ལྡན་ अलम्, क्षम, शक्त श.दा.

ནུས་ལྡན་ཆེན་པོ་ किंकिर श.दा.

ནུས་པ་ (१) अलम् म.व्यु.६५१८

(२) उपाय द.भू.१ञ

(३) क्षम न्या.बि. (°པ་) १५.१६, १७, १७.१२, बो.प.७.५०ख, श पं.१४२

(४) प्रतिबल म.व्यु.६३३४

(५) बल बो.प.

ཅི་~ད་ यथाबलम् बो.प ८.१००घ

(६) लभ्या म.व्यु.७०२७

(७) शक्त उद्रा., बु.च.७, ३६, बो.प.५ ४२ख

(८) शक्ति न्या.बि. (°པ་)३३.१५, ७०.१०, १५२.९, बो.प.४.४५ग, ७.४९क, म.व्यु. ५१५५, ल.वि., ल स्तो.६९

(९) शक्नुयात् न्या.बि.१७४.२ (ནུས་)

(१०) शक्नुवन्ति उद्रा.

(११) शक्नोति न्या.बि. (°པ་) ६.७, ३६.८, ६७ १९

(१२) शक्य उद्रा., द.भू.३ग, ७फ, १०ह्, ११ए, न्या.बि. (°པ་) ७.५, ८.१८, २०, १२.१३, १५

(१३) शक्यते उद्रा., न्या.बि. (°པ་) ३५.९, ३९.३

(१४) शक्येत न्या.बि.२१८.१२ (ནུས་ན་)

(१५)=ཐུབ་པ་, ཟོད་པ་ क्षमत्व श.दा.

(१६) समर्थ का.प.८२, न्या.बि. (°པ་) ३.१२, ७ १८, ८.१ , बु च ७, म.व्यु.९३१०, सु.प्र.१०.२८

(१७) सामर्थ्य न्या.बि. (°པ་) ३१.५, ११, १३, ७०.२, ८, १०, ७१.२ ., बो.प.८.७२ क, ल.स्तो.५४

ཀུན་~ सर्वसामर्थ्य बो.प.९.११क

(१८) མི་~ न सुकर द.भू.१०ज

ནུས་པ་ཕྲིན་ सामर्थ्य न्या.बि.(भा.)३१

ནུས་པ་ཅན་ शक्त श.दा.

ནུས་པ་དང་བཅས་པ་ सवीरत्व म.व्यु.१७७७

ནུས་པ་ནི་མཐུ་ सामर्थ्यं शक्तिः न्या.बि.३१.११

ནུས་པ་མེད་ निःसामर्थ्यं बु.च.७

ནུས་པ་མེད་པ་ (१) असमर्थ न्या.बि.१५६.८, ९, १३, २०, १५७.१

(२) असामर्थ्य न्या.बि.१५६.१४, १५, १५७.२०, १५८.१०

ནུས་པ་ཡོད་མིན་ नालम् बो प.८.१७५ग

ནུས་བྱེད་ शक्ता श.दा.

ནུས་མ་ शक्ति श.दा.

ནུས་མ་མཆིས་ न शक्यम् सु.प्र.१७६.२०

ནུས་མི་པ་ अप्रकम्प्य म.व्यु.३०३१

ནུས་མེད་ (१) अशक्त श.दा.

(२) अशक्य बो.च.८.१७६क

(३) असामर्थ्य बो.च.९.१२क

ནུས་སུ་

ཅི་~ यथाबलम् द.भू.१उउ, १बब

ནེ་གྲོ་ད་ न्यग्रोध म.व्यु.४२१८

ནེ་ནེ་མོ་ पितृष्वसा म.व्यु.३९०१, श.दा.

ནེ་ཙོ་ (१) शुक उग्रा.१७.५, ना.आ.१०, म.व्यु.४८७९, लं.सू.११२ख, ल.वि., श.दा.

(२) हरि श दा.

ནེ་ཙོ་སྨ་ द्र. ཤིང་དམར་

ནེ་ལེ་ बिल्लि श.दा.

ནེ་གསིང་=ནེའུ་གསིང་ शाड्वल श.दा.

ནེམ་ནུར་ (१) कांक्षा द.भू.५अ, म.व्यु.३६४, २१२९

(२) =ཡིད་གཉིས་ विचिकित्सा श.दा.

(३) विमति म.व्यु.५१०

(४) संदेह द.भू.१ल, म, ४ज, श.दा.

ནེམ་ནུར་རྣམ་པར་སེལ་བ་ཞེས་བྱ་བའི་ཏིང་ངེ་འཛིན་ विमतिविकिरणो नाम समाधिः म.व्यु.५१०

ནེམ་ནུར་མེད་པ་ (१) निष्कांक्ष म.व्यु.३६४

(२) निष्कांक्षा द.भू.४ज

ནེམས་ཤེས་བྱེད་(པ་) अवनमति म.व्यु.६७६८

ནེའུ་ལེ་ नकुल म.व्यु.४७९१, ८९०९

ནེའུ་གསང་ हरितशाड्वल म.व्यु.७१०८

ནེའུ་གསིང་=ནེ་གསིང་ शाड्वल श.दा.

ནེའུ་བསིང་ हरितशाड्वल म.व्यु.७१०८

ནཻ་རཉ་ཛ་ན་ नैरञ्जना <नदी-नाम> मु.प्र.५.१८

ནཻ་རཉ་ཛ་ནའི་ཆུ་ཀླུང་ नैरञ्जना नदी म.व्यु.४१९१

ནཻ་རཉ་ཛ་ནར་གནས་པ་ नैरञ्जनावासिनी मु.प्र.५.१८

ནོ་ (१) सं. इति (परिसमाप्त्यर्थे) न्या.बि.४.८, १०.१८, २१.११...

(२) དེ་བཞིན་ནོ་ तथैव मु.प्र.७७.१०

ནོག་ ककुद् म.व्यु.५३२८, श.दा.

ནོག་ནོག་པོར་མ་གྱུར་པ་ अपरामृष्ट (आवरामृष्ट) म.व्यु.१६२५

ནོག་(པ་)ཅན་ ककुदः म.व्यु.३५४९

ནོགས་པ་ (१) अभिद्रुग्ध म.व्यु.७६४७

(२) परामृष्ट म.व्यु.७०३१-३२, श.दा. (=ཕྱིས་པ་)

ནོང་པ་

མིག་~ हेराक श.दा.

ནོང་བ་ भू. ནོངས་

ནོང་བྱར་ कल्पिकार म.व्यु.३८४०

ནོངས་ ནོང་བ་ इत्यस्य भू.

ཅི་ནོངས་ सं. ०० उग्रा.१३.१८

ནོངས་པ་ (१) अत्यय बो.च.२.२९ग

(२) गुणबोध लं.सू.१६७ख

ནོངས་པ་ཅན་དུ་མི་བགྱི་བ་ नापराध्यते श.पं.६६

ནོངས་པ་ལགས་པ་ अत्ययत्व बो.च.२.६५ख

ནོངས་པར་བགྱིས་པ་ दुष्कृत सु.प्र.२६.२५, २७

ནོངས་པར་རབ་ཏུ་གཟུང་དུ་གསོལ་ प्रतिगृह्णन्तु सु.प्र.२६.४, १५ (पा. °བཟུང་)

ནོངས་མི་མངའ་ निष्क्लेश श.पं.७५

ནོད་པ་ द्र. ལེན་པ་

ནོན་ (१) आतुर सु.प्र.

མྱ་ངན་ནོན་ शोकातुर सु.प्र.१७०.१८

(२) आर्त सु.प्र.

མྱ་ངན་ནོན་ शोकार्त सु.प्र.१६७.२०, १६९.१२, १७०.२...

(३) घात बो.च.

བདག་ནོན་ཏེ་ आत्मघाताय बो.च.२.२९क

(४) དྲིལ་གྱིས་ནོན་ सं. मलिनीकुरु बो.च.८.१६३ख

ནོན་ནས་ अभिभूत सु.प्र.१६१.१०, १६३.१०

ནོན་པ་ मू. གནོན་, མནན་

(१) अभिभूत बु.च.४२, सु.प्र.१७२.४

(२) अवष्टब्ध उद्रा.

གཉིད་ཀྱིས་~འི་མིག་ निद्रावष्टब्धलोचन उद्रा.१५.२७

(३) आक्रान्त न्या.बि.१५७.१९

(४) आविष्ट भ.गी.१

(५) मलिन लं.सू.१४क

(६) विनष्टत्व उद्रा.

དེའི་ལས་ཀྱིས་~པ་ तस्य कर्मविनष्टत्वात् (? तस्य कर्मावष्टब्धत्वात्) उद्रा.३०.१

(७) समारूढ म.व्यु.७५२५

(८) = ཞོན་པ་ समारोहण श.दा.

द्र. གནོན་(པ་)

ནོན་པར་གྱུར་ अवष्टब्ध उद्रा.

(རྡོག་)མས་~ पांशुना अवष्टब्धः उद्रा.४०.१३, ४७.१७, ४८.२८

ནོན་པར་འགྱུར་ अवष्टप्स्यते उद्रा.

(རྡོག་)མས་~རོ་ पांशुना अवष्टप्स्यते उद्रा.३७.२३, ३८.१०

ནོན་མ་གྱུར་ मा बाधतु सु.प्र.३१.२५

ནོམ་པ་ मू. ནོམས་

(१) आमृशति म.व्यु.६३६८

(२) = སྤྱོད་ भोग श.दा.

ནོམས ནོམ་པ་ इत्यस्य मू.

ནོར་ (१) सं. अर्जन बो.च.

ནོར་སོགས་པ་ཡིས་ཚེ་གདུངས་ནས་ यात्यर्जनेन ताडयम् बो.च.८.७२ग

(२) अर्थ बु.च.२०, बो.च.६.४क, १२क, ८.७९ख, श.दा. (= ནོར་རྫས་), सु.प्र.४.२४

(३) द्रव्य श.दा.

(४) धन उद्रा.२१.१३, १७, २०, ३३..., का.प.८प., तु.४१७. ५०१ <राज-नाम>, प्र.द., बो.क., बो.प.क.१५१ख, भ.गी.५, म.व्यु.१८१, १५६५, १५७२, ७३०५, ७३७१-७२, श.दा. (=ནོར་རྫས་), सं.नि.१.४, सु.प्र. २३.११, ३१.२३, ३२.६ .., ल.स्तो.६९

(५) भाग्नु लं.सू.१८१ख

(६) भामित लं.सू.१६३ख

(७) ཡིད་བཞིན་ནོར་(ना.ནོར་བུ་) चिन्ता-मणि बो.प.३.२०क(दे.)

(८) वसु म.व्यु.७००२, श दा.(= ནོར་རྫས་)

(९) वित्त उद्रा.२०.११, २१.२७, उ.व.६, द.भू.२ख, म.व्यु.१८०, ल.स्तो.७१

(१०) = ནོར་རྫས་ विभव श.दा.

(११) वैभव म.व्यु.१२७२

(१२) स्व द.भू.२६

(१३) सं.००

མཆོད་པའི་ནོར་གཞན་བདག་ལ་ཅང་མ་མཆིས་ पूजार्थमन्यन्मम नास्ति किंचित् बो.प.२ ७ख द्र. དབྱིག་

ནོར་སྐྱོང་ धनपाल तु.३५६, <हस्ति-नाम>४७२

ནོར་སྐྱོང་ཟེ་འབྲུ་ धनफल श.दा.

ནོར་གྱི་རྒྱུན་ (आर्य) वसुधारा (नाम धारणी) कं.तं ६६२, १००७

ནོར་གྱི་ཉ་བ་ धनसुप्रतिभू श.दा.

ནོར་གྱི་བདག་ धनाधिप श.दा.

ནོར་གྱི་བདག་པོ་=ནོར་བདག་ कुबेर श.दा.

ནོར་གྱི་ཕུང་པོ་ द्रव्यस्कन्ध सु.प्र.५५.२१

ནོར་གྱི་དབང་པོ་ धनप्रतिभू, धनेश श.दा.

ནོར་གྱིས་མི་ཚིམ་ཉེས་པ་ अतृप्तधनदोष सु.प्र.२३.११

ནོར་འགྲིབ་པ་དགང་བའི་ཆོ་ག་དཔག་བསམ་ཤིང་གྲིས་པ་ कं.तं ३०३०

ནོར་འགྲིབས་པ་ अर्थनाश सु.प्र.४.२४

ནོར་རྒྱས་ वासुकि श.दा.

ནོར་རྒྱས་(ཀྱི་བུ་) वासुकिर् (नागराजा) म.व्यु.३२३२

ནོར་རྒྱུན་མ་(१) =ནོར་སྦྱིན་མ་ धनदा श.दा.

(२) वसुधारा चि.त्रि.१८२, चि.पं.२१६ग, स ११क, नी.पु.१.३६८(ནོར་རྒྱུན་མ་ वसुमती)

ནོར་རྒྱུན་མ་

གསུངས་ལས་བྱུང་བའི་ལྷ་མོ་~ वाणी-विनिर्गता देवी वसुधारा चि.पं.१११ख

ཡིད་འཕྲོག་~ मनोहरवसुधारा चि.पं.११२ख

(३) वसुन्धरा श.दा.

ནོར་རྒྱུན་མ་བ་ལང་རྫི་ गोपालवसुधारा चि.पं. ११२क



ནོར་རྒྱུན་མ་བ་ལང་རྫི

ནོར་རྒྱུན་མ་དམར་མོ་ रक्तवसुधारा चि.पं.७१ग



ནོར་རྒྱུན་མ་དམར་མོ

ནོར་རྒྱུན་མ་རྫ་མ་རིའི་ཁྲོགས་ चि.पं.१११ग



ནོར་རྒྱུན་མ་རྫ་མ་རིའི་ཁྲོགས

ནོར་རྒྱུན་མའི་སྒྲུབ་ཐབས་ वसुधारासाधन क.तं. ३२३७-३९, ३६०४, ३६०५, ३७००(श्री~)

ནོར་རྒྱུན་མའི་སྨོན་ལམ་ कं.तं.३७०२
ནོར་རྒྱུན་མའི་མཚན་བརྒྱ་རྩ་བརྒྱད་ कं.तं.३७०१
ནོར་རྒྱུན་མའི་གཟུངས་ཀྱི་མན་ངག་ वसुधाराधार-
 ण्युपदेश कं.तं.३२४०, ३६०६
ནོར་བསྲུང་མཁན་ वसुपालिन् म.व्यु.३७५४
ནོར་ཅན་ धनिक तु.४८८, ५२४
ནོར་ཆེ་བ་ महाधन म.व्यु.७३७१
ནོར་ཆེན་པ་ महाधन म.व्यु.७३७१
ནོར་ཆེན་པོ་ महाधन म.व्यु.७३७१
ནོར་དང་འདྲ་བ་ प्रतिवस्तु म.व्यु.९४०५, श.दा.
ནོར་དང་ལྡན་པ་ धनवत् उद्रा.४६.२३
ནོར་དང་འབྲུ་ धनधान्य सु.प्र.३३.२, ५६.१४...
ནོར་དུ་བྱས་པ་ धनायित द.भू.४ए
ནོར་བདག་ (१) = ནོར་གྱི་བདག་པོ་ कुबेर श.दा.
 (२) धनपति प्र.द.१६
ནོར་བདུན་གྱི་མིང་ལ་ सप्तधनानि म.व्यु.१५६५
ནོར་ལྡན་ (१) धनवत् तु.४९२
 (२) वसुमति लं.सू.२०५क
 (३) संपन्नवित्त उद्रा.२१.२७प.
 द्र. འབྱོར་པ་ཅན་
ནོར་ལྡན་མ་ (१) धनवती तु.४६०
 (२) वसुमती श.दा.
ནོར་དཔལ་ धनश्री वि.प.१०७, तु.८५०
 རྒྱལ་བ་~ जिन धनश्री वि.पि.१२२

ནོར་སྤྲེལ་ अर्जन बो.प.८.७२क
ནོར་འཕེལ་
 ཞལ་བཞི་སེར་པོ་~ धनवर्धन पीत चतुर्मुख
 वि.पं.१३२ख
ནོར་བ་ (१) भ्रान्त म.व्यु.४४६८, ७६२१
 (२) भ्रान्ति न्या.बि.१८७.१२, लं.सू.७०क,
 श.दा.
 (३) मोहिनी लं.सू.१०२ख
 (४) वितथ द.भू.८न
 (५) विपरीत म.व्यु.२७६१
ནོར་བ་མེད་པའི་ཚིག་ अभ्रान्तिपद लं.सू.७५क
ནོར་བའི་ཚིག་ भ्रान्तिपद लं.सू.७५क
ནོར་བུ་ (१) धन द.भू.१तत, ३ज
 (२) मणि का.प., द.भू.१तत, ३ज, ४क, ५ल,
 १०च, ड, ढ, ११द, ए, न्या.बि.८.१२, १३,
 बु.च.१३, १४, ५६, बो.प.३.२०क(ना.),
 ९.३५क, म.व्यु.३३३१, ३३५०, ३३५३,
 ३३६२, ५९४२, ५९६४, ६००६, ७९७९,
 लं.सू.७१क, श.दा., सं.नि.१.४, सु.प्र.३२.६,
 ४६.५, ८८.९..., श.स्तो.५१, ५४, ७३, ७४
 ཡིད་བཞིན་~ चिन्तामणि बो.प.३.२०क
 (ना.), ९.३५क, सु.प्र.११८.७
 (३) मणिक का.प.
 མཆིང་བུའི་~ काचमणिक का.प.९१
 (४) रत्न म.व्यु.३४०५, ५९६३

ड. རིན་པོ་ཆེ་

ནོར་བུ་དཀར་མདོག་ ज्योतीरसमणि म.व्यु.५९६४

ནོར་བུ་བཀོད་པ་ मणिव्यूह मह.२८५

ནོར་བུ་སྐར་མདོག་ ज्योतीरसमणि म.व्यु.५९६४

ནོར་བུ་སྐར་འོད་ ज्योतिष्प्रभारत्न म.व्यु.५९६३

ནོར་བུ་མཁན་ मणिकार म.व्यु.३७८९

ནོར་བུ་གླིང་ मणिद्वीप नी.पु.१.३६७

~གི་ཐུགས་རྗེ་ཆེན་པོ་ལྷ་ལྔ་ལ་བསྟོད་པ་ मणि-द्वीपमहाकारुणिकपञ्चदेवस्तोत्र कं.तं.२७३०

ནོར་བུ་དགོས་འདོད་སྟུངས་འཇོམས་(?) चिन्तामणि श.दा.

ནོར་བུ་སྔོན་པོ་ इन्द्रनील श.दा.

ནོར་བུ་ཆེན་པོ་རྒྱས་པའི་གཞལ་མེད་ཁང་ཤིན་ཏུ་རབ་ཏུ་གནས་པ་གསང་བ་དམ་པའི་གསང་བའི་ཅོ་ག་ཞིབ་མོའི་རྒྱལ་པོ་ (आर्य) महा-मणिविपुलविमानसुप्रतिष्ठितगुह्यपरमरहस्य-कल्पराज (नाम धारणी) कं.तं.५०६, ८८५

ནོར་བུ་ལྗང་ मरकत श.दा.

ནོར་བུ་སྙིང་པོ་ मणिगर्भ नी.पु.२.८४७

ནོར་བུ་ཕོབ་ प्रस्तर श.दा.

ནོར་བུ་འདྲ་ मणिरिव श.दा.

ནོར་བུ་སྤྱོད་པ་ मणिचार लु.५७७

ནོར་བུ་ཕ་ལམ་ = ཕ་ལམ་ हीरक श.दा.

ནོར་བུ་མ་ཡིན་ अमणि लं.सू.१०९क

ནོར་བུ་གཙུག་ཅན་ मणिचूड जा.पं.१२

ནོར་བུ་ཛཱུ་ཏྲིམ་ बीजिन् मणि श.दा.१०९०क

ནོར་བུ་འཛིན་པ་ मणिधारिन् वि.पं.३३क

ནོར་བུ་བརྡོ་ལ་

ནོར་བུ་ཟླ་བ་ मणिचन्द्र मह.३५४

ནོར་བུ་བཟང་ माणिभद्र <यक्ष-नाम> सु.प्र.६३. २६, ६८.२३, १२६.३

ནོར་བུ་བཟང་པོ་ मणिभद्र लु.५७६, श.दा.

གནོད་སྦྱིན་~ यक्ष मणिभद्र वि.पं.११०क

ནོར་བུ་བཟང་པོའི་གཟུངས་ (आर्य) मणिभद्रधारणी कं.तं.७६४, ९७०, श.दा.

ནོར་བུ་འོད་ मणिप्रभ मह.१८४

ནོར་བུ་རིན་ཆེན་ मणिरत्न का.प.४६प.

ནོར་བུ་རིན་པོ་ཆེ་ (१) सं. अनर्घमणिरत्न श.दा.
(२) सं. अनर्घं वैडूर्यमहामणिरत्नम् का.प. १३१
(३) मणिरत्न उद्रा.७.२३, म.व्यु.३६२५, ५९५८, सं.नि.१०.१०
ནོར་བུ་རིན་པོ་ཆེ་བཻཌཱུརྱ་ वैडूर्य मणिरत्नम् का.प.८५
(४) महामणिरत्न का.प.९२

ནོར་བུ་རིན་པོ་ཆེ་བཻཌཱུརྱ་ वैडूर्यमणिरत्न का.प.९१

ནོར་བུ་རིན་པོ་ཆེ་བཻཌཱུརྱ་འབྱུང་བའི་སྒོ་ मणि-रत्नायद्वार का.प.४६

ནོར་བུ་རིན་པོ་ཆེ་རིན་ཐང་མེད་པ་ अनर्घमणिरत्न म.व्यु.५९५८

ནོར་བུ་ཤེལ་ स्फटिकमणि ल.सू.१०१क

ནོར་བུ་གསལ་(བ་) मणि(विशुद्ध?) भद्र.९७०

ནོར་བུའི་ཁྲབ་ मणिवर्म उद्रा.३ २१, २६, २९, ४.३१

ནོར་བུའི་མགུལ་ मणिकण्ठ <यक्ष-नाम> सु.प्र. १२६.१३

ནོར་བུའི་རྒྱུང་པོ་ मणिदामन् म.व्यु.६१२४

ནོར་བུའི་སྙིང་པོ་ मणिगर्भ भद्र.४४८

ནོར་བུའི་ཚོགས་ मणिगण भद्र.३५८

ནོར་བུའི་ཞབས་ मणिचरण भद्र.४२४

ནོར་བུའི་ཟླ་བ་ मणिचन्द्र भद्र.३५४

ནོར་བུའི་འོད་ मणिप्रभ भद्र.१८४

ནོར་འབྲུ་ धनधान्य सु.प्र.३१.२३

ནོར་སྦྱིན་ धनद म.व्यु.३१६६, श.दा.

ནོར་སྦྱིན་མ་ धनदा चि.च.२६८, श.दा. (=ནོར་རྒྱུན་མ་)
སྒྲོལ་མ་~ धनदा तारा चि.च.२३३, चि.पं. ४६ख

ནོར་མང་པོ་ प्रभूतधन म.व्यु.७३७२

ནོར་མང་བ་ महाधन उद्रा.४६.३२, ४७.४

ནོར་མེད་ निर्धन स्र.स्तो.७१

ནོར་རྩེར་ धनकेलि श.दा.

ནོར་བརྩོན་པ་ व्यवसाय द.भू.१८८, मम

ནོར་འཛིན་=ས་གཞི་ वसुन्धरा श.दा.

ནོར་འཛིན་དབང་མོ་ वसुधारेन्द्राणी श.दा.

ནོར་རྫས་ (१) धन ल.सू.१२९क
(२) परिष्कार म.व्यु.९१८४
द्र. ནོར་, ལོངས་སྤྱོད་ श.दा.

ནོར་ཞབས་ मणिचरण भद्र.४२४

ནོར་བཟང་ (१) सुधन तु.४९७, ५०१, बो.च.१. १४घ, भद्र.९७१
(२) सुधना म.व्यु.५५००
འཁོར་~ अनुचर सुधन चि.पं.३७क

ནོར་བཟང་གཞོན་ནུ་
འཁོར་~ अनुचर सुधनकुमार चि.पं.३६क

ནོར་འོད་ मणिप्रभ भद्र.१८४

ནོར་ཡལ་བ་ धनपारिहाणि का.प.८

ནོར་ལ་ཆགས་པ་ सं. धनसक्तमति बो.च.८.७९ग

ནོར་ལ་རྣམ་པར་རྟོག་པ་ अर्थविकल्प लं.सू.११७ख

ནོར་ལས་རྒྱལ་ धनञ्जय श.दा.

ནོར་ལས་འདས་ अतिरै श.दा.

ནོར་ལས་བྱུང་བ་ वासव <ग्राम-नाम> तु.४६४

ནོར་གསར་ मंगल श.दा.

ནོར་ལྷ་ (१) वसुदेव भद्र.२२७

(२) वासव ना.आ.२

ནོར་ལྷའི་བུ་ वासव तु.४६२, ५२२ <राज-नाम>, भद्र.५९८

ནོར་ལྷའི་བུ་སྐྱེ་ཁྲབ་འཇུག་གི་མིང་ म.व्यु.३१३२

ནོར་ལྷས་བྱིན་ वासवदत्ता तु.५१०

ནོས་ཐང་=སྣོན་པ་ आर्द्र श.दा.

ནོས་པ་ (१) उत्पिण्ड म.व्यु.५७६५, श.दा. (= དཔགས་, དཔགས་པ་)

(२) =དཔགས་པ་ उत्पीड् श.दा.

ནྱ་གྲོ་དྷ་ न्यग्रोध म.व्यु.४२१८, श.दा. (=བྱང་ཆུབ་ལྗོན་ཤིང་)

ནྱ་གྲོ་དྷ་སྐྱེས་ पिप्पलायन तु.३५६

ནྱ་གྲོ་དྷ་ལྟར་ न्यग्रोधवत् अ.अ.८.१६

ནྱ་གྲོ་དྷའི་རྟོག་ न्यग्रोधकल्प तु.५००

གནག་ (१) काल म.व्यु.३०९

(२) कृष्ण म.व्यु.३५३६

(३) སྨུན་པ་སྨུན་གདག་ का.प.७१

द्र. ནག་, ནག་པ་, ནག་པོ་

གདག་གི་འཚམས་ सालोहित म.व्यु.३९१०

གདག་རྫིས་ गोमय ग.प.३५

གདག་གཟན་ कायोद्वर्तन म.व्यु.९००१

གདག་ལྷས་ཀྱི་བུ་ गोशालीपुत्र म.व्यु.३५४६

གནང་ (१) अनुजानामि उद्रा.१३.२३

(२) གལ་དེ་ལྷས་གནང་ན་ यदि देवोऽनु-जानीयात् उद्रा १३ २२

(३) अनुज्ञात बो.च.५.८४घ

(४) सं. अनुज्ञातुकामता लं.सू.१७१क

(५) न वारितम् बो.च.६.७७ग

གནང་བ་ भू. གནང(ས་), लोट् གནོང

(१) अधिवासन म.व्यु.९३८१

(२) अनुज्ञात म.व्यु.६३३०

(३) अभ्यनुज्ञा म.व्यु.९२१६

(४) उपहृत स्र.स्तो.६९

(५) समनुज्ञा म.व्यु.६६२०

གནང་བ་མེད་པ་ अननुज्ञात ल.वि.१५.२.७

གནང་བའི་དུང་བར་བྱས་ अधिवासना श.दा.

གནང(ས་) གནང་བ་ इत्यस्य भू.

གནད་ मर्मन् उद्रा.४६.५, ३६, न्या.बि.२२.१२, श.दा.

གནད་ཀྱི་གདམས་པ་ कं.तं.२४४७

གནད་ཀྱི་ཟླ་འོད་ मर्मकौमुदी प्र.पा.१०

གནད་དུ་བསྣུན་ཏོ་ ...मर्माणि ताडितः उद्रा.४६.५

གནད་དུ་བསྣུན་པ་ मर्महत सु.प्र.१६३.१०

གནད་དུ་ཕོག་པ་ मर्मभेद श.दा.

གནད་དུ་འཕོག་(ཕོག་)པ་ मर्मवेध म.व्यु.४११३

གནན་ ནོན་པ་, གནོན་པ་ इत्यनयोर् भू.
མཐིལ་གྱིས་གནན་ आक्रान्त श.पं.८८

གནབས་པ་ = གྲོན་པོ་ वत्स श.दा.

གནམ་ (१) नभस् का.प.५प.(नभ), श.दा.
(= ནམ་མཁའ་)
(२) सं.०० म.व्यु.५०१२

གནམ་བསྐོར་ = གནམ་གྱིས་བསྐོར་བ་, འཁོར་
ལོས་སྒྱུར་བའི་རྒྱལ་པོ་ चक्रवर्तिराज श.दा.

གནམ་གྱི་ཀ་བ་ आकाशस्तम्भ श.दा.

གནམ་གྱི་གོ་ལ་ खगोल श.दा.

གནམ་གྱིས་བསྐོར་བ་ (१) = གནམ་བསྐོར་
(२) वेष म.व्यु.७५४२

གནམ་གྲུམ་པ་ = སྒྲ་དྲག་པ་ निर्घात म.व्यु.
४३८९, श.दा.

གནམ་གྲིན་ = བླ་རེ་ ताल, वेताल श.दा.

གནམ་ལྕགས་ अशनि श.दा.

གནམ་སྐྱོད་ देवमातृक म.व्यु.५२१६, श.दा. (=
གནམ་བྲོན་)

གནམ་སྐྱོད་མ་ཡིན་པ་ अदेवमातृक म.व्यु.५२१७

གནམ་ཐོ་ आर्णव म.व्यु.२३६३, श.दा. (= སྣང་
པོ་)

གནམ་བྲོན་ देवमातृक म.व्यु ५२१६, श दा. (=
གནམ་སྐྱོད་)

གནམ་ཞབས་མ་
ཕག་མོ་~ ऊर्ध्वपाद-वाराही चि.पं.२७ग

གནའ་བོ་ पुरा श.दा.

གནའི་རབས་ पुराण म.व्यु.७१२९

གནས་ (१) अधिष्ठान उद्रा.४०.३४, ४१.२, १०,
१३, २४, सु.प्र.
གདམས་ཀྱི་གནས་ कथाधिष्ठान सु.प्र.१५४.१२
(२) अध्यावसति म.व्यु.३६३६, ल.वि.७.१४.
२४
(३) अवतिष्ठते बो.भ.५.२५घ
(४) अवस्था म.व्यु.७५८८
(५) अवस्थान उद्रा.४१.७, द.भू.८न, सु.प्र.
६०.१०
(६) अवस्थित बो.भ.४.२१क, भ.गी.५, श.पं.
१३६
(७) आ-धम् द.भू.
(८) आयतन उद्रा.४५.१६, द.भू.७म, ना.आ.
१२.५.८, म.व्यु.३१०८, सु.प्र.६०.१३, १६,
१४७.२४

དགོན་པའི་གནས་ अरण्यायतन का.प.१४१
ལྷའི་གནས་ देवतायतन उद्रा.४५.१६
(९) आलय द.भू.२चच, ५ए, सु.प्र.४५.७, ११, ८६.१६, १७, १०५.७ ..
(१०) आवसथ म.व्यु.८४५४, ६३०१
(११) आवास द.भू.११च, बो.भ.८.१३ख, घ, म.व्यु.२२८८
(१२) आशा अ.अ.१.५३
(१३) आश्रम बो.क.१५
(१४) आश्रय द.भू.१०द, म.व्यु.२५७५, सु.प्र.८६.४, १३१.१०
(१५) आश्रित का.प.१०७प., द.भू.१क
དགོན་པར་གནས་ वनवाससमाश्रिता का.प. १०७7.
ཡུལ་དྲུག་གནས་བཅས་ཤིང་ षड्विषयाश्रित सु प्र.४३.५
(१६) आसन बो.भ.५.९३क
(१७) आस्पद ना.आ.५, म.व्यु.५६२२
(१८) आस्यते बो.भ.७.१२घ
(१९) उत्स्था लं.सू.१२१क
(२०) उपस्थान ना.आ.१.१२. ल.वि.१५.३.५
(२१) उपस्थित बो.भ.६.१०२घ
(२२) उषित लं.सू.८७ख
(२३) गत बो.भ.७.४४क
མྱ་ངན་ལས་འདས་པ་ལ་...གནས་ निर्वाण-गतः का.प १६
(२४) तिष्ठत् बो.भ.७.२८ग
(२५) तिष्ठति प्र.द.२९, बो.भ.८.१४२ख
(२६) तिष्ठन्ति बो.भ.५.३५घ, सु.प्र.८४.३, १७१.२२...
(२७) तिष्ठन्तु बो.भ.३.१ग
(२८) तिष्ठेत् बो.भ.५.३२ख (दे.), ९.३३घ
(२९) °भ
ཁྲི་གནས་ शयन का.प.१५४, बो.भ.
(३०) °वास म.व्यु.४१२९
(३१) निकेत द.भू.२चच, म.व्यु.५३८, ५७७, ६१९, ५६२४
(३२) निलय म.व्यु.५५६४
(३३) निवसन्ति सु.प्र.४२.१७
(३४) °निवाप
ཀ་ལན་ད་ཀའི་གནས་ कलन्दकनिवाप (°निवास?) उद्रा.
(३५) निवास द.भू., बो.क.३०, म.व्यु.१२७, २०७
སྔོན་གྱི་གནས་ पूर्वनिवास द.भू.३म
(३६) निश्रय म.व्यु.५६२३, ८६६९, ८७३१, श.बा.
(३७) पतन बो.भ.१.११ग
(३८) पद उ.व.७, उद्रा., ना.आ.३, बो.क.१, १०, २४, २७, म.व्यु.६७८२, श.दा., स.स्तो. ६२
བསྟི་གནས་ आश्रमपद उद्रा.७.१८
(३९) पुर द.भू.

འཇིགས་པ་མེད་པའི་གནས་ अभयपुर द.भू.
२ज
ཚངས་པའི་གནས་ ब्रह्मपुर द.भू.८अ.

(४०) पुरि भ.च.६३घ

(४१) प्रतिष्ठा लं.सू ७७ख

(४२) प्रतिष्ठान अ.अ.१.६०, लं.सू.८०क

(४३) प्रतिष्ठापन लं.सू.८०क

(४४) प्रतिष्ठित का.प.४१

(४५) प्रपन्न द.भू.२ज

(४६) प्रयोग द.भू ७अ.

(४७) प्रस्कन्न द.भू.२य

(४८) भवन उद्रा.१५ २०, द.भू १०ह्, ११ए, म.व्यु ५५१७, मु.प्र.६४.६, १११.१, ११२.२५

(४९) भाज्य बो.च.७.३४ग (ना. སྤྱོད་)

(५०) भोति का.प.१६प.

(५१) लयन अ.अ.४.२७, द.भू ३इ, ५ग, म व्यु १७४७, श.दा.

(५२) वर्तते अ.अ.४.३८, न्या.बि.१७६.५

(५३) वर्तिन् न्या.बि.१५७.१८, बो.च.९.१६३ग

སྡུག་བསྔལ་ཆ་བོར་གནས་ दुःखोद्वर्तिन्
बो.च ९ १६३ग

(५४) वसन सु.प्र.९५.२२

(५५) वास उद्रा., का.प.१७प., बु.च.४६, बो च.८.२५घ, म.व्यु.६८७३

གཞོན་ནུའི་གནས་སུ་གནས་པ་ कुमारवासेन वासः उद्रा.२५.३३, २६.४

(५६) वासिन् म.व्यु.९०९८

(५७) वास्तु म.व्यु.४११८, श.दा.

(५८) विचार द.भू.८अ.

(५९) विहरत् बो.च.९.१६५ख

(६०) विहरति का.प.९५, १३४, द.भू.१अ, २र, ३इ, ५, ल, ४च, म.व्यु १४९२-९५, १५०८

(६१) विहार का.प., सं.नि.०.१

ཚངས་པའི་གནས་ ब्रह्मविहार का.प.२५

(६२) विहारता म.व्यु ६२८८

(६३) विहारिन् का.प.९

(६४) वेश्मन् बो.च.४ ३५ग, मु.प्र.४३.२०

(६५) व्यवस्थित का.आ.११, बो.च.९.१४१घ

(६६) शाला श.दा.

(६७) संतिष्ठते द.भू.१०च

(६८) མཚུངས་པར་གནས་སོ་ समाः संतिष्ठन्ते
का.प.४७

(६९) समाश्रित मु.प्र.८४.१

(७०) सुस्थित का.प.

ཉན་ཏན་བྱེད་པར་གནས་ प्रतिपत्तिसुस्थित
का.प.१२प.

(७१) °स्थ उद्रा.२४.१२, ३६.७, का.प.१२८प., बो च.५.१९क, ग, ८५ख, ७.६०क..., म.व्यु.६६९३-९४, स.स्तो.८२, ८३

བདེ་བར་གནས་ प्रस्वस्थ श.पं.१०४

ཉོན་མོངས་གྲོགས་ཀྱི་ཁྲོད་གནས་ संक्लेश-पक्षमध्यस्थ बो.च.७.६०क

བརྟུལ་ཞུགས་གནས་ व्रतस्थ बो.च.५.८५ख

(७२) स्थण्डिल उद्रा.४१.१३, १६

(७३) स्थान अ.अ.१.१०(=अवस्थान हृ.भ.), ५५, ५.११, १४, १६, उद्रा.२१.२३, ४५.२४, च.शा., द.भू.१द, ज, ल, म, न, प, ध्वव्व, २ल, ३ह, ५ह, ल, १०फ, ज, प्र.द. १७, बो.क.२९, बो.च.२.४६ग, ४.४५ख..., म.व्यु.१२०, १५५४, १८५०, २५०४, २९९५, ४५४२, ४९५३, ४९९६, ६४३१, ६९५०, ७१२१, ७६८८, सु प्र.९७.२३, ९८.३, १४६.७ .., स.स्तो.८८

(७४) स्थास्यति बो.च.६.५५घ

(७५) स्थित उद्रा.२२.१, ५, का.प.६प., ४७ प., ६३प., बो.च.२.३७घ, ४.४७क, ख, ७.१ ख..., सु प्र.४३.१८, २०, १६७.२२, १७८.१७

དཀའ་བར་གནས་ दुःस्थित बो.च.९.४४ख, घ

ཉེར་གནས་ उपस्थित बो.च.३.३३ग

མཉམ་གནས་ अविषमस्थित बो.च.९.१२७ख

ཡེ་ཤེས་ལས་ལ་གནས་ स्थित ज्ञानकर्मे द.भू.७अ., ८अ.

རི་རབ་གནས་ सुमेरुस्थित का.प.४१

ལེགས་གནས་ཤོག་ सन्तु सुस्थिताः बो.च. १०.४२ख

ཤིན་ཏུ་དཀའ་བར་གནས་ अत्यन्तदुःस्थित बो.च.९.१११ख

(७६) स्थिति अ.अ. (=अवस्थान हृ.भ.) १.१०, ६७, म.व्यु.७६७८

(७७) स्थितिक म.व्यु २३०(७)

(७८) स्थिर ब च.१९

(७९) गं. स्थर म.व्यु.३४०२

(८०) मं ०० म.व्यु.५४९४

གཟུགས་ལ་བདག་གནས་དེ་སྣོད་དང་འདྲ། གཟུགས་བདག་ལ་གནས་ལ་གནས་དེ་སྣོད་དང་འདྲ། रूपे आत्मा भाजनवत् म.व्यु.४६८८

ཚོར་བ་ལ་བདག་གནས། ཚོར་བ་བདག་ལ་གནས། वेदनायामात्मा म.व्यु.४६९२

སྐྱེ་གནས་ योनि सु प्र.

མཆོད་གནས་མཆོག་ अर्घ्यतम बो.च.२.१५क

འཇིགས་གནས་ भय बो.च.८.१२१ख

མདུན་གནས་ पुरः बो.च.७.४४घ

འདུ་ཤེས་ལ་བདག་གནས་ म.व्यु.४६९६

འབྱུང་གནས་ आकर बो.च.१.३६घ, ६.२२ख, शा.पं.९७

འབྱུང་བའི་གནས་ आकर बो.च.१०.५७ख

སྐྱིད་བའི་གནས་ सं. विक् बो.च.२.५६घ

ཡོན་གནས་དམ་པ་ वरदक्षिणीय बो.च.२.६ग

གནས་ཀྱི་མཆོག་ परस्थान लं.सू.१७८क

གནས་ཀྱི་དོན་ स्थानार्थ सं.लि.८.२०.५

གནས་ཀྱི་དོན་སོ་སོ་ཡང་དག་པར་རིག་པར་བྱེད་པ་ संनिवेशार्थप्रतिसंवेदिन् सं.लि.८.२१.६

གནས་ཀྱི་གནས་ངན་ལེན་རིག་པ་ आश्रयदौष्ठुल्यवेदित सं.लि.८.३८

གནས་ཀྱི་བྱེ་བྲག་ཤིན་ཏུ་རྣམ་པར་ཕྱེ་བ་ सुविभक्तस्थानविशेष स.लि.०.१

གནས་ཀྱི་དབང་ཕྱུག་མ་

ཨོ་རྒྱན་སྒྲོལ་མ་ ~ पीठीश्वरी उड्डियान-तारा चि.प ४५ख

གནས་སྐབས་ (१) अधिकार अ.अ.३.१६

(२) अवसर श.दा.

(३) अवस्था अ.अ.७.३, न्या.बि.२५.१८, २६.२, ३, २७.११, १२, १६, १८ .., प्रस. ३७६.४, बो.प.५.३८ग, ९१ख, घ, १०८ क , म.व्यु.७५८८, ल.सू.९३ख, श.दा., सं.लि.१.२१

(४) अवस्थान न्या.बि.१५६.८

(५) दशा बो.प.८.१५७ख

(६) स. प्रस्तुत न्या.बि.१८३.१७

(७) मात्र अ.अ.२.२०

(८) सं. ००

དེ་བཞིན་ ~ ཐམས་ཅད་དུ་རིགས་པ་ལས་ནི་

གཞན་མི་སྤྱད།། बो.प.७.६३गघ

གནས་སྐབས་ལས་གྱུར་པ་ (१) आवस्थिक श.दा.

(२) आवस्थिक म.व्यु.७५८२

གནས་སྤྲེལ་མ་ वासतेयी श.दा.

གནས་ཁང་ (१) लयन म.व्यु.५५१९, ९१५३, ९२९२, सु.प्र.१२०.१८, १२१.२१

(२) विहार म.व्यु.९०५६

གནས་ཁང་འགྲོ་པ་ विहारोद्देशक म.व्यु.९०५६

གནས་ཁང་དཔག(ས་)པ་ लयनपरिहार म.व्यु. ९२९२ (पा.*སྤྲགས་པ་), श.दा.(*སྤྲངས་པ་)

གནས་གྱུར་ (१) आश्रित(?) सु.प्र.१५५.५

(२) वर्तते बो.प.९.८०ख

གནས་གྱུར་ཀྱང་ (१) अपि स्थिता बो.प.६.५६ग

(२) वसताम् का.प.१०७प.

གནས་གྱུར་ཅིག་ (१) तिष्ठतु बो.प.१०.५७घ

(२) སོ་སོར་ ~ प्रतिष्ठन्ताम् बो.प.२.२०घ

(३) ཉེ་བར་ ~ उपतिष्ठेयम् बो.प.३.१०घ

གནས་གྱུར་ཅིང་ संस्थित सु.प्र.३१.१०प.

གནས་གྱུར་ཏེ་ तस्थौ उद्रा.१९.१प.

གནས་གྱུར་པ་ (१) अवतिष्ठते बो.प.५.३३ख

(२) अवस्थित क्ष.पं.१

(३) आश्रयपरावृत्त म.व्यु.२५७५

(४) आश्रयपरावृत्ति सं.लि.१०.२

(५) आसीन उद्रा.

ཤིང་ལྗོན་དྲུང་དུ་ ~ आसीनो वृक्षमूलेषु उद्रा. १९.३४

(६) स्थित बो.प.६.८४ख

(७) स्थिति बो.प.१०.५५ख

གནས་གྱུར་པ་ཡང་དག་པར་སྒྲུབ་པ་ आश्रयपरा-

वृत्तिसमुद्घातन सं.नि.१०.१

གནས་འགྱུར་ आसतो भवेत् बो.च.८.२५ग

གནས་འགྱུར་ན་ आस्पदे बो.च.४.२१ख

གནས་འགྱུར་(ཞེ. སྒྱུར་)མོད་ वर्तते बो.च.६.८०ग

གནས་བརྒྱད་ཆེན་པོའི་རྟ་བ་ [अष्टमहास्थानचैत्यस्तोत्र] कं.सं.४३५०

གནས་ངན་ལེན་ (१) दुष्ठुल म.व्यु.८४२४, ८४७३
(२) दौष्ठुल्य म.व्यु.२१०२, लं.सू.६८क, श.वा., सं.नि.८.३६.३, ८.३७.४, ५, ६.१०

~ཀྱི་འཆིང་བ་ दौष्ठुल्यबन्धन सं.नि.३.३, ७, ८.३२, ८ ३७.३

~ཀྱི་གནས་ཐམས་ཅད་འཇིག་པར་བྱེད་པ་ सर्व-दौष्ठुल्याश्रयविगमन सं.नि.८ १५.१

~ཀྱི་རྣམ་པར་གཡེང་བ་ दौष्ठुल्यविक्षेप सं.नि.८.३४

~ཀྱི་ལུས་ दौष्ठुल्यकाय सं.नि.१०.८

~འཆབ་པ་ दुष्ठुलप्रतिच्छादन म.व्यु.८४७३

~བརྗོད་པ་ दुष्ठुलारोचन म.व्यु.८४२४

~སྙིང་པོ་ལ་ཡོད་པ་ལྟ་བུ་སྤྲངས་པ་ सारगत-दौष्ठुल्यप्रहाण स.नि ६.२१

~ཕྲབས་པོ་ཆེན་པོ་ दौष्ठुल्यमहागताहन सं.नि. ६.५.११

~པ་ (१) दौष्ठुल्य म.सू.१४.२०प.
(२) सं. दौष्ठुल्यमय लं.सू.१८४क

~ལྤགས་ཤུན་ལ་ཡོད་པ་ལྟ་བུ་སྤྲངས་པ་ त्वग्गतदौष्ठुल्यप्रहाण सं.नि.६.२१

~སྤྲངས་པ་ दौष्ठुल्यप्रहाण सं.नि.६.२१

~མི་མཐུན་པའི་ཕྱོགས་ दौष्ठुल्यविपक्ष सं.नि. ६.५

~ལ་མངོན་པར་ཞེན་པའི་ཚིག་ दौष्ठुल्य-विपर्यासाभिनिवेशवाक् लं.सू.६८क

གནས་ལྔ་ལ་སྐྱུར་བར་སྐྱུར་རོ་ पञ्चसु स्थानेषु देवताः संयुताः म.व्यु.४११६

གནས་ཅིང་སྤྲོབ་པར་བྱ་བ་ आवासक द.भू.१आक

གནས་གཅིག་ན་གཅིག་ན་གནས་པ་ एकावसथावास म.व्यु.८४५४

གནས་གཅིག་གནས་པ་ एकावसथावास म.व्यु.८४५४

གནས་གཅིག་པ་ एकार्थता व.भू.६ए

གནས་བཅད་པ་ आवासजीव म.व्यु.६१६५, श.वा.

གནས་བཅས་ (१) आवासजीव म.व्यु.६१६५
(२) सालोक शी.पु.१.२१, म.व्यु.४१३३, श.वा., श.पं.११५

གནས་བཅས་ཏེ་ स्थित्वा बो.च.८.२६ख

གནས་བཅས་པ་ आश्रित, संश्रित सु.प्र.

གནས་བརྟམས་བསྐོར་བ་

ཐུབ་པ་~ अभ्यावकाशस्थविरपरिवार मुनि चि.पं. स१क-ग

གནས་ཆེན་གྱི་རིམ་པའི་ལྷ་མོ་སྒྲོལ་མའི་བསྟོད་པ་
पीठक्रमतारादेवीस्तोत्र कं.तं.१७१६

གནས་ཆེན་པོ་བརྒྱད་ཀྱི་མཆོད་རྟེན་ལ་བསྟོད་པ་
अष्टमहास्थानचैत्यस्तोत्र कं.तं.११३३, ११३४

གནས་ཆེན་པོ་བརྒྱད་ཀྱི་མཆོད་རྟེན་ལ་ཕྱག་འཚལ་བའི་བསྟོད་པ་ अष्टमहास्थानचैत्यवन्दनास्तव कं.तं.११६८

གནས་ཆེན་པོ་ལ་གནས་ཤིང་ཡང་དག་པར་ཞུགས་པ་ महाविहारेण स्थितसंप्रस्थित सं.नि.०.४

གནས་འཆའ་བ་ वासं कल्पयति म.व्यु.६८७३

གནས་ཇི་ལྟ་བ་བཞིན་དུ་ यथास्थाने उदा.४५.२४

གནས་འཇུག་ वसिष्ठ नी.पु.<राज-नाम> १.१३, १६

གནས་འཇོག་དང་རིགས་མཐུན་པའི་བྲམ་ཟེ་མོ་
वासिष्ठी ब्राह्मणी श.पं.१२८

གནས་འཇོག་པའི་མདོ་ कं.त.३३३

གནས་ཉིད་ཡིན་པའི་ཕྱིར་ आश्रयत्वात् सं.नि. ९.४.३

གནས་དེ་ (१) अवतिष्ठते द.भू ६ओ

(२) तिष्ठन्ति सु प्र.२१.१३

(३) དགེར་~ कुशले प्रतिष्ठाः का.प.४१प.

(४) °संस्थ का.प.

འཁོར་བར་~ संसारसंस्थ का.प.८३प.

(५) स्थित अ.अ.२.१३, १६, ३.१, ४.३६, ३९, ८.८ (°དེ་, °པ་), सु.प्र.

ཕྱོགས་~ पक्षस्थित सु.प्र.११०.१७प.

རབ་~ संस्थित सु.प्र.११०.१३प.

(६) स्थिरता न्या.बि.१२८.१४

(७) सं. ००

ལུས་འདི་གཅིག་པུ་དབེན་~ एक एव शारीरकः बो.प.८.३५क

གནས་བརྟན་ (१) सं. वशजीस्थ श.दा.

(२) स्थविर नी.पु.१.८३, २७८ <कल्याण-मित्र-नाम> म.व्यु.८७३३, ९०९५, श.दा.

གནས་བརྟན་ཆེན་པོ་ महास्थविर नी.पु.१.८४४

གནས་བརྟན་ཆེན་པོ་ལམ་བསྟན་མཆོག་ मह. ००
(११०४)



གནས་བརྟན་རྡོ་རྗེ་མོ་ཧི་ཕྲུའི་མཚན་ मग्र. ००
(११०३)



གནས་བརྟན་པ་ (१) स्थविर श.दा.
(२) स्थविराः <संप्रदाय-विशेषः> नी.पु. १.२७
གནས་བརྟན་སྤྱན་དྲང་བ་ स्थविरोपनिमन्त्रण कं.तं. ४१९९
གནས་ཐོབ་ स्थानप्राप्ति ना.आ.१२
གནས་དང་རྟེན་པ་ पदस्थान द.भू.३क
གནས་དང་གནས་པར་འབྲེལ་བའི་མཚན་ཉིད་ आश्रयाश्रितप्रबन्धलक्षण सं.नि.८.२३
གནས་དང་གནས་མ་ཡིན་པ་མཁྱེན་པའི་སྟོབས་ स्थानास्थानज्ञानबल म.व्यु.१२०, श.दा. ५५६ख
གནས་དྲུག་ལ་མཁས་པ་ स्थानषट्ककुशल सं.नि. ८.३७
གནས་ནས་ (१) ཀུན་ཏུ་~ समाश्रित सु.प्र.४४.४
(२) विहृत्वा म.व.४६ग
(३) प्रतिष्ठाय का प.१३७प.
(४) स्थित्वा अ.अ.७.४, बो.च.४.४६ग
(५) स्थिहित्वा सु.प्र.२४.२९
གནས་ནས་དབྱུང་བ་ उत्क्षेपणीय म.व्यु.८६४६
གནས་པ་ (१) =བསྟེན་པ་ अध्यापित श.दा.
(२) अध्यावसति म.व्यु.३६३६
(३) अध्यासित म.व्यु ७५१२
(४) अनुप्राप्त द.भू.९य
(५) °अवसायित्व म.व्यु.४५६४
(६) अवस्थान न्या.बि.३०.५, ६, ५५.१७, ७५.१७ ..
(७) अवस्थित अ.अ.४.४५, न्या.बि.३०.१०, १६२.२, १८६.१८..., म.व्यु.१०९५, लं.सू. १५५ख
མི་~ अनवस्थित का.प.९८, ९९
(८) अवस्थिति न्या.बि.१६२.९
(९) अस्थाम् म.व्यु.७२५४
(१०) आक्रमण द.भू.१व्व
(११) सं. आत्मस्थिति न्या.बि.५६.२
(१२) आरूढ न्या.बि.६०.१, १०८.४, ५, १२
(१३) आवास म व्यु.८४५४, ८४६९
(१४) आश्रम म.व्यु.२९९७

(१५) आश्रय बो.क.११. लं.सू.७६क

(१६) आश्रित का.प.६४, ६५, लं.सू.१५६क, १७४क, सु.प्र.१०७.१६

(१७) आश्रीयते न्या.बि.१४५.१६

(१८) उपस्थित म.व्यु.१८२

ཉེར་~ प्रत्युपस्थित बो.प.६.६६ख

འོང་བ་བཞིན་དུ་ཉེ་བར་~ ओजवत् प्रत्युपस्थितानि उद्रा.४४.३३, ४७.२०

རབ་ཏུ་~ प्रत्युपस्थित का.प.११

(१९) उषित उद्रा।

དབྱར་~ वर्षोषित उद्रा.४२.१

(२०) ཡོངས་སུ་~བསྐྱེད་པ་ पर्युषितपरिवास उद्रा.१४.१०, १२

(२१) गत न्या.बि.१४७.१४, १७, १४८.९, १८८.१, बो.प.२.५५ख, सु.प्र.५०.१७, २४, ५५.१७...

དགོན་པ་ན་~ अरण्यगत का.प.१०६

(२२) तिष्ठति का.प.४

(२३) सं. वृत्त न्या.बि.१५८.६

(२४) निवास म.व्यु.४१३८

མཚན་མོ་~ར་ཁས་བླངས་ནས་ रात्रिनिवासमुपगतः उद्रा.२८.२, ४५.१६

(२५) निवासिन् उद्रा.९.२१, २५, १२.१८..., सु.प्र.५७.१८

(२६) निविष्ट श.पं.५६

(२७) निवेशन न्या.बि.१६०.७

(२८) निश्रय म.व्यु.८२०

(२९) निश्रित का.प.१३६प., द.भू.२ग, ३घ, म.व्यु.९७२-७४, लं.सू.१२४क

(३०) निषण्ण ना.आ.९.९

(३१) निषद्या म.व्यु.८४६५

(३२) निषद्य न्या.बि.१५८.१

(३३) ཉེར་~མེད་པ་ असंनिहित बो.प.९.६१गघ

(३४)=གཞོལ་བ་ परायण ध.धा.

(३५) सं. परिक्षिप्त न्या.बि.७१.६

(३६) प्रतिवस(?)ति सु.प्र.८.५, ८९.१, १४४.१२...

(३७) प्रतिष्ठते अ.अ.१.७०

(३८) प्रतिष्ठित का.प.३६, ९६, म.व्यु.४०५-६, १७२८, सु.प्र.१०३.१७

(३९) प्रस्थ म.व्यु.२९९८

(४०) प्रादुर्भूत सु.प्र.९५-२५

(४१) वर्तते च.श.२०, न्या.बि.१७६.४, म.व्यु १६३३

(४२) वर्तिन् न्या.बि.१५७.१६

(४३) वास उद्रा., का.प.१७, म.व्यु.१६०४

དགོན་པ་ན་~ अरण्यवास का.प.१९

དགོན་པ་ལ་~ अरण्यवास का.प.२५, १५५

(४४) वासिन् म.व्यु.३०७७, ९०९६, सु.प्र.५.१८, ७०.७, ७१.१, १३७.१५

གཙུག་ཕུད་~ *निवासिन् उद्रा.४०.५, ११

(४५) *निवारिन् उद्रा.११.१

(४६) विहरतु का.प.३०, बो.प.५.१००ग, र्श.नि.०.२

(४७) विहरति का.प.१३४, म.व्यु.१५१३, १५१८, १५२६-२७, २४७४

(४८) विहराम: उ.प.२३

(४९) विहार अ.अ.४.२०, ५०, व.सू.६ओ, ७क, म.व्यु.३५४, ११११, १३६९, १४९८, १६४३, ६३६६, म.सू., सु.प्र.१७९.२१

ཚངས་པའི་~བཞི་ चतुर्ब्रह्मविहार का.प.१५३

ཚངས་པའི་~བཞི་ चत्वार ब्रह्मणा विहार का.प.२७प.

(५०) विहारिन् व.सू.१अ, म.व्यु.८१९, ८७९

ཁྲིམས་བ་ལ་~ཡོད་ मैत्राविहारि भवति का.प.१३४

(५१) वृत्ति न्या.वि. (°प°) १७५.८, १०, १७, १७६.३

(५२) व्यवस्थित न्या.वि.१८०.६, ८

སྐད་ཅིག་ཏུ་འཇིག་ཅིང་མི་~པོ་ क्षणभंगा-व्यवस्थितम् का.प.९९

(५३) མི་~ निःस्थित का.प.२४

(५४) संवासिक म.व्यु.८७५६-५८

(५५) संस्थास्यन्ति सु.प्र.६४.१२, ६५.१०

(५६) संस्थित सु.प्र.१०१.१३

(५७) संस्थिति (=अवस्थान हृ.भ.) अ.अ. ४.५०

(५८) संतिष्ठते बो.प.९.३४ख

(५९) संनिवेश म.व्यु.१७८-८०, लं.सू.२०२क

(६०) संनिश्रित का.प.९५, म.व्यु.७२९६

(६१) संनिहित न्या.वि.१९०.१०

(६२) समवस्थित भ.गी.५

(६३) समावस्थ व भू.८क

(६४) समाश्रित सु.प्र.४३.४

སེམས་ཅན་ལ་~དག་གོ་ चित्तसमाश्रित द.भू.९क

(६५) सुस्थित का.प.३६प.

(६६) °स्थ अ.अ.४ ५१, न्या.वि. (°प°) ८ १०, ११, १२, १३, २२.९, १०, १२, १३, ३२.११ , बु.च.५६, बो.प.८.१४६क, म.व्यु.२३५५, श.पं., सु.प्र.१२१.७

སྐྱེ་བོ་ངན་གྲོང་~ दुर्जनमध्यस्थ बो.प.५.१९

ངན་འགྲོ་གདུག་པའི་ཁར་~ दुर्गतिव्याड-वक्त्रस्थ बो.प.८.१४६क

(६७) स्थातुम् श.पं.२

(६८) स्थान न्या.वि. (°प°) २२०.१३, १४, म.व्यु.११६९, ८४६६, लं.सू.७०ख, सं.नि. १०.७.४

(६९) °स्थायिन् म.व्यु.१७९, लं.सू.७१ख

(७०) स्थावर म.व्यु.७१११

(७१) स्थित का.प.२५, १३४, गा.आ.७, १२, न्या.वि. (°प°)५.१७, २१.१८, ५७.१९..., बु.च., बो.प.३.२३ग, ५.३९घ, ७.८ख, म.व्यु. ४०७, ५६१, ५८३, २३३१, क.वि., सु.प्र. ४५.२, १०३.२३, १०६.९...

ཉེར་~ उपस्थित बो.भ.६.१०३ग, श.पं.८०

བདེར་~ सुस्थित बो.भ.६.५ग

བརྩོན་པར་~ उस्थित बो.भ.५.८४ख

རབ་ཏུ་~ प्रतिष्ठित का.प.४, ६प.

རབ་~ प्रतिष्ठित का.प.१३६प.

(७२) ནམ་མཁའི་མཐར་ཐུག་པར་~ आकाश-धातुस्थितक द.भू.१त

(७३) स्थिति द.भू.४थ, १०फ, न्या.बि.(°པ་) १८७.५, २०५.१७, बो.भ.१.५२ग, १०.५५क, म.व्यु.१११४, २५८७. लं.सू.६३ख, ल.वि., श.पं.१४७, सं.नि.८.२१.२, ८.२१.२

(७४) རིང་དུ་མི་~ अचिरस्थितिकता द.भू.३ब

(७५) °स्थ्य म.व्यु.

ཁྱིམ་ན་~ गार्हस्थ्य म.व्यु.२११६

གནས་པ་གྲོན་ཡིན་པ་ स्थितैव स.नि ४.१०

གནས་པ་ཉིད་ स्थितिता म.व्यु.१७१९-२०, लं.सू.१२४क

གནས་པ་བསྡུས་པ་ स्थितिसमुच्चय क.तं.२२२७, नी.पु.२ ८५७

གནས་པ་ན་ वर्तमान न्या.बि.१४५.१५

གནས་པ་མ་ཡིན་ न तिष्ठति बो.भ.१.१४२ख

གནས་པ་མི་མངའ་བ་ अप्रतिष्ठा म.व्यु.४३७

གནས་པ་མེད་ (१) अनिकेत द.भू.६ब.

(२) स्थितिर्नास्ति का.प.१७(°དོ་)

གནས་པ་མེད་པ་ अनिकेत का.प.५६, ५७, १८, म.व्यु.५७७

གནས་པ་མེད་པར་སྤྱོད་པ་ཞེས་བྱ་བའི་ཏིང་ངེ་འཛིན་ अनिकेतचारी नाम समाधिः म.व्यु.५७७

གནས་པ་ཟླག་ཅིང་ अवसरत् ना.आ.११.४

གནས་པ་ཡིན་ (१) प्रतिष्ठित का.प.१३४

(२) संस्थिहते का.प.

མཚུངས་པར་~ समा .संस्थिहते का.प.४७प.

གནས་པ་ལ་མཁས་པ་ स्थानकुशल स.नि.८.३७ [चित्त°], ८.३७.२

གནས་པ་ལས་གཞན་དུ་གྱུར་པ་ स्थितेरन्यथात्वम् म व्यु २५८७

གནས་པའི་དངོས་པོ་ स्थितिवस्तु सं.नि.१०.५.२

གནས་པའི་དེ་བཞིན་ཉིད་ संनिवेशतथता सं.नि.८.२०.२

གནས་པའི་དེ་བཞིན་ཉིད་ཀྱིས་དོན་སོ་སོ་ཡང་དག་པར་རིག་པར་བྱེད་པ་ संनिवेशतथतार्थ-प्रतिसंवेविन् स.नि.८.२१.२

གནས་པའི་ཚེ་ वर्तमान द.भू.१तत

གནས་པར་གྱུར་ (१) तिष्ठतु बो.भ.१०.३५घ

(२) संस्थित सु.प्र.१६६.२०प.

གནས་པར་གྱུར་ཏོ་ अवस्थित उद्रा.१८.३७

རྣམ་པར་~ व्यवस्थित उद्रा.३७.७

གནས་པར་གྱུར་པ་ °गत सु.प्र.७७.२७

གནས་པར་བགྱི་ (१) आवसिष्यामि सु.प्र.९८.१६

(२) तिष्ठेय सु.प्र.३०.७

(३) स्थापेय (?) सु.प्र.२५.१८

(४) स्थास्यामि सु.प्र.२५.१८, २७.९

གནས་པར་བགྱི་བ་ལ་གྲུབ་ན་ स्थेयं भवेत् ग.पं.८४

གནས་པར་བགྱི་འཚལ་ན་ वस्तव्य उद्र.३४ २०

གནས་པར་འགྱུར་ (१) अध्यावसिष्यति उद्रा.७.३०

(२) आवसति बो.भ.१.३४ख

(३) उपस्थास्यति सु.प्र.९१.२

(४) प्रचरेत् सु.प्र.७६.१०, ८७.१३

(५) विहरिष्यामि बो.भ.८.२७ख, २८ख

(६) संस्थास्यन्ति सु.प्र.६३.१९, ६४.४, ६५.४, ९८.५

(७) स्थातव्य बो.भ.९ ५७ख

(८) स्थास्यति सु.प्र.९०.१७

གནས་པར་འགྱུར་བ་ (१) प्रचरिष्यति सु.प्र.९३.१०

(२) वर्तते न्या.बि.१७४.१८

(३) वर्तेत न्या.बि.१७५.५

(४) स्थित न्या.बि.१२८.१६

(५) ... དང་ལྡན་ཅིག་~ सार्धं समवधान-गतानि भविष्यन्ति सु.प्र.७३.८

གནས་པར་དམ་བཅའ་བ་(पे. ना. °བཅས་པ་) उप-गति म.व्यु.८६८०

གནས་པར་འདོད་པ་ जुषितुकाम म.व्यु.६३४५

གནས་པར་བྱ་ (१) अनुतिष्ठामि ना.आ.३.१

(२) तिष्ठामि बो.भ.५.५१ख, ५२ख, ५३ख

(३) प्रतिष्ठापयितव्य लं.सू.८५क

(४) विहरिष्यामः का.प.१४१, १४२

(५) विहरिष्यामि बो.भ.८.१६ख

(६) स्थातव्य बो.भ.५.३४ख, ४८ख, ५०ख

གནས་པར་བྱ་དགོས་ (१) तिष्ठामि बो.भ.२.५७क

(२) वस्तव्य उद्रा.३०.४(°དགོས་ཀྱི་)

གནས་པར་བྱ་སྟེ་ तिष्ठामि उद्रा.४१.११

གནས་པར་བྱ་བ་འདོང་ विहरिष्यामः का.प.१४१

གནས་པར་བྱ་བར་ अवस्थातुम् म.गी.४

གནས་པར་བྱེད་ (१) कामति द.भू ३म

(२) निवेशयति न्या.बि.१९०.६

(३) सेवितव्य बो.भ.८.३७ख(दे. °བྱ་)

གནས་པར་བྱེད་འགྱུར་བ་ वासं कल्पेयुः सु.प्र.१५.७प.

གནས་པར་བྱེད་པ་ विहारिन् का.प.९प.

གནས་པར་མི་བྱ་བ་ असंवासिक म.व्यु.८७५८

གནས་པར་མཛོད་ रमताम् का.आ १.१

གནས་བྱ་ (१) अवस्थेय बो.भ.५.३९क

(२) तिष्ठ बो.भ.८.१९७क

གནས་བྲིན་པ་ निश्रयदायक म.व्यु.८७३१

གནས་བྲེད་ स्थविर वा.दा.

གནས་བྲེད་ན་ विहरन् बो.च.५.२१क

གནས་བྲེད་མ་ श्रावस्ती म दा.

གནས་བྲལ་ विष्ठा (वि + स्था) अ.अ.१.२८

གནས་མ་ वसति वा.दा.

གནས་མ་བུའི་སྐྱེ་ वात्सीपुत्रीया: म.व्यु.९०८८

གནས་མ་ཡིན་ (१) अस्थान म.व्यु.६४३१

(२) न .व्यवस्थितम् बो.च.९.१४१च

གནས་མ་ཡིན་པ་ अस्थान च.श.८, म.व्यु.१२०

གནས་མའི་བུ་པ་ वात्सीपुत्रीया: <संप्रदाय-

विशेष.> नी पु.१.२७

གནས་མའི་བུའི་སྡེ་ वात्सीपुत्रीया: वा.दा.७१७ख

གནས་མའི་བུས་བདག་བརྟག་པ་ वात्सीपुत्रकल्पित-

आत्मपरीक्षा न्या.द.३२६

གནས་མལ་ (१) शयनासन उद्रा.९.३३, १२.२९,

२७.२७

བསམ་མཐའི་~ལ་དགའ་བ་ प्रान्तशयनासन-

भक्त उद्रा.४५.७ ४७.३९

(२) शय्या बो.च.३.११ख

(३) शय्यासन म.व्यु.२९८८

གནས་མིན་ अस्थानु (=अस्थान)ल.वि.१५.१६.८

གནས་མིན་བརྗོད་པ་ अस्थानसहिष्णुता बो.च.४.

२१च

གནས་མེད་ (१) अनालय लं.सू.१८०ख

(२) अप्रतिष्ठ लं.सू.११वख

(३) अकेन (=अकयन) सु.प्र.३९.१५

གནས་མེད་པ་ (१) अनालय लं.सू.२००ख

(२) अनिकेत द.भू.१वव, म.व्यु.११०, ७२१४,

स.रा.२२.१०, १२

(३) अप्रतिष्ठ का.प.

(४) अलय द.भू.५ग

གནས་གཙང་མའི་རིགས་ शुद्धावासकायिक वा दा.

གནས་ཚུལ་=གོ་རིམ་ वृत्तान्त वा.दा.

གནས་ཚེ་དྲུ་ तडाग वा.दा.

གནས་གཞན་དུ་འགྱུར་བ་མ་ཡིན་པའི་ཚིག

अस्थित्यन्यथात्वपद लं.सू ७३ख

གནས་གཞན་དུ་འགྱུར་བའི་ཚིག་ स्थित्यन्यथात्व-

पद लं सू ७३ख

གནས་གཞི་ स्थण्डिल उद्रा.४१.११, १२, ४४,

१०

གནས་བཞི་ चत्वारो निश्रया: म.व्यु.८६६९

གནས་བཞིའི་མིང་ལ་ स्थाननामानि म.व्यु.२९९५

གནས་བཟང་ सुभुवन वा.दा.

གནས་ཡོངས་སུ་གྱུར་པ་ आश्रयपरावृत्त म.व्यु.

२५७५

གནས་རབས་ पुराण म.व्यु.७१२९

གནས་རིག་པ་ आचारवेदित सं.नि.८.३८

གནས་ལ་ तिष्ठेत् वा.पं.८९

གནས་ལ་རྟེན་པ་(ཝེ.ཤ. བརྟེན་པ་)མེད་པ་ཞེས་
བྱ་བའི་ཏིང་ངེ་འཛིན་ अनिकेतस्थितो नाम
समाधिः म.व्यु.५३८

གནས་ལ་བརྟེན་ पात्रस्थ वा.पं.४३

གནས་ལ་བརྟེན་པ་མེད་པ་ལ་བརྟེན་པ་ཞེས་བྱ་བའི་
ཏིང་ངེ་འཛིན་ अनिलम्भनिकेतनिरती नाम
समाधिः म.व्यु.६१९

གནས་ལ་སོགས་པ་གཏན་ལ་དབབ་པ་ (१) पीठा-
दिनिर्णय कं.तं.१६०६
(२) प्रतिष्ठानिर्णय कं.नं.१२१५

གནས་བྱེད་ (१) अध्यावसेयम् उग्रा.
བདག་ཁྱིམ་པ་ཁྱིམ་གྱི་ནང་ན་~ अहं गृही
अगारमध्यावसेयम् उग्रा.१६ ६
(२) अधिवस्त द भू ७क
(३) आवास म.व्यु.६६८२
(४) प्रवरेत् सु.प्र.७९.१६ ९८.१९, १०२.
४
(५) प्रतिवसति का.प.१२४
(६) प्रतिष्ठित का.प.१०प.
(७) वास का.प.
དགོན་པར་~ अरण्यवास का.प.१९प.
(८) विध्मास्त अ.स्तो.९९
(९) विहरति म.व्यु.१४८०
(१०) विहरन्ति का.प.१०५
(११) विहृत्य बो.प.८.८७ख
(१२) संवासिन् द.भू.१ख
(१३) °स्थ अ.अ.४.४०
(१४) स्थित का.प.११प., म.व्यु.६२०
དད་ལ་~ श्रद्धास्थित का.प.८प.

གནས་བྱེད་ཡོངས་བཟུང་ स्थानपरिग्रह बो.प.४.
४५ख

གནས་སུ་འགྱུར་ནོ་ प्रतिवसत्यविपुल द.भू.१ख

གནས་སུ་ཕྱིན་པར་བྱ་བ་ संतोषयितव्य द.भू.१क

གནས་སུ་བྱ་བ་མེད་པ་ཞེས་བྱ་བའི་ཏིང་ངེ་འཛིན་
निरधिष्ठानो नाम समाधिः म.व्यु.५११

གཞོང་ (१) གཞོང་པ་ हस्तस्य कोद्
(२) कंकु उग्रा.
གང་དག་དད་པ་དེ་དག་ནི། གཞོང་ཞིང་མི་
དགའ་བ་དང་། མི་འཁྲུགས་པ་མེད་པར་འགྱུར་
རོ་ ये आश्राद्धास्ते अंकचः संवृताः । अनुत्तमा
अविसारवतोः उग्रा.३६.८
(३) स्थविक (?) म.व्यु.९००४

གཞོང་མི་བཀུར་བ་ अनभ्युन्नत वा.टी.

གཞོང་མི་བཀུར་བའི་གང་ཟག་རྣམས་ཚར་གཅད་
པའི་ཕྱིར་ दुर्मङ्कूनां पुद्गलानां निग्रहाय
म.व्यु.८३५०

གཞོང་མི་བསྐུར་བ་ दुर्मङ्कु म.व्यु.२५०३

གནོད་ (१) अपकार बो.प.२.३०ख
(२) दुःख बो.प.६.७५क
བདག་གནོད་ स्वदुःख बो.प.८.११६क(वे.)

(३) क्षुब्ध लं.सू.१२१ख

(४) बाधते बो.च.६.८८ख

(५) बाधा बो.च.८.९७ख, ६.८घ

(६) बाध्यते बो.च.६.५२घ

(७) बाध्यन्ते बो.च.६.४ख

(८) व्यथा बो.च.५.२घ, ६.६६ख, ७.१३ख

(९) व्यसन बो.च.४.४०ग, ८.१६५ग

(१०) व्यापन्न द.भू.२ज

(११) व्यापाद द.भू २कु, अझ

གནོད་གྱུར་པ་ क्षुःख बो च.६ ४५ग

གནོད་བཀྱིད་ (१) अपकारपर श.पं.११९

(२) अहिताबहित श.पं.१२०

གནོད་ .འགྱུར་ उपहन्यते सु.प्र.१३९.१२प.

གནོད་འགྱུར་བ་ पीड्यन्ते सु.प्र.१३९.१७प.

གནོད་འགྲིབ་ क्षुब्ध्याय म.व्यु.४३८४

གནོད་ཅིང་ (१) निगृह्यते का.प.१०९प.

(२) बाध्यते बो.च.९.३घ

གནོད་ཆེན་བྱེད་ महापकारिन् बो.च.६.१२०ग

གནོད་(བ)ལྟས་ क्षुःप्रेक्षित म.व्यु.४३८३

གནོད་གནས་ཀྱི་སྒྲུབ་པའི་ཐབས་ जम्भलसाधन

कं.तं ३३७२ (श्री~), ३६५८

གནོད་གནས་ཀྱི་མདོར་བསྡུས་པའི་སྒྲུབ་པའི་

ཐབས་ (श्री)जम्भलसंक्षिप्तसाधन कं.तं.

३३४७

གནོད་གནས་དབང་པོ་ཅི་ལྟར་འབྱུང་བའི་རྟོག་པ་

(आर्य)जम्भलजलेन्द्रयथालब्धकल्प कं.तं.७७०

གནོད་པ་ (१) अनर्थ उद्रा.२५.२१, २६.३०

(२) अपकार उद्रा.४६.३०, श.दा.

(३) अपराध (°द्ध) उद्रा.१६.२६

(४) अशिव श.दा.

(५) अहित उद्रा.१६.१३, बो.च.७.१९ख

~ལས་ཟློག་པར་བྱ་ཞིང་ अहितान् निवार-

यिष्यामि उद्रा.२५.८, १५

(६) आपद् बो.च.८.१०६ख

(७) आयास बो.च.१०.४४ख (दे.)

(८) उपक्रम अ.अ.२.१७, म.व्यु.७१७१

(९) उपघात द.भू.१व्यञ्ज

(१०) उपद्रव सं.नि ९ १८.२.३, सु.प्र.४४.२६,

४८.२३, २४

(११) उपद्रुत सु.प्र.४.२४

(१२) उपसर्ग सु.प्र.५.१०. ७०.१८

(१३) कान्तार सु प्र.४९.२३, २४

(१४) कारणा उद्रा.३०.२७, ३३

(१५) घात बो.च.

རང་ལ་~ आत्मघात बो.च.८.६९क

(१६) जम्भ श.दा.

(१७) पीडयति म.व्यु.५३५४, श.पं.२३

(१८) पीडा बो.च.८.१४४ग, सु.प्र.८०.६, ८,

८२.८, ८३.१४ ..

ལུས་ཀྱི་~ कायिकी पीडा द.भू.३ज

(१९) प्रपीडन द भू.५च

(२०) प्रबाधते बो.च.८.९२ख

(२१) बाध प्रस.३५९.६

(२२) बाधन सं.लि.९.१८.२.३

(२३) बाधा बो.च.९.९७घ

(२४) बाधित न्या.बि.१३६.१८

(२५) मर्दित म.व्यु.३६११

(२६) वध बो.च.६.८ग

(२७) विघात न्या.बि.१६७.४, ६, ८, १६८.९, १७०.४

(२८) विप्लव न्या.बि.२१.२१

(२९) व्यथा बो.च.३.९ख(ना.), ५.२९ग, ६.१४ग...

(३०) व्यसन बो.च.४.३४ख, सु.प्र.४.२५

(३१) संताप प्र.द.४

(३२) हृत का.प.

མིང་གིས་གནོད་པར་ནི་མི་བྱ་སྟེ་ न नाम-हृतेन(?)भवितव्यो का.प.१२५

द्र. ནོན་པ་

གནོད་པ་འགྱུར་བ་ उपोद (sic) स.रा.१९.१७. १८

གནོད་པ་ཅན་ अनर्थोपसंहित म.व्यु.२९६०

གནོད་པ་ཆུང་ (१) अल्पाबाधता म.व्यु.६२८४

(२) मृदुव्यथा बो.च.६.१४ग

གནོད་པ་ཆེན་པོ་ महाव्यथा बो.च.६.१४घ

གནོད་པ་ཚོམས་པ་ मर्दितकण्टक म.व्यु.३६११

གནོད་པ་ཉུང་ अल्पाबाधता म.व्यु.६२८४

གནོད་(वे. སྨོད་)པ་དག་དུ་བྱ་ निन्द्यमान बो.च.८.१५०घ(ना.)

གནོད་པ་དང་བཅས་པ་ अनर्थोपसंहित म.व्यु.२९६०

གནོད་པ་དང་ལྡན་པ་ अनर्थोपसंहित ल.वि। १६.१.१८, २.१७

གནོད་པ་རྣམ་པ་མང་པོ་བྱེད་པ་ विविधकारणा-करणता का.प.१००

གནོད་པ་བྱས་ (१) अपकार बो.च.१.३६ग

(२) अपकृत बो च ६.१२२घ

(३) व्यथा बो.च.६.१२३ग

(४) व्यथित बो.च.८.१५४घ

གནོད་པ་བྲས་པ་ उपघात प्रस.३९२.११

གནོད་པ་བྱུང་བ་ आपद् म.व्यु.८६२९

གནོད་པ་བྱེད་ (१) अपकारिन् बो.च.६.६५ख

(२) आबाधते बो.च.४ ४७घ, ७.५२घ (दे॰ ॰པར་॰)

(३) बाधन्ते बो.च.६.३५ख

(४) ཉོན་མོངས་རྣམས་ནི་བསྟེན་བྱས་ན། ཕྱིར་ཞིང་སྡུག་བསྔལ་~ सेव्यमानास्त्वमी क्लेशाः सुतरां दुःखकारकाः बो.च.४.३३गघ

གནོད་པ་བྱེད་པ་ (१) अपकार म.व्यु.२१०७

(२) अपकारिन् बो.च.३.१७ख, ६.१०६ख

(३) पीडयति उद्रा.२४.२१, २५.१, ४, ७, १४

གནོད་པ་བྱེད་པ་ཡོད་ विद्यन्ति बो.च.६.३६ख

གནོད་པ་བྱེད་པ་ལ་མི་མཛེད་པའི་བཟོད་པ་ अप-कारमर्षणक्षान्ति (?) सं.नि.९.१२

གནོད་པ་མ་མཆིས་པ་ अनुत्पीडित सु.प्र.५८.१५,

७२.१३

གནོད་པ་མི་བྱེད་ म अपराध्यति बो.च.६ १०६ख

གནོད་པ་མི་བྱེད་པ་ अनपकारिन् वज्रा.३७ १५, ४४ २४

གནོད་པ་མེད་པ་ (१) अनुत्पीडित सु.प्र.५७ २३, ६२ ७, ७४ २२

(२) अनुपसर्ग सु.प्र.५७ २४

(३) अव्याबाध द.भू ३ल, म व्यु १५०८

(४) निरुपद्रव द भू ३द

གནོད་པ་མེད་པ་ཅན་ अविरुद्ध न्या.प्र ३

གནོད་པ་མཛད་མི་མངའ་ अप्रतिघातिन् श.पं.५२

གནོད་པ་ཡིན་ (१) प्रतिबध्नाति न्या बि.१३६.१७

(२) बाध्यते न्या बि.१३७.२

གནོད་པ་སེལ་བའི་བདུད་རྩི་ क त.२८६७

གནོད་པའི་ཚོགས་ व्यसनौघ बो च ४ ३४ख

གནོད་པའི་སེམས་ = གནོད་སེམས་

གནོད་པའི་སེམས་དང་ལྡན་པ་ रौद्रचित्त म व्यु. २१५२

གནོད་པར་གྱུར་པ་ उपघात प्रस.४११ ४

གནོད་པར་གླགས་ལྟ་བ་ अहितैषिता द.भू २क

གནོད་པར་འགྱུར་ (१) विहन्यमान का.प.१०७प.

(२) विहेठयति द भू १०ङ

(३) हन्यन्ते का.प १०६

གནོད་པ(ར་)སྐྱོ(བརྗོ་)བ་མེད་ཅིང་ अकचक म व्यु.३६३६

གནོད་པར་(པ)སྐྱོ་བ་མེད་ཅིང་ अकचक वज्रा.७.२८

གནོད་པར་བྱ་ बाध्यते बो.च.९ १०१ख

གནོད་པར་བྱ་བ་ (१) उपघात का.प.८

(२) घात्य म व्यु.४५८०

གནོད་པར་བྱ་བ་དང་གནོད་པར་བྱེད་པའི་འབྲེལ་བ་ घात्यघातकसंबन्ध म.व्यु ४५८०

གནོད་པར་བྱེད་ (१) भिनत्ति प्र.द २८

(२) विहेठयति द.भू.१०ङ

གནོད་པར་བྱེད་པ་ (१) उपहर्तृ म.व्यु.२९५९

(२) घातक म.व्यु ४५८०

(३) पीडयति म व्यु ५३५४

(४) बाधक न्या.बि १०६.२, १३४ १६, १३५ १, प्रस.३४४ ३, ४२३ १०, ४३६.२

གནོད་པར་མ་གྱུར་ཏོ་ नाबाधयति स्म म व्यु. ६५९८

གནོད་པར་མི་འགྱུར་ (१) न बाध्यते बो.च.६ ५३ग

(२) सुखावह बो.च ३ १५क

གནོད་པར་མེད་པར་འགྱུར་ अनुत्पीडितानि भविष्यन्ति सु प्र ५७.२३

གནོད་པར་སེམས་པ་ (१) विहेठनता का.प.११३

(२) व्यापाद का.प ७

གནོད་བྱ་ (१) अपकार बो च.६.११०क

(२) बाध्य म व्यु.४५८०

(३) वध बो.च.४.४६ग

གནོད་བྱ་གནོད་བྱེད་ཀྱི་འབྲེལ་བ་ बाध्यबाधक-संबन्ध म व्यु.४५८०

གནོད་བྱས་ (१) अपकार बो.च ६ १२२ग

(२) ལན་དུ་~ प्रत्यपकारिन् बो च ६ ५१क

(३) अपकृत बो.च.८.१६५ख

གནོད་བྱས་ན་ वीरविरवा बो.च ८ १२६क, ग

གནོད་བྱས་པ་ दुःखद बो.च ६ १२४क

གནོད་བྱེད་ (१) अपकार प्र.व ३

(२) अपकारिन् बो च ४.३६ग, ६.४७ख, ४९क

(३) अपराद्ध (पञ्जिका—कृतापराध) बो.च ६ १२९ग

(४) कारणाकारक म व्यु ३८३७

(५) घातक म व्यु.४५८०

(६) प्रमज्जाति बो च ६ १२८ख

(७) बाधक बो च ४ ३९घ

(८) मज्जन्ति बो च.४ ४७ख

གནོད་བྱེད་ཉེས་པ་གསུམ་ त्रिदोष

གནོད་བྱེད་ན་ (दे གནོད་བྱེད་པ་) घ्नन्ति बो च. ६ ३७ख

གནོད་བྱེད་པ་ (१) उपघातु म व्यु २९५९

(२) घ्नन्ति बो च.४ २९ख

(३) परिबाधेत सु प्र १५.३

(४) बाध्यते बो.च.६ ६८क

གནོད་སྦྱིན་ (१) गुह्यक सु.प्र.६.११, ६८.२२

(२) यक्ष का.प, द भू.७ग, १०ग, ११ख, म च ११क, म.व्यु ३२१८, ३३६६, ३३७७, ४३३८, ल सू ६२क, गा दा., सु प्र ५.१५, ११.४, ४९.११, ७५ १६

རྡོ་རྗེ་~ वज्रयक्ष त्रि च.१७९

གནོད་སྦྱིན་གང་བ་བཟང་པོ་ यक्ष पूर्णभद्र त्रि च. ३५४

གནོད་སྦྱིན་གར་མཁན་མཆོག་གི་རྒྱུད་ क.त.७६७

གནོད་སྦྱིན་གྱི་རྒྱལ་པོ་སྒྲུབ་པའི་ཐབས་ यक्षराज-साधन क त ३७३२

གནོད་སྦྱིན་གྱི་རྒྱལ་པོ་ཕུར་བུས་འདེབས་པའི་སྒྲུབ་ཐབས་ यक्षकीलिकीलराजसाधन क.त २०५६

གནོད་སྦྱིན་གྱི་གདོན་ यक्षग्रह य.दा ६६३क

གནོད་སྦྱིན་གྱི་གདོན་ལས་ཐར་བར་བྱེད་པའི་མན་ངག་ क त २९९२

གནོད་སྦྱིན་གྱི་བདག་པོ་ (१) यक्षाधिपति ल सू. ६१क

(२) राजसाधिपति ल.सू.६१क

གནོད་སྦྱིན་གྱི་སྡེ་དཔོན་ཆེན་པོ་ महायक्षसेनापति म व्यु.४३३८, सु प्र.६३.२९

~གར་མཁན་མཆོག་གི་བརྟག་པ་ महायक्ष-सेनापतिनर्तकपरकल्प क.त.७६६

~ལག་ན་རྡོ་རྗེ་གོས་སྔོན་པོ་ཅན་འཁོར་ལོ་ཆེན་པོའི་ལྷ་ཚོགས་ལ་བསྟོད་པ་ नीलाम्बरधरवज्रपाणिमहायक्षसेनापतिचक्रदेवगणमण्डलस्तोत्र कं.तं.२१६४

~ལག་ན་རྡོ་རྗེ་གོས་སྔོན་པོ་ཅན་གྱི་དཀྱིལ་འཁོར་གྱི་ཆོ་ག་ महायक्षसेनापतिनीलाम्बरधरवज्रपाणिमण्डलविधि क.तं.२१६२, २१७१

~ལག་ན་རྡོ་རྗེ་གོས་སྔོན་པོ་ཅན་གྱི་སྒྲུབ་ཐབས་ महायक्षसेनापतिनीलाम्बरधरवज्रपाणिसाधन क.तं.२१६८-७०

~ལག་ན་རྡོ་རྗེ་གོས་སྔོན་པོ་ཅན་གྱི་སྒྲུབ་པའི་ཐབས་འཁོར་ལོ་ཆེན་པོ་ नीलाम्बरधरवज्रपाणिमहायक्षकलापमहाचक्रसाधन (नाम) क.त.२१४८

~ལག་ན་རྡོ་རྗེ་གོས་སྔོན་པོ་ཅན་གྱི་སྟོར་ཀ་ཆེན་པོའི་ཆོ་ག་ महायक्षसेनापतिनीलाम्बरधरवज्रपाणिमहागणविधि कं.त.२१७४

~ལག་ན་རྡོ་རྗེ་གོས་སྔོན་པོ་ཅན་གྱི་གཟུངས་ཀྱི་སྒྲུབ་ཐབས་བདུད་རྩི་ཐིགས་པ་ नीलाम्बरधरवज्रपाणिमहायक्षकलापधारणीसाधन अमृतबिन्दु (नाम) क.तं २१४६

~ལག་ན་རྡོ་རྗེ་གོས་སྔོན་པོ་ཅན་དང་། བྱ་ཁྱུང་གི་སྒྲུབ་ཐབས་ महायक्षसेनापतिनीलाम्बरधरवज्रपाणिगरुडसाधन कं.तं.२१६२

~ལག་ན་རྡོ་རྗེ་ཞེས་བྱ་བའི་སྒྲུབ་པའི་ཐབས་ महायक्षसेनापतिवज्रपाणिसाधन कं.तं.२८७०

གནོད་སྦྱིན་གྱི་སྡེ་དཔོན་རྣམ་སྣང་ཞིང་སེལ་བ་ཞེས་བྱ་བའི་སྒྲུབ་ཐབས་ यक्षसेनापतिविज्ञोवनहरसाधन क.तं.२१५२

གནོད་སྦྱིན་གྱི་དབང་པོ་དེ་མིང་ལ་ सं. यक्षाः म.व्यु. ३३६६

གནོད་སྦྱིན་དགའ་བྱེད་ཀྱི་སྒྲུབ་ཐབས་ यक्षनन्दिकरसाधन कं.तं.२०५५

གནོད་སྦྱིན་བརྒྱད་

འཁོར་~ अनुचरा अष्टयक्षाः चि.पं.१०४क

གནོད་སྦྱིན་ཆེན་པོ་གཞན་གྱིས་མི་ཐུབ་པའི་སྒྲུབ་ཐབས་ཀྱི་རྒྱུད་ महायक्षापराजितसाधनतन्त्र कं.न.३७५४

གནོད་སྦྱིན་མདངས་འཕྲོག་པ་ ओजाहारयक्ष का.प.१००

གནོད་སྦྱིན་ན་ཌ་ཡ་མོའི་སྒྲུབ་ཐབས་ यक्षनडनाडीसाधन कं.तं.२०५३

གནོད་སྦྱིན་ནོར་བུ་བཟང་པོ་ यक्ष मणिभद्र चि.पं.११०क



གནོད་སྦྱིན་ནོར་བུ་བཟང་པོ



གནོད་སྦྱིན་མོ་འཕྲོག་མ

གནོད་སྦྱིན་ནོར་བུ་བཟང་པོའི་རྟོག་པ་ मणिभद्र-यक्षसेनकल्प कं.तं.७६५

གནོད་སྦྱིན་སྤུན་གཉིས་ཀྱི་སྒྲུབ་ཐབས་ (श्री) द्वयभ्रातृयक्षसाधन कं.तं.२१३२

གནོད་སྦྱིན་དབང་ यक्षेन्द्र सु.प्र.१२३.२३, १२५.२७

གནོད་སྦྱིན་འབྲོག་གནས་ आटवकयक्ष म.व्यु.३३७७

གནོད་སྦྱིན་མོ་བརྒྱད་

འཁོར་~ अनुचरा अष्टयक्षिण्यः वि.पं.१०४ग

གནོད་སྦྱིན་མོ་འཕྲོག་མ་ यक्षिणी हारीती वि.पं १२ग

གནོད་སྦྱིན་མོ་མའི་བདག་མོ་བཀྲ་ཤིས་མའི་སྒྲུབ་ཐབས་ यक्षिणीपार्थिवीलक्ष्मीसाधन कं.तं.२०५४

གནོད་སྦྱིན་རེ་མ་ཏི་ यक्ष रेमति वि.पं.१३६क



གནོད་སྦྱིན་རེ་མ་ཏི

གནོད་སྦྱིན་ལས་བྱེད་མ་

འཁོར་~ अनुचरा यक्षकर्मकारी चि.पं.६०क

གནོད་སྦྱིན་ཨ་པ་ར་ཛི་ཏ་ यक्ष अपराजित चि.पं. ११३ग

གནོད་སྦྱིན་ཨ་པ་ར་ཛི་ཏ

གནོད་མ་གྱུར་ मा बाधतु सु.प्र.३१ २५प.

གནོད་མ་བྱས་ अनपराध बो.प.६.१०६ग

གནོད་མང་ बहुव्यथ बो.प.७.१३ख

གནོད་མི་བྱ་ न पीडयेत् बो.प.५.८६ख

གནོད་མི་བྱེད་ विकर्तुं नेच्छ . बो.प.६.१२८घ

གནོད་མི་བྱེད་པ་ परिहार बो.प.६.३७घ

གནོད་མིག་ दुःप्रेक्षित म.व्यु.४३८३

གནོད་མེད་ निर्बाध बो.प.१०.१८घ

གནོད་མཛད་ बाधमान श.पं.६६

གནོད་མཛེས་ कुष्ठ म.व्यु.४३२८ (पा. कुष्ठ), श.दा.

གནོད་འཛིན་གྱི་མཚན་བརྒྱ་རྩ་བརྒྱད་པ་ (आर्य) जम्भलनामाष्टशतक कं.तं.७७१, ६७२

གནོད་འཛིན་ཆུ་དབང་སྙིང་རྗེ་ཅན་གྱི་གཟུངས་བདེ་བྱེད་ कारुणिकार्यजम्भलजलेन्द्रसुखंकर-नामधारणी कं.तं.७६६, ६७१ (पा. कारु-णिकस्य आर्यजम्भलजलेन्द्रस्य")

གནོད་འཛིན་དཔལ་ (आर्य)जम्भलश्री (नाम धारणी) कं.तं.७६८, ६७३

གནོད་སེམས་ (१) = གནོད་པའི་སེམས་ व्यापन्न श.दा.

(२) व्यापाद म.व्यु.१७८, १५६७, श.दा. (=གནོད་པའི་སེམས་), सं.नि.८.३३

གནོད་སེམས་ཀྱིས་ཁྲག་ཁྲུང་བ་ दुष्टचित्तरुधिरो-त्पादन लं.सू.१२१ख

གནོད་(སེམས་)དང་བྲལ་བ་ अव्यापन्न द.भू.२ख

གནོད་སེམས་སྤོང་བ་ व्यापादात् प्रतिविरतिः म.व्यु १६६७

གནོད་སེམས་ལས་འབྱིན་པ་ནི་གནོད་སེམས་མེད་པ་སྟེ་བྱམས་པ་ व्यापादस्याव्यापादो निः-सरणं मैत्री म.व्यु.१५६७

གནོད་སེལ་ बाधक <चक्रवर्ती राजा> गी.पु.१.

१३, १४, म.व्यु.३५७१

གནོན་པ་ मू. མནན་, གནན་, भवि. མནན་, कोट् ནོན་

(१) आक्रमण म.व्यु.१८७१, ६६१३

(२) पराक्रम म.व्यु.३३७४

ཕ་རོལ་~ पराक्रम सु.प्र.१५४.५, १५६.२२

(३) बाल म.व्यु ८४३७

(४) विक्रम सु.प्र.३७.२

(५) विक्रामिन् म.व्यु.७२३

द्र. ནོན་པ་, ཟིལ་གྱིས་~

གནོན་པ་ན་ आक्रमत् न्या.बि.१५६.११

གནོན་པར་བྱེད་པ་ (१) आक्रमति न्या.बि १५७.
१५

(२) आक्रामयति म.व्यु.६६१४

གནོན་པོ་ ओत्तारक लं.सू.१७३क

གནོན་མོ་ ओत्तारकी ल सू.१७३क

མནན་ ནོན་པ་ इत्यस्य मू.। གནོན་པ་ इत्यस्य
मू., भवि.

(१) आटोप(?) श.स्तो.५२

(२) क्रम श.स्तो.८०

(३) ཟིལ་མནན་ अभिभूतत्व बो.प.६.८१क

མནན་ཏེ་ आर्त द.भू.६फ

མནན་ནས་

ཟིལ་གྱིས་~ पराहत्य उग्र.११.६, २६.१०

མནན་པ་ (१) = གདུང་ अभिचार श.को.

(२) अवबद्ध उग्र.

མནམ་~ [illegible] उग्र.४४.२०

མནམ་པ་ आघ्राय श.को.

མནམ་པར་འགྱུར་ आघ्रास्यति सु.प्र.

ཀླུམ་སྣ་ཀྱི་ཚན་པོ་ཡང་~ उदारान्...गन्धान्
आघ्रास्यति सु.प्र.६३.१९, ६५.४

མནའ་ शिक्ष, शपथ, समय श.को.

མནའ་མ་ वधू म.व्यु.३९०४, श.को.

མནའ་མ་གསར་པ་ नववधू म.व्यु.३९११

མནའ་མར་བླང་བ་ = བག་མར་བླང་བ་ उद्वाह
श.को.

མནའ་ཡམ་ནས་པར་གྱལ་བའི་སྐབས་ཐབས་ कं.तं.
२१६५

མནར་བ་ (१) आर्त द.भू.५ग

(२) °हत बो.प.

ཡམས་ཀྱིས་~ ईतिहत बो.प.८.८१ख

(३) ཕ་རོལ་གྱིས་~ परोत्पीडनता द.भू.
२फ

མནར་མེད་ अवीचि बो.प.४.२१ख, ५.२ख, श.को.

མནར་མེད་པ་ (१) अवीचि उग्र.२९.१८,
३०.४..., द.भू.१०द, बो.प.८.१०७ख, म.व्यु.
४९२७

(२) अवीचिक बो.प.४.३०ग, लं.सू.१२१ख

མཐར་མེད་པར་འགྱུར་བ་ आनन्तर्यं लं.सू.१२१ख

མཐལ་བ་ शुष्क श.पं.११५

མཐལ་ལམ་=སྐྱི་ལམ་ स्थलवर्त्मन श.दा.

མདོ་བསམ་=རྟོག་དཔྱོད་, བསམ་མདོ་ विचार श.दा.

མཐོག་ आस्वाद बो.च.८.८०ख, ८१ख

མཐོད་པ་ भ., लोट् མཐོས་
द्र. ཐོད་པ་

མཐོས་ མཐོད་པ་ इत्यस्य भू., लोट्
བརྟན་པར་མཐོས་ बृंहीभव बो.च.६.१२ग
བདེ་བར་མཐོས་ सुखी भवेत् बो.च.६.३३ग

མཐོས་དེ་ (१) उद्गृह्णेय का.प.
ཚིགས་སུ་བཅད་པ་གཅིག་ཙམ་ལྷུང་ ~ एकामपि गाथा उद्गृह्णेय का.प.१५९
(२) प्रतीच्छ उद्रा.४२.३२

ན་ (१) कर्ण म.व्यु.३४५३, ४१४१, ८८३०-३१, ८८९६
(२) श्रवण म.व्यु.६४५९
द्र. ན་བ་

ན་གྱོན་ कर्णप्रावरण म.व्यु.८८९६

ན་རྒྱན་ (१) =ཐོས་འཛིན་རྒྱན་ कर्णिक श.दा.
(२) कर्णिका श.दा.

ན་རྒྱན་གྱི་ནགས་ कर्णिकवन नी.पु.१.२५

ན་ཅན་ *कर्ण श.दा.

ན་ཆ་ (१) कर्णिक म.व्यु.६०२२
(२) कुण्डल सु.प्र.११८.१४

ན་ཆ་གདུབ་གོར་ कुण्डल उद्रा.१४.१५, म.व्यु.६०१४

ན་ཆ་གདུབ་སྐོར་ कुण्डल म.व्यु.६०१४, श.दा.

ན་མཆོག་སྤྲུ་གུ་འཆས་བ་ (°སྤྲུས་སུ་འཆས་པ་) राजीकर्ण म.व्यु.८९११

ན་རྡུང་དུ་ཕུག་པར་ आकर्णम् उद्रा.४६.४

ན་སྦྲགས་ कर्णमल म.व्यु.४०५३ (पा.ན་སྦྲབས་), श.दा. (=ན་སྦྲངས་)

ན་བ་ (१) कर्ण उद्रा.२५.१७, १८, ना.आ.११.५.६, १३.१.१७, नी.पु.१.१६ <राज-नाम>, न्या.बि.१०२.५, ६, बो.क.१८, म.व्यु.१०५८, ३३१२, ३३१३, ८८२४-२९, श.दा., सु.प्र.७.७, ३४.१३
(२) =སྒྲ་འཛིན་ शब्दग्रह श.दा.
(३) =སྒྲ་ཡི་གནས་ शब्दाधिष्ठान श.दा.
(४) =ཉན་བྱེད་ श्रव श.दा.
(५) श्रवण न्या.बि.१३३.९, श.दा., स.स्तो.७५
(६) =ཐོས་འཛིན་ श्रुतिधर श.दा.
(७) श्रोत्र का.प.५५, न्या.बि.२०.५, १६, १३०.१६, १३३.११, १२, म.व्यु.२०१, १८५४, २०२२, ७५४९, लं.सू.१५९क, सं.नि.५.४, सु.प्र.४२.२०, १२०.१०, स.स्तो.६९

རྣ་བ་གླང་པོ་ཆེའི་ལྟ་བུ་ हस्तिकर्ण म.व्यु.८८२४

རྣ་བ་ཅན་ (१) कर्ण श.दा.

(२) कर्णिक नी.पु.१.५<राज-नाम>

རྣ་བ་གཅིག་ནས་གཅིག་ཏུ་བརྒྱུད་པ་ कर्णपरम्परया उद्रा.२५.१७

རྣ་(བ་)གཅིག་པ་ एककर्ण म.व्यु.८८३०

རྣ་བ་རྟའི་ལྟ་བུ་ अश्वकर्ण म.व्यु.८८२५

རྣ་བ་སྤྲེའུའི་ལྟ་བུ་ मर्कटकर्ण म.व्यु.८८२७

རྣ་བ་ཕག་གི་ལྟ་བུ་ शूकरकर्ण म.व्यु ८८२९ (पा རྣ་བ་ཕག་པའི་ལྟ་བུ་)

རྣ་བ་འཕྱང་བ་ཅན་ लम्बकर्ण न्या.बि.१०२.५

རྣ་བ་བ་ལང་གི་ལྟ་བུ་ गोकर्ण म.व्यु.८८२६

རྣ་བ་བེའུ་ལྟ་བུ་ गोकर्ण म.व्यु ८८२६

རྣ་བ་བོང་བུའི་ལྟ་བུ་ खरकर्ण म.व्यु.८८२८

རྣ་བ་བླགས་ཏེ་ अवहितश्रोत्रेण सु.प्र.१२०.१०

རྣ་(བ་)མེད་པ་ अकर्ण म.व्यु.८८३१

རྣ་བ་འཛིན་=སྐྱ་བ་འཛིན་ कर्णधार श.दा.

རྣ་བབས་ कर्णमल म.व्यु.४०५३

རྣ་བའི་སྐྱེ་མཆེད་ श्रोत्रायतन म.व्यु.२०३०

རྣ་བའི་ཁམས་ श्रोत्रधातु द.भू.३म, म.व्यु.२०४४

རྣ་བའི་བརྒྱན་=ཀ་ལ་བིང་ཀ་ कर्णिक श.दा.

རྣ་བའི་རྣམ་པར་ཤེས་པ་ श्रोत्रविज्ञान म.व्यु. २०२२, श.दा.

རྣ་བའི་རྣམ་པར་ཤེས་པའི་ཁམས་ श्रोत्रविज्ञानधातु म.व्यु.२०४६

རྣ་བའི་བུ་ག་ कर्णपुट सु.प्र.७.७, ३४.१३

རྣ་བའི་དབང་པོ་ श्रोत्रेन्द्रिय म.व्यु.१८५४, २०६१

རྣ་བའི་དབང་པོ་ཉམས་པ་དང་དེའི་ནད་གསོ་བའི་ཆོ་ག་ कं.तं.३०१२

རྣ་བར་སྙན་པ་ कर्णसुखा म.व्यु.४६०

རྣ་བས་ཐོས་འགྱུར་ प्राप्स्यते श्रोत्रम् द.भू १प

རྣ་བོ་ཆེ་ཆེན་པོའི་ལེའུ་ (आर्य)महाभेरीहारकपरिवर्त (नाम महायानसूत्र) कं.तं.२२२

རྣ་བྲང་ जार सु.प्र.८१.१८

རྣ་བླགས་པ་ अवहितश्रोत्र म.व्यु.२४२८

རྣ་སྤྲངས་=རྣ་སྤྲགས་ कर्णमल श.दा.

རྣ་ལམ་དུ་གྲགས་པར་འགྱུར་རོ་ श्रवणावभासमागमिष्यति द.भू.११ए

རྣ་ལམ་དུ་གྲགས་པར་མི་འགྱུར་ न श्रवणपथमागमिष्यति म.व्यु ६४५१

རྣ་ལམ་བསམ་པར་..སོང་བར་གྱུར་པ་ श्रोत्रपथागत द.भू.१प

རྣ་ཤལ་ चमस म.व्यु.४०५०, श.दा.

རྣ་སླགས་ श्रोतव्य श.दा.

རྣ་སླགས་པ་ अवहितश्रोत्र म.व्यु.२४२८

རྣག་ (१) पूति उद्रा., सु.प्र.१५८.२०

(२) पूय बो.प.१.५७प, म.व्यु.४०४१, श.दा.,

श.स्तो.६८
རྣག་གི་ལུས་ पूतिकाय उद्रा.४६.१८
རྣག་གཟན་ कायोद्वर्तन म.व्यु.९००१
རྣང་བ་   भू བརྣངས་
རྣབས་ शिवालक म.व्यु.४०४२
རྣམ་ (१) °धा बो.च.
རྣམ་ཀུན་ཏུ་ सर्वथा बो.च.९.५९ग
(२) °धा बो.च.
རྣམ་ཀུན་ཏུ་ अनेकधा बो.च.
རྣམ་གསུམ་ त्रिधा सु.प्र.
(३) प्रकार अ अ.८.३, बो.च.
(४) वि° का.प., बु.च.६५, ६८, बो.च., सु.प्र.
(५) °विध सु.प्र.
(६) =རྣམ་པར་
(७) स.००
མངོན་ཤེས་རྣམ་ལྔས་རྟག་ཏུ་རྟེན་པ་ क्रीडे-ताभिज्ञेहि च पञ्चभिः सदा का.प.२८प.
བསྡུ་བ་རྣམ་བཞིས་ चतुःसंग्रहैः का.प २७प
རྣམ་ཀུན་མངོན་པར་རྫོགས་པར་རྟོགས་པ་ सर्वा-काराभिसंबोध प्र.पा.६३, ७७
རྣམ་ཀུན་མངོན་རྫོགས་རྟོགས་པ་ सर्वाकाराभि-संबोध अ.अ.१.४, १३
རྣམ་ཀུན་མཆོག་ལྡན་ = དུས་ཀྱི་འཁོར་ལོ་ श्रीकाल-चक्र धा.दा.

རྣམ་ཀུན་ཏུ་ (१) अनेकधा (पा. अनेकधाः) बो.च. ३.२२ख
(२) सर्वथा बो.च.९.५९ग
རྣམ་བཀྲ་ विचित्र का.आ.१.९, अ.च.७ख, धा.दा. (=རྣམ་པར་བཀྲ་)
རྣམ་བཀྲམ་པ་ विकीर्णमाल बु.च.५७
རྣམ་སྐྲག་(འཁྲུགས་) विह्वल धा.दा.
རྣམ་སྐྲག་པ་ विह्वल बो.च.२.४१क
རྣམ་བྲོ་ विक्रीड, विहर धा.दा.
རྣམ་མཁྱེན་ (१) = རྣམ་པ་ཐམས་ཅད་མཁྱེན་པ་ཉིད་ प्र.पा.
(२) = རྣམ་པར་ཤེས་ विज्ञानचैतन्य(?) धा.दा.१८५क
རྣམ་འཁོར་ = རྣམ་པར་འཁོར་བ་ विभ्रम धा.दा.
རྣམ་འཁོར་བ་ भ्रमति भ.गी.४
རྣམ་འཁྲུགས་ विप्लव बु.च.२५
རྣམ་འགྱུར་ विक्रिया श.स्तो.५५
རྣམ་གྲགས་རྒྱལ་པོ་ विघुष्टराज भद्र.५४०
རྣམ་གྲངས་ (१) पर्याय का.प.४१, न्या.बि.३०. ४, ३१.१४, १२७.१ ., म.व्यु २०६, १२७९, १४१६, १६०८, १७०५, १७२४, १७४०, १७५३, १७८८, १८१८, २५११, २५३५, २६०९, २८९२, २९१२, २९२८, ३०३२, ४१६०, ४६६७, ५०३५, ६२६३, म.सू., धा.दा., सं.नि.२.२, ३.३, ४.९, ९.३.९, ९.

१७, १०.११, सु.प्र.१५३.२१

ཆོས་ཀྱི་～ धर्मपर्याय का.प.५२, १४५, १५०, द.भू.१ए

(२) पर्यायेण अ.अ.२.१२

(३) विक्षत सु.प्र ८३.२६

(४) ཆོས་ཀྱི་～ कुमारराजन् का.प.१५१

～ཀྱི་འདུ་ཤེས་ पर्यायसंज्ञा सं.नि.१४

～ཀྱིས་ पर्यायेण सं नि.७.१६

～བརྗོད་པ་ पर्यायोक्त का.आ २.२१२

～དུ་མར་ अनेकपर्यायेण सं.नि.७ १, २१. ८. २५(°མས་), १०.७.४३

～དྲུག་ पर्याय स.स्तो.७१

རྣམ་གྲུའི་གདོན་ रेवतीग्रह श.वा.११३३क

རྣམ་གྲོལ་ (१) विमुक्त द.भू १क

(२) विमुक्ति श.वा.

རྣམ་གྲོལ་ཆེན་པོ་བསྒོད་ནམས་འོད་ ग्र बསྒོད་ནམས་འོད་ मग्र ४७३

རྣམ་གྲོལ་བརྒྱེས་ विमुक्तिलाभिन् मग्र ६०८

རྣམ་གྲོལ་ཏོག་ विमुक्तकेतु मग्र.६२३

རྣམ་གྲོལ་ཐབས་སྟོན་ཆགས་པ་མེད་ ग्र. ཆགས་པ་མེད་ मग्र.६१६

རྣམ་གྲོལ་སྡེ་ विमुक्तसेन प्र.पा.

འཕགས་པ་～ आर्य विमुक्तसेन प्र.पा.५, ६, १२, १३, ६०

བཙུན་པ་～ भदन्त विमुक्तसेन प्र.पा.५, ६, १२, १३

རྣམ་གྲོལ་བ་ विसंयोग अं.सू.२०१क

རྣམ་གྲོལ་གཙུག་ विमुक्तचूड मग्र.६६३

རྣམ་གྲོལ་ལམ་ विमुक्तिमार्ग प्र.पा.२२, ३८

རྣམ་འགོག་པ་ विनायक सु.प्र.१०५ २३प.

རྣམ་འགྱུར་ (१) विकार श.वा.

(२) विकृत स.स्तो.६४

(३) विक्रिया श.वा.

རྣམ་འགྱུར་དཔེ་ विक्रियोपमा का आ.२ ४१

རྣམ་འགྱུར་མི་མངའ་བ་ निर्विकार श.वा.

རྣམ་འགྲེལ་ (१) सं. अभिसमयालंकारवार्तिक प्र.पा.१२

(२) सं. प्रमाणवार्तिक नी.पु.२.७७३

(३) वार्तिक न्या.बि:१६६.११, म.व्यु १४५४

རྣམ་རྒྱལ་ (१) =རྣམ་པར་རྒྱལ་ विजय श.वा.

(२) विजयिन् बो.प.७.५१ख

རྣམ་རྒྱལ་བ་ विजय श पं.४२

རྣམ་རྒྱལ་བ་ཅན་ विजिताविन् मग्र.८४

རྣམ་རྒྱལ་བུམ་པ་ (१) विजयकलश तु.३१०

(२) विजयकुम्भ श.वा.८७४क

རྣམ་རྒྱལ་མ་ विजया वि.पं.२१७ख, श.वा.



རྣམ་རྒྱལ་མ

གཙུག་ཏོར་~ उष्णीषविजया वि.ब.२४७, वि.पं.६४ग

གཙུག་ཏོར་~ ཕྱག་གཉིས་མ་ द्विभुजोष्णीष-विजया वि.पं.९०क

གཙུག་ཏོར་རྣམ་པར་རྒྱལ་མ་ उष्णीषविजया वि.त्रि.१६४

རྣམ་རྒྱལ་ཞབས་ विजयपाद नी.पु.१.३८०, २.७५४, ७६४, ८०३(विनय°)

རྣམ་རྒྱལ་ཤིང་=རྒྱལ་མཚན་ ध्वज, पताका श.दा.

རྣམ་རྒྱས་ विस्तीर्ण श.दा.

རྣམ་སྣོམ་ विभावरी श.दा.

རྣམ་བསྒོམ་བསམ་གཏན་པ་ विभावनाध्यातु लं.सू. २०६ख

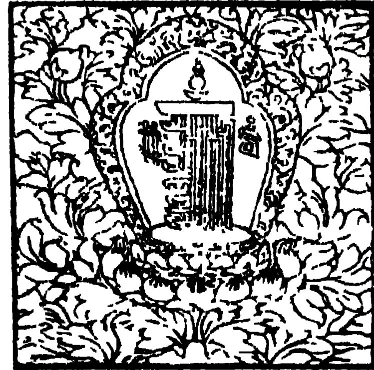
རྣམ་ངེས་=ཚད་མ་རྣམ་ངེས་ प्रमाणविनिश्चय नी.पु.१.३२६, ३३१, २.५३२, ७४७

རྣམ་ངེས་བློ་གྲོས་ विनिश्चितमति म.व्यु.३४७

རྣམ་གཅོད་=ཡོངས་གཅོད་ विलगं श.दा.

རྣམ་བཅད་ अवच्छिन्न का.आ.१.१०

རྣམ་བཅུ་དབང་ལྡན་ दशाकारो वशी वि.प्र.१२क



རྣམ་བཅོམ་ विजित म.व्यु.६९५

རྣམ་ཆད་པ་ विच्छिन्न अ.अ.१.६१

རྣམ་འཛིག་ विघात श.दा.

རྣམ་འཇོམས་ (१) वज्रविदारण नी.पु.२.५३८

(२) विदारण नी.पु.२.५२९

(३) =རྣམ་པར་འཇོམས་པ་

རྣམ་འཇོམས་པ་ (१) °घ्न श.पं.७८

(२) विजात अ.अ.५.३२

རྣམ་གཉིས་ द्विधा का.आ.१.११, बो.प.६.३क

རྣམ་དགས་

ཡིད་ཀྱིས་~ मनोविचिन्तित द.भू.१क

རྣམ་རྟོག་ (१) कल्पत्व लं.सू.२००ख

(२) कल्पमान लं.सू.११३ख

(३) तर्क श.दा.

(४) विकल्प प्र.पा.८७, बो.प.६.१०७क, श.दा.

(५) विकल्पना बो.प.६.१४०ख, श.दा.

(६) विचार श.दा.

(७) वितर्क बो.प.८.८९ग, श.दा.

(८-१०) शंका, संस्कार, संकल्प श.दा.

द्र. རྣམ་པར་རྟོག་པ་

རྣམ་རྟོག་སྤང་བའི་གླུ་ विकल्पपरिहारगीतिका कं.तं.२३४३

རྣམ་རྟོག་མེད་པ་ निर्विकल्प बो.प.८ १४०ग

རྣམ་རྟོག་མཚུངས་ विकल्पसमा न्या.द.२८९

རྣམ་རྟོགས་མཚན་ཉིད་ विकल्पितलक्षण लं.सू. १७९क

རྣམ་བརྟག་པ་ विकल्प्य लं.सू.१७६ख

རྣམ་བརྟགས་ (१) विकल्प बो.प.९.९२ग

(२) विमर्श श.पं.७०

རྣམ་བརྟགས་ཞིང་ལས་བྱུང་བ་ विकल्पक्षेत्रसंभूत बो.प.९.९२ग

རྣམ་ཐར་ विमोक्ष बो.प., म.व.२८ग, स.रा. २२.१६

འབྱུང་བ་ཡི་ ~ संभवविमोक्ष बो.प.५.१०३क

རྣམ་ཐར་སྒོ་གསུམ་—(१) སྟོང་པ་ཉིད་ शून्यता, (२) མཚན་མ་མེད་པ་ अनिमित्त, (३) སྨོན་པ་མེད་པ་ अप्रणिहित श.दा.

རྣམ་ཐར་སྟོབས་ विमोक्षबल म.व.३४ख

རྣམ་ཐར་པ་ विमोक्ष लं.सू.७२ख

རྣམ་ཐར་སྤྲུལ་པ་ विकुर्वित स.रा.२२.१९

རྣམ་ཐར་མི་འགྱུར་དེ་ न विमुच्यते बो.प.४.२२ख

རྣམ་ཐར་མི་ཟད་མཐུ་ཐོབ་པ་ द्र. མཐུ་ཐོབ་ भद्र. ३७२

རྣམ་ཐར་མི་ཟད་དོན་གྲུབ་ཆེ་ द्र. དོན་གྲུབ་ भद्र. २५९

རྣམ་ཐར་མི་ཟད་དབྱངས་སྙན་མཚན་ द्र. དབྱངས་སྙན་ भद्र.६३०

རྣམ་ཐར་མི་ཟད་ཡོན་ཏན་བསྒྲུངས་ द्र. ཡོན་ཏན་བསྒྲུང་(བ་) भद्र.४१९

རྣམ་ཐར་མཚུངས་མེད་མཆོག་སྤྱོད་ཞབས་ द्र. མཆོག་སྤྱོད་ भद्र.२३०

རྣམ་ཐོས་ཀྱི་བུ་ वैश्रवण नी.पु.२.९८२, म.व्यु. ३१४६, ३३६७, सु.प्र.४८.१, ५२.१३, ५७.२७...

द्र. རྣམ་ཐོས་སྲས་

རྣམ་ཐོས་བུ་ वैश्रवण सु.प्र.१२५.५ग.

རྣམ་ཐོས་སྲས་ (१) कुबेर मी.पु.२.७०८

(२) विभावसु घ.दा.

(३) वैश्रवण वि.वि.२८१, वि.पं १२ख, तु.५७२ (विश्रवण), घ.दा.

द्र. རྣམ་སྲས་

རྣམ་ཐོས་སྲས

རྒྱལ་ཆེན་~ महाराज वैश्रवण वि.व.३२०

རྣམ་ཐོས་སྲས་ཀྱི་སྒྲུབ་པའི་ཐབས་ वैश्रवणसाधन क.तं.३७३४

རྣམ་འཐོར་བ་ विक्षिप्त उद्रा.२२.८

རྣམ་དག་ (१) विशुद्ध घ.दा. (=རྣམ་པར་དག་པ་), सु प्र.२८.१६

ཤིན་ཏུ་~ सुविशुद्ध उद्रा.१५.५ग.

(२) विशुद्धक (=विशुद्ध ह.म.) अ.म.१.

१२

(३) विशुद्धि म.प.४४क, श.पं.५१

(४) शुद्ध ल.वि.१५.११.१७

རྣམ་དག་(གི་མཚན་ཉིད་ཀྱི་)སྒོམ་ལམ་ विशुद्धि-लक्षणभावनामार्ग प्र.पा.७५

རྣམ་དག་སྒྱུར་ विशुध्यतु सु.प्र.४०.८

རྣམ་དག་པ་ विशुद्धि म.प.३१

རྣམ་དག་མཛོད་བཟང་རིས་པ་ཆེ་ द्र. རིས་པ་ मह.३४

རྣམ་དག་ལམ་ विशुद्धिमार्ग सं.नि.७.२४

རྣམ་དག་ཤོག་ विशुध्यतु सु.प्र.४०.३

རྣམ་དག་སེམས་ विशुद्धचित्त मह.२६१

རྣམ་དུལ་=རྣམ་པར་དུལ་, ཧ་མཆོག་ उच्चैःश्रवस् घ.दा.

རྣམ་འདུད་ विनतक घ.दा.

རྣམ་འདུད་སྐྱེས་ (१) विनतात्मज घ.दा.

(२) वैनतेय घ.दा.

རྣམ་འདྲེན་=རྣམ་པར་འདྲེན་པ་ विनायक घ.दा.

~ཀུན་གཙོ་གསེར་ཐུབ་ཞབས་ द्र. གསེར་ཐུབ་ मह.२

~དཀའ་ཐུབ་ཆེན་པོ་རྒྱལ་ द्र. དཀའ་ཐུབ་ཆེན་པོ་ मह.३३६

~སྐྱེ་བའི་དབང་པོ་རྒྱལ་ द्र. སྐྱེ་བའི་དབང་པོ་ मह.४०८

(རྣམས་ .བྲངས་), चि.चि.८३

རྣམ་སྣང་མ་ཆེ་བྲང་ལ་ནམ།

རྣམ་སྣང་མ་ वैरोचनी चि.पं.२७ब

རྣམ་སྣང་མ་

རྣམ་སྣང་འཇམ་རྡོར་ वैरोचन मञ्जुवज्र चि.पं.२१ब

རྣམ་སྣང་འཇམ་རྡོར་

རྣམ་སྣང་ཡབ་ཡུམ་ सयुग वैरोचन चि.चि.५५

རྣམ་སྣང་ཡབ་ཡུམ་ལ་ནམོ།

རྣམ་སྣང་ཤཱཀྱ་སེང་གེ་ वैरोचन शाक्यसिंह भि.प. ६६

རྣམ་བསྒྱུར་ विविध म.वा.

རྣམ་པ་ (१) आकार अ.अ.१.१२, २५, २.२, १०, ४.१, २, ४, १९, २१, ३४, ३५, ५.२७, ३५, ३९, ८.१, ४, का.प.१०४, द.भू.१अज, ञ्ज, २प, म, ७ग, ८प, द, १० अ, फ, इ, ज, ११ज, च-ए, न्या.बि.८.५, ७, ८, ९, १८, १८.१, ३, २६.७, ८. ., प्र.पा ७३, ७७, ८६, बो.प.८.८९क, ९.१६च, म.व्यु.२७९, ५०४, ५९३-९४, ६१४, ११८९, १३०९, २५३३, ४४७३-७५, ६५५८, सं.नि.९.१९, १०.५.३, स.पा.२२.३९, सु.प्र.

(२) आकारता अ.अ.४.१५

(३) आकृति अ.अ.१.२७(=आकार ह.भ.), २.९, २१(=आकार ह.भ.), ४.२

(४) आविद्ध म.व्यु.२९८७

(५) कारण सु.प्र.१४४.१८

(६) कुल द.भू.६घ, १०फ

(७) क्रम म.व्यु.१२४९

(८) गत उग्रा., द.भू.३ब, ग, ५ए, ६ओ, म.व्यु.४६५१

སྡིག་པ་ཅན་གྱི་ལྟ་བའི་~ पापकं दृष्टिगतम् उग्रा.४८.१०

(९) गति उग्रा., बो.प.९.३४ग, म.व्यु.६५१७, ल.वि.७.१४.१९

འདུ་བྱེད་ཀྱི་~ संस्कारगति उग्रा.११.५, २९.८

འདུས་བྱས་~འོང་བ་མེད་པ་ संस्कृतगतिकमनागतिकम् द.भू.३अ.

(१०) जाल द.भू.३ज, ४क, बो.प.१.१०क

འཕྲུ་ཡི་~སྤྲེད་ कामजाल का.प.३०प.

སྨན་གྱི་~ भैषज्यजाल बो.प.२.२ख

ཚོ་དྲུག་~ शास्त्रजालानि बो.प.२.४ग

གསེར་འགྱུར་རྩི་ཡི་~ रसजाल बो.प १.१०क

(११) जाति द.भू.७अ., ११ब

(१२) °ता बो.प.

(१३) °ता बो.प.

(१४) पर्याय म.व्यु.१७४०, २८७०

(१५) प्रकार न्या.बि.१०.१८, १९, २२.१९, २८.१७ ., म.व्यु.५७४, ६५७९, लं.सू.८० क, सु.प्र.

(१६) प्रविभाग द.भू.९ग

(१७) भेद म.व्यु.५१७२

(१८) विकार द.भू.१०ए, ११ए, सु.प्र.

(१९) विकृति द.भू.७म, ८ख, ९ञ

(२०) °विध उग्रा., का.प., द.भू.१खन, ३म, न्या.बि.२.६, १२.५, ८.९, २२.१४..., बो.प., म.व्यु.२१२, १५५०, लं.सू.८०ख, सु.प्र.

(२१) °धाः बो.प., सु.प्र.

(२२) संविधान उग्रा.

ཐབས་ཀྱི་~ उपायसंविधान उग्रा.२५.२२

(२३) समुच्छ्रय लं.सू.२०३ख

(२४) सर्व म.व्यु.५१११, ६२४७

(२५) सं. ०० बो.च., म.व्यु.१७५३, २११०, ५०६५

ཆགས་པ་དང་འདོད་པའི་~འི་མིང་ལ་ रागाः म.व्यु.२११०

རྣམ་པ་ཀུན་ बहुधा श.दा.

རྣམ་པ་ཀུན་མཁྱེན་པ་ཉིད་ सर्वाकारज्ञता अ.अ.१.३, ६, ४५, २ १५, ४.२२, ५.३८, ४०, ४२

རྣམ་པ་ཀུན་གྱི་མཆོག་དང་ལྡན་པ་ सर्वाकारवरोपेत म.व्यु.२५३३

རྣམ་པ་ཀུན་ཏུ་ (१) सर्वथा अ.अ.१.३६, २.२९, बो च.४ ४४ग(दे. °ཏུ་)

(२) सर्वाभिसारेण अ.अ ५ ३६

རྣམ་པ་ཀུན་ཏུ་རྟོག་པ་ आवेध श.दा.

རྣམ་པ་དགུ་ सं. नव न्या.बि.२.६ ५, ६

རྣམ་པ་བརྒྱ་ཡིས་ शतशः सु.प्र.१५८.१३

རྣམ་པ་བརྒྱད་ अष्टविध मं.नि.८.११, १०.७.४

རྣམ་པ་ལྔ་ (१) पञ्चम लं.सू २०७क

(२) पञ्चविध स.नि.८.१९, २१, ३३

རྣམ་པ་གཅིག་ཏུ་འགྱུར་བ་ཞེས་བྱ་བའི་ཏིང་ངེ་འཛིན་ एकाकारो नाम समाधिः म.व्यु ५६४

རྣམ་པ་གཅིག་ཏུ་སྟོན་ एकचेरणा (=सर्वधर्माणां महायानोपायमुखेन प्रकाशनात् ह.भ.) अ.अ. १ ६३

རྣམ་པ་གཅིག་ཏུ་མ་ཡིན་ नैकधाः म.व्यु.६५८०

རྣམ་པ་གཏོད་པ་ व्यवच्छेद न्या.बि.(भा.) १७५

རྣམ་པ་བཅུ་གཉིས་ द्वादशाकार सु.प्र.६७.१७

རྣམ་པ་ཉི་ཤུ་བྱང་ཆུབ་པའི་རིམ་པས་བཅོམ་ལྡན་འདས་འཇམ་དཔལ་སྒྲུབ་པའི་ཐབས་ विंशत्याकाराभिसंबोधिक्रमभगवन्मञ्जुश्री-साधन कं.तं.२६१८

རྣམ་པ་ཉིད་ आकारता न्या.बि.१८.२

རྣམ་པ་གཉི་ག་ (१) सं. द्वि न्या.बि ९६.८

(२) द्विविध न्या.बि.१६१.१३, १५

རྣམ་པ་གཉིས་ (१) द्वय न्या.बि.१७४.१५, १७६.१४, लं.सू.२०१ख

(२) सं. द्वि न्या.बि.१७३.१४

(३) द्वितय लं.सू.८३क

(४) द्विधा न्या.बि.३८.४, ५, लं.सू.१४०ख

(५) द्विधावृत्तिन् लं.सू.१३८क

(६) द्विप्रकार न्या.बि.११७.३, ५, १०, लं.सू. १०४ख

(७) द्विलक्षण लं सू.१९६क

(८) द्विविध न्या.बि.२.६, १२.७, ८, ९, २४.४ .., बो.च.१ १५ख, लं.सू.८४ख

(९) द्वैविध्य अ.अ.१.३४, न्या.बि.१३.३

རྣམ་པ་གཉིས་ཀྱི་ཕྱིར་ द्वाभ्यां कारणाभ्याम् सु.प्र. १४४.१८

རྣམ་པ་གཉིས་པོ་ द्वैविध्य न्या.बि.३९.७

རྣམ་པ་སྟོང་དུ་ सहस्रधा: बो.प.७.६०ख

རྣམ་པ་ཐ་དད་ पृथग्विध सु.प्र.१११.१७

རྣམ་པ་ཐ་དད་པ་ (१) नाना द.भू.९ग, ञ

(२) नानाविध सु.प्र.८७.८, ९७.४, ५

(३) विमात्रता द.भू.९ग, ङ, ञ, ञ

(४) वैमात्रता द.भू.९ढ, ङ

(५) वैमात्र्य द.भू.१ह, १०ञ

द्र. ཐ་དད་པ་

རྣམ་པ་ཐམས་ཅད་ (१) नानाविध सं.नि.१०.७.३

(२) सर्वथा म.व्यु.६४०७

(३) सर्वप्रकार म.व्यु.७८५

(४) सर्वाकार म.व्यु ६०२

རྣམ་པ་ཐམས་ཅད་ཀྱི་མཆོག་དང་ལྡན་པ་ सर्वाकार-वरोपेत म.व्यु.५०४, २५३३

རྣམ་པ་ཐམས་ཅད་ཀྱི་མཆོག་དང་ལྡན་པ་ཞེས་བྱ་བའི་ཏིང་ངེ་འཛིན་ सर्वाकारवरोपेतो नाम समाधिः म.व्यु.६०२

རྣམ་པ་ཐམས་ཅད་མཁྱེན་ཉིད་ सर्वाकारज्ञता अ.अ.१.७३, ८.६

~ལམ་ सर्वाकारज्ञतामार्ग अ.अ.१.१

རྣམ་པ་ཐམས་ཅད་མཁྱེན་པ་ཉིད་ सर्वाकारज्ञता प्र.पा. (=རྣམ་མཁྱེན་)४४, ६२, ६६, ७२, लं.सू १६५ख

རྣམ་པ་ཐམས་ཅད་རྟོགས་ सर्वाकारावबोध (=सर्वाकाराभिसंबोध ह.म.) अ.अ.४.३२

རྣམ་པ་ཐམས་ཅད་དང་ལྡན་པ་ सर्वावती द.भू.१०ह

རྣམ་པ་ཐམས་ཅད་དུ་ (१) सर्वथा ध्या.२८ ३०, ४६.२, सं.नि.१०.८

(२) सर्वतः द.भू.३क, ८ख, म.व्यु.१४९२-९५, १५१४-१८, १५२६-२७

(३) सर्वाकारेषु सं.नि.९.३.९

(४) सर्वाभिसारेण श.पं.१, ३१

~ཆོས་སྟོན་པ་ལ་དབང་དུ་མ་གྱུར་པ་ सर्वाकारेषु धर्मदेशनानिर्वशित्व सं.नि.८.३५

~ཆོས་སྟོན་པའི་དབང་ सर्वाकारधर्मदेशनावशिता सं.नि.९.४.९

~ཐམས་ཅད་ सर्वथा सर्वम् म.व्यु.६४०६

~འོད་བྱེད་པ་ཞེས་བྱ་བའི་ཏིང་ངེ་འཛིན་ सर्वाकारप्रभाकरो नाम समाधिः म.व्यु ६१४

རྣམ་པ་དག་པ་ विशुद्धि सं.नि.९.६

རྣམ་པ་དང་བཅས་ साकार म.व्यु.२२९

རྣམ་པ་དང་བཅས་པ་ साकार म.व्यु.४४७३, श.दा.

རྣམ་པ་དང་བཅས་པའི་དམིགས་པ་འཛིན་པ་ साकारालम्बनग्राहक सं.नि.१०.७.५

རྣམ་པ་དང་ལྡན་པ་ आकारवत् न्या.बि.१८०.१०

རྣམ་པ་དུ་ कतिविध सं.नि.८.१०, ३४

རྣམ་པ་དུ་མ་ (१) अनेकधा बो.प.२.३८ग

(२) अनेकविध सं.नि.८.३२

རྣམ་པ་དེ་ལྟ་བུ་ (१) एवंप्रकार न्या.बि.१५३.
१, ७
(२) एवंविध उद्रा.४६.३४
(३) तथाविध न्या.बि.२२.१४

རྣམ་པ་དེ་འདྲ་ तद्विध बो.भ.४.४३ग

རྣམ་པ་དྲུག་ཏུ་ षड्विकारम् सु.प्र.१५५.१०,
१६०.७

རྣམ་པ་བདུན་ सप्तविध सं.नि.८.२०.२, ९.१८.२

རྣམ་པ་འདི་ལྟ་བུ་ एवंरूप द.भू.३ज, ७द

རྣམ་པ་འདི་འདྲ་ एवंविध श.पं.१३३

རྣམ་པ་འདི་འདྲ་བ་ एवंरूप द.भू.११ए

རྣམ་པ་སྣ་ཚོགས་ (१) अनेकधा बो.भ.२.३४घ
(२) नाना द.भू.९द, सु.प्र.५४.२७
(३) नानाविचित्र सु.प्र.२९.३, ५९.१६,
९४.२३ .
(४) नानाविध का.प.३२प., सं.नि.४.११,
सु.प्र.३१.५, ७०.१३, ७१.२ ..
(५) विचित्र उद्रा.४६.२२, द.भू.(རྣམ་པ་°)
५ज, ७ह, ९द, य, ११द, सु.प्र.८५.२०,
१२९.१८
(६) विविध बो.भ.७.४१ख, सु.प्र.१७.१९,
१५४.३, ९
(७) विविधमाला सु.प्र.४८.२३
द्र. སྣ་ཚོགས་

རྣམ་པ་སྣ་ཚོགས་པ་དང་པ་ नानाविध सु.प्र.९४.
१७

རྣམ་པ་སྣ་ཚོགས་དུ་མ་ अनेकविधविविध सु.प्र.
१६५.२२

རྣམ་པ་སྣ་ཚོགས་པ་ विविध बो.भ.६.२५ख

རྣམ་པ་སྤྲོས་པ་ विप्रपञ्च गी.पु.२.५७२

རྣམ་པ་མ་ཚང་ वैकल्य अ.अ ५ १०

རྣམ་པ་མང་པོ་ (१) अनेकविध म.व्यु.२१५
(२) बहुविध सु.प्र.१६१.२७. १७४.६
(३) विविध क'.प.९९
(४) विविध का.प.९८, १००, सु.प्र.१०६.
२७

རྣམ་པ་མེད་པ་ निराकार म.व्यु.४४७४

རྣམ་པ་མེད་པ་ཞེས་བྱ་བའི་ཏིང་ངེ་འཛིན་ अप्रकारो
नाम समाधिः म.व्यु.५७४

རྣམ་པ་མེད་པའི་ཚིག་ལེའུར་བྱས་པ་ निराकार-
कारिका कं.तं.३८९४

རྣམ་པ་མཛེས་ विराजते ल.वि.१५.६.९

རྣམ་པ་གཞན་མེད་པས་ अनन्यप्रकारेण बो.भ.
९.३४ग

རྣམ་པ་བཞི་ चतुर्विध न्या.बि.१२.५, २३.१. २,
२९.१, सं.नि.८.११, २२, सु.प्र.२६.३०

རྣམ་པ་བཞི་ཅར་ चतुर्विध न्या.बि.१५१.५

རྣམ་པ་རབ་ཏུ་དབྱེ་བ་ཐམས་ཅད་ཀྱི་མཐར་ཕྱིན་པ་
सर्वाकारप्रभेदपर्यन्त सं नि.८.२०.१

རྣམ་པ་གསུམ་ (१) त्रयः सु.प्र.१०९.१२
(२) त्रिविध न्या.बि.१०४.८, सं.नि.८.१०,

११, ब.३०.१, ब २१

རྣམ་པ་གསུམ་ཅན་ त्रिविध न्या.बि.६७ ख

རྣམ་པ་གསུམ་པ་ त्रिप्रकार सु.प्र.२७.१

རྣམ་པ་གསུམ་པོ་ त्रिविध सं.नि ७.१

རྣམ་པའི་མཚན་ཉིད་ आकारलक्षण सं.नि.१० ७, १०.७ ४

རྣམ་པར་ (१) अव° उग्रा

(२) परि° का.प., बो.भ

(३) प्र° उग्रा.

(४) वि उग्रा., का.प , बु च ४७, ६६ बो.भ सु प्र.

(५) विप्र° उग्रा.

(६) व्यव° उग्रा

(७) सं ०० बो भ २ १९ख

རྣམ་པར་བགོད་པ་ व्यवस्थान ल सू.७०ख

~ལ་གནས་ व्यवस्था लं.सू ८१क

རྣམ་པར་བཀྲེ་བ་(?) विमुक्त द मू १०ह

རྣམ་པར་བཀྲམ་པ་ विप्रकीर्ण म.व्यु ६५३१

རྣམ་པར་སྐྱེ་ विरोहन्ति म.व्यु ६३६८

རྣམ་པར་བྲ་ = རྣམ་བཀྲ་ विचित्र ग.दा.

རྣམ་པར་འཁོར་བ་ = རྣམ་འཁོར་ विभ्रम ग दा.

རྣམ་པར་འཁྲུག་པ་ विकोप द.मू २ह

རྣམ་པར་འཁྲུག་པར་བྱེད་དེ་ विकोपयति का.प.१

རྣམ་པར་འཁྲུག་པར་བྱེད་པ་ विकोपन म.व्यु.

~འི་སྐྱུང་གི་དཀྱིལ་འཁོར་ विक्षोभणजाल- मण्डलि म.व्यु ६४५७

རྣམ་པར་འཁྲུག་མེད་ अकोपना (=अविकोपन हृ.म.) अ.अ ४ १८

རྣམ་པར་འཁྲུགས་ व्याकुल सु.प्र.२१.८, १०६.२४

རྣམ་པར་འཁྲུགས་པ་ विकोपन अ.अ.५.३१

རྣམ་པར་སྐྱུར་བ་ विघटित म.व्यु.२५७४

རྣམ་པར་གྲགས་པ་ (१) विख्यात म.व्यु ६८४२, सं नि १० ७.४ ७

(२) विश्रुत उग्रा , मञ्ज ५१३, म.व्यु ६८४१

(३) विश्रुत म व्यु ६५

~འི་རྒྱལ་པོ་ विश्रुतराज मञ्ज.५४०

~འི་རྒྱལ་པོ་མཆོག་ = རྣམ་པར་གྲགས་པའི་ རྒྱལ་པོ་

~འི་སྒྲ་དང་ལྡན་པ་ विश्रुतघोष उग्रा ७.१३

རྣམ་པར་གྲོལ་ (१) विमुक्त का प.१४५, १४६, सं.नि., स.रा.२२ ३०, ३१

ཐག་པ་རྣམས་ལས་སེམས་~ आलम्बेभ्यश्चित्- तानि विमुक्तानि सं.नि.७ ३३

(२) विमुच्यते अ.अ.५ २१

རྣམ་པར་གྲོལ་ན་བདག་རྣམ་པར་གྲོལ་ལོ་སྙམ་ པའི་ཡེ་ཤེས་མཐོང་བ་འབྱུང་ངོ་ विमुक्तस्य विमुक्तोऽस्मीति ज्ञानदर्शनं भवति म.व्यु. १५६५

རྣམ་པར་གྲོལ་བ་ (१) विमुक्त का.प.१३७ग,

म.व्यु.४०१, १०२५-२८, १५९५, २५३८
(२) विमुक्ति का.प., म.व्यु.१०७-८, १४७, ६७४, १२०७, श.दा. (=རྣམ་གྲོལ་)
(३) विमोक्ष सं.नि.८.१०, १०.४
~ཉམས་པ་མེད་པ་ नास्ति विमुक्तिहानिः म.व्यु.१४७
~ཏོག་ विमुक्तकेतु भद्र.६२३
~འི་ཕུང་པོ་ विमुक्तिस्कन्ध म.व्यु.१०७, श.दा.८२४ख
~འི་གཙུག་ विमुक्तचूड भद्र.६६३
~འི་གླུ་བ་ विमुक्तिचन्द्र द.भू.१अ, क, ल, न, म.व्यु.६७४
~འི་ཡེ་ཤེས་མཐོང་བའི་ཕུང་པོ་ विमुक्तिज्ञानदर्शनस्कन्ध म.व्यु.१०८, श.दा.८२४ख (°दृष्टि°)
~འི་ལམ་ विमुक्तिमार्गं म.व्यु.१२०७
~འི་ལམ་ལས་བྱུང་བ་འི་ཡོན་ཏན་བཤད་པ་ विमुक्तिमार्गधौतगुणनिर्देश कं.तं.३०६ (पा. °स्त°, °धृत°), ४१४३ (°मार्गधूत°)
~འི་ལུས་ विमुक्तिकाय सं.नि.१०.२, १०
~འི་ཤེས་པ་ विमुक्तिज्ञानं सं.नि.१०.७.७
~ར་འགྱུར་ विमुच्यते म.व्यु.१५९४, २५४०
~ར་མཛད་ विमोचयति श.पं.९२
~ར་ཤེས་པ་ विमुक्तिज्ञान सं.नि.८.२१.५
~ར་གཤེགས་པ་ विमुक्तिगामिन् भद्र.६०८

རྣམ་པར་གྲོལ་ཞིང་ विमुक्ति म.व्यु.६२३
རྣམ་པར་དགོད་པ་ (१) प्रज्ञप्ति द.भू.१प
(२) व्यवस्थान द.भू.१न, ५ध, ८ग, ९फ, ड, ल, व
(३) སྤྲུལ་པ་ཐམས་ཅད་ཀྱི་~དང་རྣམ་པར་མི་དགོད་པ་ सर्वनिर्माणकल्पाकल्पता द.भू.१०फ
རྣམ་པར་དགོད་པ་ཤིན་ཏུ་བསྟན་པའོ་ प्रभेदव्यवस्थान द.भू.१ज
རྣམ་པར་དགྲོལ་ विमोचयमान म.व.४०ख
རྣམ་པར་བགོད་པ་(?) व्यूह द.भू.१अ
རྣམ་པར་འགྱུར་བ་ (१) अनेकविध लं.सू.६६ख
(२) विकृति प्रस.३९८.३
(३) विद्योतित द.भू.१०ह
(४) विपरिणत म.व्यु.७३१५
རྣམ་པར་འགྱེད་ विक्षेपता म.व्यु.७९८५
རྣམ་པར་འགྱེད་པ་ संविभजते म.व्यु.२८५०
རྣམ་པར་འགྲན་པ་ विस्पर्धं म.व्यु.७३४०
རྣམ་པར་འགྲེལ་བ་ विवरण म.व्यु.१४५०
རྣམ་པར་འགྲོལ་བ་ विमुक्ति उद्रा.२९.२३
རྣམ་པར་གྲེང་རིང་ विप्रवास व.भ.५९
རྣམ་པར་རྒྱལ་ (१) =རྣམ་རྒྱལ་ विजय श.दा.
(२) विजयन्त तु.५१६
(३) विजित सु.प्र.१२३.१९
རྣམ་པར་རྒྱལ་བ་ (१) विजय द.भू.१०प, ह, म.व्यु.

७२३, १३८०, ३६२०

(२) विजित उद्रा.१५.१८

(३) विजितवत् म.व्यु.६५४२

(४) विजेतृ न्या.बि.१.८

~མངའ་བ་ विजयिन् म.व्यु.३०

~ཅན་ विजिताविन् मद्र.८४

~འི་ཁང་བ་ वैजयन्तः प्रसादः म.व्यु.५४१८

~འི་སྒྲོལ་མ་ विजयतारा चि.व २१२ (द्र. སྒྲོལ་མ་རྣམ་པར་རྒྱལ་མ་དཀར་མོ་ चि.व. २२३)

འཇིག་རྟེན་གསུམ་ལས་~འི་སྒྲོལ་མ་ त्रैलोक्यविजयतारा चि.पं.१६ख

~འི་བ་དན་ वैजयन्ती पताका म.व्यु.६०७०

~འི་གཞུ་ विजयधन्वन् <राज-नाम> नी.पु. १.१६

~ར་གྱུར་ཅིག་ विजयतु सु.प्र.८५.३

~ར་ཐུས་པ་ विजतविजय म.व्यु.३६२०

~ས་(པར་)གནོན་པ་ विजयविक्रामिन् म.व्यु. ७२३

རྣམ་པར་རྒྱལ་བྱེད་ (१) अर्जुन श.दा.

(२) विजेतृ म.व्यु.६३१, श.दा.

(३) वैजयन्त श.दा.

རྣམ་པར་རྒྱལ་མ་ विजया नी.पु.२.१११

རྣམ་པར་རྒྱལ་མའི་སྒྲུབ་པའི་ཐབས་ अपराजितासाधन कं.तं.३३८४

རྣམ་པར་རྒྱས་ विकीर्ण (विस्तीर्ण) सु.प्र.८५.२१

རྣམ་པར་རྒྱས་འགྱུར་ཞིང་ विवर्धमान का.प. ३०प.

རྣམ་པར་རྒྱུ་ लिङ्ग प्र.स्तो.६०

རྣམ་པར་རྒྱུ་བ་ विचरण म.व्यु.६८७०, सं.नि. ०.१

རྣམ་པར་རྒྱུ་བར་གྱུར་ཅིག་ विचरतु सु.प्र.८५.३, १०

རྣམ་པར་སྒོམ་ (१) विभाव लं.सू.७०ख

(२) विभावन लं.सू.६५ख

རྣམ་པར་སྒོམ་པ་ विभावना म.व्यु.६३६०, लं.सू. ६५ख

རྣམ་པར་སྒོམ་པར་(མི་)འགྱུར་ अनारभ्य लं.सू. ७८क

རྣམ་པར་སྒྱུར་(བསྒྱུར་)བ་ विवर्तना म.व्यु.११७१

རྣམ་པར་སྒྲ་འབྱིན་ विनर्दित म.व्यु.३३४०

རྣམ་པར་སྒྲུབ་ (१) विठपन्ति का.प.३२प.

(२) विठपेति का.प.३२प.

རྣམ་པར་སྒྲུབ་བོ་ विठपयति का.प.३२

རྣམ་པར་(བ)སྒོམ་པ་ विभावना द.भू.१द, ३ब, ४ब, ५अ, ७अ

རྣམ་པར་བསྒྲེངས་(འགྲེངས་)པ་ विजृम्भित म.व्यु.५३३

རྣམ་པར་བསྒྲུབ་པ་

སེམས་སྒྱུ་མ་ལྟ་བུར་~ चित्तमायाविठपनता द.भू ६६

རྣམ་པར་བསྒྱུབ་པ་ཉེ་བར་གནས་པའི་མཚན་ཉིད་ विठपनप्रत्युपस्थानलक्षण म.व्यु.७२३३

རྣམ་པར་དུ་བ་ विधवति ल.स्तो.५५

རྣམ་པར་ངེས་པ་ विनिश्चय म.व्यु.१४०५

རྣམ་པར་ངེས་པའི་བློ་གྲོས་ विनिश्चितमति भद्र. ३४८

རྣམ་པར་མངོན་ उद्घाटित ल.स्तो ७०

རྣམ་པར་མངོན་པར་(བ)སྒྲུབ་པ་ཞེས་བྱ་བའི་ཏིང་ངེ་འཛིན་ आकाराभिनिर्हारो नाम समाधिः म व्यु ५६३

རྣམ་པར་སྔོས་པ་ विनीलक स.नि.८.१२

རྣམ་པར་སྔོས་པའི་འདུ་ཤེས་ विनीलकसंज्ञा म व्यु.११५६ (पा.°བསྔོས°), श.दा.

རྣམ་པར་གཅད་པ་ व्यवच्छेद न्या.बि.१३६.४

རྣམ་པར་གཅད་པ་ཡིན་ व्यवच्छिद्यते न्या.बि.१५१.७

རྣམ་པར་གཅད་པར་བྱ་བ་ (१) व्यवच्छिद्यमान न्या बि १५६ ५
(२) व्यवच्छेद्य न्या.बि.१३८.३

རྣམ་པར་གཅད་པར་བྱ་བ་ཡིན་ व्यवच्छिद्यते न्या.बि १६० २०, १६१.२

རྣམ་པར་གཅོད་ནས་ व्यवच्छिद्य न्या.बि.१८०.१०

རྣམ་པར་གཅོད་པ་ (१) व्यवच्छिनत्ति न्या.बि: १५१.५
(२) व्यवच्छिन्दन् न्या.बि.१६१.३
(३) व्यवच्छेद न्या.बि.१७५.८, १७६.१४, १७, १८०.१ ५, ७, ८

རྣམ་པར་གཅོད་པར་བྱེད་པ་ व्यवच्छेदक न्या.बि. १३८.१

རྣམ་པར་བཅད་པ་ व्यवच्छेद न्या.बि.८४.१२, ८५. १,१३८.२ .

རྣམ་པར་བཅིངས་པ་ (१) विनिबद्ध द.भू.३ख
(२) विनिबन्ध म व्यु २१६६

རྣམ་པར་བཅོམ་པ་ विजित भद्र.६६५

རྣམ་པར་འཇིག་ (१) विनश्यति सु.प्र.१०७.२४
(२) विनश्यन्ति सु.प्र.१०६.२४, १०६.८
(३) विलुप्यते सु प्र.११२.८, १०
(४) विलोपयति सु.प्र.१०७.४

རྣམ་པར་འཇིག་པ་ (१) सं. कपाल ले.सू.७७क
(२) विध्वंसन उद्रा.११६, २६६, म.व्यु. ६२२
(३) विनिवर्तन ल.सू.७७क
(४) विप्रलोपता द.भू ३ब
(५) विनाशना म.व्यु ६३६०

རྣམ་པར་འཇིག་པར་འགྱུར་ विलुप्यन्ति सु प्र. ११०.१६

རྣམ་པར་འཇིག་པར་བྱེད་ विनाशयेत का.प.१०६प.

རྣམ་པར་འཇིག་པར་བྱེད་པ་ वैनाशिक लं.सू. १२५क

རྣམ་པར་འཇིགས་བྱེད་ विभीषणो नागराजा म.व्यु ३३०३(पा.°འཇིག་°)

རྣམ་པར་འཇོག་ अवस्थापयिष्यत् न्या बि.३६ ८

རྣམ་པར་འཇོག་པ་ (१) व्यवस्थापक न्या.बि.३५ १३, १७

(२) व्यवस्थापन न्या.बि.३५.१५, २०, ३६. ३, १९, ४० १८

(३) व्यवस्थापयति म व्यु.५१६९

རྣམ་པར་འཇོག་པར་བྱེད་ व्यवस्थापक न्या.बि ३६.५

རྣམ་པར་འཇོམས་ (१) विस्फोटक म.व्यु ३३४५

(२) विहन्यते (°ते) बो.प.७.४३ब

རྣམ་པར་འཇོམས་པ་ (१) विध्वंसन म.व्यु.४३१२

(२) विनाश बो.प.८.४ख

རྣམ་པར་བརྗོད་པ་ विकल्पित म.व्यु ७२४६

རྣམ་པར་བརྗོད་པར་བྱེད་ प्रव्या-हृ द.भू ७आ.

རྣམ་པར་ཉམས་ विहीन सु.प्र.१६९.५

རྣམ་པར་ཉམས་པར་(འ)གྱུར་པ་ व्याहत म.व्यु. ७६४२

རྣམ་པར་ཉམས་པར་བྱས་པ་ विहान्या म.व्यु. ७६०५

རྣམ་པར་གཏན་ལ་དབབ་པའི་བསྡུ་བ་ निर्णयसंग्रह प्र.पा.९६

རྣམ་པར་གཏོང་བ་ལ་དགའ་བ་ व्यवसर्गरत म.व्यु.२८४६

རྣམ་པར་གཏོད་པ་ व्यपंणा म.व्यु.७४२९

རྣམ་པར་རྟོག་ (१) परिकल्पना बो.प.८ ९८ख

(२) विकल्प का प ८७प., १३६प.

རྣམ་པར་རྟོག་པ་ (१) अनुगम ल.सू.८१क

(२) अनुवितर्कविता द.भू.२ञ

(३) उपकार लं.सू.२०१ख

(४) कल्पन लं सू.६३ख

(५) कल्पना न्या.बि २१ ४

(६) कल्पयितव्य लं.सू.८२क

(७) कल्पा लं.सू.१९६क

(८) परिवितर्क सु.प्र.१४९.१५

(९) प्रतिविकल्पन लं.सू १३१क

(१०) प्रतिविकल्पना ल.सू १३५ख

(११) विकल्प द.भू.१क, ६अ, प, ७च, ८ब, ग, इ, न, नी.पु.२.८४१, न्या बि.६.१७, ७. १३, १९ ४, ७ , प्र.पा.४३, ९४, प्रस. ३७४.१, म.व्यु.४४७२, ७४५१-५३, लं.सू. १६३ख, स.नि.८.३४.२

(१२) विकल्पकल्पित ल.सू.६८क

(१३) विकल्पन न्या.बि.४१ ५

(१४) विकल्पना लं सू.१०१ख

(१५) विचारणा श्र.पं.१.१

(१६) वितर्क द.भू.२अअ, ३क, ५फ, ७ल, ८ए, बो.प.८.२ब

(१७) सविकल्पक न्या.बि.२०.२, २८.८

ब. རྣམ་རྟོག་

~གཉིས་ द्विधावृत्ति लं.सू.२००क

~མཐོང་བ་ विकल्पदर्शन लं.सू.७७ख

~དང་བཅས་པ་ (१) सविकल्प म.व्यु.७४५३

(२) सविकल्पक न्या.बि.२०.९

~དང་བཅས་པའི་གཟུགས་བརྙན་ सविकल्पकबिम्ब सं.नि.८.२, ६, ९, ८.३६.३(सविकल्पक प्रतिबिम्ब)

~དང་འབྲེལ་བ་ विकल्पसंबद्ध लं.सू.१४७क

~ན་ विकल्पयत् न्या.बि.३७ ७

~མི་མངའ་བ་ अकल्प्य लं.सू.१६९ख

~མི་འཇུག་ (१) अप्रवृत्तिविकल्प लं.सू.६३ख

(२) अविकल्प लं.सू.६३ख

(३) परावृत्ताश्रय ल.सू.६३ख

~མི་འབྱུང་ अकल्पित लं.सू.१९६क

~མེད་ अविकल्प का प.८७

~མེད་པ་ (१) निर्विकल्प म व्यु ७४५१, लं.सू.८३ख

(२) निर्विकल्पक सं.नि.४.११

~ཟད་པ་ निर्विकल्पाचार लं.सू.६५क

~ལ་མངོན་པར་ཆགས་པའི་མཚམས་སྦྱོར་བ་ प्रतिविकल्पाभिनिवेशसन्धि लं.सू.१३१ख

~ལས་བྱུང་བ་ (१) प्रतिविकल्पयितव्य लं.सू.६८क

(२) विकल्पसंभव सं.नि.१.५

~འི་ཀྱུ་བ་ལ་གནས་པ་ अविकल्पप्रचारस्थित लं.सू.६३ख

~འི་རྣམ་པར་ཤེས་པ་ वस्तुप्रतिविकल्पविज्ञान लं.सू ७५ख

~འི་སྤྱོད་ཡུལ་ विकल्पगोचर सं.नि.७.२५

~འི་བག་ཆགས་ཀྱི་རྒྱུ་ विकल्पवासनाहेतुक लं.सू.१२८ख

~འི་མཚན་ཉིད་ विकल्पलक्षण लं.सू.६७ख

~འི་མཚན་ཉིད་འཛིན་པ་ལ་མངོན་པར་ཆགས་པས་རབ་ཏུ་འཇོག་པ་ विकल्पलक्षणग्राहाभिनिवेशप्रतिष्ठापिक ल.सू.११४ख

~འི་ཡིད་ཀྱི་རྣམ་པར་ཤེས་པ་ विकल्पकमनोविज्ञान सं.नि ५ ४, ८.३७.१

~འི་རང་བཞིན་ལ་མངོན་པར་ཞེན་པ་ स्वभावाभिनिवेशविकल्प लं सू ८५ख

~ར་འགྱུར་བ་ व्युपरीक्षेत सु.प्र.८७.९

~ས་མཚན་ཉིད་ कल्पितत्व लं.सू.१२७ख

རྣམ་པར་རྟོག་བྱེད་པ་ विकल्पयन्ति सं.नि.९.३३

རྣམ་པར་རྟོགས་ व्यवसीयन्ते म.व्यु.७६४३

རྣམ་པར་རྟོག(ས་)པ་ (१) विकल्प अ.अ.१.१४, २५, ७१, ५.५, ६, ९, १२, १६, १९, २७, २९, ३४

(२) विकल्पन लं.सू.१०८क

ह. རྣམ་པར་རྟོག་པ་

རྣམ་པར་རྟོག(ས)་པ་དང་བཅས་པ་ सविकल्पक म.व्यु.४४७१

རྣམ་པར་རྟོགས་པ་མེད་པ་ निर्विकल्पक म.व्यु. ४४७२

རྣམ་པར་ལྟ་བ་ (१) प्रत्यवेक्षविहारिन् लं.सू. १३३ख

(२) विलोकित द.भू.१०ज, म.व्यु.५१३, ५२४, ६६३४

~ན་ अवलोक्यता उद्रा.८.३२

~ར་བགྱིད་པའི་ཏིང་ངེ་འཛིན་གྱི་སྤྱོད་ཡུལ་གཟུགས་བརྙན་ विपश्यनासमाधिगोचरबिम्ब सं.नि.८.७

~ར་བྱེད་དེ་ अवलोकयति उद्रा.८.११, ३०

~ར་བྱེད་པ་ अवलोकयति उद्रा.८.११

རྣམ་པར་ལྟུང་བྱེད་ व्यतिपात म.व्यु ४३१८

རྣམ་པར་བརྟག་པ་ संकल्प बो.क.२६

རྣམ་པར་བརྟགས་པ་ (१) प्रतिविकल्प लं.सू.६८क

(२) विचार द.भू.७ज

(३) वितर्कित द.भू.(°རྟོག་པ་)२ज, ४ए

རྣམ་པར་(བ)ལྟ་བ་ व्यवलोकन द.भू., म.व्यु. ३४१२

རྣམ་པར་བལྟ་ཞིང་ अवलोकयत् ना.आ.१३, २४

རྣམ་པར་བལྟས་ཏེ་ अवलोक्य उद्रा.१७.७

རྣམ་པར་བལྟས་ནས་ विलोक्य सु.प.६७

རྣམ་པར་བལྟས་པ་ व्यवलोकित सु.प्र.१०१.२३

རྣམ་པར་བལྟར་དོ་ विनिर्वर्णयति स्म सु.प्र.१३९.२३

རྣམ་པར་བསྟན་ནས་ विवर्ण्य उद्रा.४६.२२

རྣམ་པར་ཐར་ विमोक्ष अ.अ.१.६२, ८.२

རྣམ་པར་ཐར་པ་ (१) विमुक्त (°क्ति) द.भू.१०ग

(२) विमोक्ष का.प.८३, १२५. १२६प., द.भू. (°པ་) १अ, ३ह, म, ४द, ६न, ७द, ९अ, ह, ञ, १०फ, ग, ज, ११ब, च, म.व्यु.१२६, ३६८, १५१०-१८, १५४१, सं.नि.८.३७.६

~གསུམ་ सं. विमोक्षत्रयचारिन् लं.सू.११.५क

~འི་སྒོ་ཆེན་པོ་སྟོང་པ་ཉིད་དང་མཚན་མ་མེད་པ་དང་སྨོན་པ་མེད་པ་ནས་འཇུག་པ་ शून्यतानिमित्ताप्रणिहितमहाविमोक्षमुखप्रवेश सं.नि. ०.१

~འི་སྒོ་གསུམ་པོ་ त्रीणि विमोक्षमुखानि सं.नि.९.१८.२.६

~འི་སྒོ་འི་དོན་ विमोक्षमुखार्थ सं.नि. ९.१८.२.६

~འི་རྗེས་སུ་འཐུན་པ་ विमोक्षानुलोमिक सं.नि.८.२४

~ར་བྱེད་པ་ विमोचयति सं.नि.८.३२

རྣམ་པར་ཐར་པ་བརྒྱད་ཀྱི་མིང་ལ་ अष्टौ विमोक्षाः म.व्यु.१५१०

རྣམ་པར་ཐར་བའི་སྒོ་གསུམ་གྱི་མིང་ལ་ त्रीणि विमोक्षमुखानि म.व्यु.१५४१

རྣམ་པར་བྲལ་བ་ विनीत बो.क.१३

རྣམ་པར་མཐོང་བ་ विदर्शना म.व्यु.११४१

རྣམ་པར་མཐོར་ विधुत सु.प्र.१६६.१८

རྣམ་པར་མཐོར་བ་ विक्षिप्तक म.व्यु.११६२

རྣམ་པར་མཐོར་བའི་འདུ་ཤེས་ विक्षिप्तकसंज्ञा म.व्यु.११६२

རྣམ་པར་འཐག་པ་ཐམས་ཅད་བསྡུས་པ་ सर्ववैदल्यसंग्रह कं.तं.२२७ (आर्य~नाम महायानसूत्र). म.व्यु.१३८५

རྣམ་པར་འཐོར་བ་ (१) अवकीर्णपतित सु.प्र. १६७.१०

(२) विकिरण उद्रा.११.६, २९.९, म.व्यु.

(३) विप्रकीर्ण म.व्यु.६५३१

~ཞེས་བྱ་བའི་ཏིང་ངེ་འཛིན་ विकिरणो नाम समाधिः म.व्यु.५९९

~འི་འདུ་ཤེས་ विक्षिप्तसंज्ञा श.दा.६८४क

~ར་བྱེད་པ་ विक्षिपन्ति म.व्यु.५११५

རྣམ་པར་དག་ (१) विशुद्ध का.प.१३६प., १३८, १४९, सं नि.७ ३३, सु.प्र.३५.१३

(२) विशुद्धि लं.सू.८३ख

རྣམ་པར་དག་བགྱིད་ཅིང་ विशोधयमान म.व.४१क

རྣམ་པར་དག་ཉིད་ विशुद्धता अ.अ.४.४८

རྣམ་པར་དག་པ་ (१) परिशुद्धि द.भू.७ख

(२) प्रभास्वर लं.सू.१४क

(३) विप्रसन्न म.व्यु.४२१

(४) विशुद्ध का.प.१०४, ११७प., म.व्यु. २९१, ३००, ३२८, ३९०, ७४९. लं.सू.९९ ख, श.दा. (=རྣམ་དག་), सु.प्र.४९.१८

(५) विशुद्धि अ.अ.२.२९ ३.१४, ८.१, ३७, का.प.१३९, नी पु.२.४५२, म व्यु.११०, श.दा., सं.नि.७ १४, २४, ९ १, २, १८

~སྔ་ནས་~མཉམ་པ་ཉིད་ आदिविशुद्धिसमता द.भू ६अ

~བསྡུས་པ་ संग्रहविशुद्धि सं.नि ९.१८.१

~འི་ཆ་དང་འཐུན་པའི་ विमोक्षभागीय सं.नि. ८.१५.४

~འི་དེ་བཞིན་ཉིད་ विशुद्धितथता सं.नि. ८ २०.२

~འི་དེ་བཞིན་ཉིད་ཀྱི་དོན་སོ་སོ་ཡང་དག་པར་རིག་པར་བྱེད་པ་ विशुद्धितथतार्थप्रतिसंवेदिन् सं.नि.८ २९.९

~འི་དམིགས་པ་ विशुद्धालम्बन सं.नि.४.८, ७.२५

~འི་ས་དང་རྗེས་སུ་འབྲེལ་བ་ཉིད་ཀྱི་ཕྱིར་ विशुद्धभूम्यनुपरिवर्तनात् सं.नि.९.४.७

རྣམ་པར་དག་བྱེད་ཅིང་ विशोधयमान म.व.४०क

རྣམ་པར་དང་བ་ विप्रसन्न म.व्यु.७२१३

རྣམ་པར་དུལ་=རྣམ་དུལ་, རྟ་མཆོག་ उच्चैःश्रवस् श.दा.

རྣམ་པར་དོར་བ་མེད་པ་ཞེས་བྱ་བའི་ཏིང་ངེ་འཛིན་
आकारानभिनिर्हारो नाम समाधिः म.व्यु.५६५
(རྣམ་པར་)གདགས་པ་ प्रज्ञप्ति द.भू १०ख, ११ख
རྣམ་པར་གདའ་ अवभासिता सु.अ १७५.११
རྣམ་པར་གནོན་མི་ཐུབ་པ་ विनिवर्तनीय म.व्यु १३७७
རྣམ་པར་བདུད་ विनतक <गिरि-नाम> म.व्यु. ४१४६
རྣམ་པར་འདག་ विशोधन ल वं ६४
རྣམ་པར་འདུད་ विनतक <गिरि-नाम> म व्यु. ४१४६
རྣམ་པར་འདུལ་བར་བྱ་བ་ विनेतव्य द भू.३क
རྣམ་པར་འདྲེན་པ་ विनायक द.भू १क्ष , म व्यु. २२, श.दा. (=རྣམ་འདྲེན་)
~སེང་གེའི་སྒྲ་ द्र. སེང་གེའི་སྒྲ་བ་ मञ्ज. ३३०
~བསོད་ནམས་སྟོབས་ द्र. བསོད་ནམས་སྟོབས་ मञ्ज.८६१
རྣམ་པར་འདྲེས་པ་ व्यवकीर्ण द.भू.६ट
རྣམ་པར་ནལ་(འདལ་)བ་ वैवल्य द भू.११ख
རྣམ་པར་ལྡང་ व्युत्तिष्ठते द.भू ३ग, १०ग
རྣམ་པར་ལྡང་བ་ हर्ष भ गी ३
རྣམ་པར་ལྡན་པ་ वीत म.व्यु.४५७७, श.दा.
རྣམ་པར་སྤང་བ་ (१) विहिवत् ल.स्तो.६७
(२) विहेष म.व्यु.५३६८

རྣམ་པར་སྤང་ཞིང་སྤྲུར་བ་འདེབས་པ་ विक्षेप-व्याख्यान का प.५
རྣམ་པར་བརྡའ་ཤེས་ལྡན་ विसंज्ञावलिः <संख्या-नाम> म.व्यु ७६७४-७५
རྣམ་པར་བརྡའ་ཤེས་ལྡན་ཕྲག་བརྒྱ་ན་བརྡའ་ཤེས་ཀུན་ཤེས་བྱའོ་ शतं विसंज्ञावलीनां सर्वसंज्ञागणबोधवती म व्यु ७६७५
རྣམ་པར་གནས་ (१) अवस्थित भ.गी.१
(२) विहार श.दा.
རྣམ་པར་གནས་པ་ (१) विहार लं सू ६५क
(२) व्यवस्थान द.भू १ख, ६ख
(३) व्यवस्थित सं नि.७.६
(४) स्वस्थता ल स्तो ८७
རྣམ་པར་གནས་པར་གྱུར་ཏོ་ अवस्थित उदा. ३७.७
རྣམ་པར་གནོན་པ་ (१) विक्रामिन् म.व्यु.१३४७ (पा. °གནོད་པ་)
རིན་ཆེན་པདྨས་~ रत्नपद्मविक्रामिन् वि.प्र. ११५
(२) རྒྱལ་བ་~ जिन विक्रान्त वि प्र.१२८
(३) विक्रमण म.व्यु.२५५१ (पा. °གནོད་པ་)
द्र. རྣམ་གནོན་
རྣམ་པར་གནོན་པའི་གཟིགས་པའི་དཔལ་ विक्रान्तगामिश्री वि.प्र.११३, गु.५८० (རྣམ་པར་

གཏོར་བས་ག་ཞིགས་པ་)

རྣམ་པར་རྣགས་པ་ विपूयक(विपूतिक)सं.नि.८.१२

རྣམ་པར་རྣགས་པའི་འདུ་ཤེས་ (१) विपूतिक-(विपूयक)संज्ञा म.व्यु.११५७

(२) विप्रतीकसंज्ञा श.दा.६८३ख

རྣམ་པར་སྣང་ अवभासित सु.प्र.२९.९

རྣམ་པར་སྣང་བ་ཞེས་བྱ་བའི་ཏིང་ངེ་འཛིན་ वैरोचनो नाम समाधिः म.व्यु.५३६

རྣམ་པར་སྣང་བར་བྱས་ विद्योतित म.व्यु.६९०९

རྣམ་པར་སྣང་བྱེད་ वैरोचन म.व्यु.३३९६

རྣམ་པར་སྣང་མཛད་ वैरोचन वि.पं.१९ग, द.भू. १अ, ब, नी.पु.२.८७०, मह.२०, १६७, ३५१, ९९९, म.व्यु ८२



རྣམ་པར་སྣང་མཛད

ཀུན་རིག་~ सर्वविद् वैरोचन वि.प.६८

द्र. རྣམ་སྣང་

~གྱི་སྒྲུབ་པའི་ཐབས་ཀྱི་ཚོ་ག་ कं.तं.२६६५

~གྱི་སྙིང་པོའི་གཟུངས་ कं.तं.५३४, ८६१

~གྱི་གསང་བའི་དོན་རྣམ་པར་དགོད་པ་ (श्री)वैरोचनगुह्यार्थवरव्यूह कं.तं.१६६६

~མངོན་པར་བྱང་ཆུབ་པའི་རྒྱུད་ वैरोचनाभिसंबोधितन्त्र नी.पु.१.३५१(कं.तं.४९४)

~མངོན་པར་བྱང་ཆུབ་པའི་རྒྱུད་ཆེན་པོའི་འགྲེལ་བཤད་ क.तं.२६६३

~མངོན་པར་རྫོགས་པར་བྱང་ཆུབ་པའི་རྒྱུད་ཀྱི་བསྡུས་པའི་དོན་ वैरोचनाभिसंबोधितन्त्रपिण्डार्थ कं.तं.२६६२

~ཆེན་པོ་མངོན་པར་བྱང་ཆུབ་པར་གཏོགས་པའི་མཆོད་པའི་ཆོ་ག་ महावैरोचनाभिसंबोधिसंबद्धपूजाविधि कं.तं.२६६४

~ཆེན་པོ་མངོན་པར་རྫོགས་པར་བྱང་ཆུབ་པ་རྣམ་པར་སྤྲུལ་པ་བྱིན་གྱིས་རློབ་པ་ཤིན་ཏུ་རྒྱས་པ་མདོ་སྡེའི་དབང་པོའི་རྒྱལ་པོ་ महावैरोचनाभिसंबोधिविकुर्विताधिष्ठानवैपुल्यसूत्रेन्द्रराज (नाम धर्मपर्याय) कं.तं.४९४

རྣམ་པར་སྤྲུན་པ་ विस्यन्द श.दा.

རྣམ་པར་དབྱུད་ (१) विचार बो.प.९.१५०क (दे.)

(२) विचारणा ना.आ.५

(३) विचार्यमाण लं.सू १११ख

རྣམ་པར་དཔྱད་པ་ (१) विचार द.भू. (पा. "དཔྱོད་པ་") १क, ३क, ६ट, प्रस.३४२.१३, बो.प.६.७४ग, १०८घ

(२) विचारणा द.भू.४अ, ब, ७इ

(३) विचारित बो.प.६.१०६क

(४) विचिन्तित (पा. विचारित) द.भू.७इ

རྣམ་པར་དཔྱད་པར་བྱ་བ་ अवचारयितव्य म.व्यु. ७४५८

རྣམ་པར་དཔྱད་བྱ་ विचारित बो.प.६.११०क(पै. °བྱས་)

རྣམ་པར་དཔྱོད་ विचारेण सु.प्र.४२.२०, २४

རྣམ་པར་དཔྱོད་དེ་ प्रविचिनोति द.भू.२म

རྣམ་པར་དཔྱོད་པ་ विचार प्रस.३६६ ८

རྣམ་པར་དཔྱོད་པ་བྱེད་ विचिनन्ति द.भू.७अ., ८अ.

རྣམ་པར་དཔྱོད་པར་བྱེད་ विचार्यमाण ना.आ. १०.४

རྣམ་པར་སྤང་ (१) विवर्जनीय का.प.११३प.

(२) विवर्जये का.प.७प.

རྣམ་པར་སྤང་བར་བགྱི་ विवर्जयेयम् सु.प्र.३०. १६

རྣམ་པར་སྤངས་ (१) वर्जित द.भू.(རྣམ་པར་°) १अ, क, ङ

(२) विप्रमुक्त उ.त.२

རྣམ་པར་སྤངས་ཏེ་ (१) विरहित द.भू.४च

(२) विधूय लं.मि.८.१५.२, ९.१८.२.६

རྣམ་པར་སྤངས་ནས་ (१) धुत्वा सु.प.५६

(२) विवर्जयित्वा का.प.६०प.

རྣམ་པར་སྤངས་པ་ (१) पं. प्रतिकूलतंत्रा लं.सू. ११६ख

(२) विवर्जित अ.अ.४.१८

(३) विवर्जनता का.प.१५६

(४) °विवर्जित सु.प्र.५६.७

(५) विवर्जितत्व लं.सू.१४५ख

(६) व्यपकर्षित म.व्यु ७६०१

(७) व्यवसर्ग द.भू.४च

རྣམ་པར་སྤོང་ (१) विजह्यात् का.प.५प.

(२) विवर्जयन्ति का.प.१२प.

(३) विवर्जयेत् का.प.११प.

(४) विवर्जित का.प.१९प.

རྣམ་པར་སྤོང་བར་ཤོག་ विवर्जयन्तु सु.प्र.२१.२१

རྣམ་པར་སྤོང་བས་ཡོངས་སུ་བསྒྱུར་བ་ व्यवसर्ग-परिणत म.व्यु ९७५

རྣམ་པར་སྤོང་བྱེད་ विवर्जयेथा का.प.२७प.

རྣམ་པར་སྤྱོད་ (पा. °དཔྱོད་) (१) विचारेण सु.प्र. ४२.२०, २४

(२) विचारयति द.भू.८क, ९म

རྣམ་པར་སྤྲས་ विरचित ल.स्तो.६६

རྣམ་པར་སྤྲུལ་པ་ विकुर्वित का.प.८९

རྣམ་པར་སྤྲོས་ན་གོ་བ་ विपञ्चितज्ञ म.सू.१२.१०

རྣམ་པར་སྤྲོས་པ་ (१) विचित्र ल.वि.७.१३.१६, १७

(२) विपञ्चित स.रा. (°པར་°) ८.७, १९.१, ४, ५, ८, १०, १४

རྣམ་པར་སྤྲོས་པ་མེད་པ་ अविप्रपञ्च म.व्यु.२९२६, श.दा.

རྣམ་པར་སྤྲོས་པས་(ནས་)གོ་བ་ विपञ्चितज्ञ म.व्यु.२३८५

རྣམ་པར་ཕྱེ་ (१) भागशः कृतः द.भू.१क

(२) वि-वृत् सं.नि.४.७

རྣམ་པར་ཕྱེ་དེ་སྨྲ་བ་ विभज्यवादिन् श.दा.५७२ख

རྣམ་པར་ཕྱེ་སྟེ་ विभज्य श.दा.

རྣམ་པར་ཕྱེ་སྟེ་སྨྲ་བ་ विभज्यवादिनः नी.पु १. २७

རྣམ་པར་ཕྱེ་སྟེ་སྨྲ་བའི་སྡེ་ विभज्यवादिनः म.व्यु. ९०८४, श.दा.

རྣམ་པར་ཕྱེ་སྟེ་ལུང་བསྟན་པ་ विभज्यव्याकरण श.दा.१२१६क

རྣམ་པར་ཕྱེ་བ་ (१) प्रविभक्ति द.भू.९फ, ब

(२) विचित द.भू.१द, त, ७हृ, १०अ, म.व्यु. ६८३८

(३) विभंग द.भू.१मम, ९ब्व

(४) व्यूह द.भू.१०ब, ह

རྣམ་པར་ཕྱེས་པ་ विवृत म.व्यु.१३०५

རྣམ་པར་འཕེལ་ (१) विवर्धते सु.प्र.८८.१९

(२) विवर्धयेरन् सु.प्र.५६.२९

རྣམ་པར་འཕེལ་བ་ (१) विवर्धन म.व्यु.७४४३

(२) विवृद्धि ल.सू.६५क

རྣམ་པར་འཕེལ་བར་བགྱི་ (१) विवर्धयितव्य सु.प्र.७१.२२

(२) विवर्धयिष्यामि सु.प्र.९४.१

རྣམ་པར་འཕེལ་བར་བགྱིད་འཚལ་བ་ विवर्धयितु-काम सु.प्र.५८.१०

རྣམ་པར་འཕེལ་བར་འགྱུར་ (१) विवर्धते सु.प्र. ८८.१८

(२) विवर्धयिष्यति सु प्र.६२.२०

(३) विवर्धयिष्यन्ति सु.प्र.४९.५, ७८.३, ९४.१५

(४) विवर्धयेत् सु.प्र.५३.५, ८

(५) विवर्धिष्यते सु.प्र.९५.१५

རྣམ་པར་འཕེལ་བར་མི་བགྱིད་ न विवर्धयेत् सु.प्र. ६९.२६, ७०.२

རྣམ་པར་འཕྲུལ་བ་ (१) विकुर्वण द.भू.१प, मम, ५क, ८ओ, १०फ, ग, ११ब, म व्यु.७६७, १४०९

(२) विकुर्वन्ति द.भू.१यय

(३) विकुर्वित द.भू.१०ए

རྣམ་པར་འཕྲུལ་བའི་རྒྱལ་པོས་ཞུས་པ་ विकुर्वाण-

राजपरिपृच्छा कं.तं.१६७ (आर्य~नाम महा-
यानसूत्र), म.व्यु.१४०९

རྣམ་པར་འཕྲུལ་བའི་སྟོབས་ विकुर्वणबल म.व्यु.
७६७, श.दा.५५६क

རྣམ་པར་འཕྲོ་(བ་) विसृत मु.प्र.१५४.४, १७७.९

རྣམ་པར་བམ་པའི་འདུ་ཤེས་ व्याध्मातकसंज्ञा
म.व्यु.११५९, श.दा.६८३ख

རྣམ་པར་བྱང་བ་ (१) =རྣམ་བྱང་ वैयवदानिक
प्र.पा.६, ५५

(२) व्यवदान अ.अ.२.१४(=प्रतिपक्ष ह भ),
८.३५, ३९, का.प.५९, प्रस.३७४.१२. म.व्यु
१२६, लं.सू.६८क, सं.नि.१०.५.३

~འི་ཆོས་ वैयवदानिकधर्म सं.नि.८ १९,
८ २०.१, ८.२०.२, १०.८

~འི་ཆོས་རྣམས་ཀྱི་ཕན་ཡོན་ वैयवदानिक-
धर्मानुशंसा सं.नि.१०.७.४.४

~འི་དོན་ व्यवदानार्थ सं.नि.८.२०.१०

~འི་མཚན་ཉིད་ व्यवदानलक्षण सं.नि.३.५

རྣམ་པར་བྲུས་ आकृति श.दा.

རྣམ་པར་བྱིངས་ विनिमग्न श.दा.

རྣམ་པར་བྲལ་ विगच्छन्ति बु.च.४६

རྣམ་པར་བྲལ་བ་ (१) वर्ज्य लं.सू.७७ख

(२) विसंयोजन लं.सू.७८ख

རྣམ་པར་དབེན་པ་ (१) प्रविवेक प्रम.३७८.९

(२) विमुक्त लं.सू.७८क

(३) विविक्त लं.सू.११४क

རྣམ་པར་དབྱེ་ विभज्य लं.सू.११२क

རྣམ་པར་དབྱེ་བ་ (१) घटित द.भू.१ओ

(२) प्रविचिनोति द.भू.९अ

(३) विचय द.भू. (पा.°འབྱེད་པ་) १द, ओ,
न, ख्य, ७ह्, ८अ, कु, ९फ, १०अ, ब

(४) विभक्त (°क्ति) द.भू. (पा.°དབྱེ་བ་)
१फ, क, ६ग, ७अ, ८प, ल, व, ९अ, ओ, ल,
कु स, ख, ज, १०अ, फ, ज, ११न

(५) विभक्ति म.व्यु ८४६, ४७३७

(६) विभजन म.व्यु.५१७४, श.दा. (=རྣམ་
དབྱེ་, རྣམ་དབྱེད་)

(७) विभज्य-[व्याकरण] सं.नि.८.२१.२

(८) विभाग अ.अ.३.७, द.भू.१फ, इइ, ५घ,
८ल

(९) सुविभाग लं.सू.१०३क

རྣམ་པར་དབྱེ་བའི་ཚིག་བདུན་གྱི་མིང་ལ་ सप्त-
विभक्तिकाय: म.व्यु.४७३७

རྣམ་པར་འབར་ सुप्रभास (सुविराजित?) सु.प्र.
१७५.१६

རྣམ་པར་འབུལ་བ་ व्यर्पणा म.व्यु.७४२९

རྣམ་པར་འབུས་འཛིགས་པའི་འདུ་ཤེས་ विपूयक-
संज्ञा श.दा.६८३ख

རྣམ་པར་འབུས་གཞིག་པའི་འདུ་ཤེས་ विपडुमक-
संज्ञा म.व्यु.११५८ (पा.°བཞིགས་°)

རྣམ་པར་འབེར་བའི་འདུ་ཤེས་ व्याध्मातकसंज्ञा म.व्यु.११५९

རྣམ་པར་འབྱེད་ (१) विवेचना म.व्यु.७९८५
(२) विविनोति म.व्यु.५१७३

རྣམ་པར་འབྱེད་དེ་ विचरन्ति का.प.८.प.

རྣམ་པར་འབྱེད་པ་ (१) अवधारक लं.सू.१३०क
(२) परीक्षा लं.सू.११४ख
(३) प्रविचय द.भू.४ग, ११ग
(४) प्रविचिनोति द.भू.१ख
(५) विचय सं.नि.८.४
རབ་ཏུ་~ प्रविचय का.प.५०
(६) विभक्त म.व्यु.२९९
(७) विभंग उद्रा., म.व्यु.१३७२, १४२५
(८) विवृणोति का.प.८

རྣམ་པར་འབྱེད་པའི་སྐུ་ विभक्तगात्र भद्र.१९८ (पा.°འབྱེས་°)

རྣམ་པར་འབྱོར་བ་ (१) ऐश्वर्य सु.प्र.७६.२५
(२) विभव श.दा.

རྣམ་པར་འབྲལ་ (१) विप्रवसति द.भू.४ज
(२) वियुज्यन्ते बु.च.४९

རྣམ་པར་འབྲལ་བ་ (१) याति बु.च.४८
(२) विप्रयोग बु च.१७

རྣམ་པར་འབྲེལ་བ་ विनिबन्ध(न) द.भू.२ख, ६ल, म

རྣམ་པར་སྦྱང་བ་ व्यवदान द.भू १ख

རྣམ་པར་སྦྱངས་ (१) आप्त लं.सू.२०७ख
(२) विशोधित उद्रा.८.३६, श.पं.३०

རྣམ་པར་སྦྱངས་པ་ (१) विधूत म.व्यु.५३४३
(२) विशुद्ध म.व्यु.५३४२
(३) विशोधित द.भू.७ज

རྣམ་པར་སྦྱོང་བ་ विशोधयमान म.व.२७ग

རྣམ་པར་མ་གཅད་(པ་) अव्यवच्छेद न्या.बि. १५९.७

རྣམ་པར་མ་རྟོག་ཤིག་ मा .विकल्पयत: का.प.१४३

རྣམ་པར་མ་རྟོགས་པའི་སྐུ་མི་མངའ་བ་ अविकल्पितशरीर म.व्यु ३६५

རྣམ་པར་མ་བརྟགས་པའི་སྐུ་མངའ་བ་ अविकल्पितशरीर सं.नि.०.२

རྣམ་པར་མ་དག་པ་ अविशुद्ध म.व्यु ४४१६

རྣམ་པར་མ་བཞག་པ་ अव्यवस्थापित न्या.बि. ३६.९

རྣམ་པར་མི་རྟོག་ (१) अकल्प लं.सू.१६१ख
(२) अविकल्पन लं सू.१६१ख
(३) निर्विकल्पक सं नि.९.१२, ९.१८.२.६

རྣམ་པར་མི་རྟོག་ན་ न विकल्पयति का.प.१२५

རྣམ་པར་མི་རྟོག་པ་ (१) अविकल्प म.व्यु.७४५२
(२) अविकल्पकत्व न्या.बि.१९.२०
(३) अविकल्पना अ.अ.१.३३, ४.३३
(=कर्मकर्तृक्रियानुपलम्भ ह.अ.)
(४) निर्विकल्प का.प.८७

(५) निर्विकल्पक न्या.बि.२०.५, २०, २६.१९, २८.२, १०..., प्र.पा.५६

~ཉིད་ निर्विकल्पकत्व सं.नि.१.१३, १९, २०

~འི་ཏིང་ངེ་འཛིན་ अविकल्पसमाधि गी.यु. २.७०२

~འི་གཟུགས་བརྙན་ (१) निर्विकल्पकप्रतिबिम्ब सं.नि.८.३६.३

(२) निर्विकल्पकबिम्ब सं नि.८.२

~འི་ཡེ་ཤེས་ निर्विकल्पकज्ञान गी.यु.२.५५७

~འི་རབ་ཏུ་བྱེད་པ་ निर्विकल्पप्रकरण क.त. २२७१

~ར་འཇུག་པ་ (आर्य)अविकल्पप्रवेश (नाम धारणी) कं.त.१४२

~ར་འཇུག་པའི་གཟུངས་ཀྱི་རྒྱ་ཆེར་འགྲེལ་པ་ (आर्य)अविकल्पप्रवेशधारणीटीका कं.तं ४०००

རྣམ་པར་མི་འཚེ་བ་ न विहेठयेयुः सु.प्र.५५ २४

རྣམ་པར་མི་ཤེས་ न विजानन्ति सु.प्र.४२.१८

རྣམ་པར་མི་ཤེས་པ་ अविजानमान सु.प्र.४२.७

རྣམ་པར་སྨུར་ विपरिणत म.व्यु.७३१५

རྣམ་པར་སྨྲོས་པ་ कौतूहल ल.सू ६३क

རྣམ་པར་དམར་བའི་འདུ་ཤེས་ विलोहितकसंज्ञा म.व्यु.११६०, ध.दा.६८३ल (विलोहितसंज्ञा)

རྣམ་པར་དམིགས་པ་ विज्ञापन द.भू.१क, १०ख

རྣམ་པར་དམིགས་པ(ར་)(བྱེད་པ་) विज्ञपित द.भू.१क, ह

རྣམ་པར་རྨོངས་ནས་ विमूढ सं.नि.१.३३

རྣམ་པར་རྨོངས་པ་ विमोहित बो.प.८.१८क

རྣམ་པར་རྨོངས་པར་བྱེད་ व्यामोहन ल.सू.११७क

རྣམ་པར་སྨིན་ विपाक का.प.१६ख.

རྣམ་པར་སྨིན་སྐྱེས་ सं. विपाकविपाकज ल.सू. १८३क

རྣམ་པར་སྨིན་པ་ (१) विपाक उद्रा.४६.३७, ४७.१ , का.प.१६, द.भू.२ङ, ६ख, ७ग, ८ग, ९क, म.प.५५ग, म.व्यु.१२१, १५६१-६४, २२६२, २२७६, २३०७, ६५८५-८६, ७५३८, म.सू., बा.बा., स.रा.२२.२२

ལས་ཀྱི་~ कर्मविपाक का.प.१६, १०३

(२) वैपाकिक ल सू.१७१क

द्र. རྣམ་སྨིན་

~གྱིས་ཆེ་བ་ उदारविपाक म.व्यु.६५८६

~བདེ་བ་ सुखविपाक म.व्यु.१५६२, १५६४

~སྡུག་བསྔལ་བ་ दुःखविपाक म.व्यु.१५६३

~མ་ཡིན་པའི་སྐད་ཅིག་མའི་སྦྱོར་བ་ अविपाकावस्थात्मैकक्षणाभिसंबोधः म.पा.८१

(ལས་ཀྱི་)~ལ་རྟེན་པ་ (कर्म)विपाकप्रतिसरण का.प.८

~ལ་སྡུག་བསྔལ་བ་ दुःखविपाक म.व्यु.१५६१

~ལ་མི་རེ་བའི་གཏོང་བ་ विपाकाप्रति-कांक्षिण त्यागः का.प.२४

~འི་སྐད་ཅིག་མའི་སྦྱོར་བ་ विपाकावस्थायामेकक्षणाभिसंबोध (क्षणिकप्रयोग) प्र.पा.८२

~འི་རྒྱུ་ विपाकहेतु म.व्यु.२२६२

~འི་འབྲས་ विपाकफल सु.प्र.१११.१६प.

~འི་འབྲས་བུ་ विपाकफल म.व्यु.२२७६, सं.नि.९.१५, १९, २१, २३, सु.प्र.३९.७

~འི་འབྲས་བུ་འདོད་པ་ इष्टविपाकफल सं.नि.९.२२, २४

~ར་འགྱུར་ विपच्यन्ते उद्रा.४४.३६

~ར་འགྱུར་དེ་ विपच्यन्ते उद्रा.४४.३९

རྣམ་པར་སྨིན་ལ་རེ་བ་མེད་ विपाकाप्रतिकांक्षिण का.प.२७प.

རྣམ་པར་སྨོད་པ་ विवाचयति म.व्यु.९३६०

རྣམ་པར་སྨོད་བྱེད་པ་ विगर्हणा का.प.११३प.

རྣམ་པར་སྨྲས་ बभाषे बु.च.५४

རྣམ་པར་རྩེ་བ་ (१) विक्रीडमान म.व्यु ७३४१

(२) विक्रीडित म.व्यु.५०९

རྣམ་པར་རྩེན་པ་ विक्रीडनता का.प.

མངོན་པར་ཤེས་པ་ལྔས་~ पञ्चाभिज्ञ-विक्रीडनता का.प.२५

རྣམ་པར་རྩོད་པའི་མཐའ་ वितण्डा न्या.टी.२५८

རྣམ་པར་བསམས་པ་ विचिन्तयत् बो.प.१०.१८

རྣམ་པར་ཚིག་ श्रावक श.दा:

རྣམ་པར་ཚིག་པའི་འདུ་ཤེས་ (१) विदग्धकसंज्ञा म.व्यु.११६३

(२) विभावकसंज्ञा श.दा.६८४क

རྣམ་པར་འཚེ་བ་ (१) विहिंसा म.व्यु.१५९८,] १९७०

(२) विहेठ सु.प्र.५५.२५

རྣམ་པར་འཚེ་བ་ལས་འབྱིན་པ་ནི་སྙིང་རྗེ་ विहिंसा-निःसरणं करुणा म.व्यु.१५९८

རྣམ་པར་མཛེས་ (१) विराजते सु.प्र.२८.१९, १७७.२०

(२) सुविराजित सु.प्र.२८.१६, २४

རྣམ་པར་མཛེས་པ་ (१) विराजित (सुप्रभास?) सु.प्र.३५.२०

(२) विराट् म.व्यु.३४

རྣམ་པར་འཛིན་ विभाज बो.क.१९

རྣམ་པར་ཞི་སྟེ་ व्युपशाम द.भू.३क

རྣམ་པར་ཞི་བ་ व्युपशम म.व्यु.७६६८, लं.सू.१६०क

རྣམ་པར་གཞག་ अवस्थाप्यते न्या.बि.३५.९

རྣམ་པར་གཞག་པ་ (१) अवस्थाप्यते न्या.बि. (°པ་) ४०.१७, ४१.३

(२) अवस्थाप्यमान न्या.बि. (°པ་) ३६.२, १८

(३) व्यवस्थान म.व्यु.३५९, ६९१८, ७९६६

(४) व्यवस्थापक म.व्यु.५१७५

(५) व्यवस्थाप्य न्या.बि. (°པ་) ३५.१२, १७, ३६.५, ९१.९

(६) व्यवस्थाप्यमान न्या.बि.४१.१

~གདགས་པ་ व्यवस्थानप्रज्ञप्ति <संख्यानाम> म.व्यु.७९६५-९६

~གདགས་པ་ཕྲག་བརྒྱ་ན་རྒྱུ་རིག་འཛིན་ཅེས་བྱའོ་ शतं व्यवस्थानप्रज्ञप्तीनां हेतुहिलं नामोच्यते म.व्यु.७९६६

~བསམ་གྱིས་མི་ཁྱབ་པ་ अचिन्त्यव्यवस्थान म.व्यु.३५९, सं.नि.०.२

~དེ་ཕྱིར་ सं. व्यवस्थाप्यत इति न्या.बि. १८२.१५

~ར་བྱ་བ་ (१) मं. व्यवस्था न्या.बि.९१.१०

(२) व्यवस्थाप्य न्या.बि.३५.१६, ३६.२

~ར་བྱ་བ་ཡིན་ व्यवस्थाप्यते न्या.बि.१६०.१३

རྣམ་པར་གཞིག་ (१) विनाशयेयम् सु.प्र.५४.६

(२) विध्वंस्यमान लं.सू.११२क

རྣམ་པར་གཞིག་པ་ विनाश का.प., सं.नि.७.२३

གང་ཟག་ ~དེ་ཕྱིར་ पुद्गलभावविनाशाय का.प.६४

རྣམ་པར་གཞིག་པར་འཚལ་བ་ विनाशयितुकाम सु.प्र.५४.२१

རྣམ་པར་གཞོམ་པར་བྱ་ विनाशयिष्यामि बो.च. ६.८ख

རྣམ་པར་བཞག་ (१) व्यवस्थापित उद्रा.३९.५, लं.सू.११६ख

(२) व्यवस्थित सं.नि.९.५.११

རྣམ་པར་བཞག་པ་ (१) व्यवस्था ना.आ.११.४, न्या.बि.४०.१२, १४, १८७.४, प्रस.४२२.१

(२) व्यवस्थापन श.दा., सं.नि.१०.७.४.२

(३) व्यवस्थापित न्या.बि.३६.११

(४) व्यवस्थित न्या.बि.१८५.१५, सं.नि.९.६

རྣམ་པར་བཞག་པ་མེད་དོ་ अव्यवस्थापितं भवति न्या.बि.३६.१५

རྣམ་པར་བྲོས་པའི་འདུ་ཤེས་ विलोहितकसंज्ञा म.व्यु.११६१, श.दा.६८३ख

རྣམ་པར་གཟིགས་ (१) विपश्यन् म.व्यु.८७

(२) विलोकन भद्र.७३

རྣམ་པར་གཟིགས་སུ་གསོལ་ व्यवलोकयन्तु सु.प्र. २६.२

རྣམ་པར་བཟློག་ विनिवृत्ति प्रस.३५९.१३

རྣམ་པར་བཟློག་ནས་ व्यावृत्य सं.नि.९.१०.३

རྣམ་པར་བཟློག་པ་ (१) विनिवर्तन द.भू. (पा. °ཟློག་པ་) ३प, ५म

(२) विपर्यय लं.सू.१२६क

(३) व्यस्त लं.सू.८७ख

(४) व्यावृत्ति लं.सू.८७ख

རྣམ་པར་བཟློག་པའི་རྒྱུ་ व्यावृत्तिहेतु सं.नि.९.३१

རྣམ་པར་བཟློགས་ནས་ विसृज्य बु.च.६५

རྣམ་པར་གཡེང་བ་ (१) विक्षेप का.प.६५, बो.भ.
ट.२ख, सं.नि.८.३६.३, ६.१४, २३, १०.५.३
(२) विक्षेपण श.बा.

རྣམ་པར་གཡེང་བྱེད་པ་ विक्षिपन्ति म.व्यु.५१६५

རྣམ་པར་གཡེངས་པ་ विक्षिप्त बो.भ.८.१ग

རྣམ་པར་གཡོས་པ་ विल्पखित लं.सू.१७७ख

རྣམ་པར་རིག་པ་ (१) =རྣམ་པར་ཤེས་པ་ ज्ञान श.बा.
(२) विज्ञप्ति लं.सू.६८ख, सं.नि.८.३६.२
(३) =རྣམ་པར་ཤེས་པ་ विज्ञान श.बा.

རྣམ་པར་རིག་པ་ཉིད་ विज्ञप्तित्व सं.नि.
འདུ་བྱེད་རྣམས་~ संस्काराणां विज्ञप्तित्वम् सं.नि.८.२०.२

རྣམ་པར་རིག་པ་མེད་པ་ अविज्ञप्तिक का.प.५६, ५७, ६८

རྣམ་པར་རིག་པ་ཙམ་ विज्ञप्तिमात्र सं.नि.८.७, ८, ९, ८.२९.८

རྣམ་པར་རིག་པ་ཙམ་ཉིད་དུ་གྲུབ་པ་ विज्ञप्तिमात्रतासिद्धि कं.तं.४२५९, न्या.इ.३४३ (°मात्रसिद्धि)

རྣམ་པར་རིག་པའི་དེ་བཞིན་ཉིད་ विज्ञप्तितथता स नि.८.२०.२, ८.२८, ८.३७.२

རྣམ་པར་རིག་པའི་དོན་ विज्ञप्त्यर्थ सं.नि.८.२२

རྣམ་པར་རིག་པར་བྱ་བ་ (१) विज्ञापनीया म.व्यु.४७२
(२) विज्ञेया म.व्यु.४६७

རྣམ་པར་རིག་(པར་)བྱེད་(པ་)མ་ཡིན་པ་ अविज्ञप्ति म.व्यु.१९१२

རྣམ་པར་རིག་བྱེད་ विज्ञप्ति म.व्यु.१८८७, म.सू., श.बा.

རྣམ་པར་རོལ་ལྡན་ विक्रीडितावित् भद्र.११०, १५०

རྣམ་པར་རོལ་པ་ (१) विक्रीडित द.भू.१ख, १०ग, ज, भद्र.२७७, म.व्यु.५०९, ६८३, ७३३, ८१३, ८६३, ८८२, ६४०४
(२,३) विरति, विरमण श.बा.

རྣམ་པར་རོལ་བས་མངོན་པར་མཁྱེན་པ་
ཆོས་རྒྱ་མཚོ་མཆོག་གི་བློས་~འི་རྒྱལ་པོ་ धर्मसागराग्र(?)मतिविक्रीडिताभिज्ञराज वि.च.१३८
པདྨའི་འོད་ཟེར་~ पद्मज्योतिर्विक्रीडिताभिज्ञ वि.च.१०६
ཚངས་པའི་འོད་ཟེར་~ ब्रह्मज्योतिर्विक्रीडिताभिज्ञ वि.च.१०५

རྣམ་པར་ལོག་པ་ विनिवृत्त द.भू.६र, लं.सू.८४ख

རྣམ་པར་ཤེས་ विज्ञान अ.अ.४.१५, ५.२४, श.बा. (=རྣམ་ཤེས་)

རྣམ་པར་ཤེས་མཐའ་ཡས་སྐྱེ་མཆེད་ विज्ञानानन्त्यायतन म.व्यु.२२९४

རྣམ་པར་ཤེས་དང་བཅས་པ་ सहविज्ञान लं.सू.

१८२क

རྣམ་པར་ཤེས་པ་ (१) ज्ञान न्या.बि.२०.५, १६, २१.११, १६, २४.१०, १५, १९ ..
(२) विज्ञान सं.नि.३.५
(३) विज्ञान उप्रा.८.१४, २३, का.प., द.भू. १कुकु, ३क, ४ग, ६ख, ८ग, ९ख, १०क, ला.अ.१३.१८, न्या.बि.७.५, १९.१, ३, ४, ११, १६, २०.२, ३ .., म.व्यु.१५३८, १८३६, २०१६-१८, २०२१-२६, २०४३, २०४६, २०४९, २०५२, २०५५, २०५८, २२४४, ४७०१, ४७०३, ४७०४, ५१४५, लं.सू.६१ क, श.दा., सं.नि.५.१, ८.२०.३, १०.९, सु.प्र.१४८.२३

ཀུན་གཞི་~ आलयविज्ञान श.दा.

ལྕེའི་~ जिह्वाविज्ञान श.दा.

ཉོན་མོངས་པ་ཅན་གྱི་ཡིད་ཀྱི་~ सं. आदान-विज्ञान श.दा.

འདུ་བྱེད་རྣམས་ཀྱི་རྐྱེན་གྱིས་~ संस्कारप्रत्ययं विज्ञानम् का.प.६१

རྣ་བའི་~ श्रोत्रविज्ञान श.दा.

སྣ་བའི་~ घ्राणविज्ञान श.दा.

མིག་གི་~ चक्षुर्विज्ञान श.दा.

ཡིད་ཀྱི་~ मनोविज्ञान श.दा.

ལུས་ཀྱི་~ कायविज्ञान श.दा.

འཇུག་པའི་~ प्रवृत्तिविज्ञान श.दा.

(४) सं. विज्ञानस्वभाव लं.सू.६४क

~འགག་ विज्ञाननिरोध का.प.६२

~འགགས་པ་ विज्ञाननिरोध का.प.६२

~མཐའ་ཡས་སྐྱེ་མཆེད་ विज्ञानानन्त्यायतन म.व्यु.१४१४

~དང་བཅས་པའི་ཤིང་ सविज्ञानक वृक्ष सं.नि ५.४

~རང་ལྡན་ विज्ञानवत् म.व्यु.४७०२

~བདག་གི་ཡིན་ आत्मीयं विज्ञानम् म.व्यु.४७०३

~བདག་ལ་གནས་ विज्ञाने आत्मा (!) म.व्यु.४७०४

~མི་གསལ་བ་ अपरिस्फुटविज्ञान उप्रा. १५.२७, २८

~ཙམ་དུ་སྨྲ་བ་ विज्ञानवादिन् म.व्यु.५१४५

~རིགས་གཅིག་པ་ एकजातीयविज्ञान म.व्यु.२१२५

~ལ་བདག་གནས་ विज्ञाने आत्मा म.व्यु.४७०४

~ཤེས་པར་བྱེད་པའི་མཚན་ཉིད་ विज्ञानलक्षण म.व्यु.७५६४

~འི་རྐྱེན་གྱིས་མིང་དང་གཟུགས་ विज्ञान-प्रत्ययं नामरूपम् का.प.६१

~འི་ཁམས་ विज्ञानधातु का.प.५४

~འི་ལྟ་བ་ विज्ञानवाद न्या.इ.२४५.१

~འི་ཕུང་པོ་ विज्ञानस्कन्ध म.व्यु.१८३६,

श.दा.४८६ख

~འི་(ཕུང་པོ་སོ་སོར་ཕྱེ་བའི་)མིང་ལ་ विज्ञाननामानि म.व्यु.२०१६

~འི་དམིགས་པ་ विज्ञानालम्बन सं.नि.८.७

~འི་ཚོགས་ལྔ་པོ་ पञ्चविज्ञानकाय लं.सू.९१क

~འི་ཚོགས་དྲུག་པོ་ षड्विज्ञानकाय सं.नि.५.४

~འི་ཟས་ विज्ञानाहार म.व्यु.२२८७, श.दा.१०१३ख

~འི་སངས་རྒྱས་ विज्ञानबुद्ध लं.सू.१२१ख

~ར་རུང་བ་ विक्षेप द.भू १०फ

རྣམ་པར་བཤད་པ་ (१) व्याख्या कं तं.

(२) व्याख्यान प्रम.४३४.१३, म.व्यु.१४५३

~རིགས་པའི་མདོ་སྡེའི་དུམ་བུ་བརྒྱ་ व्याख्यायुक्तिसूत्रखण्डशत कं.तं.४०६०

~རིགས་པའི་བཤད་པ་ व्याख्यायुक्तिटीका कं.तं.४०६९

~འི་རིགས་པ་ व्याख्यायुक्ति कं.तं.४०६१

རྣམ་པར་སངས་རྒྱས་པ་ विबुद्ध द मू १०ए

རྣམ་པར་སེལ་བ་ (१) विकिरण म.व्यु.५९०

(२) विष्कम्भण म.व्यु.२५५१

(३) विष्कम्भिन् म.व्यु.६५१

རྣམ་པར་སེལ་བར་བགྱིད་ विनोदयन्ति सं.नि.८ २६

རྣམ་པར་སེལ་བར་བགྱིད་ན་ विनुद सं.नि.

མཚན་མ་རྣམ་བཅུ་~ दशविधानि निमित्तानि विनुद सं नि.८.३०

རྣམ་པར་སེལ་བར་བགྱིད་ལགས་ विनुदित सं.नि.८.२७

རྣམ་པར་སེལ་བར་བྱེད་དེ་ विनोदयन्ति सं.नि.८.३६ ३

རྣམ་པར་སྨྲ་བ་ व्यामोहक लं.सू.१४१ख

རྣམ་པར་གསལ་བ་ (१) परिकर्षित का.प.२५

(२) विस्पष्टा म.व्यु ४६८

རྣམ་པར་གསེར་ हिरण्यमय लं.सू.२०७ख

རྣམ་པར་བསགས་པ་ का.प.१५३

རྣམ་པར་བསམ་པ་

ལེགས་པར་~ सुचिन्तित का.प.१५४

རྣམ་པར་བསམས་ནས་ विचिन्त्य ना.आ.३, १२

རྣམ་པར་བསམས་པ་ विचिन्तित सु.प्र.२७.४

རྣམ་པར་བསྒྲིག་པ་ अनालीढ लं सू.१३६ख

རྣམ་པར་ལྷང་ངེ་ विरोचमान सु.प्र.११५.१९

རྣམ་པར་ལྷང་ངེ་སྟེ་ विरोचते सु.प्र.२०.६

རྣམ་པར་ལྷང་ངེ་བ་ विरोचनता सु.प्र.३७.९

རྣམ་པར་ལྷུང་ विभ्रष्ट श.दा.१३३९क

རྣམ་པར་ལྷུང་བ་ विपतित श.दा.

རྣམ་པས་སྦྱོར་བར་བགྱིད་པ་ प्रयुज्यते सं.नि.७.३१

རྣམ་དཔྱོད་ (१) विचारण सु.प्र.४५.४

(२) विचारित बो.च.१.१६घ

རྣམ་དཔྱད་པ་ विचार बो.च.६.१४१क

རྣམ་དཔྱད་ཟིན་ विचारित बो.प.६.१३०ख

རྣམ་དཔྱོད་ (१,२) प्रज्ञा, मति श.दा.

(३) विचार बो.च.६.१०६ख, ग, ११०ख, श.दा.

(४) विचारज बो.च.६.१०६घ, सु.प्र.४३.२

(५) विपूर्ण <संख्या-नाम.> म.व्यु ७७३०

(६) विवेक बो.च.६.१६०ख

རྣམ་དཔྱོད་ཅན་=བློ་གྲོས་ཅན་ विचारिन् श.दा.

རྣམ་སྤངས་ (१) विधुत द भू.११अ.

(२) विवर्जयति अ.अ.१.५६

(३) विवर्जित लं.सू.७३ख

རྣམ་སྤངས་ཏེ་ (१) प्रहाय उद्रा.२०.१२प.

(२) वर्जित का.प.४

རྣམ་སྤངས་ནས་ अवधूय श.पं.१०

རྣམ་སྤངས་པ་ विप्रहाय उद्रा.२०.५

རྣམ་ཕྱེ་=རྣམ་ཕྱེད་, རྣམ་པར་དབྱེ་བ་ विभजन श.दा.

རྣམ་ཕྱེད་=རྣམ་ཕྱེ་

རྣམ་ཕྱོད་ विपूर्ण <संख्या-नाम> म.व्यु.७७३०, ७८५८

རྣམ་འཕེལ་ विवृद्धि अ.अ.१.१४, ५.२, प्र.पा.७६

རྣམ་བུ་ कम्बल लं.सू.१८६ख

རྣམ་བྱེད་ विधातृ, विधि, विभु श.दा.

རྣམ་བྲལ་ विगत लं.सू.६१ख

རྣམ་བྲལ་བ་ विप्रमुक्त का.प.१३६प.

རྣམ་དབྱེ་ भाग, विभक्ति श.दा.

རྣམ་དབྱེ་ཕྲད་ विभक्ति श.दा ८४३ख

རྣམ་དབྱེའི་ཚིག་ལེའུར་བྱས་པ་ विभक्तिकारिका कं.तं.४२७४

རྣམ་འབྱུང་ विभूत <संख्या-नाम> म.व्यु.८०३६

རྣམ་འབྱུང་ཆེན་པོ་ महाविभूत <संख्या-नाम> म.व्यु.८०३७

རྣམ་འབྱུང་ཕྲག་བརྒྱ་ན་དེའི་མཚན་ཉིད་ཅེས་བྱའོ་ शतं विभूतिगमानां तल्लक्षणम् म.व्यु.७६७७

རྣམ་འབྱེད་སྐུ་ विभक्तणाम भद्र.१९८

རྣམ་མང་ (१) अनेकधा बो.च.३.२१घ

(२) बहु (?) श.पं.१३०

(३) बहुप्रकार बो.च.८.६१क

(४) बाहु॰ बु.च.५८

(५) विविध सु.प्र.१६६.१८प.

རྣམ་མང་བཀུར་སྟི་ बाहुमान्य बु.च.५८

རྣམ་མང་དུ་ बहुधा अ.अ.५.२

རྣམ་མང་པོ་ अनेकधा बो.च.५.४५ख

རྣམ་མི་རྟོག་ (१) अविकल्प अ.अ.४.१९

(२) अविकल्पक अ.अ.४.११

རྣམ་རྨོངས་ཏེ་ विमोहित श.दा.९८७ख

རྣམ་རྨོངས་པ་ विमोहित बो.च.८.७५क

རྣམ་སྨིན་ (१) परिपाक सु.प्र.१११.१३

(२) =རྣམ་པར་སྨིན་པ་ विपक्व श.दा.

(३) विपाक अ.अ.७.३, ९.१, बो.भ.७.४० ख, ६६ग, ८.१०९४, श.दा. (=རྣམ་པར་སྨིན་པ་)

(४) सं. विपाकज लं.सू.७१ख

(५) सं. विपाकत्व लं.सू.७३ख

རྣམ་སྨིན་བསྐྱེད་པ་

°སེམས་ཅན་ལ་~ °सत्त्वानां परिपाकजनकः सु.प्र.१११.१३

རྣམ་སྨིན་འབྲས་བུའི་(ཏེ. བུ་)རེ་བ་ विपाकफल-कांक्षा बो.भ.८.१०९घ

རྣམ་རྫོགས་སྦྱོར་བ་=རྣམ་ཀུན་མངོན་པར་རྫོགས་པར་རྟོགས་པ་ प्र.पा.६३, ७७

རྣམ་བཞག་ व्यवस्थापन श.दा.

རྣམ་བཞིན་ (?) स्वभाव न्या ह.२५८

རྣམ་གཟིགས་ (१) विपश्यिन् श.दा.

སངས་རྒྱས་~ बुद्ध विपश्यिन् वि.व.१२७, वि पं.८२क

(२) विलोकन श.दा.

(३) विलोचन भद्र.७३

རྣམ་འབྱུང་ विभ्रत् बु.च.६३

རྣམ་བསྒྲོག་ विभाजित धा.पं.१२३

རྣམ་བསྒྲོགས་ནས་ विसृज्य बु.च.६५

རྣམ་གཡེང་ (१) चञ्चल श.दा.

(२) विक्षेप बो.भ.९.१६०ग

རྣམ་གཡེང་བ་ विक्षेप म.व्यु.१९७७

རྣམ་རིག་ནས་ विविच्य बु.च.६०

རྣམ་རིག་བྱེད་=ཤེས་རབ་ प्रज्ञा श.दा.

རྣམ་རོལ་ (१) विक्रीडित भद्र.२७७

(२) विक्रीडितविद् भद्र.११०

རྣམ་རོལ་ལྡན་པ་ विक्रीडितविद् भद्र.१५०

རྣམ་རོལ་པ་ विक्रीडितविद् भद्र.१५०

རྣམ་ལོག་ विनिवृत्ति (=विनिवर्तन ह.अ.) अ.अ. ४.४७

རྣམ་ཤེས་ विज्ञान बो.भ.९.२३ख, ९६क, श.दा: (=རྣམ་པར་ཤེས་), स.रा.२२.३१, सु.प्र.४४.४, २३

རྣམ་ཤེས་ཀྱི་ཕུང་པོ་ विज्ञानस्कन्ध म.व्यु.१८३६

རྣམ་ཤེས་རྟེན་ चित्त श.दा.

རྣམ་ཤེས་མཐའ་ཡས་ཀྱི་སྐྱེ་མཆེད་ विज्ञानानन्त्या-यतन प्र.पा.२५

རྣམ་ཤེས་མཐའ་ཡས་སྐྱེ་མཆེད་ विज्ञानानन्त्या-यतन म.व्यु.१४९३, ३१११, श.दा., सं.नि. ८.११, ८.३७.१

རྣམ་ཤེས་དྲུག་ षड्विज्ञानानि बो.भ.९.५९घ

རྣམ་ཤེས་དབའ་རླབས་ तरंगविज्ञान लं.सू.१७६क

རྣམ་ཤེས་ཙམ་པ་ विज्ञानमात्र श.दा.

རྣམ་ཤེས་ཡུལ་ विज्ञानगोचर लं.सू.१८२ख

རྣམ་བཤད་སྙིང་པོའི་རྒྱན་ व्याख्याहृदयालंकार प्र.पा.२, ४४, ७१, ७२, ९७

རྣམ་བཤད་རིགས་པ་ व्याख्यायुक्ति प्र.पा ९६

རྣམ་སེམས་ལ་ विचिन्तयन्त सु प्र ११६७

རྣམ་སྲས་ वैश्रवण चि.पं.म१०ख, नां पु २.८४६, ७०८

द्र. རྣམ་ཐོས་སྲས་




རྣམ་སྲས་

རྣམ་སྲས་དཀར་པོ་ཚེ་འཕེལ་ आयुर्वर्धन सित वैश्रवण चि चि.२६४ (द्र. རྣམ་སྲས་ཚེ་འཕེལ་དཀར་པོ་ चि.च.३१८) →

རྣམ་སྲས་དཀར་པོ་ཚེ་འཛིན་ आयुर्धर सित वैश्रवण चि.पं.१०६ख



རྣམ་སྲས་དཀར་པོ་ཚེ་འཛིན

རྣམ་སྲས་གར་མཁན་མཆོག་ नर्तकवर वैश्रवण चि.च.३२४ (द्र. རྣམ་སྲས་དམར་པོ་གར་མཁན་མཆོག་ चि.पं.१०३ग, སྲས་གར་མཁན་མཆོག་ चि.प ११०ख)



རྣམ་སྲས་གླང་ཀྲུ་སེང་ཞོན་མ་ཧཱུ་ནའི་ལུགས་ कान-
कन सिंहवाहन श्याम वैश्रवण चि.पं.१०६ग



རྣམ་སྲས་གླང་ཀྲུ་སེང་ཞོན་མ་ཧཱུ་ནའི་ལུགས

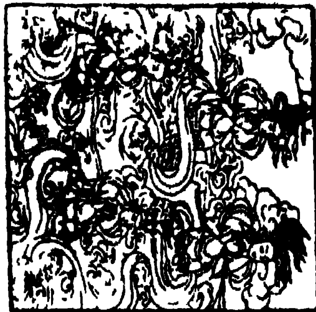
རྣམ་སྲས་གླང་སེར་བེ་ཅོན་ཅན་ गजाधर श्यामपीत
वैश्रवण चि.पं.१०१ख



རྣམ་སྲས་གླང་སེར་བེ་ཅོན་ཅན

རྣམ་སྲས་རྟགས་པ་ क.त.२७१६

རྣམ་སྲས་དྲག་ཕྲེང་འཁོར་ཀླུ་བརྒྱད་བཅས་ अष्ट-
नागपरिवार रौद्र वैश्रवण चि.पं.१०५क-ग







རྣམ་སྲས་དྲག་ཁྲིད་ནག་པོ་ रौद्र कृष्ण वैश्रवण

चि.ब.३१६

རྣམ་སྲས་མདུང་དམར་ཅན་ रक्तशूल वैश्रवण

चि ब ३२१ (पा.˚མདུང་˚), चि.चि.२६२



རྣམ་སྲས་མདུང་དམར་ཅན་ལ་ནམོ།

རྣམ་སྲས་མདུང་དམར་ཏ་སྔོན་ཅན་ नीलाश्व रक्त-

शूल वैश्रवण चि.प १०३क 

རྣམ་སྲས་ནག་པོ་ཏ་སྔོན་ཅན་ नीलाश्व कृष्ण वैश्रवण

चि.पं.१०६क



རྣམ་སྲས་ནག་པོ་ཏ་སྔོན་ཅན



རྣམ་སྲས་མདུང་དམར་ཏ་སྔོན་ཅན

རྣམ་སྲས་དམར་པོ་གར་མཁན་མཆོག་ नर्तकवर रक्त वैश्रवण चि.प.१०३ग



རྣམ་སྲས་དམར་པོ་གར་མཁན་མཆོག



རྣམ་སྲས་སེར་ཆེན་ལྷ་དགུ་

རྣམ་སྲས་ཚེ་འཕེལ་དཀར་པོ་ आयुर्वर्धन सित वैश्रवण चि ब.३१८ (द्र རྣམ་སྲས་དཀར་པོ་ཚེ་འཕེལ་ चि त्रि.२६४)

རྣམ་སྲས་ཡང་གསང་ཕྲུག་མཚན་བཞི་པ་ चि पं. १०७क 



རྣམ་སྲས་ཡང་གསང་ཕྲུག་མཚན་བཞི་པ།

རྣམ་སྲས་སེར་ཆེན་ महापीत वैश्रवण चि.ब.३२२

རྣམ་སྲས་སེར་ཆེན་ལྷ་དགུ་ नवदेव महापीत वैश्रवण चि प १०२ग

རྣམ་ཐོས་གསུང་མཆོག་ལུས་ངན་པོ་ कुबेर वैश्रवण चि.पं.१०४ख



རྣམ་ཐོས་གསུང་མཆོག་ལུས་ངན་པ

རྣམ་ཐོས་གསེར་ཆེན་ महासुवर्ण वैश्रवण चि.त्रि. २६३



རྣམ་ཐོས་གསེར་ཆེན་ལ་ནམོ

རྣམ་གསལ་ विकाश, विद्युत् श.दा.

རྣམ་གསལ་བྱེད་ विभाकर श.दा.

རྣམ་གསུམ་ (१) त्रिकोटि लं.सू.१७१क

(२) त्रिधा का आ.१.११, बो.प.१.१२८ख, सु.प्र.२३.३.१

(३) त्रिविध सु.प्र २६.२१ए.

རྣམ་གསུམ་དག་པའི་ཤ་ त्रिकोटिशुद्धमांस लं.सू. १७२क

རྣམ་བསམས་ विनिश्चित्य बो.प.४.४८क

རྣམ་ལྷུང་བ་ विनिपतित ल.स्तो.५२

རྣམས་ सं. वर्ग बो.क.१७

རྣར་སྐྲན་པ་ कर्णशुला म.व्यु.४६०

རྣར་མི་སྐྲན་པ་ अकर्णशुल द.भू.२ग

རྣར་འོང་བ་ कर्णशुल द.भू.२ग

རྣལ་དཀའ་བ་ दुःसमतिक्रम म.व्यु ६८०६

རྣལ་འགོངས་ विलंघ्य श.दा.

རྣལ་དུ་བགོད་པ་ अध्यावसति म.व्यु.६५४३, श.दा.

རྣལ་དུ་འགོད་ समाधातु श.पं.१०२

རྣལ་དུ་གནས་པ་ཐོབ་

ཕྱི་ནས་~ पुनः प्रकृतिमापन्नः श.दा.७६३क

རྣལ་དུ་གནས་པར་ཤོག་ प्रयातु विधेयताम् श.पं. १५३

རྣལ་དུ་(འ)བབ་པ་ प्रशठता म.व्यु.२१०१

རྣལ་འབྱོར་ (१) सं. अधिगम लं.सू.६३ख

(२) केन्द्र श.दा.

(३) योग का.प.१३प., सु.२२०, नी.पु. २.५६८, न्या.बि.२८.१२, म.व्यु.१६३७, १६४०, १६७९, ४१६४, लं.सू.६४ख, श.दा.

(४) योगिन् मस.३४०.११, बो.भ.

ग. རྣལ་འབྱོར་པ་

རྣལ་འབྱོར་ཀུན་སྤྱོད་ योगिसंवृति बो.भ.१.८क

རྣལ་འབྱོར་གྱི་རྒྱུད་ཀྱི་དཀྱིལ་འཁོར་གྱི་ལྷ། དེ་བཞིན་གཤེགས་པ་རིགས་ལྔ་འཁོར་དང་བཅས་པ་ལྷ་སུམ་ཅུ་ཙ་བདུན་གྱི་བཀྲ་ཤིས་ཚིགས་སུ་བཅད་པ་ कं.तं.८२०

རྣལ་འབྱོར་གྱི་རྒྱུད་དཔལ་གདན་བཞི་པའི་སྒྲུབ་ཐབས་ श्रीचतुःपीठयोगतन्त्रसाधन कं.तं.१६१०

རྣལ་འབྱོར་གྱི་རྗེས་སུ་འབྲང་བ་ योगानुसारिणी (नाम वज्रयोगिनीटीका) कं.तं.१५६५

རྣལ་འབྱོར་གྱི་དབང་ཕྱུག་ योगेश्वर नी.पु.२.४२७, ७६९, ८८४

~ཆེན་པོ་ཤྲཱི་མའི་དྲི་གདམས་པ། ལུས་སྦྱིན་པའི་ཚིག་ कं.त.२७७०

རྣལ་འབྱོར་གྱི་མཚན་ཉིད་བདེན་པ་ योगलक्षणसत्य कं तं.२४५८, ४५३६

རྣལ་འབྱོར་གྱི་ཡན་ལག་ལ་ योगांगानि म.व्यु. १६३७

རྣལ་འབྱོར་གྱི་ལམ་ योगमार्ग लं.सू.१५७क, सं.नि. ८.३९

རྣལ་འབྱོར་གྱི་ས་ योगभूमि प्र.पा.४८

རྣལ་འབྱོར་རྒྱུད་ योगतन्त्र श.दा.

རྣལ་འབྱོར་རྒྱུད་ཀྱི་རྩ་རྒྱུད་=དེ་ཁོ་ན་ཉིད་བསྡུས་པ་ योगतन्त्रमूलतन्त्रतत्त्व श.दा.

རྣལ་འབྱོར་བསྒོམ་པ་ལ་འཇུག་པ་ भावनायोगावतार कं.तं.३९१८, ४५३७

རྣལ་འབྱོར་བསྒོམ་པའི་ལམ་ योगभावनामार्ग कं.तं. ३९०९, ४५३८

རྣལ་འབྱོར་ངེས་པའི་དོན་བསྟན་པ་ योगनीतार्थनिर्देश सं.नि.८.४१

རྣལ་འབྱོར་མངོན་སུམ་ योगिप्रत्यक्ष प्र.पा.२४

རྣལ་འབྱོར་ཅན་ (१) सं. योगयोगिन् लं.सू.६४ख

(२) योगवाहक लं.सू.६३क

(३) योगवाहिन् ल.सू १८७ख

རྣལ་འབྱོར་ཆེན་པོ་ (१) महायोग नी.पु.२.५६८, ८४७, ल सू.९५ख

(२) महायोगयोगिन् लं.सू ६३ख

རྣལ་འབྱོར་ཆེན་པོའི་རྒྱུད་ महायोगतन्त्र नी.पु. १.१६८, २.७५३

~དཔལ་རྡོ་རྗེ་ཕྲེང་བ་མངོན་པར་བརྗོད་པ་རྒྱུད་ཐམས་ཅད་ཀྱི་སྙིང་པོ་གསང་བ་རྣམ་པར་ཕྱེ་བ་ श्रीवज्रमालाभिधानमहायोगतन्त्रसर्वतन्त्रहृदयरहस्यविभंग (नाम) कं.तं.४४५

~དཔལ་རྡོ་རྗེ་ཕྲེང་བའི་རྒྱ་ཆེར་འགྲེལ་པ་ཟབ་མོའི་དོན་གྱི་འགྲེལ་པ་ श्रीवज्रमाला-महायोगतन्त्रटीका गम्भीरार्थदीपिका (नाम) कं.तं.१७९५

~དཔལ་གསང་བ་འདུས་པའི་སྐྱེད་པའི་རིམ་པ་བསྒོམ་པའི་ཐབས་མདོ་དང་བསྲེས་པ་ श्री-गुह्यसमाजमहायोगतन्त्रोत्पादक्रमसाधनसूत्र-मेलापक (नाम) कं.तं.१७९७

~དཔལ་གསང་བ་འདུས་པའི་གཏོར་མའི་ཆོ་ག་ श्रीगुह्यसमाजमहायोगतन्त्रबलिविधि (नाम) कं.तं.१८२४

རྣལ་འབྱོར་ཆེན་པོའི་ཡིད་ལ་བྱེད་པ་ महायोग-ममसिकार सं.लि.८.४१

རྣལ་འབྱོར་འཇིག་རྟེན་ योगिलोक बो.च.९.३घ

རྣལ་འབྱོར་སྙིང་པོ་ योगसार कं.तं.२८५५

རྣལ་འབྱོར་ཐམས་ཅད་སྒྲུབ་པ་ सर्वयोगसाधन लं.सू.१७१क

རྣལ་འབྱོར་དུ་བྱ་(བ་) योगमापत्स्यम् म.व्यु.१८०७

རྣལ་འབྱོར་བདུན་གྱི་ལམ་རྣམ་པར་ངེས་པ་ (श्री) सप्तयोगमार्गविनिश्चय कं.तं.२४६९

རྣལ་འབྱོར་ལྡན་པ་ योगिन् लं.सू.६१ख

རྣལ་འབྱོར་ནམ་མཁའ་ योगाम्बर वि.व.५८, वि.पं.२१३ग (द्र. को.सू.१.१००)

རྣལ་འབྱོར་ནམ་མཁའ་

རྣལ་འབྱོར་ནམ་མཁའི་སྒྲུབ་ཐབས་ योगाम्बरविधि कं.तं.१६११

རྣལ་འབྱོར་ནི་ཏིང་ངེ་འཛིན་ནོ་ योगः समाधिः न्या.बि.२८.१२

རྣལ་འབྱོར་པ་ (१) योगपरायण लं.सू.१८७क

(२) योगाचार न्या.टी.२७८

(३) योगिन् का.प.१०८प., ११०प., न्या.टी.२७८, न्या.बि.२०.१८, २२.१८, २४.१०, १८..., प्र.पा.१७, बो.च.९.३ख, ४क, ५ग, म.व्यु.१६३९, श.को. (=རྣལ་འབྱོར་)

(४) =རྣལ་འབྱོར་ हंस श.को.

~ཐམས་ཅད་ཀྱི་དེ་ཁོ་ན་ཉིད་སྣང་བ་ཞེས་བྱ་བ་རྣམས་ཀྱི་རྡོ་རྗེའི་མགུར་ सर्वयोगतत्त्वा-लोकनामविकल्पवज्रगीति कं.तं.२४५१

~(མེད་?) अयुक्त लं.मू.१९८ख

~རང་གི་སེམས་མདུད་པ་འགྲོལ་བའི་མན་ངག་ योगस्वचित्तग्रन्थमोचकोपदेश कं.तं. २४६८

~འི་རྟོག་པའི་གེགས་སེལ་བ་ योगिकल्पविघ्ननिबर्हण कं.तं.२४५६, ४५३५

~འི་ལྟ་བ་ योगाचारदर्शन न्या.ह.२४५.१

རྣལ་འབྱོར་བྲ་ས་རའི་སྒྲ་ कं.तं.२३७२

རྣལ་འབྱོར་སྤྱོད་པ་ (१) योगचर्या कं.तं., श.दा.

(२) योगाचार का.प.१०८, म.व्यु.१६३७-३८, म.सू.

(३) योगाचार्य श.दा.११४३ख

~དང་རྣལ་འབྱོར་གྱི་ཡན་ལག་གི་མིང་ལ་ सं. योगाङ्गानि म.व्यु.१६३७

~འི་བསྒོམ་པའི་དོན་མདོར་བསྡུས་ཏེ་བསྟན་པ་ [योगचर्याभावनार्थसमासनिर्देश] क.तं. ४०७७, ४५४६

~འི་དབུ་མ་རང་རྒྱུད་པ་ योगाचारमाध्यमिकस्वातन्त्रिक प्र.पा.१३, ९०

~འི་ལུགས་ངེས་པའི་དོན་ལ་ཇི་བཞིན་སྒོམ་ཐབས་ཀྱི་སྒྲོན་མ་ कं तं.४४५०

~འི་ས་ योगचर्याभूमि कं.तं.४०३५

~འི་ས་རྣམ་པར་གཏན་ལ་དབབ་པ་བསྡུ་བ་ [योगचर्याभूमिविनिश्चयसंग्रह] कं.तं.४०३८

~འི་ས་རྣམ་པར་བཤད་པ་ योगचर्याभूमिव्याख्या कं.तं.४०४३

~འི་ས་ལས་ཉན་ཐོས་ཀྱི་ས་ [योगचर्याभूमौ श्रावकभूमिः] कं.तं.४०३६

~འི་ས་ལས་འདུལ་བ་བསྡུ་བ་ [योगचर्याभूमौ विनयसंग्रहः] कं.तं.४०४०

~འི་ས་ལས་རྣམ་གྲངས་བསྡུ་བ་ [योगचर्याभूमौ पर्यायसंग्रहः] कं.तं.४०४१

~འི་ས་ལས་རྣམ་པར་བཤད་པ་བསྡུ་བ་, [योगचर्याभूमौ विवरणसंग्रहः] कं.तं.४०४२

~འི་ས་ལས་བྱང་ཆུབ་སེམས་དཔའི་ས་ [योगचर्याभूमौ बोधिसत्त्वभूमिः] कं.तं.४०३७, नी.पु.१.६४

~འི་ས་ལས་བྱང་ཆུབ་སེམས་དཔའི་སའི་རྣམ་པར་བཤད་པ་ योगचर्याभूमौ बोधिसत्त्वभूमिव्याख्या कं.तं.४०४७

~འི་ས་ལས་གཞི་བསྡུ་བ་ [योगचर्याभूमौ वस्तुसंग्रहः] कं.तं.४०३९

རྣལ་འབྱོར་པ་དང་རྣལ་འབྱོར་མ་རྣམས་ལ་ཐུན་ མོང་མ་ཡིན་པའི་དོན་ལ་གནས་པ་ योग-योगिन्यसाधारणापवेश कं.तं.१२३०

རྣལ་འབྱོར་བླ་ན་མེད་པའི་རྒྱུད་ཀྱི་དོན་ལ་འཇུག་པ་བསྡུས་པ་ योगानुत्तरतन्त्रार्थावतारसंग्रह (नाम) कं.तं.३७१३

རྣལ་འབྱོར་བླ་མེད་ अनुत्तरयोग नी.पु.२.५६८

རྣལ་འབྱོར་དབང་པོའི་ཐིག་ལེ་ योगेन्द्रतिलक नी.पु.२.८०३

རྣལ་འབྱོར་མ་ योगिनी नी.पु.१.३९०, २.५०२, ५९६, ९४५(=वज्रवाराही), ग.दा.

~ཀུན་དུ་སྤྱོད་པའི་བཤད་སྦྱོར་ योगिनी-संचार्यनिबन्ध कं.तं.१४२२

~ཀུན་སྤྱོད་ཀྱི་འགྲེལ་པ་ कं.तं.१४२३

~བཞིའི་ཁ་སྦྱོར་གྱི་རྒྱུད་ चतुर्योगिनीसंपुट-तन्त्र कं तं.३७६

~འི་ཀུན་དུ་སྤྱོད་པ་ योगिनीसंचार्य कं.तं. ३७५

~འི་རྒྱུད་ योगिनीतन्त्र नी पु २.७५३

~འི་རྒྱུད་ཀྱི་རྒྱལ་པོ་ཆེན་པོ་དཔལ་གདན་བཞི་པ་ श्रीचतुःपीठमहायोगिनीतन्त्रराज कं.तं. ४२८

~འི་སྒྲུབ་པའི་ཐབས་ वज्रयोगिनीसाधन कं.तं.१५४७

~འི་ཞི་བའི་སྦྱིན་སྲེག་གི་ཆོ་ག་ कं.तं.१५७७

རྣལ་འབྱོར་བཞི་—सेव, साधन, उपसाधन, महा-साधन नी.पु.२.६८१

རྣལ་འབྱོར་བཞིའི་ཉམས་ལེན་གྱི་ཐབས་ चतुर्योग-भावना कं.तं.२३८०

རྣལ་འབྱོར་བཞིའི་དེ་ཁོ་ན་ཉིད་ཅེས་བྱ་བ་རང་བྱིན་གྱིས་བརླབ་པའི་མན་ངག་ स्वाधिष्ठान-चतुर्योगतत्त्वोपदेश कं.तं.२०२५

རྣལ་འབྱོར་ཡན་ལག་དྲུག་གི་བརྗེད་བྱང་ཡོན་ཏན་གྱིས་འགོངས་པ་ गुणपूर्ण नाम षडंगयोग-टिप्पणी कं.त.१३८८

རྣལ་འབྱོར་ཡན་ལག་དྲུག་པ་ योगषडंग क.तं. १३७५

རྣལ་འབྱོར་ལ་མངོན་པར་རྟོགས་པའི་དུས་ योगाभि-समयकाल लं.सू.६४क

རྣལ་འབྱོར་ལ་འཇུག་པ་ (१) सं. नैमित्तनैर्माणिक लं.सू.६४ख

(२) योगावतार कं.तं.४०७४, ४५३९

རྣལ་འབྱོར་ལ་འཇུག་པའི་མན་ངག་ [योगावतारो-पदेश] कं.तं.४०७५, ४५४४

རྣལ་འབྱོར་ལམ་གྱི་སྒྲོན་མ་ योगपथप्रदीप कं.तं. २३२२, नी.पु.२.९०६

རྣལ་འབྱོར་ཤེས་པ་ योगविद् लं.सू.१८७ख

རྣལ་འབྱོར་གསུམ་གྱི་སྙིང་པོ་གསལ་བ་ त्रियोग-हृदयप्रकाश क.तं.१३७१

རྣལ་སྦྱོར་སྤྱོད་པའི་སེམས་ सं. चित्तम् का.प.११०

རྣོ་ तीक्ष्ण अ.अ.८.२८, मु.प्र.१४.२२

རྣོ་བ་ (१) खर बु.च.२८

(२) तीक्ष्ण म.व्यु.३२२, ११०४, १२५९, ग.दा.

(३) तैक्ष्ण्य बु.च.४०

རྣོ་བའི་ཤེས་རབ་ तीक्ष्णप्रज्ञ म.व्यु.११०४

རྣོ་ཞིང་ཆེན་པོར་ तीक्ष्णा महान्तश्च सु.प्र.१४.२२

རྣོགས་པ་ अभियुक्त म.व्यु.७६४७

རྣོན་པོ་ (१) तीक्ष्ण अ.क.१.२३, ४.३४, उद्रा. २७.१२, म.व्यु.३३१४, श.स्तो.६३
   འཇམ་དཔལ་~ तीक्ष्ण मञ्जुश्री वि.प.१५७
   རྡོ་རྗེ་~ वज्रतीक्ष्ण वि.प.१८४
   (२) धार श.दा.
   (३) निशित बु.च.५६

རྣོན་པོ་བྱས་ कटु, तीक्ष्ण श.दा.

རྣོན་མང་དུ་བྱས་ शोणमभ्येति स्म श.दा.

སྣ་ (१) घ्राण का.प., म.व्यु.१८५५, २०२३, २०३२, २०४७, २०६२, ७५४९, लं.सू.१५९ क, श.दा., सं.नि.५ ४, सु.प्र.४२.२१
   (२) तुण्ड म.व्यु.८५२८
   (३) नस्त म.व्यु.९०३४
   (४) नास म.व्यु.८८४१-४८, ८८७८
   (५) नासा ल.सू ९८क
   (६) नासिका श.दा.
   (७) घोण सु प्र.३७.११
   (८) सं. ०० म.व्यु ३६१२, ३६२१
   མ་ག་དྷའི་སྣ་ཆེན་པོ་ལ་གཏོགས་པ་ मगध-महामात्य उद्रा.१.३१, ४ २१
   རིན་ཆེན་སྣ་བདུན་ सप्तानि रत्नानि सु.प्र. ११८.१३
   རིན་ཆེན་སྣ་གསུམ་གདུགས་ छत्रं त्रिरत्नम् सु.प्र.१५.१८
   རིན་པོ་ཆེ་སྣ་བདུན་ सप्तरत्नानि का.प.४५
   རིན་པོ་ཆེ་སྣ་བདུན་གྱི་... सप्तरत्नमय सु.प्र. १८.४, ७, ८
   རིན་པོ་ཆེ་སྣ་བདུན་ལས་བྱས་པ་ सप्तरत्नमय सु.प्र.६०.११, ८८.२८
   སིལ་སྙན་སྣ་ལྔ་ पञ्चतूर्य सु.प्र.८१.१४

སྣ་ཀུན་ནས་དམའ་བ་ अवटीट श.दा.

སྣ་ཁྲིད་ नायक, नेतृ श.दा.

སྣ་གླང་པོ་ཆེའི་ལྤ་བུ་ हस्तिनास म.व्यु.८८४२

སྣ་འགའ་ཞིག་གིས་ केनचित् सु.प्र.११.२५प.

སྣ་ཅན་མ་ गन्धवह श.दा.

སྣ་གཅིག་སྤྱོད་པ་ एकदेशकारिन् म.व्यु.१६०९

སྣ་ཆེན་པོ་ལ་གཏོགས་པ་ (१) महामात्य उद्रा.
   མ་ག་དྷའི་~ मगधमहामात्य उद्रा.१.३१, ४.२१
   (२) महामात्र म.व्यु.३६७९

སྣ་ཉའི་ལྤ་བུ་ झषनास म.व्यु.८८४१

སྣ་ཐག་ (१) प्रग्राह श.दा.
   (२) रश्मि म व्यु.५६३८, श.दा.

སྣ་དྲངས་ अग्रयायिन् बो.क.२७

སྣ་སྤྲེའུའི་ལྤ་བུ་ मर्कटनास म.व्यु ८८४४

སྣ་ཕག་གི་ལྤ་བུ་ सूकरनास म.व्यु.८८४६

སྣ་བ་འཛིན་ = རྣ་བ་འཛིན་

སྣ་ར་ལང་གི་ལྤ་བུ་ गोनास म.व्यु.८८४३

སྣ་བའི་རྣམ་པར་ཤེས་པ་ घ्राणविज्ञान ध.धा.
७६१ख

སྣ་ཕྲམ་ कलीवाली ध.धा.

སྣ་བོང་བུའི་སྣ་བུ་ खरनास म.व्यु.८८४५

སྣ་སྒྲུགས་གཅིག་པ་ एकनास म व्यु.८८४७

སྣ་སྦྲང་ = ནུ་སྦྲང་

སྣ་མ་ (१) कुड्मल ध.धा.
(२) = སྣ་མའི་མེ་ཏོག་ जातिकुसुम ध.धा.

སྣ་མའི་མེ་ཏོག་ (१) जातिकुसुम म.व्यु.६१५७, ध.धा. (= སྣ་མ་)
(२) सुमनस् म.व्यु.६१५८
(२) सुमनापुष्प मह.४६४

སྣ་མའི་མེ་ཏོག་འདོད་ सुमनापुष्पप्रिय मह.४६४

སྣ་མེད་(པ་) अनास म.व्यु.८८४८

སྣ་ཚོགས་ (१) अनेक बो.प.
རྣམ་པ་~ अनेकधा बो.प २.३४ख
(२) कलाप लं.सू.१२६ख
(३) चित्र अ.अ.८.३३, का.प.२७प., बु.च. ५७, म व्यु.३३३४, ३४२८, ५१६७, ल सू. ७१ख, ध.धा
(४) चित्रता लं सू.७३ख
(५) विचित्रता ल.सू.१७६ख
(६) बीज म.व्यु.४१९७
(७) नाना उद्रा.१७.४, ३२, का.प , द.भू. ३क, ना.आ.२.३, बु.च ४३, बो.प.३ १०ग, ६.१२ग, म.व्यु.१२२-२३, २३४६, ३६१२, ६०६०, ६२६५, ७१५५, ध.धा., सु.प्र. ५४.१३, १५, १६, ५७.२१ .
ཐ་དད་པ་~ नानाविविध सु.प्र.६०.१
རྣམ་པ་~ नाना सु.प्र.५४.२७, नानाप्रकार द.भू., नानाविविध सु.प्र.२९.३, ५६.१६, ६४.२३ , नानाविध सु.प्र.३१.५, ७०.१३, ७१.२ ..
རྣམ་པ་~ཐ་དད་པ་ नानाविध सु.प्र ६४.१७
(८) नानात्व म.व्यु.१५१४, १५२६
(९) नानाप्रकार द.भू.२क
(१०) नानाविध उद्रा.३२.४, बो.प.५ ४५क, ६.१२ख, सु.प्र.४९.२४, ५०.५, ७०.१०...
(११) विविध का.प.१३, बो.प.२.१३क, म.व्यु ३४१०, ३४१७, ३४३३, लं.सू.७८ख, सु प्र.२३.२७, २९.१, ३१.१६ ..
འཇིག་རྟེན་གྱི་~རྣམས་ལ་ सर्वलोकविविधेषु का.प.२५
རྣམ་པ་~དུ་མ་ अनेकविधविविध सु.प्र. १६५ २२
རྣམ་པ་~ विविध उद्रा.४६.२२, का.प.९९, सु.प्र.८५.२०, १२९.१८
(१२) विविध उद्रा.५.७ ३, का.प.३०प., द.भू. ५क, १०ह, बो.प.२.१६ग, ६.२ख, म.व्यु. ६२७२, ल.सू ६६क, सु.प्र २८.१प., ३१.१०, १२

རྣམ་པ་~ विचित्र बो.च.७.४१ख, सु.प्र. १७.१६, १५४.३, ६, विचित्रमाला सु.प्र. ४८.२३

(१३) विश्व म.व्यु.४३१०, लं.सू.१४१क, श.दा., अ.स्तो.८४

(१४) वैचित्र्य लं.सू.८४क

(१५) सं. ०० म.व्यु.२०८२, ४६३९, ५६४६

མིའི་རིགས་~(ཀྱི་མིང་)ལ་ चत्वारो वर्णाः म.व्यु.३८५६

སྤྱིག་པ་~ལས་ཞོགས་ཞིག་ अत्ययमत्ययतो वेशय उदा.३०.५

द्र. ཐ་དད་པ་

སྣ་ཚོགས་ཀྱི་ཚིག་ वैचित्र्यपद लं.सू.७५ख

སྣ་ཚོགས་རྐྱེན་ལས་བྱུང་བ་ नानाप्रत्ययसंभव बो.च.६.१२ग

སྣ་ཚོགས་མཁའ་འགྲོ་ विश्वडाकिनी चि त्रि.२२८, वि.पं.३१ख →

སྣ་ཚོགས་མཁའ་འགྲོ་མ་ विश्वडाकिनी मु.चि.२८

སྣ་ཚོགས་འགེངས་ विश्वंभर श.दा.

སྣ་ཚོགས་རྒྱན་གྱི་དབྱངས་ विचित्रालंकारस्वर <महोरगाधिपति-नाम> म.व्यु.३४३३

སྣ་ཚོགས་སྒྲུབ་བྱེད་ विश्वकृत् श.दा.

སྣ་ཚོགས་བསྒྲུབ་ विरिञ्चि श.दा.

སྣ་ཚོགས་ངོ་བོ་ विश्वरूप अ.स्तो.८४

སྣ་ཚོགས་ཅན་ कुक्कुभ श.दा.

སྣ་ཚོགས་ཉིད་ नानात्व अ.अ.५.११

སྣ་ཚོགས་ཏོག་ विश्वकेतु श.दा.

སྣ་ཚོགས་བལྟ་བར་སྣང་ विश्वदर्शन लं.सू.१८८ख

སྣ་ཚོགས་ཐ་དད་ नानाविचित्र सु.प्र.८५.२४

སྣ་ཚོགས་ཐ་དད་པ་ नानाविचित्र सु.प्र.१३४.८

སྣ་ཚོགས་འབྱུང་ विश्वपा श.दा.

སྣ་ཚོགས་དང་ལྡན་ चित्र बु.च.५६

སྣ་ཚོགས་དྲི་བྲལ་བཅིངས་མེད་ཞབས་ द्र. བཅིངས་མེད་ भद्र.४५१

སྣ་ཚོགས་དྲི་མེད་འཁོར་ལོ་འཛིན་ द्र. འཁོར་ལོ་མངའ་བ་ भद्र.६५६

སྣ་ཚོགས་དྲི་མེད་མདངས་ལྷའི་མཚན་ द्र. མདངས་མངའ་ भद्र.६१५



སྣ་ཚོགས་མཁའ་འགྲོ་

ལྷ་ཚོགས་དྲི་མེད་འཕགས་པས་བསྟོད་ म.

འཕགས་པས་བསྟོད་པ་ मञ्ज.८८२

ལྷ་ཚོགས་མཆོག་ = བ་སྤྲ་ मयूर श.दा.

ལྷ་ཚོགས་རྡོ་རྗེ་ विश्ववज्र गी.पु.२.५८८

ལྷ་ཚོགས་སྡེ་ (१) वरुण श.दा.

(२) विजयसेन लु.५७७, म.व्यु.३३३४, सु.प्र. १२६.११ <गन्धर्व-नाम>

ལྷ་ཚོགས་སྣང་བ་ विचित्राभ कं.सू.११८ख

ལྷ་ཚོགས་པ་ (१) नाना बो.भ.

སྨོས་པ་~ नानाविमुक्तिक बो.भ.८.२२क

(२) नानात्व म.व्यु.१४९२

(३) विचित्र म.व्यु.३४१०

(४) རྣམ་པ་~ विचित्र बो.भ.६.२५ख

ལྷ་ཚོགས་པ་ཉིད་ नानात्व सं.नि.४.४, ७.१

ལྷ་ཚོགས་དབང་པོ་

སྤྱན་རས་གཟིགས་~ विश्वेश अवलोकितेश्वर चि.पं.८७क

ལྷ་ཚོགས་སྲུས་ विश्वगुप्त, विश्वगुप्त श.दा.

ལྷ་ཚོགས་མེད་པའི་ཚིག་ अवैचित्र्यपद लं.सू.७५ख

ལྷ་ཚོགས་གཙུག་ཅན་ बृहस्पति श.दा.

ལྷ་ཚོགས་གཟུགས་ विश्वरूप लं.सू.१०२ख

ལྷ་ཚོགས་བཟང་པོ་ सुचित्रित सु.प्र.१७५.१५

ལྷ་ཚོགས་ཡུམ་ विश्वमातृ चि.व.२३८

ལྷ་ཚོགས་ཡུམ་དཀར་མོ་ सितविश्वमातृ चि.पं. ७४ख

ལྷ་ཚོགས་ཡུམ་དཀར་མོ

ལྷ་ཚོགས་ཡུམ་གྱི་སྒྲུབ་ཐབས་ विश्वमातासाधन कं.तं.३५०५

ལྷ་ཚོགས་ཤིང་རྟ་ = ཉི་མ་ विश्वरथ (= सूर्य) श.दा.

ལྷ་ཚོགས་ལྷ་ विश्वेदेवाः श.दा.१३३१क

ལྷ་ཞེས་པ་ = ཞེན་པ་ संकुल श.दा.

ལྷ་ཡི་མེ་ཏོག་ सुमनापुष्पसम मञ्ज.४६४

ལྷ་ཡེབ་ विचित्रभास म.व्यु.८८७८

ལྷ་ཤམ་ वलय म.व्यु.४०५०

ལྷག་ मल म.व्यु.४०४९

ལྷག་གི་གཉེན་མཚམས་ लालोहित म.व्यु.३९१०

སྣག་ཚམ་ मषिम्रक्षितक लं.सू.१७६ख

སྣག་ཚ་ मषी म.व्यु.५९३५, श.दा. (मसी)

སྣང་ (१) अवभासते सं.नि ८.७

(२) अवलोकन म.व्यु ६११३

(३) दृश्यते बो.प.९.३५घ

(४) उल्कामुख म.व्यु ६९००

(५) ख्याति (=प्रतिभाति ह.म.) अ.अ.२.७, ८.१६, लं सू.१७५ख

(६) °वर्णा उद्रा

ཀུ་ཏོམ་སྣང་ सुवर्णा उद्रा.३१ ८

(७) दृश्यते द.भू.७म, न्या बि.२०३.५, बो.प. ९.८४घ

(८) दृश्यन्ते न्या बि.३०.११, बो प ५ १०४ क, ८.७८घ

(९) प्रज्ञायन्ते द.भू.१०द

(१०) प्रभाते अ.अ ८.९

(११) प्रभासित सु.प्र ३५.२४

(१२) རྣམ་པར་སྣང་ अवभासित सु प्र २९ ९

(१३) स ००

མདོམས་མི་སྣང་།འདོམས་ཀྱི་སྣང་ न विडंगिकया म.व्यु.८५६३

द्र. བར་སྣང་

སྣང་གྱུར་ན་ मं विलोकयेत् बो प ५.३६ग

སྣང་བགྱིས་པ་ अवभासित उद्रा.३२.६प.

སྣང་བརྙན་=གཟུགས་བརྙན་ प्रतिबिम्ब श.दा.

སྣང་སྦྱེ་ सं-दृश् द.भू १०च

སྣང་མཐའ་ अमिताभ चि.पं.र१०ब (द्र. འོད་དཔག་མེད་)



སྣང་མཐར

སྣང་དག་ अन्तरीक्ष बु च ५७

སྣང་དང་གཙུག་ཕུད་ཅན་ अवभासमणिशिखिन् म.व्यु. ३३५७

སྣང་དུ་རུང་བ་ दृश्य न्या बि.५२.२, ६५ ८

སྣང་ལྡན་ (१) ज्योतिष्मत् भद्र ८८३

(२) द्युतिमत् भद्र.४१६

(३) भास्वत् श.दा.

སྣང་ལྡན་ཤིང་དུ་=སྐར་མ་བདུན་པ་ ध्रुवतारा श दा

སྣང་ན་ (१) ईक्षते बो.प.२.४३घ

(२) दृश्यते बो.प.६.११७ग

(३) दृश्यमान न्या.बि.५२.६

སྣང་ནས་ दृश्यन्ते सु.प्र.१२२.२९

སྣང་བ་ (१) अनुज्ञात म.व्यु.६३३०

(२) अभिलषित म.व्यु.२८८७

(३) अवभास उद्रा.३.२३, ३१, १४.२२, का.प., द.भू.५ब, ६ओ, ७ए, ९य, ञ, ड, १०थ, द, इ, ग, ज, ह, ११ए, थ. न्या.बि. १८.९, म.व्यु.७०९, ६२९७, ६३०४, सु.प्र. ९.१४, १६, ६३.२०, २१

(४) अवभासमान सु.प्र.१९.२

(५) अवभासित्व न्या.बि.२०.१९

(६) आदर्श लं.मू.७९ख

(७) °आभ न्या.बि.२८.१, ९

(८) आभत्व न्या.बि.२७.७(ख), ८, १२, १५, २८.९

(९) आभा लं.मू.१९८क, श.दा.

(१०) आभास का.प., न्या.बि. (°प) १८.६, ७, ११, १५, १६, २२.११, २७.७(क), म.व्यु.६६५४-५५, सु.प्र.१२२.२७

(११) आभासन्ते न्या.बि.२२०.१०

(१२) आलोक का.प.१३६प., द.भू.१ए, प, ज, ब्ब ब्ब, २य, ३ह, ४अ, क, ५द, ६र.., न्या.बि.७०.१७, ७१.६, १५६.१०, १२-१६, १८, १९, बो.क.२, म.व्यु.८९८, ८९९, १३९०, १८७५, ३०३५, ३४३१, ६९७३, लं.सू.७३ख, श.दा., श.पं.३७, सु.प्र.१२.२२, ल स्तो.५१

ཀུན་ཏུ་~ समन्तालोक का.प.१५०

(१३) आविर्भाव द.भू.३म

(१४) ईक्षते बो.च.८.१५१ख

(१५) ख्याति अ.अ.३.१०

(१६) ज्योतिस् का.आ.१.४, म.व्यु.२९७०-७२, श.दा.

(१७) दर्शन न्या.बि.१६.३, १६२.९, म.व्यु.३१५, ४६३३-३५, श.दा., सु.प्र.८६.११

མིག་ལམ་དུ་མི་~ अदर्शन उद्रा.३३.२८

(१८) दृश्य न्या.बि.४९.१५, १७, १८, ५०.१३, १४, १५, १६, १८, ५१.१, २, १०, ६२.५, १०.

(१९) दृश्यते न्या.बि.७५.१९, १६०.२

(२०) दृश्यत्व न्या.बि.७२.१६, ७६.१३, ७७.९(क).

(२१) दृश्यमान न्या.बि.२६.६, ४५.६, ५०.११..

(२२) दृष्ट न्या.बि.१६.१६, ७६.८(ख), ९

(२३) द्युति म.व्यु.६७७७

(२४) निर्भास न्या.बि.९.१०, १६, १९, ३५.६, ७८.८

(२५) प्रकाश म.व्यु.७६२१

(२६) प्रभायते म.व्यु.६४०३

(२७) प्रतिभास द.भू.८ल, न्या.बि.१७.३, १६, १८.१६, २०, १९.१, २, ३, ५, १४, १७..

(२८)=ཐུགས་ प्रभूज्य श.दा.

(२९) प्रभास द.भू.१०ग, म.व्यु.३४३५, लं.सू. १०५ सु.प्र.४०.२, ८, ९, ११

(१०) གསེར་དུ་~ सुवर्णप्रभासिता सु.प्र. १३२.१२

(११) भास सु.प.६६ (भासत्), म.व्यु.४४०३, सु.प्र.१३३.१२

(१२) भासमान न्या.बि.६४.१३

(१३) व्यञ्जक लं.सू.१४१ख

(१४) सं. ०० बो.प.

ཇི་སྲིད་རྐྱེན་ཚོགས་དེ་སྲིད་དུ། མཐོ་ཡོད་(वे. ལུས་ནི་)སྐྱེས་བུ་ལྟར་སྣང་བ་དེ་བཞིན་ཇི་སྲིད་ལག་སོགས་ལ། དེ་ཡོད་དེ་སྲིད་དེར་(वे. དེ་)ལུས་སྣང་ ॥ यावत् प्रत्ययसामग्री तावत् कायः पुमानिव । एवं करादौ सा यावत्तावत्कायोऽत्र दृश्यते ॥ बो.प.९.८४

द्र. ཐལ་བ་

སྣང་བ་བསྒྲིམས་པར་འགྱུར་ अवभासितानि भवि-ष्यन्ति सु.प्र.६३.२१, ६४.७

སྣང་བ་བསྒྲིམས་པར་འགྱུར་བ་ आदीप्ता [भवि-ष्यन्ति] सु.प्र.७२.१९

སྣང་བ་སྒྱུ་མ་རྨི་ལམ་འདྲ་ मायास्वप्नोपम लं.सू. १७४क

སྣང་བ་ཅན་ प्रकाशवत् श.दा.

སྣང་བ་མཆེད་པ་ आलोकवृद्धि म.व्यु.८११, श.दा.

སྣང་བ་ཉིད་ (१) आभत्व न्या.बि.२७.९, २८.२

(२) दृश्यता न्या.बि ७५ २०

(३) दृश्यत्व न्या.बि.४९.१७, ७८.७, ८०:१२, १३...

(४) सं. दृश्यात्मत्व न्या.बि.७६.१२

སྣང་བ་ཉིད་དུ་ सं. दृश्य इव न्या.बि.३२.१

སྣང་བ་སྤྲོ་བ་ (१) आलोकलक्षण प्र.पा.२०, ३७, म.व्यु.८१८ (पा.° སྤྲོས་པ་), श.दा.

(२) आलोकलाभ श.दा.९७७ख

སྣང་བ་མཐའ་ཡས་ अमिताभ नी.पु.२.१००७, म.प.५०ख, ५८ग, लं.सू.१७१क, श.दा.

~རྒྱལ་བ་ अमिताभजिन म.प.६०ग

~རྗེས་སུ་དྲན་པ་ क.तं ६७८, ८६७

སྣང་བ་ནས་སྣང་བར་འགྲོ་བ་ ज्योतिर्ज्योतिष्परा-यण म.व्यु २९७२, श.दा.

སྣང་བ་ནས་ མུན་ཁྲོད་དུ་འགྲོ་བ་ ज्योतिस्तमःपरा-यण म.व्यु.२९७१, श.दा. (पा.° མུན་པར་འགྲོ་བ་)

སྣང་བ་བྲིས་པ་ अवभासित सु.प्र.६५.२६

སྣང་བ་མིན་ आभास लं सू.१८२ख

སྣང་བ་མེད་པ་ (१) अनाभास का.प.५६, ५७

(२) निराभास म.व्यु.६६५५, श.दा.

(३) निराभासगत लं.सू.७२क

(४) निराभासभूमि लं.सू.८८क

~བརྒྱ་རྩ་བརྒྱད་ अष्टोत्तरनिराभासपदशत लं.सू.१०३क

~དེ་ཚིག་ (१) अनिरभासपद लं.सू.७४क

(२) शिरोभालपत्र लं.सू.७४क

~འི་མཚན་ཉིད་ शिरोभाललक्षण लं.सू.८०क

~ར་རབ་ཏུ་རྟོག་པ་ शिरोभालप्रविचय लं.सू. ९०क

སྣང་བ་མཛད་པ་ आलोककर सु.प्र.१२.२२

སྣང་བ་མཛེས་འབྱུང་ रुचिरप्रभासंभव <महोरगाधिपति-नाम> म.व्यु.३४३५

སྣང་བ་གཟིགས་(པ་) अवभासदर्शिन् मञ्जु.८८५

སྣང་བ་ཤུགས་མཆོག་རྒྱལ་མཚན་ आलोककुसुमध्वज <महोरगाधिपति-नाम> म.व्यु.३४३१

སྣང་བ་གསལ་བ་ प्रतिभास म.व्यु.५५६

སྣང་བའི་བདག་ཉིད་དང་ལྡན་པ་ अवभासात्मक उद्रा.३.२३, ३१

སྣང་བའི་བདག་པོ་ त्विषांपति श.दा.

སྣང་བའི་རྣམ་པར་ཤེས་པ་ ख्यातिविज्ञान लं.सू.७५ख

སྣང་བའི་ཕྲེང་བ་ཞེས་བྱ་བའི་རབ་ཏུ་བྱེད་པ་ आलोकमालाप्रकरण कं.तं.३८९५

སྣང་བའི་ཕྲེང་བའི་འགྲེལ་པ་ཡིད་དགའ་བ་བསྐྱེད་པ་ [आलोकमालाटीका हृदयानन्दजननी नाम] कं.तं.३८९६

སྣང་བའི་མུ་ཁྱུད་ विभानेमि श.दा.

སྣང་བའི་ཚིག་ (१) सं. अवृत्तपद लं.सू.७५क

(२) वृत्तपद लं.सू.७५क

སྣང་བའི་འོད་(ཟེར་) आभासरश्मि मञ्जु.६४७

སྣང་བར་གྱུར་ प्रभासित सु.प्र.२०.७

སྣང་བར་གྱུར་ཏོ་

མི་~ अन्तर्हित उद्रा.१५.३६, सु.प्र.१८.७

སྣང་བར་གྱུར་ཏ་ अवभासमागच्छन्ति का.प.१०५

ཟླ་ཞེས་བྱ་བ་ཙམ་ཡང་སྣང་བར་མ་གྱུར་གཞུ་འཕྲུལ་ལྟ་སློམ་ཀྱང་ཅི་དགོས་ हकारोऽपि न प्रतिभाति प्रागेव बुद्धिः उद्रा.३०.१०

སྣང་བར་གྱུར་ནས་

མི་~ अन्तर्हित सु.प्र.१५०.१, १६

སྣང་བར་གྱུར་པ་ सं-वृत् द.भू.१०ज

སྣང་བར་བགྱི་ आभासये सु.प्र.२५.१९

སྣང་བར་བགྱིས་ प्रभासित सु.प्र.३६.१३

སྣང་བར་བགྱིས་པ་ (१) अवभासित सु.प्र.४८.१५, ६३.२१, ६४.७

(२) आदीप्त सु.प्र.७२.१९

(३) आभासित सु.प्र.४८.१५

སྣང་བར་འགྱུར་ (१) अवभासन्ति सु.प्र.१३१.२

(२) आभासीभवति द.भू.८घ

(३) ཟླ་རྣམས་~ सं. वैवर्णं (भविष्यति) सु.प्र.१२२.२८

(४) दृश्यते(°न्ते) सु.प्र.१२२.१८, २०, २६

(५) མི་སྣང་བར་... འགྱུར་ अन्तरहायिषु सु.प्र.१२२.३०

སྣང་བར་འགྱུར་ཅིང་མི་སྣང་བར་ཡང་འགྱུར་ आविर्भवति तिरोभावमपि प्रत्यनुभवति म.व्यु. २१८

སྣང་བར་བྱས་ अवभासित म.व्यु.६२६६

སྣང་བར་བྱས་པ་ अवभासित मु.प्र.६५.७

སྣང་བར་བྱེད་ (१) अवभासं करोति का.प.

ཤེས་པའི་~ཉ་ ज्ञानावभासं करोति का.प. ३५

(२) अवभास कुर्वंति का.प.

ཤེས་རབ་~ प्रज्ञाय अवभास कुर्वंति का.प. ३५प.

(३) अवभासयति द.भू.१प, ६ओ, ७ज, न, ९ज, १०द

(४) ཀུན་དུ་~ परिद्दीपयमान भ.च.२७ब

(५) རབ་དུ་~ प्रभासेति मु.प्र.१३०.२२

(६) भासं करोति का.प.३५प.

སྣང་བར་བྱེད་པ་ (१) आलोककर म.व्यु.५५७

(२) ज्योति म.व्यु.६६१०

~ཞེས་བྱ་བའི་ཏིང་ངེ་འཛིན་ आलोककरो नाम समाधिः म.व्यु ५५७

~འི་རྒྱུ་ व्यञ्जनहेतु लं.सू.६७क

~འི་ཚོགས་ ज्योतिर्गण म.व्यु.६६१०

སྣང་བར་མཛད་ आलोकः कृतः श.पं.१०८

སྣང་བར་ཤོག་

བདག་གི་ལུས་ཀྱི་འོད་ནི་~ सं. कायप्रभास भविष्यति मह्यम् सु.प्र.४०.१० -

རབ་དུ་~ प्रभास भविष्यति सु.प्र.४०.७

སྣང་བས་གསལ་བར་འགྱུར་ स्फरण द.भू.१०द

སྣང་བྱེད་ भास्कर श.दा.

སྣང་མེད་ (१) अनाभास लं.सू.१७६ख

(२) निराभास लं.सू.७०क

སྣང་མེད་རྒྱུ་བ་ निराभासगति लं.सू.७०ख

སྣང་ཚེ་=ཉམ་སྣང་ आभास श.दा.

སྣང་མཛད་ रोच भद्र.१०००

སྣང་མཛད་དེ་ प्रभासते मु.प्र.१७७.१५प.

སྣང་མཛད་རྡོར་དབྱིངས་ वज्रधातु वैरोचन वि.पं. २१४ग


སྣང་མཛད་རྡོར་དབྱིངས་

སྣང་བཞིན་པ་ प्रतिभासमान न्या.बि.७.२

སྣང་གཟིགས་ अवभासदर्शिन् भद्र.८८५

སྣང་སྲིད་ संसार श.दा.

སྣད་

མ་སྣད་ अनुपप्लुत का.प.३९ग.

མ་སྣད་ན་ अनुपहत का.प ३९

སྣད་པ་ भू. བསྣད་, कोट् སྣོད་

སྣབས་ (१) सिंहाण (पा. सिंघाण, शिंघाण) बो.च.९.५७ग

(२) सिंघाणक म.व्यु.४०४२, ८६२७ २८, श.दा.(शि॰)

སྣམ་ (१) कम्बल न्या.प्र.५९

(२) प्रात श.दा.

(३) पट बो.च.९.१३०घ, १३१क

སྣམ་དཀར་ शुक्लकम्बल श.दा.

སྣམ་གྱིས་སྦྲར་བ་

ཚུལ་ཁྲིམས་ཀྱི་ ~ सं. शीलफलनिर्जात का.प. १५३

སྣམ་པའི་མཆོག་ཐམས་ཅད་དང་ལྡན་པ་ सर्वाकार-वरोपेत म.व्यु.२५३३

སྣམ་བུ་ (१) कम्बल म.व्यु.५८५९

(२) पट न्या.बि.१६२.८, म.व्यु.५८६४, ९१६८, लं.सू.९६क

(३) वासस् न्या.बि.७५.९

སྣམ་སྦྱར་ (१) संघाटिका श.दा.

(२) संघाटी उद्रा.१८.३४, ३९, म.व्यु. ८९३३, ९१८७-८८

ཆོས་གོས་ ~ གྱོན་ཅིང་ संघाटीपरिवेष्टित का.प.१२२

སྣམ་སྦྱར་(·ཀལ་)ཤུན་ཅན་ छिद्रसंघाटी म.व्यु. ९१८७

སྣམ་སྦྱར་སྐུལ་རིམ་པ་ भिन्नसंघाटी म.व्यु.९१८८

སྣམ་ལོགས་སུ་ पृष्ठतः सु.प्र.८२.३

བཅོམ་ལྡན་འདས་ཀྱི་ ~ भगवतः पृष्ठतः उद्रा. ३१.२४

སྣའི་སྐྱེ་མཆེད་ घ्राणायतन म.व्यु.२०३२

སྣའི་ཁམས་ घ्राणधातु म.व्यु.२०४७

སྣའི་རྣམ་པར་ཤེས་པ་ घ्राणविज्ञान म.व्यु.२०२१

སྣའི་བུག་ नासापुट म.व्यु.४०४६

སྣའི་དབང་པོ་ घ्राणेन्द्रिय म.व्यु.१८५५, २०६२

སྣའི་དབང་པོ་ཉམས་པ་དང་ན་བ་གསོ་བ་དྲི་མ་

དང་བྲལ་བའི་སྒྲོང་བྱེད་ क.तं.३०१३

སྣར་བསྒོས་པ་ नियुक्तक म.व्यु.३७१३

སྣར་སྤྲུགས་(སྤྲུགས་)པའི་སྦྲུད་ मस्तकरज म.व्यु. ९०३४

སྣར་མ་ (१) तैलपर्णी ८..दा.

(२) रोहिणी तु.५३०, म.व्यु.३१८८, श.दा. (~नक्षत्र)

སྣར་མ་སྐྱེས་ रौहिणेय श.दा.

སྣར་མའི་བདག་པོ་(=ཟླ་བ་) रोहिणीपति (=चन्द्र) श.दा.

སྣལ་མ་ सूत्र श.दा.

སྣུན་པ་ भू., भवि. བསྣུན་
=རྡུང་བ་, བརྡུག་པ་ आहति श.दा.

སྣུན་པར་བྱེད་ प्रणयति श.दा.

སྣུབ་པ་ भू. བསྣུབས་, भवि. བསྣུབ་, लोट् སྣུབ(ས་)

སྣུབ(ས་) སྣུབ་པ་ इत्यस्य लोट्

སྣུམ་ (१) =མར་ནག་ तैल श.दा.
(२) सुस्निग्ध अ.अ.८.३०
(३) स्निग्ध मु.प्र.१०९.२६, १४०.१७, १८, १९
སའི་བཅུད་ཀྱི་སྣུམ་གྱིས་བརྟན་པར་བགྱིའོ་
स्निग्धेन पृथिवीरसेन स्नेहयिष्यामि सु.प्र. ९४.३
(४) स्नेह द.भू.६ख, श.दा.

སྣུམ་ཁུར་ अपूप म.व्यु.५७४६

སྣུམ་ཅན་ཤིང་ गुरक ग.दा.

སྣུམ་དང་རབ་ཏུ་ལྡན་པ་ स्निग्धतर सु.प्र.९४.११

སྣུམ་པ་ (१) स्निग्ध ना.आ.९.७, म.व्यु.२७०, ३३५, ५७२४, श.दा. (=སྣུམ་པོ་)
ཤིན་ཏུ་~ स्निग्धतर मु.प्र.९७.९
(२) स्नेह म.व्यु.४६१६

སྣུམ་པའི་ཚིག་ का.प.१६२

སྣུམ་པར་བྱེད་ स्नेहयति सु.प्र.१२१.४

སྣུམ་པོ་=སྣུམ་པ་ स्निग्ध श.दा.

སྣུམ་ཞིང་ सान्द्र ल.स्तो.५४

སྣུམ་ཤིང་འོད་ལྡན་ सान्द्रेन्द्र(?) ल.स्तो.८४

སྣུམ(ས་) སྣོམ་པ་ इत्यस्य लोट्

སྣུར་བ་ भू., भवि. བསྣུར་

སྣོད་ སྣད་པ་ इत्यस्य लोट्
(१) कटच्छु सु.प्र.
སྤོས་སྣོད་ धूपकटच्छु सु.प्र.६४.१५
(२) कटाहक म.व्यु.९०१९, ९४४०
(३) करण्ड सु.प्र.७७.१२
(४) कुण्ड श.दा.
(५) घटिका उद्रा.७.१
(६) पात्र उद्रा.१९.२०, का.प., बो.च.५.९० क, ७.७२क, म.व्यु.९०२७, ल.स्तो.६९
འབྲུ་མར་གྱི་སྣོད་ तैलपात्र का.प.१०१
(७) पोणिक म.व्यु.८९५०
(८) पोणिका प्रज्ञ., श.दा.
ལྷུང་བཟེད་ཀྱི་སྣོད་ पात्रपोणिका प्रज्ञ.(ले.) ३४२९
(९) भण्डिका म.व्यु.९३७८
(१०) *भाज् बो.क.३२
(११) भाजन अ.अ.४.६, उद्रा., का.प., म.व्यु.१८४, २४५७, लं.सू.८०ख, श.पं.७१,

सु.प्र.४५.१०, १२४.२२

སོམ་བཏང་བའི་སྣོད་ भाजनभाजन का.प.५१

(१२) भाजनता द.भू.१ग

(१३) भाजनत्व अ.अ.४.७

(१४) भाण्ड बो.च.७.२४ग (दे. གཏམས་)

(१५) भाण्ड म.व्यु.६०५३, कं.सू.८३ख, सु.प्र.८१.७

(१६) =दे. གཞོང་ भाजन बो.च.८.१५४ख

(ना.)

(१७) स्थविक म.व्यु.८६५१

(१८) स्थविक म.व्यु.६००४

(१९) स्थालक म.व्यु.८५६२

(२०) स्थाली श.दा.

(२१) སྡེ་སྣོད་ पिटक श.दा., सु.प्र.८४.१५

སྡེ་སྣོད་གསུམ་ त्रिपिटक श.दा.

གཞན་ལ་སྣོད་(གཞོད་)པ་ परकलुक द.भू.२ग

སྣོད་ཀྱི་ཁྱིད་པ་ चलुक श.दा.

སྣོད་ཀྱི་མཆོག་ सत्पात्र श.प.६६

སྣོད་ཀྱི་འཇིག་རྟེན་ भाजनलोक अ.अ.४.६१

སྣོད་སྦྱར་ भव्य द.भू.१प

སྣོད་ཆེན་ तीर्थ श.दा.

སྣོད་རྫིང་(རྫིང་)ཁྱེར་བ་ कुण्डकुल म.व्यु.६४४६

སྣོད་དང་འདྲ་ भाजनवत् म.व्यु.४६८८

སྣོད་དུ་གྱུར་པ་ भाजनभूत उद्रा.

བདེན་པ་དག་གི་~ सत्यानां भाजनभूतः उद्रा.

३१.१

སྣོད་དུ་མ་གྱུར་པ་ अभाजनीभूत का.प.११

སྣོད་རྡང་བྲ་ नालिका म.व्यु.६०१४

སྣོད་སྤྲུད་ भाण्ड म.व्यु.६०६२, ६०६३

སྣོད་སྤྲུད་འགེང་བ་('འགྲེད་པ་') भाण्डभाजक म.व्यु.६०६३

སྣོད་སྤྲུད་འགྲུབ་པ་ भाण्डगोपक म.व्यु.६०६२

སྣོད་མ་ कुण्डली श.दा.

སྣོད་མིན་ (१) अपात्र श.पं.८१

(२) अभाजन का.प.११प.

སྣོད་ཙུང་བ་ भाजनी श.दा.

སྣོད་སྤང་ཚད་བཀྲུ་བ་ शतपलं भाण्डम् उद्रा. १६.२०प.

སྣོན་པ་ मू., भवि. བསྣན་ आप बो.च.२.३६ग

སྣོམ་པ་ मू. བསྣམས་, བསྣམས་, भवि. བསྣམ་, བསྣམ་, लोट् སྣོམ(ས་)

སྣོམས་མཛོད་ गृहाण बु.च.६१

སྣོར་བ་ मू., भवि. བསྣོར་

སྣོལ་བ་ मू., भवि. བསྣོལ་

སྣུབས་ मूल म.व्यु ३२०३, श.दा. (=སྦྲུག་པ་), श.दा. (मूलाभाव)

སྣེལ་ཁྲི་ व्यत्यस्त द.भू.१६६, ८ग, १०६, क, म.व्यु.५३४, ७६८, १४६७, ३०६६

སྣྲེལ་ཞི་ཞེས་བྱ་བའི་ཏིང་ངེ་འཛིན་ व्यत्यस्तो नाम समाधिः म.व्यु.५३४

སྣྲེལ་ཞིའི་སྙོམས་པར་འཇུག་པ་ व्यास्कन्धक-(व्यत्यस्त?)समापत्ति म.व्यु.१४६७

སྣྲེལ་གཞི་ व्यत्यस्त म.व्यु.३०६६

སྣྲོན་ (१) ज्येष्ठ म.व्यु.८२६४

(२) ज्येष्ठा म.व्यु.३२०२, श.दा.

བརྣག་པ་ཡོངས་སུ་རྫོགས་པ་ परिपूर्णसंकल्प म.व्यु. १०६४

བརྣངས་ རྣང་བ་ इत्यस्य भू.

བརྣངས་ཏེ་

མཆི་མས་~འཁོད་དོ་(འདུག་གོ་) साश्रुकण्ठो अवस्थितः उद्रा.१६ १५, १६, ३०, ३२.३४

བརྣངས་པ་ उपलभ्यमान उद्रा.

མཆི་མས་~དི་སྐྱོང་གྱིས་ बाष्पोपलभ्यमान-हृदय उद्रा.२६ ६

བརྣབ་སེམས་ (१) अभिध्या म.व्यु.१६६६, श.दा.

(२,३) लिप्सा, लोभ श.दा.

བརྣབ་སེམས་སྤོང་བ་ अभिध्यायाः प्रतिविरतिः म.व्यु.१६६६

བརྣོགས་པ་ गुप्त श.दा.

བསྣད་ སྣད་པ་ इत्यस्य भू.

བསྣན་ སྣོན་པ་ इत्यस्य भू., भवि. प्रक्षिप्त लं.सू.१६२क

བསྣན་ཏེ་ सं. भूयस्या मात्रया भ.च.०

བསྣན་པ་ (१) प्रहार न्या.बि.२२.१३

(२) वीप्सा म.व्यु.७५५६

བསྣམ་ སྣོམ་པ་ इत्यस्य भवि.

བསྣམ་པར་བྱ་ पुंगव श.दा.

བསྣམ་བྲིན་ पुंगल श.दा.

བསྣམས་ སྣོམ་པ་ इत्यस्य भू.

བསྣམས་ཏེ་ संन्यस्य सु.प्र.१५५.२९

བསྣམས་ནས་ गृहीत्वा बु.च.५६

བསྣུན་ སྣུན་པ་ इत्यस्य भू., भवि.

(१) घात बो.च.७.४५ग, श.दा.

(२) ताडन श.दा.

(३) प्रत्यन्धन श.दा.

(४) प्रहार स.स्तो.६२

(५) विव्याध श.दा.

(६) व्याघात सु.प्र.१५५.९

(७) सूचि श.दा.

(८) हन्यमान बो.च.८.७८ग

བསྣུན་ཏོ་

གནད་དུ་~ मर्मणि ताडितः उद्रा.४६.५

བསྣུན་པ་ (१) प्रहार स.स्तो.६३

(२) सं. मर्माहत श.दा.(°हन्)

(३) सं. शल्माहत श.दा.(°हन्)

(४) हत म.व्यु.५३५३

གནད་དུ་~ मर्महत सु.प्र.१६३.१०

བསྣུན་མ་ཐག་ཏུ་ आघातमात्रेण सु.प्र.१५५.९

བསྐུབ་ སྐུབ་པ་ इत्यस्य भवि.

བསྐུབས་ སྐུབ་པ་ इत्यस्य भू.

བསྐུམ་ སྐུམ་པ་ इत्यस्य भवि.

བསྐུམ་པ་ हृत म.व्यु.५३५३

བསྐུམས་ སྐུམ་པ་ इत्यस्य भू.

བསྐུར་ སྐུར་བ་ इत्यस्य भू, भवि;

བསྐུར་བ་=སྐྱུར་བ་ क्षिप्त श.बा.

བསྐོར་ སྐོར་བ་ इत्यस्य भू., भवि.

བསྐོར་བ་ (१) परिवर्त प्रस.३८४.१२

(२) परिवर्तक प्रस ३८४.३

(३) यमक लं.सू.८८क

བསྐྱོལ་ སྐྱོལ་བ་ इत्यस्य भू., भवि.

ཀང་པ་མི་བསྐྱོལ་ न पादे पादव्याधाय म.व्यु. ८५५८

གཏུའ་ཐོང་དུ་མི་བསྐྱོལ་, नोद्व्यस्तिकया म.व्यु.८५४३

བརླ་མི་བསྐྱོལ་ न सक्थनि सक्थ्याधाय म.व्यु. ८५५९

བསྐྱོལ་བ་ (१) प्रव्राजित न्या.बि.१४६.१७

(२) व्यस्तिका म.व्यु.८६०९

བསྐྱོས་པ་=སྐྲག་པ་ उत्पिण्ड श.बा.

• • •

པ

པ་ °पद् बो.च.

འཁོར་བ་པ་ संसारिन् बो.च.६.२१ग

པ་ཙར་ (१) =གོས་ཚེམ་ལྷ་བུ་ कच्छाटिका श.दा.

(२) कौपीन म.व्यु.५८५०, श.दा. (=གོས་ཚེམ་ལྷ་བུ་)

པ་ཏྲ་ पत्र श.दा.

པ་ཊ་ཧ་ पटह श.दा.

པ་རྞི་ पर्ण श.दा.

པ་ན་ས་ पनस श.दा.

པ་ཎ་ पण श.दा.

པཱ་ཎི་ནི་ पाणिनि <पूर्वोपाध्याय-नाम> म.व्यु.३४९७

པ་བ་སངས་ शुक्र म.व्यु.३१८२

པ་ར་ད་ पारद श.दा.

པ་རི་ཛཱ་ཏ་ཀ་ पारिजातक श.दा.

པ་རུ་ཥ་ཀ་ पारुषक <पुष्प-नाम> म.व्यु.६१६२, श.दा.

པ་རུ་ཥ་ཀ་ཆེན་པོ་ महापारुषक <पुष्प-नाम> म.व्यु ६१६३

པ་ལ་ཤ་ पलाश श.दा., सु प्र.१५.१७

པ་ལིནྡ་ད་ पुलिन्द श.दा.

པ་ཤུ་པ་ཏི་ཤྭ་ར་ =ཀུ་ལང་དབང་ཕྱུག་ पशुपतीश्वर श.दा.

པ་སངས་ (१) उशनस् (तारका) म.व्यु.१५२५

(२-४) कवि, भार्गव, शुक्र श.दा.

པ་སངས་སློབ་མ་ =ལྷ་མ་ཡིན་ असुर श.दा.

པ་སྤྲ་ལི་ पिप्पली श.दा.

པཀ་ཏི་ (१) =རྒྱལ་མཚན་ ध्वज श.दा.

(२) पंक्ति श.दा.

པག་རྩ་སྐྱེས་པ་ ऊर्णा म.व्यु.७५७५

པག་ཤུ་ पशुर्नामराजा म.व्यु.३३०७

པགས་པ་ (१) =པགས་པོ་ अजिन श.दा.

(२) चर्मन् बो.च.५.६२क, ८.६४क, श.दा. (=པགས་པོ་)

(३) (ना.དཔགས་པ་) छवि बो.च.७.४५क

(दे)

(४) त्वच् भ.गी.३, म व्यु.४०३१, श.दा. (=པགས་པོ་)

(५) सं. स्नायु बो.च.९.५१क

द्र. ཤུན་པ་

པགས་པ་ཅི་བའི་རིན་པོ་ཆེ་ चर्मावरत्न श.दा.

པགས་པ་སྨན་ཅིང་མདོག་གསེར་འདྲ་བ་ सूक्ष्मसुवर्णच्छवि म.व्यु.२५२

པགས་བའི་རིམ་པ་ चर्मपुट बो.च.५.६२क

བགས་པོ་=བགས་པ་
པང་ (१) अंक क.वि.७.१३.५९
(२) उत्संग बो.च.७.७३क
པང་སྐྱེང་ उत्संग <संख्या-नाम> म.व्यु.८०१२
པང་སྐྱེང་ཆེན་པོ་ महोत्संग <संख्या-नाम> म.व्यु.८०१३
པང་སྐྱེངས་ उच्चंग <संख्या-नाम> म.व्यु.७९६१-६२
པང་སྐྱེངས་ཕྱག་བརྒྱ་ནང་འཛིན་ཞེས་བྱ་བ་ अत-मुग्धांगानां बहुलं नामोक्तावै म.व्यु.७१६२
པང་དུ་འཁྱུད་ आलिंगति बो.च.८.५२ख, ५९ख (ना.)
པང་དུ་བླངས་པ་ क्रोडीकरण न्या.बि.१९०.७
པང་དུ་བླངས་ཤིང་ क्रोडीकुर्वत् न्या.बि.१९०.६
པང་ན་འཚོ་བའི་མ་མ་ अंकधात्री म.व्यु.९४७८, श.दा.
པང་པ་ उत्संग म.व्यु ६७५७, श दा.(उत्सर्ग)
པཉྩ་ལི་ཀ་=ཁ་ཏོག་སྣ་ལྔ་ पञ्चालिक श दा.
པད་ (१) अम्भोज का.आ.१.१
(२) पद्म बो.क.१६
པད་དཀར་ पुण्डरीक नी.पु.२.४९०
པད་དཀར་མ་ पुण्डरीका श.दा ६९१क
པད་དཀར་མིག་ पुण्डरीकाक्ष श.दा.
པད་དཀར་ཡུལ་འཁྲུངས་མེ་ཏོག་མཚན་ द्र. मे-ཏོག་ मञ.९
པད་དཀར་ཤེས་རབ་གསལ་བྱེད་ प्रज्ञालोकोज्ज्वलसित वज्रवाराही थि.च.२७० (द्र. ཕག་དཀར་)
པད་ཚོམ་ पद्माकरं म.ञ.२८०
པད་ཅན་མ་ कमला, पद्मिनी श दा.
པད་སྙིང་ पद्मगर्भ म.ञ.५२२, ६७३
པད་སྡོང་ नल, नालक श.दा.
པད་པ་ (१)=བགས་པ་ बिवाला श.दा.
(२) = སྦྲིན་བུ་པདྨ་ रक्तपा श.दा.
པད་དཔལ་ पद्मश्री म.ञ.४९९
པད་སྤྲུན་ पद्माक्ष म.ञ.५१
པད་ཕུང་ पद्मराशि म.ञ.५६६
པདྨ་ (१) अब्ज ल.स्तो.५९
(२) अम्बुज बो.च.७.४४ग
(३) अम्भोरुह बो.च.२.५क
(४) अरविन्द श.दा.
(५) इन्दीवर बो.च.२.१५ख
(६) कमल मा.आ.१३, बो च., म व्यु.३३९, श.दा., सु.प्र.३५.७, ३८.२३, ४१.३ ..
ཕྱག་ན་པདྨ་ कमलपाणि बो.च.१०.१२ग
(७) कमलिनी ल.स्तो.७६
(८) स. काश्मीरज श.दा.
(९) जलज श.दा.

(१०) नलिन म.व्यु.५२०९

(११) पंकज बो.च.८.५७क

(१२) पंकजात सु.प्र.१६४.१७

(१३) पद्म अ.अ.८.२९ (=सितासितकमल हृ.म.), उद्रा.१४.१६, का.प.३८, ना.आ., बो.च.१०.१४क .., भ.च.२०ग, मद्र.९६, २६३, ८१६, म.व्यु.९६, ६७३, ६७६, ७५३, ८२७, ३२३०, ६१४४, श.दा., सु.प्र.९.५, ६, ३२.५, ३५.२३, २४ .

གསེར་གྱི་པདྨ་ सुवर्णपद्म बो.च.२.१७क

(१४) पुण्डरीक म व्यु ६१४७

(१५) पुष्कर श दा.

(१६) राजीव बो.क.२०

(१७) शतपत्र म.व्यु.६१४३, श.दा.

(१८) सरोज बो.च.१०.७ग

(१९) सरोरुह बो.च.७.४४क

(२०) སྲིན་བུ་པདྨ་ जलौक सु.प्र.१४ २०

པདྨ་ཀ་ར་ पद्माकर श.दा.

པདྨ་ཀུ་ཤེ་ཤ་ཡ་ पद्मकुशेशय श.दा.

པདྨ་དཀར་པོ་ पुण्डरीक उद्रा.१४.१७, मी.पु. २६३४, ७५६, म.व्यु.१३३५, १३४८, ६१४७, श.दा., सु.प्र.१३०.६, १७५.१३, स्र.स्तो.६८

པདྨ་སྐྱིལ་ཀྲུང་ पद्मपर्यंक तु.३०८

པདྨ་སྐྱེས་ अब्जजनि श.दा.

པདྨ་མཁའ་འགྲོ་ पद्मडाकिनी चि.त्रि.२२७, चि.पं

१४१ग



པདྨ་མཁའ་འགྲོ་ ལས་ཀྱི་མཁའ་འགྲོ

པདྨ་མཁའ་འགྲོ་མ་ पद्मडाकिनी पु.चि.४६ (द्र.) པདྨ་ཌཱ་ཀི་)

ནུབ་~ पश्चिम पद्मडाकिनी चि.पं.३०ख

འཁོར་~ अनुचरा पद्मडाकिनी चि.पं.०७०ग

པདྨ་གར་གྱི་དབང་ཕྱུག་གི་སྒྲུབ་ཐབས་ पद्मनर्तेश्वरसाधन कं.तं ३१६०, ३१६१, ३४२३-२४

པདྨ་གར་གྱི་དབང་ཕྱུག་གི་སྒྲུབ་པའི་ཐབས་ पद्मनर्तेश्वरसाधन कं.तं ३३३५

པདྨ་གར་གྱི་དབང་ཕྱུག་གི་གསང་བའི་དོན་རྣམ་པར་དགོད་པ་ (श्री)पद्मनर्तेश्वरीगुह्यार्थधर-व्यूह (नाम) कं.तं.१६६७

པདྨ་གར་དབང་

སྤྱན་རས་གཟིགས་~ཕྱག་གཉིས་པ་ द्विभुज पद्मनर्तेश्वर अवलोकितेश्वर नि.ष.१६४

ག་ཚའི་~ नि.पं.१९क

རྟ་མགྲིན་~ पद्मनर्तेश्वर हयग्रीव नि.ष.६२

པདྨ་གར་དབང་ཕྱག་བཅོ་བརྒྱད་པ་ अष्टादशभुज पद्मनर्तेश्वर नि.ष.६५

པདྨ་གེ་སར་ पद्मकेसर श.वा.

པདྨ་གྲུ་མཚོ་ पद्मसागर भद्र.१८७

པདྨ་སྒྲོལ་མ་ पद्मतारा नि.पं.४७ख (द्र. साधनमाला पृ २११)



པདྨ་སྒྲོལ་མ་

པདྨ་ཅན་ (१) पद्मक तु ५०२, ५२१

(२) पद्मावती तु.५०८

(३) पद्मिनी नी.पु.२.८४७ <योगिनीनाम>, सु.प्र.३२.५

པདྨ་ཅན་ཞེས་བྱ་བའི་དཀའ་འགྲེལ་ पद्मिनी नाम पञ्जिका कं.तं.१३५०

པདྨ་རྫོད་ཕན་ पद्मकुड्मल(लक) कं.तं.७०१

པདྨ་ཆེན་པོ་ महापद्म म.व्यु.३२११ <नागराजा>, श.को.

པདྨ་སྙིང་པོ་ पद्मगर्भ तु.३५५

པདྨ་ལྟར་གསལ་བ་ पद्म उद्रा.३०.२३, म.व्यु.४९३५

པདྨ་ལྟར་གསལ་བ་ཆེན་པོ་ महापद्म उद्रा.३०.२४, म व्यु.४९३६

པདྨ་དྲ་བ་ पद्मजाल नी.पु.२.१००७

པདྨ་དྲ་བ་འབྱུང་བའི་སྒྲུབ་ཐབས་ पद्मजालोद्भवसाधन कं.त १७५०

པདྨ་འདྲ་བའི་མིག་རིང་ कमलायतेक्षण सु.प्र. १६१ २०

པདྨ་རྡོ་རྗེ་ पद्मवज्र नी.पु.१.३६३, ३८९

པདྨ་རྡོ་རྗེ་དཔལ་ श्रीपद्मवज्र नी.पु.१.३६२

པདྨ་ལྡན་ (१) नलिनी तु ५०४

(२) पद्मावती तु.४४४, ४९६

པདྨ་ཌཱ་ཀི་

འཁོར་ ~ अनुचरा पद्मडाकिनी नि.पं.११८ग

པདྨ་པཱ་ཎི་ पद्मपाणि श.वा.

པདྨ་སྤྱན་རས་གཟིགས་དབང་ཕྱུག་གི་པདྨ་དྲ་བའི་

རིམ་པས་བཅོམ་ལྡན་འདས་ཀྱི་དཀྱིལ་འཁོར་དུ་མཆོད་པའི་ཆོ་ག་ पद्मावलोकितेश्वरस्य पद्मजालक्रमेण भगवन्मण्डलपूजाविधि कं.तं. १७५१

པདྨ་དབང་འབྱེད་

སྤྱན་རས་གཟིགས་~ पद्मविकासन अवलोकितेश्वर चि.प.१५१

པདྨ་འབྱུང་གནས་ (१) पद्मसंभव मु.चि.४६, तु.३६९, नी.पु.२.१००७

(२) पद्माकर श.दा.

པདྨ་མ་ (१) पद्मलाञ्छन श.दा.

(२) [मंगल]पद्मा चि.त्रि.२१८

པདྨ་མ་ཡ་ན་མོ།

པདྨ་དམར་པོ་ कोकनद श.दा.

པདྨ་གཙུག་ पद्मचूड तु.४४४

པདྨ་བརྩེགས་ पद्मकूट नी.पु.२.९७१

པདྨ་གཞོན་ནུ་ तरुणपंकज बो.प.८.५७ब

པདྨ་གཞོན་ནུའི་འདབ་མ་ལྟར་སྤྱན་ཤིན་ཏུ་རྣམ་པར་དག་པ་ नवनलिनपत्रसुविशुद्धनयना म.व्यु.५२०१

པདྨ་བཞིན་ पद्ममुख तु.४६०

པདྨ་རཱ་ག་ (१,२) कुरुविन्द, गारुत्मत श.दा.

(३) पद्मराग म.व्यु.५९४६, श.दा.

(४-७) पुष्पराग, लोहितक, वैदूर्य, शोणरत्न श.दा.

པདྨ་ལས་འབྱུངས་འཕགས་པ་ལྷ་ मह. ०० (१११६)

༄། །པདྨ་ལས་འབྱུངས་འཕགས་པ་ལྷ། །

པདྨ་ལས་བྱུང་ལུས་མཆོག་ཅན་ अम्बुजविनिर्गत-सद्वपुस् बो.च.७.४४ग

པདྨ་ག་ཤིར་ཧེ་ག་ཤེད་ཤེས་རབ་བདེ་བ་ཅན་གྱི་སྒྲུབ་ཐབས་ प्रज्ञासुखपद्मयमारिसाधन कं.तं. १९५१

པདྨའི་བགོད་པ་ पद्मव्यूहा म.व्यु.७५३

པདྨའི་སྐྱིལ་ཀྲུང་ पद्मपर्यंक श.दा.

པདྨའི་སྐྱེས་གནས་ पद्मयोनि, पद्माकर श.दा.

པདྨའི་སྨ་ केसर श.दा.

པདྨའི་ངོ་ पद्ममुख भद्र २८०

པདྨའི་ངོས་ पद्मपार्श्व भद्र.२८०

པདྨའི་ཆ་ལག་ मृणाल श.दा.

པདྨའི་མཆོག་ पद्मोत्तर भद्र.७२९

པདྨའི་རྗེས་སུ་འབྲང་བ་ पुष्पसारिन् श.पं.१२७

པདྨའི་སྙིང་པོ་ (१) पद्मगर्भ नी.पु.१.२४१, भद्र. ५२२, ५६६, ६७३, म.व्यु.६७३

(२) सरोरुहगर्भ बो.च.७.४४क

(३) ཆུའི་པདྨའི་སྙིང་པོ་ जलाम्बुगर्भा सु.प्र.

པདྨའི་ལྟེ་བ་ पद्मनाभ, पद्मबीजकोष श.दा.

པདྨའི་གདན་ कमलासन श.दा.

པདྨའི་གདན་ཅན་ शतधृति श.दा.

པདྨའི་བདག་པོ་ नलिनीपति श.दा.

པདྨའི་རྡོ་རྗེ་ पद्मवज्र नी.पु.१.३६२, २.५५२

པདྨའི་སྡོང་པོ་ पद्मयष्टि, मृणाल श.दा.

པདྨའི་སྡོང་བུ་ पद्मनाल बो.च.९.११६ग

པདྨའི་དཔལ་ पद्मश्री भद्र.४९९

པདྨའི་སྤྱན་ (१) पद्मनेत्र म.व्यु ९६, ६७६ (पा. °མིག་), श.दा

(२) पद्माक्ष भद्र.५१

པདྨའི་ཕུང་པོ་ पद्मराशि भद्र.५६६

པདྨའི་ཕྱག་

སྤྱན་རས་གཟིགས་~ पद्मपाणि अवलोकितेश्वर वि.पं.८७ख

པདྨའི་ཕྱག་གི་གཟུངས་ कं.तं.३४३३

པདྨའི་ཕྲེང་བ་ पद्ममालिन् नी.पु.२.८४३

པདྨའི་མིག་ཅན་ कमललोचन ल.वि.१५.११.८

པདྨའི་མྱུ་གུ་ [पण्डित] पद्माङ्कुरवज्र नी.पु. २.१०४१

པདྨའི་རྩ་ मृणाल तु ४६०

པདྨའི་རྩ་བ་ (१) बिस म.व्यु.६२१९

(२) =སྡོང་པོ་ मृणाल श.दा.

པདྨའི་རྩ་ལག་ मृणाल नी.पु.१.६, म.व्यु.६२२१

པདྨའི་མཚོ་ पद्मवन बो.च.८ १०७ग

པདྨའི་མཛོད་ पद्मकोश भद्र.७२८

པདྨའི་ཟེ་བ་ पद्मरुह सु.प्र.३५.२४

པདྨའི་འོད་ཟེར་ (१) पद्मरश्मि भद्र.५१५

(२) རྒྱལ་བ་~ जिन पद्मज्योतिः वि.त्रि.१२१

པདྨའི་འོད་ཟེར་རྣམ་པར་རོལ་བས་མངོན་པར་
  མཁྱེན་པ་ पद्मज्योतिर्विक्रीडिताभिज्ञ चि.च.
  १०६

པདྨའི་མཚན་ पद्मलाञ्छन श.दा.

པདྨས་བརྒྱན་པ་ अम्भोरुहभूषण बो.च.२.५क

པད་མོ་ पद्म द.भू.१अ, ७अ., १०ग, ह, लं.सू.६६ख

པད་མོ་ཅན་ पद्मक तु.५२०

པད་མོ་ཆེན་པོ་བཏིང་ रत्नपद्मविमान लं.सू.६६ख

པད་མོ་ཆེན་པོའི་གཞལ་མེད་ཁང་དུ་སྟན་ལ་འདུག་
  པ་ (१) पद्मविमानासन लं.सू.१०५क
  (२) महापद्मविमानासनस्थ लं.सू.१०५क

པད་མོ་དམ་པ་ पद्मवर म.व.६०ख

པད་མོ་འདྲ་བའི་གཞལ་མེད་ཁང་ पद्मसंकाश लं.सू.
  १७४क

པད་མོ་ལྡན་པ་ पुष्कलावती तु.४१६

པད་མོ་ཞབས་ पद्मपादा नी.पु.२.८६९

པད་མོའི་སྡོང་བུ་ཅན་གྱི་སྤྱིལ་ཐབས་ कं.तं.२८११

པད་རྩ་ (१) कुमुदमृणाल सु.प्र.७५.११
  (२) मृणाल सु.प्र.३६.१प.

པད་སྒྲུམ་མགྲིན་=ངང་སྐྱ་ बलाक श.दा.

པན་ द्र. ཅོད་པན་

པན་མཐའ་ पान्थ श.दा.

པན་ཊ་པ་ पाण्डव लं.सू.२०४ख

པན་ནས་སྐྱེས་ (१) अनिरुद्ध म.व्यु.१०३८
  (२) कौलित म.व्यु.१०४८

པཎ་ཆེན་དཔལ་ལྡན་ཡེ་ཤེས་ चि.वि.५१

པཎ་ཆེན་དཔལ་ལྡན་ཡེ་ཤེས་ལ་ནམོ།

པཎ་ཆེན་བི་མ་མི་ཏྲའི་ཞབས་ भग्र.०० (११२५)

༄། །པཎ་ཆེན་བི་མ་མི་ཏྲའི་ཞབས། །

པཎ་ཆེན་བློ་བཟང་ཆོས་ཀྱི་རྒྱལ་མཚན་ °सुमतिधर्मध्वज
ति.नि.४७ (द्र. རྗེས་པཎ་ཆེན་བློ་བཟང་ཆོས་
ཀྱིས་རྒྱལ་མཚན་ ति.न.२५)

པཎ་ཆེན་བློ་བཟང་ཆོས་ཀྱི་རྒྱལ་མཚན་ནོ།

པཎ་ཆེན་བློ་བཟང་ཡེ་ཤེས་ °सुमतिज्ञान ति.न.
२७, ति.नि.४८ →

པཎ་ཆེན་ཡེར་དེ་ནི་ पण्डितरत्न श.दा.

པཎ་ཌི་ཏ་ཆེན་པོ་ महापण्डित श.स्तो.६०

པཱཎ་ཌི་ཀ་ पाण्डिक श.दा.

པཱཎ་ཌི་ཀ་ཆེན་པོ་ महापाण्डिक श.दा.

པར་ཧྲཱ་ཤ་བ་རིའི་མདོ་ कं.तं.७३५, ६६४

པར་བུ་ पाठ श.दा.

པར་ཤིག་ बरजा श.दा.

པལ་ཁ་=འབུ་ तन्तुभ श.दा.

པས་ (१) सं. इति न्या.बि.२०.५, २१.१२,
३०.१८
(२) सं. तद् (ततः) न्या.बि.१६३.१०

པས་ན་ (१) सं. इति न्या.बि.४.२, १४१,
१७.१८
(२) स तस्मात् न्या.बि.६३.१६

པི་པྤ་ལཱ་ཡ་ན་ पिप्पलायन श.दा.

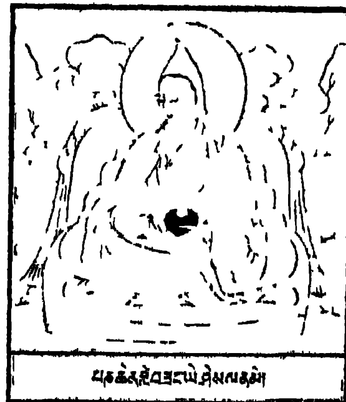
པི་པི་ལིང་ पिप्पली म.व्यु.५७६४, श दा.

པི་སྤལ་སྐྱེས་ पिप्पलायन तु ५००

པི་བང་ वीणा म.व्यु.५०२५, लं.सू.८३ख, सु.प्र.
३२.३
द्र पི་ཝཾ་

པི་བང་གི་ཤོག་པ་ཡིན་དྲ་ इन्द्रनील ल सू ६१ख

པི་བང་གི་སྒྲའི་སྣན་པ་ཉིད་ वीणाशब्दप्रियत्व



པཎ་ཆེན་བློ་བཟང་ཡེ་ཤེས་ལ་ན་མོ།

सं.नि.३.६

པི་ཝང་ वीणा उद्रा.१३.१२, १३, १६, म.व्यु.५०२५, श.दा., ल.स्तो.७७
द्र. པི་བང་

པི་ཝང་མཁན་=པི་ཝང་པ་ वीणावादक, वैणिक श.दा.

པི་ཝང་རྒྱུད་ तन्त्री, वीणा श.दा.

པི་ཝང་རྒྱུད་གཅིག་པ་ तुणव म.व्यु.५०१५

པི་ཝང་རྒྱུད་མང་ बहुतन्त्रीकवीणा श.दा.

པི་ཝང་རྒྱུད་གསུམ་པ་ वल्लरी म.व्यु.५०१६

པི་ཝང་པ་=པི་ཝང་མཁན་

པི་ཝང་དབྱངས་ཅན་མ་ वीणासरस्वती चि.च.२५५

པི་ལིན་དའི་བུ་ (१) पिलिन्दक श.दा.
(२) पिलिन्दवत्स श.पं.३ (°ཧྣའི་°)

པི་ལུའི་འདབ་ पिलुपत्र श.दा.५६१ख

པུ་གའི་འབྲས་བུ་ गुवाक श.दा.

པུ་ཏ་ལྷམ་དཔལ་ चि.पं.१३८ग →

པུ་ཡོར་ཏེ་ཎིཡ་ रौहिणी म.व्यु.५८३१

པུ་ཙ་ཀ་ पुवव श.दा.

པུ་ལ་ཧ་རི་ पुष्पहरि <गिरि-नाम> गी.पु.२.७५७

པུ་ལོ་མའི་དགྲ་ पुलोमारि श.दा.

པུ་ལོ་མའི་སྲས་མོ་=པུ་ལོ་འི་སྲས་མོ་ पौलोमी श.दा.

པུ་ལོ་འི་སྲས་མོ་=པུ་ལོ་མའི་སྲས་མོ་

པུ་ཤུ་ (१) उपांशु म.व्यु.४३५६, श.दा.
(२) =སྤྲང་བར་ क्रमशीर्ष श.दा.
(३) हर्म्य म.व्यु.५५२०, श.दा. (=གསིལ་ཁང་)

པུ་ཤུར་ कनक श.दा.

པུ་ཤུའི་སྟེང་ हर्म्यशिखर म.व्यु.५५२१, श.दा. (°སྟེངས་)

པུ་ཤེལ་ཙེ་ उशीर श.दा.

པུན་ན་ག་ पुन्नाग म.व्यु.६१७३, श.दा. (པུན་ནག་)

པུཎ་ཊ་རཱི་ཀ་ पुण्डरीक द.मू., श.दा.



པུ་ཏ་ལྷུམ་དཔལ་

མེ་ཏོག་~ नरपुण्डरीक द.भू.७आ.

པུར་གྲོལ་ प्रेतपुरी श.दा.

པུཥྤ་ཧ་རི་ पुष्पहरि नी.पु.२.४००

པུཥྐ་ཀ་ར་ पुष्कर श.दा.

པུཥྐ་པ་ཀེ་སར་ पुष्पकेसर श.दा.

པུཥྐ་ར་ पुष्कर तु.५०२

པུསྟ་ཀ་ पुस्तक श.दा.

པུཥྤ་མ་ पुष्पा तु ५५०

པུས་མོ་ (१) जंघा श.दा.

(२) जानु उग्रा.३१-२९, म.व्यु.४०१२, श.दा., सु.प्र.१४८.१०, १५०.७

(३) བཞེངས་བཞིན་དུ་མ་བཏུད་པར་ཕྱག་

~སླེབས་པ་ स्थितानवनतप्रलम्बबाहुता म.व्यु. २५३

པུས་མོ་ནུབ་ཙམ་དུ་ जानुमात्रम् सु.प्र.१४८.१०, १५०.७

པུས་མོ་གཡས་པའི་ལྷ་ང་ दक्षिणं जानुमण्डलम् सु प्र.४८.४, ७५.४, ७८.१३...

པུས་མོ་གཡས་པའི་ལྷ་ང་ས་ལ་གཙུགས་ཏེ་ दक्षिणं जानुमण्डलं पृथिव्यामस्थापयत् श.दा.

པུས་མོ་གཡས་པའི་ལྷ་ང་ས་ལ་བཙུགས་ཏེ་ दक्षिणं जानुमण्डलं पृथिव्यां प्रतिष्ठाप्य म.व्यु.६२७७

པུས་མོ་ལྷ་ང་ जानुमण्डल लं.मू.६९ख

པུས་མོའི་གནས་ जानु श.दा.

པུས་མོའི་ལྷ་ང་ (१) जानु द.भू.१०द

(२) जानुमण्डल म.व्यु.४०१३, ६२७७, श.दा.

པུས་བཙུགས་,་མ

ཤི་གཡོ་སྤྱོར་པོ་~ अवनिनिहितजानु मीला-वल बि.प.६१ख

པེ་ལུ་ཀ་ श.पं.८२

པེ་ཊ་ར་ पैठर व्या.बि.१९०.१६

པེ་ལུ་ཀ་ पैलुक व्या.बि.१८८.१०

པོ་ (१) ॰क बो.ब.

ཚོང་པོ་ वेदक बो.ब.९.९८क

(२) ॰तृ बो.ब.

སྤྱོད་པོ་ भोक्तृ बो.ब.९.७२ख

བྱེད་པོ་ कर्तृ बो.ब.९.७२ख

(३) ॰तृत्व बो.ब.

བྱེད་པོ་ कर्तृत्व बो.ब.९.१२०ग

པོ་ཏ་ལ་ पोतल, पोतलक श.दा.

པོ་ཏ་ལ་ཀའི་གྲོ་བར་ལམ་ཡིག་ पोतलकागमन-मार्गपत्रिका तु.५५२

པོ་ཏ་ལར་འགྲོ་བའི་ལམ་ཡིག་ कं.तं.३७५६

པོ་སྨོན་ཚ་ मधुवक श.दा.

པོག་ कुन्दुरु श.दा.

པོག་སྣོད་ धूपकटच्छु सु.प्र.६४.१५

བོག་སྤོས་ कुन्दुरु म.व्यु.६२६०

བོང་

ལུག་བོང་ལྟར་སྤྲད་པ་ संजस्वरसमाचार म.व्यु.९१४०

པྲ་ག་ཛྱོ་ཏི་ཥ་ प्राग्ज्योतिष श.दा.

པྲ་ཕབ་པ་ प्रसेन, मूर्ति श.दा.

པྲ་ཕབ་བཞིན་ प्रतिमूर्ति श.दा.

པྲ་བ་ काठिन्य, बक श.दा.

པྲ་བའི་མེ་ཏོག་ बकपुष्प श.दा.

པྲི་ཡང་ཀུ་=པྲི་ཡང་གུ་

པྲི་ཡང་གུ་ प्रियंगु तु.५६६ (ཀུ་), म.व्यु.६१७२, श.दा.

པྲི་ཡང་གུའི་གླིང་ प्रियंगु तु ५६६

པྲོག་ཞུ་=ཕྲོག་ཞུ་ चूडा, मुकुट श.दा.

པྲོང་ लोभयत् म.व्यु.७६६०

དཔག་ དཔོག་པ་ इत्यस्य भवि. प्रमितुम् सु.प्र.११.२५

དཔག་འཇལ་ समुल <सख्या-नाम> म.व्यु.७७७३

དཔག་ཏུ་མ་མཆིས་པ་ अपरिमित सु.प्र ५८.१२, ६८.७, ७१.२२

དཔག་ཏུ་མེད་ अप्रमेय सं.नि.७.३२, ८.१३, ८.२०.५, स.रा.२२.४१

དཔག་ཏུ་མེད་པ་ (१) अपरिमाण का.प.१५५, म.व्यु. <सख्या-नाम> ७९३६

(२) अपरिमित म.व्यु.८६१, सु.प्र.६०.२५, ६१.२७, १०३.११, १३ ..

(३) अप्रमित बो.प.१.२२ख, ५.६ख

(४) अप्रमेय का.प.१५१, बो.प.३.२१क, ७.३४ग, म.व्यु.३८८, ८०४२ <संख्या-नाम>, सं.नि.०.४, ७.२०, स.रा.८.१८, ११.१, ६, ८, ९, ३७, २२.३१, ४६, सु.प्र.११.४, १७४.१६

བསོད་ནམས་ཀྱི་ཚོགས་~ अप्रमेया पुण्य-संभाराः का.प.२६

(५) अमाप्य द.भू.१अ.

(६) अमित बो.प.१.१४ग, भद्र.१३०

~ལས་བསྒྲེས་པ་ अपरिमाणपरिवर्त <संख्या-नाम> म.व्यु.७९३७

~འི་ཏིང་ངེ་འཛིན་ अप्रमेयसमाधि सं नि. ९.१८.२.५

~འི་སངས་རྒྱས་ལ་གསོལ་བ་གདབ་པ་ལ་མཁས་པ་ अपरिमितबुद्धाध्येषणकुशल म.व्यु. ८६१

དཔག་ཏུ་ཡོད་པ་ अनुमित न्या.बि.१४२.१६

དཔག་པ (१) प्रमातुम् सु.प्र.३८.११

(२) सं. ०० न्या.बि.१४.१

དཔག་འཁྲུམ་ समुल <संख्या-नाम> म.व्यु.७७७३

དཔག་བྱ་ अनुमेय न्या.इ.२८२

དཔག་ཚུས་ मेय श.दा.

དཔག་ཁྲལ་ निगम <संख्या-नाम> म.व्यु.७९१९,

श दा. (पा. विषम)

དཔག་འབུམ་ सम्बल <संख्या-नाम> म व्यु ७९०२

དཔག་འབུམས་ (१) समुल <संख्या-नाम> म.व्यु ७७७३

(२) सम्बल म व्यु.७९०२

དཔག་མེད་ (१) अपरिमित सु प्र १५५ १५.

(२) अप्रमेय बो च.१.२१ख, २२ग, ६.११६ ख, ७ ३३ख, १० ३३ख, सु.प्र २६.१३, ११६.१६

(३) अमित मद्र ७९३, ९३०

ཚེ་~ अमितायुस् सु.प्र.

(४) प्रभूत (!) त पं ८

(५) सं ००

ནད་ཆེན་~གསོ་བར་མཛད་ [मधुरेणोपचारेण] चिकित्सति महातुरान् बो.च ७ २४ख

དཔག་མེད་ང་རོ་ अमितस्वर मद्र ७२०

དཔག་མེད་གཟི་བརྗིད་ अमिततेजस् मद्र ३३४

དཔག་ཚད་ (१) योजन उद्रा, बो च.२ ५७ग, म.व्यु ५६०३-४, ८२०६, लं.सू.७२ख, श.दा, सु.प्र ६० २७, २८, ६३ २७

(२) सं ०० म.व्यु ८१८९

དཔག་ཚད་ཕྱེད་དང་གསུམ་དུ་ अर्धतृतीयानि योजनानि उद्रा ६.१४, २६, ६ ३७, १०.८

དཔག་ཚད་ཕྱེད་དང་གསུམ་ཙམ་ཚད་དུ་ अर्धतृतीयानि योजनानि उद्रा ६.३४

དཔག་ཚད་ཙམ་དུ་ योजनात् सु.प्र.६०.२७

དཔག་ཡས་ अपरिमाण <संख्या-नाम> म.व्यु. ७८०४-५, ७९३६, ८०५४

དཔག་ཡས་ཆམ་མཁའི་ཀྲུན་ཁྱུར་ཏེ་དག་ विपुलमण्डलालान् बो च २ १८ग

དཔག་ཡས་ལ་བསྒྲེས་པ་ अपरिमाणपरिवर्त <संख्या-नाम> म व्यु ७८०५, ७९३७

དཔག་བསམ་ कल्प बो.क, म व्यु.८०३, श.दा., श स्तो ५५

དཔག་བསམ་འཁྲི་ཤིང་ कल्पलता, कल्पलतिका श दा.

དཔག་བསམ་ཀྱི་རི་ཤིང་ कल्पवृक्ष बो च ३ २०ग

དཔག་བསམ་ཀྱི་ཤིང་ कल्पवृक्ष म व्यु ६०६०

དཔག་བསམ་ཀྱི་ཤིང་ཅན་གྱི་སྨུབ་ཕྲབས་ कं त २८०९

དཔག་བསམ་ལྗོན་པ་ कल्पद्रुम श.दा

དཔག་བསམ་ལྗོན་ཤིང་ कल्पवृक्ष श दा.

དཔག་བསམ་ཤིང་ (१) कल्पतरु बो च ६ ३५क

(२) कल्पद्रुम ना.आ ७, बो च.२ ४ख, १०. ३४क

(३) कल्पपादप बो च.१० ६ग

དཔག་བསམ་ཤིང་ཅན་ कल्पद्रुम वी पु २ १०३६

དཔག་བསམ་ཤིང་ལས་བྱུང་བའི་གོས་ कल्पदुष्य <वस्त्र-नाम> म.व्यु.५८८३

དཔགས་ དཔོག་པ་ इत्यस्य भू.

(१) = ཚོད་པ་ उत्प्रेक्ष्य श.दा.

(२) प्रतिभाति द.भू.१०ज

द्र. དཔོག་

དཔགས་པ་ (१) अनुमित न्या.बि.१३६.१६, १८

(२) ऊषि बो.प.७.४५क (दे. པགས་)

(३) परिहार म.व्यु.९२९२

द्र. ཚོད་པ་

དཔང་ साक्षिन् ल.स्तो.८५

དཔང་སྐོང་ཕྱག་བརྒྱ་པ་ कं.तं.२६७

དཔང་དུ་གྱུར་པ་ अवबोध श.दा.

དཔང་དུ་བཞུགས་ཏེ་ (°གྱུར་པ་) साक्षीभूत द.भू.
१०ज, ११ए

དཔངས་ उच्छ्रय ग.दा.

དཔའ་ (१-३)=དཔའ་བ་ कर्कश, तपस्विन्,
तपोजन श.दा.

(४) वश लं.सू.६८क

(५) वीर श.दा. (=དཔའ་བ་), श.पं.१९

སྐྱེས་བུ་དཔའ་ नरवीर उद्रा.२८.२१

(६) शूर बो.प.१.१३ख, ४.२८ग, ७.५९ख,
श.दा. (=དཔའ་བ་), सु प्र.१६.६

(७) स. ०० बो.प.६.१७ख

द्र. དཔའ་བ་

དཔའ་གཅིག་

མགོན་པོ་གྲི་གུག་~ एकवीर कर्तरीधर
महाकाल नि.पं.१२५ख

འཇིགས་བྱེད་~ एकवीर भैरव नि.प.४६

རྟ་མགྲིན་~ལྷན་སྐྱེས་ཧེ་ཝོ་དི་ལྷུགས་ °सहज
एकवीर हयग्रीव नि.पं.५८क

དཔའ་གཅིག་མའི་སྒྲུབ་ཐབས་ कं.तं.१३१०

དཔའ་རྟུལ་ शौर्य उद्रा.२१.२२

དཔའ་བ་ (१,२) तपस्विन्, वीर श.दा.

(३) पराक्रम म.व्यु.१८०४

(४) वीर उद्रा., म.व्यु.२४०१, ३३७३,
३४४४, ५०३७

(५) शूर उद्रा ७.२५, का.प., म.व्यु.३६३०,
६८६६

द्र. དཔའ་

དཔའ་བའི་ལག་པ་ वीरबाहु <कुम्भाण्ड-नाम>
म.व्यु.३४४४

དཔའ་བར་འགྲོ་བ་ शूरंगम म.व्यु.५०६, ७०१,
८१२, १३५६

~ཞེས་བྱ་བའི་ཏིང་ངེ་འཛིན་ शूरंगमो नाम
समाधिः म.व्यु.५०६

~འི་ཏིང་ངེ་འཛིན་ (आर्य) शूरंगमसमाधि
(नाम महायानसूत्र) कं.तं.१३२

~འི་ཏིང་ངེ་འཛིན་བསྟན་པ་ शूरंगमसमाधि-
निर्देश म.व्यु.१३५६

~འི་ཏིང་ངེ་འཛིན་དང་ལྡན་པ་ शूरंगमसमाधि-

समन्वागत म.व्यु.८१२

~ས་བསྒྱུར་བ་ शूरतुरणवाहिनी का प १५३

དཔའ་བས་བྱིན་ शूरदत्त <राज-नाम> नी पु.२. ४५२

དཔའ་བོ་ (१) वीर तु २१३, ना आ., गी.पु.१. २२१, २५४३, ६४६, ८११, म.व्यु ५३, ५०३७, या.वा., ब.प ४५, ८७, क स्तो ९७ (२) शूर उग्रा १५ १८, द.भू.१अ., प्र द बो.प.५.५४ग, ६.२०ग, म.प.५६क, मद्र. २१९, म.व्यु २४०२ ३४७९, श वा., न प १२४

དཔའ་བོ་གཅིག་སྒྲུབ་ལས་བྱུང་བའི་ཛམ་བྷ་ལ་ལྷ་མང་ एकवीरसाधनविनिर्गत बहुदेव जम्भल चि पं १०८क (དཔའ་བོ་ཅིག་°)



དཔའ་བོ་ཅིག་སྒྲུབ་ལས་བྱུང་བའི་ཛམ་བྷ་ལ་ལྷ་མང

དཔའ་བོ་གཅིག་ཏུ་གྲུབ་པའི་སྒྲུབ་ཐབས་ सिद्धैक-वीरसाधन क तं ३१८४-८५, ३४६१, ३४६५ (आर्य°)

དཔའ་བོ་གཅིག་ཏུ་སྒྲུབ་པའི་རྒྱུད་ཀྱི་འགྲེལ་པ་ सिद्धैकवीरतन्त्रटीका कं.त.२६७४ (ड ५४४)

དཔའ་བོ་གཅིག་ཏུ་སྒྲུབ་པའི་སྒྲུབ་ཐབས་ सिद्धैक-वीरसाधन क तं ३४६६

དཔའ་བོ་གཅིག་པ་ एकवीर गी.पु.२ ४४०, ८४४

~དཔལ་ཧེ་རུ་ཀ་ཕྱག་བཅུ་དྲུག་པའི་སྒྲུབ་པའི་ཐབས་ एकवीरश्रीहेवज्रषोडशभुजसाधन क तं.१२८३

~ཧེ་རུ་ཀའི་སྒྲུབ་ཐབས་ एकवीरहेरुकसाधन क तं १४७२

~འི་དཀྱིལ་འཁོར་དུ་དབང་བསྐུར་བའི་བདུད་རྩི་བུམ་པའི་ཆོ་ག་ कं त २९४७

~འི་སྒྲུབ་ཐབས་ एकवीरसाधन कं.तं.१४६४, १४९३

~འི་རྣལ་འབྱོར་མའི་སྒྲུབ་པའི་ཐབས་ एक-वीरयोगिनीसाधन कं त १७१०

དཔའ་བོ་གཅིག་པུ་གྲུབ་པ་ཞེས་བྱ་བའི་རྒྱུད་ཀྱི་རྒྱལ་པོ་ཆེན་པོ་ सिद्धैकवीरमहातन्त्रराज नाम क त.५४४

དཔའ་བོ་ཆེན་པོ་ महावीर ल सू.२०५क

དཔའ་བོ་སྙིང་སྟོབས་ཅན་ = བརྟུལ་ཕོད་ वीर श.वा.

དཔའ་བོ་དུལ་ भीमसेन, पवनपुत्र श.वा.

དཔའ་བོ་རྡོ་རྗེ་ वीरवज्र नी.पु.१.३६२ (वैरवज्र <राज-नाम>), २.५५२

དཔའ་བོ་ལག་པ་ करवीर श.दा.

དཔའ་བོ་འི་བུད་ शनि, सौरि श.दा.

དཔའ་བོ་འི་འདུག་སྟངས་ वीरासन तु.३०८

དཔའ་བོ་འི་སྡེ་ (१) वीरसेन चि.च.८६, तु.५८०

ཀྱིལ་བ་～ जिन वीरसेन चि.त्रि.१०१

(२) शूरसेन श.दा.१०४८क

དཔའ་བྱེད་ वीर श.दा.

དཔའ་མོ་ लक्ष्मी नी.पु.१.२३९

དཔའ་རྩལ་བསྟན་ पराक्रान्त ग.पं.२५

དཔའ་རློམས་ नृत्यमान लं.सू.७९ख

དཔའ་རློམས་བཅས་པ་ सोर्मिक म.व्यु.७०३६

དཔའ་རློམས་དང་བཅས་པ་ सौरोर्मिक श.दा.

དཔའ་ལ་བརྟེན་ནས་ शूराश्रयेण बो.च.१ १३ख

དཔར་　　དཔོར་བ་ इत्यस्य भू., भवि.

དཔར་བས་རྟོན་(སྟོན་)ནོ་ अनुप्रवानं करोति द.भू.२क

དཔལ་ (१-५) काश्मरी, गम्भारी, पद्मा, भग, भाग श.दा.

(६) लक्ष्मी म.व्यु.२७८३, श.दा., स.स्तो.५३

(७) श्री का.आ., द.भू.१अ, ११ए, ना.आ., प्र.द., बु.च., बो.च., मञ्ज.३३०, ४९९, ८३६, म.व्यु.६६६, ७१२, २७४२, ३३६०, ३४०१, ३४०६, ३४१०, ३४२३, ४१२०, ५९६१, श.दा., सु.प्र.४.१५, २८.१७, २५, ४९.७..., स.स्तो.५१, ६२

(८) འགྲོ་བའི་དཔལ་ཞིང་མཛད་ पूतं जगद् भवेत् श.पं.१३३

དཔལ་ཀྱེ་རྡོ་རྗེ་

～ལས་སྦྱིན་སྲེག་གི་ཆོ་ག་ श्रीहेवज्रहोमविधि कं.तं.१२२८

～ཞེས་བྱ་བའི་སྒྲུབ་པའི་ཐབས་ श्रीहेवज्र-नामसाधन कं.तं.१२२७

～འི་སྒྲུབ་ཐབས་རབ་ཏུ་གསལ་བ་ प्रकाश (नाम) श्रीहेवज्रसाधन कं.तं.१२३८

～འི་མངོན་པར་རྟོགས་པའི་ཐིག་ལེ་ श्री-हेवज्राभिसमयतिलक कं.तं.१२७७

～འི་གཏོར་མའི་ཆོ་ག་ श्रीहेवज्रबलिविधि कं.तं.१२८७

～འི་ལྷ་ཁ་རཱ་གའི་བསྟོད་པ་ श्रीहेवज्रभट्ट-रागस्तोत्र कं.तं.१२२५

～འི་སར་མེའི་རྩེ་མོ་ལྟ་བུའི་གདམས་པ་ श्री-हेवज्रप्रदीपशूलोपमाववादक कं.तं.१२२०

དཔལ་ཀྱེའི་རྡོ་རྗེ་ श्रीहेवज्र चि.त्रि.६६ (ཀྱེ)

དཔ་ཀྱེ་རྡུལ་ཅན།

~འི་རྒྱུད་ཀྱི་རིམ་པ་ལས། བདག་བྱིན་གྱིས་
བརླབ་པ་ཀུ་རུ་ཀུལླེའི་སྒྲུབ་ཐབས་ श्री-
हेवज्रतन्त्रक्रमे स्वाधिष्ठानकुरुकुल्लेसाधन
क.त १३१४

~འི་སྒྲུབ་ཐབས་ श्रीहेवज्रसाधन क तं १२५०

~འི་སྒྲུབ་པའི་ཐབས་ श्रीहेवज्रसाधन क त
१२३२

~འི་སྒྲུབ་པའི་ཐབས་ཀྱི་མན་ངག་ श्रीहेवज्र-
नामसाधनोपदेश क तं.१३०२

དཔལ་སྙིང་པ་བཀྲ་ཤིས་སྙིང་པོ་མའི་འོད་ཅེས་
བྱ་བ་དཔལ་ཀུན་གྱིས་ནི་བཀྲོད་པའི་མཐར་
कं त ३०१०

དཔལ་སྐྱོང་ श्रीग ग.दा.

དཔལ་ཁ་སྦྱོར་ཐིག་ལེ་ཞེས་བྱ་བ་རྣལ་འབྱོར་མའི་
རྒྱུད་ཀྱི་རྒྱལ་པོའི་རྒྱ་ཆེར་འགྲེལ་བ་ཡང་
དག་པར་ལྷ་བའི་དྲན་པའི་སྣང་བ་ श्रीसम्पुट-
तिलकनामयोगिनीतन्त्रराजटीका स्मृतिसंदर्श-
नालोक (नाम) कं तं ११९७ (पा. "राजस्य")

དཔལ་འཁོར་ལོ་ཆེན་པོ་ श्रीमहाचक पि.त्रि.६४

དཔལ་ལྷབར་པཙྪུ་པ་ལ་ཅན།

དཔལ་འཁོར་ལོ་བདེ་མཆོག

~གི་དཀྱིལ་འཁོར་གྱི་ཆོ་ག་རིན་པོ་ཆེ་རབ་
ཏུ་གསལ་བའི་སྒྲོན་མ་ श्रीचक्रसंवरमण्डल-
विधि रत्नप्रदीपोद्योत (नाम) क त.१४४४
(पा "शवरस्य") (ब्र १४३७)

~གི་སྦྱིན་བསྲེགས་རྒྱས་པ་ कं त.१५३३

~འབྱུང་བ་ཞེས་བྱ་བའི་དཀྱིལ་འཁོར་གྱི་ཆོ་

པ་ श्रीचक्रसंवरोदय नाम मण्डलविधि कं.तं. १५३८

དཔལ་འཁོར་ལོ་སྡོམ་པ་ श्रीचक्रसंवर चि.प.३६, चि.चि.६३



དཔལ་འཁོར་ལོ་སྡོམ་པ་ཡབ་ཡུམ།

~དཔའ་བོ་གཅིག་པའི་སྒྲུབ་ཐབས་ श्रीचक्रसंवरैकवीरसाधन क.त १५३६

~ཞེས་བྱ་བའི་སྒྲུབ་ཐབས་ श्रीचक्रसंवरसाधन (नाम) क त १४४५

~ལ་བསྟོད་པ་ श्रीचक्रसंवरस्तोत्र कं तं. १५३२

~འི་དཀའ་འགྲེལ་ श्रीचक्रसंवरपञ्जिका क तं १४०३

~འི་དཀའ་འགྲེལ་སྒྲུབ་པའི་ཐབས་ཀྱི་སྙིང་གཞི་ साधननिदान (नाम) श्रीचक्रसंवर-पञ्जिका कं.तं.१४०१

~འི་དཀའ་འགྲེལ་དཔའ་བོ་འི་ཡིད་དུ་འོང་བ་ श्रीचक्रसंवरपञ्जिका शूरमनोज्ञा (नाम) कं तं.१४०५(पा. °संवरस्य°)

~འི་དཀྱིལ་འཁོར་གྱི་བཀྲ་ཤིས་ཚིགས་སུ་བཅད་པ་ श्रीचक्रसंवरमण्डलमंगलगाथा कं.तं. १४७९

~འི་དཀྱིལ་འཁོར་གྱི་ཆོ་ག་དེ་ཁོ་ན་ཉིད་ལ་འཇུག་པ་ श्रीचक्रसंवरमण्डलविधि तत्त्वावतार (नाम) कं तं १४०३

~འི་དཀྱིལ་འཁོར་གྱི་ཆོ་ག་མདོར་བསྡུས་པ་ श्रीचक्रसंवरमण्डलविधि कं त १४६९

~འི་དཀྱིལ་འཁོར་གྱི་བསྟོད་པ་ श्रीचक्रसंवर-मण्डलस्तोत्र क त १५३०

~འི་དཀྱིལ་འཁོར་གྱི་ལྷ་ཚོགས་ལ་བསྟོད་པ་ श्रीचक्रसंवरमण्डलदेवगणस्तोत्र कं तं १५३१

~འི་རྒྱུད་ཀྱི་རྒྱལ་པོ་བདེ་མཆོག་བསྡུས་པ་ཞེས་བྱ་བའི་རྣམ་པར་བཤད་པ་ श्रीचक्रसंवर-तन्त्रराज शंवरसमुच्चय नाम वृत्ति कं.तं.१४१३

~འི་སྒྲུབ་ཐབས་ श्रीचक्रसंवरसाधन क.तं १४९१

~འི་སྒྲུབ་ཐབས་དེ་ཁོ་ན་ཉིད་ཀྱིས་བསྡུས་པ་ श्रीचक्रसंवरसाधन तत्त्वसंग्रह (नाम) कं.तं. १४२९

~འི་སྒྲུབ་ཐབས་བདུད་རྩི་འཛག་པ་ श्रीचक्रसंवरसाधनामृतक्षर (नाम) क.तं.१४६२

~འི་སྒྲུབ་ཐབས་གནས་ཐམས་ཅད་ཀྱི་ཚིར་འགྲེལ་པ་ श्रीचक्रसंवरसाधनसर्वशाला (नाम) टीका कं.तं.१४०७

~འི་སྒྲུབ་ཐབས་ཚིགས་བཅད་སུམ་ཅུ་པ་ श्री-चक्रसंवरसाधनत्रिंशिकापक्षमह्नति क.तं.१४८८

~འི་སྒྲུབ་ཐབས་རིན་པོ་ཆེའི་སྒྲོན་མ་ श्रीचक्र-संवरसाधनरत्नप्रदीप कं.तं.१४८४

~འི་སྒྲུབ་པའི་ཐབས་ श्रीचक्रसंवरसाधन कं.तं.१४३२

~འི་མངོན་པར་རྟོགས་པ་ श्रीचक्रसंवराभि-समय कं तं.१४१८

~འི་བཅུ་གསུམ་མའི་བདག་ཉིད་ཀྱི་དབང་བསྐུར་བའི་ཆོ་ག་ श्रीचक्रसंवरत्रयोदशात्मका-भिषेकविधि कं तं.१४८६ (पा.°दशात्मकस्य°)

~འི་གཉིས་སུ་མེད་པའི་བསམ་གཏན་གྱི་མན་ངག་རྣལ་འབྱོར་གྱི་གཏུམ་མོ་ श्रीचक्र-संवराद्वैतध्यानोपदेशयोगचण्डाली कं.तं.१५०८

~འི་སྙིང་པོ་ དེ་ཁོ་ན་ཉིད་བསྡུས་པ་ श्रीचक्र-संवरतत्त्वगर्भसंग्रह कं.तं.१५०५

~འི་སྙིང་པོའི་དེ་ཁོ་ན་ཉིད་གྲུབ་པ་ श्रीचक्र-संवरगर्भतत्त्वसिद्धि कं.त.१४५६

~འི་གཏོར་མའི་ཆོ་ག་ श्रीचक्रसंवरबलिविधि कं.तं.१४६७

~འི་བསྟོད་པ་ श्रीचक्रसंवरस्तोत्र कं.तं.१५२०

~འི་བསྟོད་པ། དོན་ཐམས་ཅད་གྲུབ་པ་རྣམ་དག་གཙུག་གི་ནོར་བུ་ཞེས་བྱ་བ་ श्रीचक्र-संवरस्तोत्र सर्वार्थसिद्धिविशुद्धचूडामणि नाम कं.तं.१४२८

~འི་དེ་ཁོ་ན་ཉིད་ཀྱི་མན་ངག་ श्रीचक्रसंवर-तत्त्वोपदेश कं तं १५०७

~འི་ཕྱི་རོལ་གྱི་མཆོད་པའི་ཆོ་ག་ श्रीचक्र-संवरबहिःपूजाविधि कं.तं.१४६१

~འི་དབང་གི་བྱ་བ་མདོར་བསྡུས་པ་ श्रीचक्र-संवरसेकप्रक्रियोपदेश कं.नं.१४३१

~འི་དབང་གི་བྱ་བའི་རིམ་པ་ श्रीचक्रसंवर-सेकप्रक्रियाक्रम कं.तं.१४७०

~འི་མན་ངག་ श्रीचक्रसंवरोपदेश कं.तं. १४८५

~འི་རྩ་བའི་རྒྱུད་ཀྱི་དཀའ་འགྲེལ་ श्रीचक्र-संवरमूलतन्त्रपञ्जिका कं.तं.१४०६

~འི་མཚན་བརྒྱ་རྩ་བརྒྱད་པའི་བསྟོད་པ་ श्री-चक्रसंवरनामशताष्टकस्तोत्र कं.तं.१४२५

~འི་ཞི་བའི་སྦྱིན་སྲེག་གི་ཆོ་ག་བསྡུས་པ་ कं.तं.१४७४

~འི་རབ་གནས་ श्रीचक्रसंवरसुप्रतिष्ठा कं तं.१४८७

~འི་རིམ་པ་ལྔ་པ་ श्रीचक्रसंवरपञ्चक्रम कं.तं.१४३३

~འི་རིམ་པ་ལྔ་པའི་འགྲེལ་པ་ श्रीचक्रसंवर-पञ्चक्रमवृत्ति क.तं.१४३५

~འི་ལག་མཆོད་ཀྱི་ཆོ་ག་ **श्रीचक्रसंवरहस्त-पूजाविधि** क.तं.१४६८

~འི་ལྷན་ཅིག་སྐྱེས་པའི་དེ་ཁོ་ན་ཉིད་སྣང་བ་ **श्रीचक्रसंवरसहजतत्त्वालोक** क.तं.१५०४

དཔལ་འཁོར་ལོའི་སྡོམ་པའི་བསྟོད་པ་ **श्रीचक्र-संवरस्तोत्र** क.तं.१४४०

དཔལ་གོས་ **पट्ट, श्रीवास** श.दा.

དཔལ་གྱི་སྙིང་པོ་ **श्रीगर्भ** नी.पु.१.२४१, मद्र. १२५, म व्यु.६६६, ५९६१

དཔལ་གྱི་དུམ་བུ་ཙན་དན་དཀར་པོ་ **श्वेतचन्दनश्री-खण्ड** श.दा.

དཔལ་གྱི་བདག་ **श्रीपति** श.दा.

དཔལ་གྱི་སྡེ་ **श्रीसेन** तु.४४२, ग.पं.१३

དཔལ་གྱི་སྡེའི་རྟོགས་པ་བརྗོད་པ་ **श्रीसेनावदान** क.तं.३८९

དཔལ་གྱི་ཕག་པ་ **श्रीवराह** श.दा.

དཔལ་གྱི་ཕྲེང་བ་ **श्रीमाला** ल.मू.१५७ख

དཔལ་གྱི་བེའུ་ (१) **सं. ऊष** लं मू ६५ख
(२) **श्रीवत्स** अ.अ ८.३२, द.मू.१अ, १०द, म व्यु.३४८, लं.मू.६५ख, श.दा.

དཔལ་གྱི་གནས་ **श्रीनिवास** म.व्यु ९५६६

དཔལ་གྱི་གཟི་བརྗིད་ **श्रीतेजस्** भद्र.३३१, म.व्यु. ३३६०

དཔལ་གྱི་གཟི་འོད་ **श्रीतेजःप्रभ** भद्र.४०१

དཔལ་གྱི་བཟང་པོ་ **श्रीभद्र** नी.पु.२.१०४४

དཔལ་གྱི་འོད་ཟེར་ **श्रीप्रभा** नी.पु.१.२४१

དཔལ་གྱི་རི་ **श्रीपर्वत** श.दा.

དཔལ་གྱི་ལག་པ་ **श्रीकर** श.दा.

དཔལ་གྱི་ལོ་མ་ **गम्भारि, गम्भारिका** श.दा.

དཔལ་གྱི་ལྷ་མོ་མཚན་བཅུ་གཉིས་པ་ क.तं.७४१, १००६

དཔལ་གྲིས་དཀྲིས་གྱུར་ **श्रीवृत्त** श.दा.

དཔལ་དགྱེས་ **वीरनन्दिन्** चि.च.८७, तु.५८०
གྱལ་བ་~ **जिन वीरनन्दिन्** चि.त्रि.१०२

དཔལ་དགྱེས་པ་རྡོ་རྗེ་
~དཔའ་བོ་གཅིག་པའི་སྒྲུབ་པའི་ཐབས་ **श्री-हेवज्रैकवीरसाधन** क.तं.१२५२
~ལ་བསྟོད་པ་ **श्रीहेवज्रस्तोत्र** क.तं.१३०४
~འི་དཀྱིལ་འཁོར་གྱི་ཆོ་ག་ **श्रीहेवज्र-मण्डलविधि** क.तं.१२९६
~འི་སྒྲུབ་ཐབས་ **श्रीहेवज्रसाधन** क.तं.१२१८, १२४९, १२९२
~འི་སྒྲུབ་ཐབས་རིན་པོ་ཆེའི་སྒྲོན་མ་ **श्री-हेवज्ररत्नप्रदीपसाधन** (नाम) क.तं.१२६८

དཔལ་དགྱེས་པའི་རྡོ་རྗེ་
~ཞེས་བྱ་བའི་རྒྱུད་ཀྱི་དོན་བསྡུས་པ་ **श्री-हेवज्रनामतन्त्रार्थसंग्रह** क.तं.११९३
~འི་དཀའ་འགྲེལ་རྡོ་རྗེའི་ཚིག་བདུ་བ་ **श्री-**

हेवज्रअपबोद्धरण (नाम) पञ्जिका क.तं. ११९२ (पा. श्रीहेवज्रस्य°)

~འི་དཀའ་འགྲེལ་མུ་ཏིག་ཕྲེང་བ་ཞེས་བྱ་བ་ श्रीहेवज्रपञ्जिका नाम मुक्तिकावलि क.त. ११८९

~འི་གཏོར་མའི་རིམ་པ་ श्रीहेवज्रबलिक्रम क.तं १२९८

~འི་རྣམ་བཤད་རྣམ་པར་འགྲེལ་པ་ श्री-हेवज्रव्याख्याविवरण (नाम) क.तं ११८२ (पा.°वज्रस्य°)

~འི་གཞུང་འགྲེལ་གྱི་དཀྱིལ་འཁོར་གྱི་ཆོ་ག་ श्रीहेवज्रशास्त्रवृत्तिमण्डलविधि क.तं १२५४

དཔལ་མགོན་ཀླུ་སྒྲུབ་ श्रीनाथ नागार्जुन चि.त्रि.५

དཔལ་མགོན་ཀླུ་སྒྲུབ་མགོ

དཔལ་མགོན་པོ་ श्रीनाथ नी.पु.२.६५३

~ནག་པོ་ཆེན་པོའི་སྒྲུབ་ཐབས་ཀྱི་རིམ་པ་ श्रीनाथमहाकालसाधनक्रम क.तं.१७५२

~ནག་པོའི་སྒྲུབ་ཐབས་ श्रीनाथकालसाधन क.त १७६४

~འི་གཏོར་མ་ महाकालबलि क.त.१७६५

~འི་ར. སྒྲུབ་ श्रीमहाकालान्तरसाधन क.तं. १७६०

དཔལ་མགོན་ཞལ་བཞི་པ་སྒྲུབ་དུས་དང་འབྲེལ་བ་ साधनकालसम्बद्ध श्रीनाथ चतुर्मुख चि.पं. १३१ख

དཔལ་མགོན་ཞལ་བཞི་པ་སྒྲུབ་དུས་དང་འབྲེལ་བ་

དཔལ་མགོན་ཞལ་བཞི་པ་བསྙེན་དུས་དང་འབྲེལ་བ་ सेवाकालसंबद्ध श्रीनाथ चतुर्मुख चि.पं.१३१क

དཔལ་མགྲིན་ श्रीकण्ठभव घ.दा

དཔལ་སྒྱུ་འཕྲུལ་ཆེན་མོའི་འགྲེལ་པ་ཡོན་ཏན་ལྡན་

ध॰ गुणवती श्रीमहामायाटीका कं.तं.१६२३

དཔལ་ཆེ་ धन्य ध प.५७

དཔལ་ཆེ་བ महाभाग म.व्यु ५२२०

དཔལ་ཆེན་ सौभाग्य बो.ख ६ १३३ग

དཔལ་ཆེན་མོ་

ལྷ་མོ་～ देवी महालक्ष्मी चि पं १११क

དཔལ་ཆེན་མོའི་མདོ་ (आर्य) महालक्ष्मीसूत्र कं त. ७४०, १००५

དཔལ་མཆོག་ (१) श्रीपरमाद्यतन्त्र नी पु १. ३५४

(२) श्रीपरमाद्यनाममहायानकल्पराज नी पु १ २२७ (कं त.४८७)

～རྒྱུད་ श्रीपरमाद्यनाममहायानकल्पराज नी.पु १ ३५२(क तं ४८७)

～དང་པོ་ श्रीपरमाद्य (नाम महायानकल्प-राज) क त ४८७(पा.°मादि°)

～དང་པོའི་དཀྱིལ་འཁོར་གྱི་ཚོག་ क तं २५२०

～དང་པོའི་འགྲེལ་པ་ श्रीपरमादिविवरण कं त २५११ (पा °आद्य°)

～དང་པོའི་རྒྱ་ཆེར་བཤད་པ་ श्रीपरमादि-टीका क त २५१२

～དང་པོའི་སྔགས་ཀྱི་རྟོག་པའི་དུམ་བུ་ श्री-परमाद्यमन्त्रकल्पखण्ड (नाम) कं तं ४८८

དཔལ་ལྷུག་ श्रीघन घ दा

དཔལ་ལྷུག་གྲོལ་མར་དགྲེས་པར་གཞེགས་ ध. དགྲེས་པར་གཞེགས་པ་ मञ्ज.६१

དཔལ་ལྷུགས་ श्रीघन घ.दा.५४१ख

དཔལ་དང་ལྡན་པ་ केतुमत् ब.मू.११ख

དཔལ་དུ་བྱེད་ श्रीकर ध पं.६५

དཔལ་དུས་ཀྱི་འཁོར་ལོ་ श्रीकालचक्र चि.चि.६५, घ.दा



དཔལ་དུས་ཀྱི་འཁོར་ལོའི་རྒྱུད་ श्रीकालचक्रतन्त्र नी पु २.७५३

དཔལ་གདན་བཞི་པ་ श्रीचतुःपीठमहायोगिनीतन्त्र-राज नी.पु.२ ४००, ४०३(कं.त ४२८)

དཔལ་གདན་བཞི་པའི་སྒྲུབ་པའི་ཐབས་ श्रीचतुः-पीठसाधन कं तं १६१६

དཔལ་གདན་བཞི་པའི་རྩའི་སྦྱིན་སྲེག क.तं १६१७

དཔལ་གདན་བཞི་པའི་ཐབ་རྡོ་སྦྱོར་བ་ཤིང་གཅིག་གི་དཀའ་འགྲེལ क.तं.१६१४

དཔལ་བདེ་མཆོག་འཁོར་ལོ་ཡི་སྦྱིན་སྲེག་གི་ཆོ་ག श्रीचक्रसंवरहोमविधि क.तं १४४७, १५३७

དཔལ་བདེ་མཆོག་གི་དཀྱིལ་འཁོར་བྱ་བའི་ཐབས श्रीचक्रसंवरमण्डलविधि क.तं.१४७७

དཔལ་བདེ་མཆོག་གི་མཎྜལ་བརྗོད་པར་བྱ་སྟེ क.तं. १४७५

དཔལ་བདེ་བ་ཆེན་པོ་སྒྲུབ་པའི་ཐབས་རྣམ་པར་བཤད་པ श्रीमहासुखसाधनव्याख्यान क.तं. १६१२

དཔལ་བདེ་བ་ཆེན་པོའི་སྒྲུབ་ཐབས क.त.१६११

དཔལ་འདབ श्रीपर्णा घा.दा.

དཔལ་འདུས་པ श्रीसमाज गी.पु.१.३५८

དཔལ་རྡོ་རྗེ་མཁའ་འགྲོ་ཞེས་བྱ་བའི་རྒྱུད་ཀྱི་རྒྱལ་པོ་ལས་བཏུས་པའི་སྒྲུབ་པའི་ཐབས་བྱང་ཆུབ་ཀྱི་སེམས་ཀུན་ཏུ་གཟིགས་པའི་ཕྲེང་བ श्री-वज्रडाकनाममहातन्त्रराजोद्धृत बोधिचित्ताव-लोकमालासाधन (नाम) क.तं १५०३

དཔལ་རྡོ་རྗེ་འཇིགས་བྱེད་ཀྱི་རྒྱུད श्रीवज्रभैरवतन्त्र घा.दा.

དཔལ་རྡོ་རྗེ་གདན श्रीवज्रासन घा.दा.

དཔལ་རྡོ་རྗེ་སེམས་དཔའི་སྒྲུབ་ཐབས་ཞེས་བྱ་བ श्रीवज्रसत्त्वनामसाधन क.तं.१४५४

དཔལ་ལྡན श्रीमत् पु.४६२, गा.आ., घा.घा.

དཔལ་ལྡན་ཀུན་འགྲོ་མགོན་པོ सर्वजगन्नाथ गी.पु. २.५५३

དཔལ་ལྡན་ཀུན་འགྲོའི་མགོན་པོ श्रीसर्वजगन्नाथ गी.पु १ ३६२

དཔལ་ལྡན་འཁོར་ལོ श्रीचक्र=गुह्यसमाज गी.पु. १ ३६२

དཔལ་ལྡན་དགའ་བ श्रीहर्ष गा.आ.३

དཔལ་ལྡན་མགོན་པོ་ཕྱག་བཞི་པ मह.०० (११४७)



དཔལ་ལྡན་ཀྱི་ཚེ་བ་ཞེས་བྱ་བའི་དཀྱིལ་འཁོར་གྱི་ཆོ་ག श्रीमत्तुवारनाममण्डलविधि क.तं.

२५२६

དཔལ་ལྡན་གྱི་སྣར་གྱི་དཀྱིལ་འཁོར་གྱི་སྒྲུབ་ཐབས་ཡན་ལག་བཅུ་གཅིག་པ་ (श्री) मणाय-मण्डलसाधनैकादशांग कं.तं.१३५७

དཔལ་ལྡན་ངག་གི་རྒྱལ་པོའི་སྒྲུབ་ཐབས་ श्रीमहाराजसाधन कं.तं.३४४१

དཔལ་ལྡན་ཇོ་བཙུན་བྱང་ཆུབ་ཆེན་པོའི་བསྟོད་པ་ श्रीमन्महाबोधिभट्टारकस्तोत्र कं.तं ११५३ (°भट्टारकस्य°)

དཔལ་ལྡན་དུས་ཀྱི་འཁོར་ལོ་ श्रीकालचक्र ग दा. ७६३ख

དཔལ་ལྡན་དུས་འཁོར་ (འགོ་མེད་ཐོག་མ་ཐ་མ་མེད་) श्रीकालचक्र ग.दा.

དཔལ་ལྡན་དྲི་མ་དང་བྲལ་བའི་འོད་ཀྱི་རྒྱུད་ལ་འཇུག་པའི་བཀའ་སྒྲུར་མི་གཡོ་བའི་སྙིང་པོ་སྣང་བ་ श्रीमद्विमलप्रभातन्त्रावतारणीवाचाचल-हृदयालोक क.त.१३४६

དཔལ་ལྡན་ནག་པོ་ཆེན་པོའི་སྒྲུབ་ཐབས་ श्रीमन्महाकालसाधन कं तं ३५४१, ३६४३

དཔལ་ལྡན་འཕགས་པ་ངག་གི་རྒྱལ་པོའི་སྒྲུབ་ཐབས་ आर्यश्रीमहाविराजसाधन कं तं.३४४५

དཔལ་ལྡན་འཕགས་མ་རིགས་བྱེད་མའི་སྒྲུབ་ཐབས་ आर्यश्रीमतीकुरुकुल्लेसाधन कं तं.३५६५

དཔལ་ལྡན་ཕྲ་མ་ श्रीमद्गुह्य नी.पु २.८३५

དཔལ་ལྡན་ཕྲ་མ་དམ་པ་ श्रीमत्सद्गुह्य नी.पु. २.७०३

དཔལ་ལྡན་ཕྲ་མ་ནགས་ཀྱི་རིན་ཆེན་གྱི་བསྟོད་པ་བདུན་པ་ श्रीगुह्यवनरत्नस्तोत्रसप्तक कं.तं. ११७७

དཔལ་ལྡན་འབྲས་སྤུངས་ श्रीधान्यकटक ग.दा.

དཔལ་ལྡན་མ་ श्रीमती ग.दा.

དཔལ་ལྡན་དམག་ཟོར་རྒྱལ་མོ་ श्रीमती पार्वती राज्ञी चि.पं १३४ख

དཔལ་ལྡན་དམག་ཟོར་རྒྱལ་མོ

དཔལ་ལྡན་ཞི་བ་འཚོ་ श्रीमच्छान्तरक्षित चि.चि. २५



དཔལ་ལྡན་བཞི་པ་ श्रीचतु:पीठमहायोगिनीतन्त्र-
राज नी पु.१ २०४ (कं तं.४२८)

དཔལ་ལྡན་ཡེ་ཤེས་
པཎ་ཆེན་ ~ चि.त्रि.५१

དཔལ་ལྡན་རོལ་པ་ལྷ་མོ་ཆེ་ श्रीमती लीलादेवी
नी.पु.१.३६१

དཔལ་ལྡན་ལེགས་པ་ཡོན་ཏན་བཟམས་ द्र. ལེགས་
བཟམས་ मद्र.३१०

དཔལ་ལྡན་གཤིན་རྗེ་གཤེད་དམར་པོའི་རྒྱུད་ཀྱི་
རྒྱལ་པོ་ श्रीमद्रक्तयमारितन्त्रराज कं.तं.
४७५

དཔལ་ལྡན་གཤིན་རྗེའི་གཤེད་དམར་པོའི་རྒྱུད་ཀྱི་
རྒྱལ་པོ་ श्रीमद्रक्तयमारितन्त्रराज कं.तं.
४७८

དཔལ་ལྡན་གསང་བ་འདུས་པ་ཆེ་ मद्र.००
(११३९)



༄། །དཔལ་ལྡན་གསང་བ་འདུས་པ་ཆེ། །

དཔལ་ལྡན་ལྷ་མོ་ श्रीदेवी यु.चि.५७

དཔལ་ལྡན་ལྷ་མོ་ཕྱག་གཉིས་མ་ द्विभुजश्रीमती
देवी चि.च.३११

དཔལ་ལྡན་ཨ་ཏི་ཤ་ अतीश श.दा.१३४३क
ཇོ་བོ་ཆེན་པོ་ ~ महापंश्री अतीश चि.त्रि.२९

དཔལ་སྤྱི་ལྡན་ वीरसंभ्य स्न स्तो ७४

དཔལ་སྡོམ་པ་འབྱུང་བའི་རྒྱུད་ཀྱི་རྒྱལ་པོ་ཆེན་
པོའི་དཀའ་འགྲེལ་པདྨ་ཅན་ཞེས་བྱ་བ་ श्री-
संवरोदयमहातन्त्रराजस्य पद्मिनी नाम
पञ्जिका कं.तं.१४२०

དཔལ་སྡོམ་པ་འབྱུང་བའི་སྒྲུབ་ཐབས་ श्रीसंवरो-

वयसाधन कं.तं.१५१५

དཔལ་སྡོམ་པའི་འགྲེལ་པ་དཔལ་དེ་ཁོ་ན་ཉིད་གསལ་བ་ཞེས་བྱ་བ་ श्रीतत्त्वविशद नाम श्री-संवरवृत्ति कं.तं.१४१०

དཔལ་སྡོམ་པའི་མན་ངག་ཞལ་ནས་སྙན་དུ་བརྒྱུད་པ་ཡིད་བཞིན་ནོར་བུ་ श्रीसंवरोपदेश मुख-कर्णपरम्परचिन्तामणि (नाम) कं.तं.१५२९

དཔལ་ན་ལནྡ་ श्रीनालन्दा म.व्यु.४१२०

དཔལ་ནག་པོ་ཆེན་པོ་

~ཡུམ་ཅན་གྱི་སྒྲུབ་ཐབས་ प्रज्ञाश्रीमहाकाल-साधन कं.तं.१७५८ (पा. श्रीप्रज्ञाश्री°)

~ལ་བསྟོད་པ་ श्रीमहाकालस्तोत्र कं.तं. १७७४-७५

~ལ་བསྟོད་པ་ཀང་བ་བརྒྱད་པ་ श्रीमहा-कालाष्टमन्त्रस्तोत्र कं.तं.१७७९(पा.°कालस्य°)

~འི་དཀྱིལ་འཁོར་གྱི་ཆོ་ག་ श्रीमहाकाल-मण्डलविधि क.तं.१७५४

~འི་རྒྱུད་དྲག་པོའི་བརྟག་པ་དུར་ཁྲོད་ཆེན་པོ་ཞེས་བྱ་བའི་འགྲེལ་པ་ श्रीमहाकालतन्त्रराज-कल्पमहाश्मशाननामटीका कं.तं.१७५३

~འི་སྒྲུབ་ཐབས་ श्रीमहाकालसाधन कं.तं. १७५९, १७६१, १७७१

~འི་སྒྲུབ་ཐབས་ཀྱི་རྣམ་པར་བཤད་པ་ श्री-महाकालसाधनव्याख्यान कं.तं.१७५७ (पा. °विख्यात)

~འི་བསྟོད་པ་ཀང་བ་བརྒྱད་པ་ श्रीमहा-कालाष्टपदस्तोत्र (नाम) कं.तं.१७७३(पा. °कालस्य°), १७७८

~འི་དབང་བསྐུར་བའི་ཆོ་ག་ श्रीमहाकाला-भिषेकविधि कं.तं.१७६३

དཔལ་ནགས་ཀྱི་རིན་ཆེན་ श्रीवनरत्न <विद्वन्-नाम> गी.पु.२.७९७

དཔལ་དཔའ་བོ་གཅིག་པ་ཞེས་བྱ་བའི་སྒྲུབ་པའི་ཐབས་ श्रीएकवीरसाधन (नाम) कं.तं.१२२६

དཔལ་ཕྲེང་གི་མདོ་ = ལྷ་མོ་དཔལ་ཕྲེང་སེང་གེའི་སྒྲའི་མདོ་ प्र.पा.

དཔལ་བེ་མ་ [मंगल.]श्रीवत्सा चि.त्रि.२९५

དཔལ་བེ་མ་ལ་ནྲ་མི།

དཔལ་བེ་ཏུ་ श्रीवत्स गी.पु.२.७८३, बा.बा.

དཔལ་སྲིན་ सुरक्त वि.व.६३

ද. རྒྱལ་པ་དཔལ་སྦྱིན, དཔལ་སྦྱིན

དཔལ་ཕྲེད་ अर्जुन श.दा.

དཔལ་བྲལ་ विगम <संख्या-नाम> म.व्यु. ७७६०

དཔལ་དབྱིག་གིས་ཞུས་པ་ (आर्य) श्रीवसुपरिपृच्छा (नाम महायानसूत्र) कं.तं.१६२

དཔལ་འབར་

མགོན་པོ་ལྷ་ཆེན་ ~ རྡོ་རྗེའི་ལུགས་ आर्यकम महादेव श्रीज्वाल महाकाल वि.पं.१२५क

དཔལ་འབྱུང་བ་ཡི་རྣམ་ཐར་ श्रीसंभवविमोक्ष बो.व. ५.१०३क

དཔལ་འཁོར་ लक्ष्मी ल.स्तो.८०

དཔལ་འབྲས་ (१) कर्कटका श.दा.

(२) = རབ་མཆོག་མིག་ श्रीफल श.दा.

དཔལ་སྦས་ श्रीगुप्त कं.त.२१७ (आर्य~नाम सूत्र), तु.४५०, नी.पु.१.३४ <आचार्य-नाम>, २२६, भद्र.२५७, श.दा., ग.पं.१०७, १२१

དཔལ་སྦེད་ श्रीगुप्त तु.३५६

དཔལ་སྦྱིན་ (१) कुबेर श.दा.

(२) श्रीदत्त तु.५८०, श.दा.

དཔལ་མར་མེ་མཛད་ཡེ་ཤེས་ श्रीदीपंकरज्ञान नी.पु.१.२४१

དཔལ་མོ་ (१,२) कमला, श्रीराज्ञिजा श.दा.

(३) लक्ष्मी नी.पु.२.१००७, १०१८, १०४४ <भिक्षुणी-नाम>

དཔལ་མོ་སྙིང་གི་གསེར་ཕྲེང་ཅན་ गर्भसुवर्णसूत्रश्री वि.पं.७१ख

དཔལ་མོ་སྙིང་གི་གསེར་ཕྲེང་ཅན

དཔལ་མོ་འོད་ཕྲེང་ प्रभावती नी.पु.१.२४१

དཔལ་མོ་ལུགས་

སྤྱན་རས་གཟིགས་བཅུ་གཅིག་ཞལ་ ~ *एकादशमुख अवलोकितेश्वर वि.पं ३४ख

དཔལ་གཙོ་ श्रीतर श.दा.

དཔལ་བརྩེགས་ श्री व.

དཔལ་ཛམ་བྷ་ལའི་སྒྲུབ་ཐབས་མདོར་བསྡུས་པ་ संक्षिप्तश्रीजम्भलसाधन कं.त.३६१६

དཔལ་འཛིན་ श्रीधर नी.पु.२.७६५, १०४६

(ब्राह्मण॰)

དཔལ་འཛིན་དགའ་བ་ श्रीधरनन्दन नी.पु.२.८००

དཔལ་འཛིན་ལྷུགས་

བྲམ་ཟེ་～གྱི་རྡོ་རྗེ་ཕག་མོ་ ब्राह्मणश्रीधरमत वज्रवाराही चि.पं.२८क

དཔལ་རྫོགས་ अनुपमश्री मव्यु.८११

དཔལ་བཟང་ श्रीभद्र चि.च.१८, म.व्यु.३३५२

རྒྱལ་བ་～ जिन श्रीभद्र चि.चि.१११

དཔལ་འོད་ श्रीप्रभ मव्यु.३८२

དཔལ་ཡང་དག་པར་སྦྱོར་བའི་རྒྱུད་ཀྱི་རྒྱལ་པོའི་རྒྱ་ཆེར་འགྲེལ་པ་མན་ངག་གི་སྙེ་མ་ श्री-संपुटतन्त्रराजटीका आम्नायमञ्जरी (नाम) कं.तं ११९८

དཔལ་ཡང་སྐྱེ་ जम्य श.पं.१०१

དཔལ་ཡེ་ཤེས་ཐིག་ལེའི་རྒྱུད་ཀྱི་རྒྱལ་པོ་ श्रीज्ञान-तिलकयोगिनीतन्त्रराज नी.पु.१.३६१ (कं.तं. ४२२)

དཔལ་ཡོན་ जम्य श.श.

དཔལ་རི་ श्रीपर्वत पु.६०५, श श.(=ཤྲཱི་རི་)

དཔལ་རིན་པོ་ཆེ་སྙེ་མ་ཞེས་བྱ་བའི་རྒྱ་ཆེར་འགྲེལ་པ་ श्रीरत्नमञ्जरी नाम टीका कं.तं.१२१७

དཔལ་ལ་བ་པ་ श्रीकम्बल नी.पु.२.७५३

དཔལ་གཤིན་རྗེ་ཆེ་བདག་ནག་པོ་སྒྲུབ་པའི་ཐབས་ (आर्य)श्रीकलापुञ्जसाधन कं.तं.२०४७

དཔལ་གཤིན་རྗེ་གཤེད་ནག་པོ་དང་དམར་པོ་མཆོད་པའི་ཚོ་ག་ कृष्णयमारिरक्तयमारिपूजाविधि कं.तं.२०२८

དཔལ་གསང་བ་འདུས་པ་ श्रीगुह्यसमाज चि.चि. ६२, श.श.



～རྒྱུད་ཀྱི་རྒྱལ་པོའི་བཤད་པ་ཟླ་བའི་འོད་ཟེར་ श्रीगुह्यसमाजतन्त्रराजटीका चन्द्रप्रभा (नाम) कं.तं.१८५२, नी.पु.१.३७३

～རྟོགས་སླ་ཞིང་མདོར་བསྡུས་པའི་སྒྲུབ་ཐབས་ संक्षिप्तसुबोधश्रीगुह्यसमाजसाधन कं.तं.१८८५

～ལྷན་ཅིག་སྐྱེས་པའི་སྒྲུབ་ཐབས་ श्रीगुह्य-

समाजसहजसाधन कं.तं.१९१३

~འི་དཀའ་འགྲེལ་ श्रीगुह्यसमाजपञ्जिका कं.तं.१९१७

~འི་དཀྱིལ་འཁོར་གྱི་སྒྲུབ་པའི་ཐབས་རྣམ་པར་བཤད་པ་ श्रीगुह्यसमाजमण्डलसाधनव्याख्यान-टीका कं.तं.१८७३

~འི་དཀྱིལ་འཁོར་གྱི་ཆོ་ག་ श्रीगुह्यसमाजमण्डलविधि कं.तं.१७१८, १८१९, १८३५

~འི་དཀྱིལ་འཁོར་གྱི་ཆོ་ག་ཉི་ཤུ་པ་ श्री-गुह्यसमाजमण्डलविंशतिविधि कं.तं १८१० (पा. °लोपायिकविंशतिविधि)

~འི་དཀྱིལ་འཁོར་གྱི་ཆོ་གའི་འགྲེལ་པ་ श्रीगुह्यसमाजमण्डलविधिटीका कं.तं.१८७१

~འི་དཀྱིལ་འཁོར་གྱི་ལྷའི་སྐུ་ལ་བསྟོད་པ་ श्रीगुह्यसमाजमण्डलदेवकायस्तोत्र कं.त. १८२८

~འི་འགྲེལ་པ་མན་ངག་གཏན་ལ་དབབ་པ་ उपदेशविनिश्चय नाम श्रीगुह्यसमाजवृत्ति कं.तं १८४३

~འི་རྒྱན་ श्रीगुह्यसमाजालंकार कं.तं. १८४८

~འི་རྒྱུད་ཀྱི་དཀའ་འགྲེལ་ श्रीगुह्यसमाज-तन्त्रपञ्जिका कं.त.१८४७

~འི་རྒྱུད་ཀྱི་གླེང་གཞི་བླ་མའི་མན་ངག་གིས་བཤད་པ་ श्रीगुह्यसमाजतन्त्रनिदानगुरू-पदेशनव्याख्यान कं.तं.१९१०

~འི་རྒྱུད་ཀྱི་འགྲེལ་པ་ श्रीगुह्यसमाजतन्त्र-विवरण कं.त.१८४५

~འི་རྒྱུད་ཀྱི་རྒྱུད་འགྲེལ་ श्रीगुह्यसमाजतन्त्र-स्य तन्त्रटीका (नाम)कं.तं.१७८४

~འི་རྒྱུད་ཀྱི་མན་ངག་གི་རྒྱ་མཚོ་ཕྲིགས་པ་ कं तं १८४४

~འི་སྒྲུབ་པའི་ཐབས་དངོས་གྲུབ་འབྱུང་བའི་གཏེར་ श्रीगुह्यसमाजसाधनसिद्धिसंभवनिधि (नाम) कं.तं.१८७४

~འི་མངོན་པར་རྟོགས་པ་ཞེས་བྱ་བའི་སྒྲུབ་པའི་ཐབས་ श्रीगुह्यसमाजाभिसमयनामसाधन कं.तं.१८८१

~འི་འཇམ་དཔལ་གྱི་སྒྲུབ་ཐབས་ श्रीगुह्य-समाजमञ्जुश्रीसाधन कं.त.१८८० (पा. °समाजस्य°)

~འི་འཇིག་རྟེན་དབང་ཕྱུག་གི་སྒྲུབ་པའི་ཐབས་ श्रीगुह्यसमाजलोकेश्वरसाधन कं.तं.१८९२, नी.पु.१ ३७३

~འི་བསྟོད་པ་ श्रीगुह्यसमाजस्तोत्र कं.तं. १८९४

~འི་རྟོགས་རིམ་མཐར་ཕྱིན་པ་ कं तं.१८०८

དཔལ་ལྷ་མོ་

མ་གཅིག་~ एकमातृ-श्रीदेवी पि.पि.२३६

~སྒྲ་དབྱངས་ལ་བསྟོད་པ་ कं.तं.७३८, १०९२

~ནག་པོ་ཆེན་མོ་ལ་བསྟོད་པ་བརྒྱད་པ་

श्रीमहाकालीदेवीस्तोत्राष्टक कं.तं.१७७७

~ནག་མོ་སྒྲུབ་པའི་ཐབས་ཀྱི་ཚོ་ག་ श्रीदेवी-कालीसाधन कं.तं.१७६६

~ནག་མོ་འི་སྒྲུབ་ཐབས་ श्रीदेवीकालीसाधन कं.तं.१७८१

~དམག་ཟོར་གྱི་མན་ངག་ कं तं.१७६७

~གཙུག་ཏོར་རོལ་པའི་དན་དུ་ श्रीवज्रुष्णीष-ललिततन्त्र क.तं.९८७

དཔལ་ལྡའི་གྲོང་ཁྱེར་དུ་འཇུག་པ་ कं.तं.२८४०

དཔས་སྦྱིན་(བྱིན་) वीरदत्त म.व्यु १४०७

དཔུང་ (१) बल उद्रा.२१.२१, ३३.९, का.प., बो.च.६.१३०ख, ७.३१क, म व्यु.५२०,३६३७, सु प्र.४९.४, ५१.२२, ५३.४ ..

(२) बाहु म.व्यु.३९७०

(३) समूह श.दा.

(४) साधन उद्रा.१७.२४, २५, ३७.५

དཔུང་བཀོད་པ་ཞེས་བྱ་བའི་ཏིང་ངེ་འཛིན་ बल-व्यूहो नाम समाधिः म.व्यु.५२०

དཔུང་གི་ཚོགས་ (१) बलकाय उद्रा.६.१५, २७, २८, ७.४, १०.१, ९, सु.प्र.५४.५, १९

(२) बलसैन्य का.प ३३

~ཡན་ལག་བཞི་དང་ལྡན་པ་ चतुरंगो बलकायः उद्रा ६.१५, २७, ७ ४, १०.१

~ཡན་ལག་བཞི་(པ་) चतुरंगबलकाय उद्रा. ६.१५, २७, २८, ७.४...

~ཡན་ལག་བཞི་པའི་མིང་ལ་ चतुरंगबल-नामानि म.व्यु.३६३७

དཔུང་མགོ་ (१) बाहुशिखर म.व्यु.३९७०

(२) स्कन्ध म.व्यु.२४९

དཔུང་མགོ་ཤིན་ཏུ་ཟླུམ་པ་ सुसंवृतस्कन्ध म.व्यु. २४९

དཔུང་རྒྱན་ (१) अंगद म.व्यु.६०१०, श.दा. (=དཔུང་པའི་རྒྱན་)

(२) केयूर तु.३०७, म.व्यु.५३०, १४१०, ६००९, श.दा.(=དཔུང་པའི་རྒྱན་), सु.प्र. ११८ १४

དཔུང་བཅས་ सबल का.प.३०प.

དཔུང་ཆེ་བ་ महासाधन उद्रा.३७.५

དཔུང་གཉེན་ (१) परायण अ.अ.४.२७, म.व्यु. १७४३, श दा., सु.प्र.३९.१८

(२) शरण्य सु.प्र.२२.१२

དཔུང་གཉེན་མེད་པ་ (१) अत्राण द.भू.३ए, ५ग

(२) अपरित्राण सु.प्र.२२.९

དཔུང་དང་གཡོག་དུ་བཅས་པ་ सबलपरिवार सु.प्र. ४९.८, ५६.६, ६२.१६ .

དཔུང་ལྡན་=རི་ कटकिन् श.दा.

དཔུང་པ་ (१,२) अङ्क, पुञ्ज श.दा.

(३) बाहु बो.क.१९, बो.च.९.७८ष, म.व्यु. ३९७२, श.दा.

(४) गुण का.स्तो.६७

(५) शाखि श.दा.

(६) स्कन्ध अ.अ.८.१५

དཔུང་པ་ཀྲུམ་པ་ पीनबाहु श.दा.

དཔུང་པའི་འགོ་ द्र. ཕྲག་པ་ श.दा.

དཔུང་པའི་རྒྱན་=དཔུང་རྒྱན་

དཔུང་པའི་བུ་ बाहव: श.दा.

དཔུང་བུ་ཆུང་ पत्ति ल.वि.१५.२१.३५

དཔུང་བུ་ཆུང་གི་ཚོགས་ पत्तिकाय म.व्यु.३६४१, सं.नि.१.४

དཔུང་ཚོགས་ बलव्यूह बो.प.७.१६क

དཔུང་ཚོགས་བཞི་=དཔུང་བཞི་ चतुरंगबलकाय श.दा.

དཔུང་བཞི་=དཔུང་ཚོགས་བཞི་

དཔུང་བཟང་གིས་ཞུས་པ་ (आर्य)सुबाहुपरिपृच्छा (नाम तन्त्र) क.तं.८०५

དཔུང་བཟངས་ आर्यसुबाहुपरिपृच्छानामतन्त्र नी पु. १.३५१(कं.तं.८०५)

དཔུང་བཟངས་ཀྱིས་ཞུས་པའི་རྒྱུད་ཀྱི་བསྡུས་པའི་དོན་ (आर्य)सुबाहुपरिपृच्छानामतन्त्रपिण्डार्थ क.त.२६७१

དཔུང་བཟངས་ཀྱིས་ཞུས་པའི་རྒྱུད་ཀྱི་བསྡུས་པའི་དོན་དགྲོལ་བའི་བརྗེད་བྱང་ (आर्य)सुबाहु-परिपृच्छानामतन्त्रपिण्डार्थवृत्ति कं.तं.२६७३

དཔུང་བཟངས་ཀྱིས་ཞུས་པའི་རྒྱུད་ཀྱི་ཚིག་གི་དོན་བཤད་པའི་བརྗེད་བྱང་ कं.तं.२६७२

དཔེ་ (१) सं. इवम् न्या.बि.१९४.४

(२) इव का.प.

དཔྱལ་ལ་ ཕྱུག་ ཅེས་ བདགས་པའི་དཔེ་དང་ མཚུངས་ वणिज आढ्येतीव उपमानः का.प. १२७प.

(३) उदाहरण न्या.बि.८३.४, ६, ७, १४१.१५, १५८.१२

(४) °उपम म.व्यु.६८

(५) उपमा का.प., बो.प.८.८४ख, म.व्यु. २८४२, ५०८६, श.दा. (=ཉེ་བར་འཇལ་བ་), श.पं.३३, सं.नि.७.३२, सु.प्र.१२१.८

(६) उपमान सु.प्र.१२१ ४

(७) स. तमुदाहरति न्या.बि २१० ७ (དཔེའོ་)

དེའི་དཔེའོ་ तमुदाहरति न्या.बि.२१०.८

(८) दृष्टान्त अ.अ.४.५८, द.भू.१क, न्या.द. ५४.२, १२८ ४, २५८, २८६, न्या.प्र.२, ७, न्या.बि.९५.५, १२, १७, ९८.१२, १३, ११८.१६ , बो.प.९ ४ग, म.व्यु.२८४०, ४४०७, ४४१४, ४४२९, ४५३०, ल सू.७२ख, श.दा.(=ཉེ་བར་འཇལ་བ་), सु.प्र.१६.१९

(९)=ཉེ་བར་འཇལ་བ་ निदर्श श.दा.

(१०) साम्य श.दा.५६०क

(११) सदृश लं.सू १६१क

(१२) संनिभ लं.सू.१८१क

(१३) སྐུ་མ་ལ་སོགས་པའི་རྣམ་པའི་དཔེ་དེ་
མིང་ལ་ सं. मायाबयः म.व्यु.२८११
द्र. དཔེར་
དཔེ་བཀོད་ནས་ उदाहृत्य न्या.बि.५२.१९
དཔེ་བཀོད་པ་ उदाहृत न्या.बि.८३.२
དཔེ་མཁྱུད་ मुष्टि म.व्यु.६५२५
སློབ་དཔོན་(གྱི་)~ आचार्यमुष्टि का.प.१,
१प.
དཔེ་དགོད་པ་ (१) उदाहरण न्या.बि.५३.१४,
७७.३, १७३.२...
(२) उदाहरति न्या.बि.२०५.३, २१६.१२
(३) उदाहर्तव्य न्या.बि.७४.१७, ८१.५
དཔེ་དགོད་པ་ཡིན་ उदाहरति न्या.बि.२००.१०,
२०३.१०
དཔེ་དགོད་པའི་ཕྱིར་ (१) सं. उदाहरत् न्या.बि.
९७.११
(२) उदाहर्तुम् न्या.बि.५२.१९, ५४.११
དཔེ་འགོད་པ་ (१) उदाहरण न्या.बि.७८.१९,
७९.१७
(२) उदाहर्तव्य न्या.बि.७८.२
(३) उदाह्रियते न्या.बि.७०.५, ७२.३, ७३.३
(४) सं.०० न्या.बि ७३.१५
དཔེ་བརྒྱ་པ་ पूर्णप्रमुखावदानशतक नी.पु.२.१०६९
(कं.तं.३४३)
དཔེ་ཆ་ पुस्तक श दा.
དཔེ་བརྗོད་ (१) उदाहरण श.दा.
(२) दृष्टान्त न्या.द.२९०
དཔེ་བརྗོད་པ་ उदाहरति न्या.बि.१९७.११
དཔེ་བརྗོད་པའི་ཚུལ་གྱིས་ उदाहरणयोगेन श.दा.
དཔེ་ཉེ་བར་དགོད་པ་ उपमोपन्यास का.प.२९
དཔེ་ཉེ་བར་འགོད་པ་བསྟན་པ་ उपमोपन्यासनिर्देश
का.प २९
དཔེ་ལྟ་ उपमा श.पं.३४
དཔེ་ལྟར་སྣང་བ་ दृष्टान्ताभास न्या.द.२९६, न्या.प्र
४१, ४७, ५२, न्या.बि.२१७.१७, म.व्यु.
४४३३
དཔེ་བསྟན་ནས་ उदाहृत्य न्या.बि.२१७.१६
དཔེ་བསྟན་པའི་ཕྱིར་ (१) सं. उदाहरति न्या.
बि.१२५.१२
(२) उदाहर्तुम् न्या.बि.१४५.१७, २०७.३,
२१३.१०
དཔེ་བསྟན་ཟིན་ उदाहृत न्या.बि.२०७.२
དཔེ་དང་ལྡོག་པ་ཅན་ཞེས་པའི་གཟུགས་ཅན་
उपमाव्यतिरेकरूपक का.आ.२.८७
དཔེ་བྱ་བར་ उदाहर्तुम् सं.नि.
~ཡང་སླ་བ་མ་ཡིན་ནོ་ न सुकरमुदाहर्तुम्
सं नि.१०.२
~སླ་བ་མ་ཡིན་ न सुकरमुदाहर्तुम् सं.नि.७.
३२

དཔེ་བྱད་ व्यञ्जन अ.अ.८.१२, प्र.पा.४७, श.दा. (अनुव्यञ्जन), श.पं.५६

དཔེ་བྱད་བཟང་པོ་ (१) अनुव्यञ्जन अ.अ.८.३२, द.भू.४८, ५अ, ७अ, ल.वि.७.१३.१२, सु.प्र. २८.२४, २९.२७, १७८.३

(२) व्यञ्जन सु.प्र.१७५.१५

དཔེ་བྱད་བཟང་པོ་བརྒྱད་(བ)ཅུའི་མིང་ལ་ अशीत्य-नुव्यञ्जनानि म.व्यु.२६८

དཔེ་བྱད་བཟང་པོ་རྣམས་ཀྱིས་སྤྲས་པ་ चित्रितो-ऽनुव्यञ्जनैः म.व्यु ३७७

དཔེ་བྱད་བཟང་པོ་འི་ཀླུ་ सं. अनुव्यञ्जन लं.सू. १२३ख

དཔེ་སྦྱར་བ་ उदाहृत न्या.बि.८३.८

དཔེ་མེད་ (१) अदृष्टान्तक न्या.बि.१९३.१८, १९४.१

(२) अनुपम तु.५९९, बो.च.९.१५८क

དཔེ་མེད་པ་ (१) अनुपम म.व्यु.६८, श.दा., सु.प्र.६७.१३

(२) निरुपम कं.तं.१११९, श.पं.

དཔེ་མེད་པའི་ཚིག་ अदृष्टान्तपद लं.सू.७४क

དཔེ་མེད་པར་བསྟོད་པ་ निरुपमस्तव कं.तं.१११९

དཔེ་མེད་བློ་ཅན་

~དྲན་པའི་འོད་ द्र. དྲན་པའི་འོད་ भद्र. ७००

~རྟོགས་ལྡན་ཆེ་ द्र. རྟོགས་ལྡན་ भद्र.२७१

~ཡེ་ཤེས་བརྩེགས་ द्र. ཡེ་ཤེས་བརྩེགས་ भद्र. ७१०

དཔེ་མེད་འཚོ་ अनुपमरक्षित नी.पु.२.७६४, ७९३

དཔེ་མེད་འཚོའི་སྦྱོར་དྲུག་ षडंगयोग नी.पु.२. ६४० (कं.त १३६७)

དཔེ་མེད་ཡེ་ཤེས་

~སྨྲོས་བཟང་ཞབས་ द्र. སྨྲོས་བཟང་ भद्र. ९६६

~འབྱོར་ལྡན་ཆེ་ द्र. འབྱོར་ལྡན་ भद्र.४७६

~ཀླུ་ཐམས་ཅད་ द्र. ཀླུ་ཐམས་ཅད་ भद्र.८७६

དཔེ་མེད་གསུང་བ་ अनुपमवादिन् भद्र.६८२

དཔེ་ཙམ་དུ་བསྟན་པར་བྱའོ་ औपम्यं करिष्यामि द.भू.१०ह

དཔེ་ཙམ་དུ་བྱས་པ་ उपमामात्र लं.सू.१६१ख

དཔེ་ཡས་ उपम्य <संख्या-नाम> म.व्यु.७९३१, श.दा.(उपसम)

དཔེ་ཡི་སྐྱོན་གྱི་བརྟག་པ་ उपमादोषविचार का.आ.२.५१

དཔེ་ཡི་དོན་ལ་འཇུག་པའི་ཚིག་ उपमाबोधकशब्द का.आ.२.५७

དཔེའི་སྐྱོན་ (१) दुष्टदृष्टान्तदोष न्या.प्र.६४

(२) दृष्टान्तदोष न्या.प्र.६२

དཔེའི་ཕྲེང་ दृष्टान्तमाल्य नी.पु.२.१०६९ (कं.तं.

४११६)

དཔེའི་དེ་ཁོ་ན་ཉིད་ दृष्टान्तत्व न्या.बि.२००.१

དཔེའི་ཕྲེང་བ་ दृष्टान्तमाल्य क.तं.४१६६

དཔེའི་ཚིག་ (१) उपमा श.श.

(२) दृष्टान्तपद ल.सू ७४क

དཔེའི་མཚན་མ་ उपमालक्षण का.आ.२ १४

དཔེར་ (१) °उपम बु.च.५

(२) འདི་ལྟ་སྟེ། དཔེར་བརྗོད་ན་ तद्यथा उग्रा.

२३.२७, २६ १

द्र. དཔེ་, དཔེར་ན་

དཔེར་བརྗོད་པ་ उदाहरण म.व्यु.२८३६, २८४१,

६४२०

~འི་ཚུལ་གྱིས་ उदाहरणयोगेन म व्यु.

६४२०

དཔེར་ན་ (१) तद्यथा का प, न्या बि.(मा) १६१,

२०७, म व्यु.१५२२-२५, २२८६-६२,

५४१७, श द (=ཇི་ལྟར་ཡང་, དཔེར་)

(२) यथा का.प.२६प , ३४, ३८प , न्या.प्र

६, ८, ६, १०, १२-२०, ४२, ४३, न्या.बि.

१८ ८, २० १४, ४६.४ , बो प ६ १२८क,

६ ७४क, १६४क

འདི་ལྟ་སྟེ།~ तद्यथा का.प २६-३२

(३) यथापि का प ३०प., ३१प , ४६प.,

ण.श (=དཔེར་)

(४) यथेव का.प.३२प., ३५प.

(५) यद्वत् बो.प.६.७०क

द्र. འདི་ལྟ་སྟེ་

དཔེར་ན་ ཇི་ལྟར་ .བཞིན་ कथं यथा बो.प.६.

३६गघ

དཔེར་ན་ ཇི་བཞིན་དེ་ यथा सु प्र.४३.२१

དཔེར་ན་བརྗོད་པའི་ཚུལ་གྱིས་ उदाहरणयोगेन

म.व्यु.६४२०

དཔེར་ན་ .ལྟ་བུ་ यथा न्या.बि.१८.११-१२, ४८.

१७, ४६ ३

དཔེར་ན་ ལྟར་ यद्वद्यथा बो.प.६.४३क

དཔེར་ན་ཞེས་ यथापि नाम म.व्यु ५४६७

དཔེར་ན་ བཞིན་ (१) तद्यथा म.व्यु २२१-५,

६१३४

(२) यथा न्या बि २.१०-११, ८ ६-१०, १३.

१३-१७ , बो.प.६.३६

དཔེར་ན་ བཞིན་དུ་ ལྟར་ यथा बो.प.६ २३क

དཔེར་ན་ཤིང་ཏ་ལའི་མགོ་བཅད་པ་བཞིན་ तद्यथा

तालो मस्तकच्छिन्नः म व्यु.६१३४

དཔེར་བྱ་བའི་ཕྱིར་ उदाहर्तुम् न्या.बि.२०८ ६

དཔེར་བྱེད་ उदाहरति न्या.बि १३० १५

དཔེར་བྱེད་པ་ उदाहरति न्या.बि.१४७.१६, १५१:

१२

དཔེར་བྱེད་པ་ཡིན་ उदाहरति न्या.बि.१४६ १६,

१४९.१२

དཔེར་མི་ཕོད་ न...उपमां यान्ति बो.भ.८.८४ख

དཔེར་མཛད་ནས་ उपमां कृत्वा अ.श.५.२, ४

དཔེར་ཡང་ उपमामपि म.व्यु.५०८६, श.दा.

(उपमापि)

དཔོག་

ཀུན་མཁྱེན་ཡེ་ཤེས་ལ་ནི་སེམས་མགྲོན་ཞིང་།

ཇི་ཙམ་ཞིག་ཇི་སྙམ་དུ་བདག་ལ་དཔོག་ सर्वज्ञज्ञानोत्तरणाय किम्तु । अर्थापि नार्थाम्यहं ज्ञानमाला । का.प.२६प.

དཔོག་པ་ भू. དཔགས་, भवि. དཔག་

(१) मान न्या.बि.१४.३

(२) मीयते न्या.बि.१४.१

དཔོགས་

གཏིང་དཔོགས་མ་མྱུར་པ་ नावगाह्यते, न विगाह्यते, नावगाहते बो.भ.९.५१ख

དཔོན་ (१) अधिपति म.व्यु.३६८८

(२) = དཔོན་པོ་ ठाकुर श.दा.

(३) नायक म.व्यु.३६८५

དམག་དཔོན་ परिणायक उद्रा.७.२४

(४) पति म.व्यु.३६८६, ३७०९, ३७११, श.दा. (=དཔོན་པོ་)

(५) =དཔོན་པོ་ प्रवर श.दा.

(६) सं.००

རྗེ་དཔོན་ स्वामिन् बो.भ.६.४ख

རྗེ་དཔོན་ཉིད་ स्वामित्व बो.भ.८.१२८ख

སློབ་དཔོན་ आचार्य श.दा.

द्र. སྡེ་དཔོན་, ཚོང་དཔོན་

དཔོན་སྐྱ་ ठाकुर श.दा.

དཔོན་པོ་ = དཔོན་

དཔོན་མོ་ कर्त्री श.दा.

དཔོན་གཡོག་ सं. आत्मनाद्वितीयः उद्रा.१७.२६

དཔོར་བ་ भू., भवि. དཔར་

དཔྱ་ (१) कर उद्रा.२३.३२

(२) कुन्त म.व्यु.७३०१

དཔྱ་དང་ལོ་ཐང་དག་ करप्रत्याय उद्रा.२३.३२

དཔྱ་ཁྲ་སྐྱེས་ प्रत्याय म.व्यु.७३०२, श.दा.

དཔྱ་སྐྲ་སྐྱེ་ प्रत्याय म.व्यु.७३०२

དཔྱང་ཐག་ रज्जु उद्रा.३४.९

དཔྱང་བ་ भू. དཔྱངས་, लोट् དཔྱོངས་

དཔྱངས་ དཔྱང་བ་ इत्यस्य भू.

དཔྱངས་པ་ अवलम्बन म.व्यु.६७०८

དཔྱད་ (१) अध्याय म.व्यु.५०५६

(२) निरूप्यते न्या.बि.२.८

(३) भण्डिका म.व्यु.९०४९

(४) लक्षण म.व्यु.८०६०

(५) विचार बो.भ.९.१५३क

མ་དཔྱད་ཕྱིར་ अविचारतः बो.भ.९.४ख

རྣམ་པར་དཔྱད་ विचार बो.भ.९.१५०ख (दे.)

རྣམ་དཔྱད་ विचारित बो.प.९ ९६ख

(६) चिन्ता म.व्यु.५०५४-५५

(७) མཐུ་ཡོད་པ་འི་ནུས་པ་འི་དཔྱད་(སྤྱད་) བཟློད་པ་ (གཟློད་པ་) प्रतिहतो भवति म.व्यु.९३३४

སྨན་དཔྱད་ (क) ओषधिविधान सु.प्र.१४२.६

(ख) चिकित्सा बो.प.५.१०९ग

གསོ་དཔྱད་ चिकित्सा बो.प.७.२३क, २४ख

द्र. སྨན་དཔྱད་

དཔྱད་ཀྱི་མཚན་ཉིད་ लक्षण म.व्यु.५०६०

དཔྱད་དུ་མེད་པ་ अकल्पित् का.प.५६, ५७, ६८

དཔྱད་པ་ (१) परिभुक्त म.व्यु.२५८१

(२) विचार न्या.बि १८५.५, १८६ ३

རྣམ་པར་~ विचार बो प.९.७४ग, १०८घ, विचारित बो.प.९.१०९क

རྣམ་~ विचार बो.प.९.१४१क

(३) सं ०० न्या.बि.१८५ १८

དཔྱད་པའི་ཆོས་ विचारितधर्म सं नि.८.१७

དཔྱད་པར་

མ་~ अविचारतः बो.प.७ २०ग

དཔྱད་པར་བྱ་ विचारयेत् (पा.विभावयेत्) बो.प. ८.३घ

དཔྱད་པར་བྱ་བ་ परीक्ष्यते न्या बि.९.१२

དཔྱད་པར་བྱ་བ་ཡིན་ विचार्यते न्या.बि.७.२०

དཔྱད་བྱ་

རྣམ་པར་~ (द्र. 'བྱས་') विचारित बो.प. ९.११०क

དཔྱད་བཟློད་པ་ प्रतिहतो भवति म.व्यु.९३३४

དཔྱའ་

ཆོས་བཞིན་དུ་དཔྱའ་འི་ཆ་འབུལ་བ་, ཆོས་བཞིན་དུ་ཁ་འི་ཆ་འབུལ་བ་ धार्मिकीबलि-अनुप्रदानाभ्याम: म.व्यु.७३०७

དབྱལ་ཕྱུགས་རྡོ་རྗེ་ཕག་མོ་ *वज्रवाराही पि.पं. २५क



དབྱལ་ཕྱུགས་རྡོ་རྗེ་ཕག་མོ་

དཔྲི་ कुक्षि ग.वा.

དཔྲི་མགོ་ द्र. སྤུ་ཐུང་

དཔྱིད་ (१) ग्रीष्म सु.प्र.१३९.२५, १४०.१६, २०
(२) ग्रीष्मकाल व.भू.६ग.
(३) मधव श.बा.
(४) वसन्त म.व्यु.८२५२, श.बा.

དཔྱིད་ཀ་ ग्रीष्म लं.सू २००क

དཔྱིད་ཀྱི་རྒྱལ་མོ་ वसन्तराजी वि.वि.२४७



དཔྱིད་ཀྱི་རྒྱལ་མོ་ལྕམ།

དཔྱིད་ཀྱི་ཐིག་ལེ་ वसन्ततिलक कं.तं.१४४८, नी.पु. २८०३

～འི་རྒྱ་ཆེར་འགྲེལ་པ་ वसन्ततिलकटीका कं.तं.१४४९

དཔྱིད་ཀྱི་དུས་ ग्रीष्म म.व्यु.९२८३

དཔྱིད་ཀྱི་ཕོ་ཉ་ वसन्तदूत श.बा.

དཔྱིད་ཀྱི་ལྷ་མོ་ वसन्तदेवी वि.व.३११

དཔྱིད་ཐ་ཆུང་ चैत्र, वृषभ श.बा.१६३क

དཔྱིད་ཟླ་ཐ་ཆུང་ चैत्राख म.व्यु ८२६३(पा.°ཆུང་ངུ་), श.बा.

དཔྱིད་ཟླ་འབྲིང་པོ་ चैत्र म.व्यु.८२६२, श.बा.

དཔྱིད་ཟླ་རྭ་བ་ फाल्गुन म.व्यु.८२६१, श.बा.

དཔྱིད་མ་ ग्रैष्मिकापाल म.व्यु.५६२५

དཔྱིམ་ अन्तक श.बा.

དཔྱིས་འབྱིན་ ओत्सारक बो.प.३.३२ख

དཔྱོངས་ དཔྱུང་བ་ इत्यस्य लोट्

དཔྱོད་ अध्याय म.व्यु.४३६५

རྣམ་པར་དཔྱོད་ विचारण सु.प्र.४२.२०, २५

རྣམ་དཔྱོད་ विचार बो प.६.१०६ग, विचारण बो.प.६.१०६घ, सु.प्र ४३ २, विवेक बो.प. ६ १६०ख

དཔྱོད་ཀྱི་ཐིག་ལེ་དོ་ཧ་མཛོད་ཀྱི་གླུ་ वसन्ततिलक-दोहकोषगीतिका कं तं.२३५१

དཔྱོད་ལྡན་ विचारक (पा. विचक्षण) बो.प. ६ ८७ख

དཔྱོད་པ་ भू.,भवि. དཔྱད་
(१) मीमांसा का.प.५०, व.भू.४घ, ७ख, म.व्यु.१७०, लं.सू.१३१ख
(२) विचार म.व्यु.१४७८-७९, ११८४
(३) विचारण म.व्यु.७४७२

དཔྱོད་པ་དང་བཅས་པ་ सविचार म.व्यु.१४७८

དཔྱོད་པ་པ་ मीमांसक मी.पु.२.८३१, म.व्यु.३५१७, श.दा.

དཔྱོད་པ་མེད་པ་ अविचार म.व्यु.१४७९

དཔྱོད་པའི་ཉིང་ངེ་འཛིན་སྤོང་བའི་འདུ་བྱེད་དང་ལྡན་པའི་རྫུ་འཕྲུལ་གྱི་རྐང་ལྡན་པའི་རྫུ་འཕྲུལ་གྱི་རྐང་པ་ मीमांसासमाधिप्रहाणसंस्कारसमन्वागत ऋद्धिपादः म.व्यु.९७०, श.दा.१०५९क (དཔྱོད་པའི་ཉིང་ངེ་འཛིན་སྤོང་བའི་འདུ་བྱེད་ལྡན་པའི་རྫུ་འཕྲུལ་གྱི་རྐང་པའོ་)

དཔྱོད་བྱེད་ विचार्यते बो.च.९.१०९ख

དཔྲལ་བ་ ललाट अ.अ.८.३१, म.व्यु.३३९-४०, श.दा.

དཔྲལ་བ་དབྱེས་ཆེ་བ་ पृथुललाट म.व्यु.३४०

དཔྲལ་བ་ལེགས་པར་དབྱེས་པ་ सुपरिजतललाट म.व्यु.३३९

དཔྲལ་བའི་དབྱེས་མཉམ་པ་ समललाट म.व्यु.२३८

དཔྲལ་མིག་ ललाटनेत्र श.दा.

དཔྲལ་རིལ་ अपाङ्ग, स्वभाव श.दा.

དཔྲི་ पीयूष श.दा.

དཔྲོག་=སྤྲོག་ करण्डक, करण्डिक म.व्यु.९३७९

ལྤགས་ मांस ल.स्तो.६८
 द्र. པགས་

ལྤགས་ལྡན་མ་ (१) चर्मण्वती श.दा.
 (२) चर्मवती श.दा.

ལྤགས་པ་ (१) अजिन म.व्यु.६९९४, लं.सू.२०५ख
 (२) छवि अ.अ.८.१५
 द्र. པགས་པ་ म.व्यु.४०३१

ལྤགས་པ་གསེར་མདོག་ (१) सुवर्णत्वक् श.दा.
 (२) सुवर्णवर्ण अ.अ.८.१५

ལྤགས་པའི་ལས་ཅན་ चर्मकार श.दा.

སྦ་ वेत्र श.दा.

སྦ་གོང་ = གཞིལ་གྱིས་གནོན་པ་ = སྦ་གོང་བ་ जिह्मीकृत श.दा.

སྦ་གོང་བ་ (१) = སྦ་གོང་ जिह्मीकृत श.दा.
 (२) मंगुभूत म.व्यु.७१२२

སྦ་སྒོངས་པ་ जिह्मीकृत म.व्यु.५२००

སྦ་བོང་ मङ्गु म.व्यु.७१२२

སྦ་བོང་བ་ (१) अवसाद म.व्यु.७२७१
 (२)= གནོང་བ་ मङ्गु उग्रा.

སྦ་བོང་བར་གྱུར་ = ཡིད་བསད་པར་གྱུར་ अवसादमासादयति श.दा.(पा.अपवादमा°)

སྦ་ཙུ་གང་ वंशलोचना श.दा.

སྦ་རལ་ = སྦ་ཅལ་ वल्वज श.दा.

སྦ་ཝ་ = དྲག་པོ་, སྲིད་ཆགས་པ་ सौरत्य श.दा.

སྦ་ཡི་སྐྱས་ वालाक श.दा.

སྤྲ་ལ་འབབ་པ་ मज्ज म.व्यु.५२२१

སྤྲག་ སྤྲོག་པ་ इत्यस्य भवि.

उदकसक्तु श.दा.

སྤྲག་པ་=བསྐྱོས་པ་ उत्पिण्ड श.दा.

སྤྲགས་ སྤྲོག་པ་ इत्यस्य भू.

(१) मल म.व्यु.४०५३

(२)=སྤྲགས་

སྤང་ སྤོང་བ་ इत्यस्य भवि.

(१) त्यक्त बो.च.

སྡིག་པ་སྤང་ཕྱིར་སྡུག་བསྔལ་མེད་ म दुःखी

त्यक्तपापत्वात् बो.च.७.२७क

(२) त्यज्य का.प.११६प.

(३) त्यज्ये का.प.११२प.

(४) རྣམ་པར་སྤང་ विवर्जनीय का.प.११३प.

ཡོངས་སུ་སྤང་ परिवर्जनीय का.प.९प., १५प.

(५) རྣམ་པར་སྤང་ विवर्जये का.प.७प.

(६) (दे. སྤངས་) वर्जित बो.च.१०.४३ग

(७) शाद्वल सु.प्र.१५४.८

(८) साध्य बो.च.४.४६क

द्र. སྟོད་སྤང་

སྤང་དཀའ་ दुर्निवार बो.च.९.१६२ग

སྤང་ནས་ विरम्य बो.च.

སྡིག་པ་ཐམས་ཅད་~ནི་ विरम्य सर्वपापेभ्यः

बो.च.१०.३१ग

སྤང་སྤོས་ (१) गन्धमांसी म.व्यु.५७७९

(२, ३) जटामांसी, बहुफल श.दा.

སྤང་བ་ (१) नैःसर्गिक म.व्यु.८३८३

(२) परिहार सु.प्र.

ཆད་པ་~ दण्डपरिहार सु.प्र.६९.१३

(३) प्रतिक्षेप म.व्यु.२५६१

(४) प्रतिसंहरणीय श.दा.

(५) प्रहाण का.प., सं.नि.७.१, २३, २५

མ་རིག་པའི་~འདི་ཕྱིར་ཡང་མ་ཡིན་ नाविद्या-

प्रहाणाय का.प.१४६

(६) वर्जन म.व्यु.८४६०

(७) विवर्जन लं.सू १११क

(८) विवर्जनता लं.सू.१३४ख

སྤང་བའི་ལྟུང་བྱེད་ नैसर्गिकापत्ति म.व्यु.९३०१

སྤང་བའི་ལྟུང་བྱེད་ नैःसर्गिकाः पायत्तिकाः म.व्यु.

८३८३

སྤང་བར་=ཕུ་ཤུ་ कमशीर्षं श.दा.

སྤང་བར་གྱིས་ हेय प्र.र.१४

སྤང་བར་བགྱི་

རྣམ་པར་~ विवर्जयेयम् सु.प्र.३०.१९

སྤང་བར་བྱ་ (१) प्रहातव्य म.व्यु.१३१७, श.दा.

(२) वर्जयेत् बो.च.५.९३घ

(३) ཡོངས་སུ་~ परिवर्जितव्य का.प.७,

१३

(४) विवर्जनीय का.प.१११प.

(५) हेय म.व्यु.७२५१

སྤང་བར་བྱ་བ་ (१) प्रहाण का.प १२५

(२) प्रहातव्य म.व्यु.२१५०-५१

(३) हेय न्या.बि.१४०.५, म.व्यु.७२५२

སྤང་བར་མི་ནུས་ཏེ་ त्यक्तुं न शक्यते बो.च.८.१३५ख

སྤང་བར་ཤོག་ (१) विवर्जिताः [भवन्तु] बो.च.१०.३२ष

(२) सन्तु [कलहायास]र्वजिताः बो.च.१०.४४ख

སྤང་བྱ་ मुञ्चेत् बो.च.७.६८ष

སྤང་བྱ་ཞིང་ परित्यज्य बो.च.

དེ་བས་སྐྱུག་བསྔལ་ (दे. འཇིག་རྟེན་)~ तस्माल्लोकं परित्यज्य बो.च.

སྤང་མ་ (१) तुल्य श.दा.

(२) तुल्वक म.व्यु.५९२५

(३) वर्विक, धूर्विक श.दा.

སྤང་མེད་པ་ अनेलक द.भू १क

སྤང་རྒྱི་ कुश श.दा.

སྤང་ལེབ་ जवृणारीढ श.दा.

སྤང་ལེབ་ཁང་ फलककञ्चन म.व्यु.५५५२, श.दा.

སྤངས་ སྤོང་བ་ इत्यस्य भू.

(१) अन्तरेण लं.सू १४२ख

(२) उज्झित स.स्तो ६५

(३) त्याग न्या.बि.५६.२

(४) निरञ्जन लं.सू.१७४क

(५) निहत द.भू.२ख

(६) परिहार न्या.बि.५५.१७, ७५.१७, १८ ..

(७) पर्युत्थान लं.सू.१२०क

(८) पृथक् लं.सू.१४१ख

(९) प्रतिविरत उद्रा.४८.१६

(१०) प्रहाण द.भू.२षच, ३क, ओ, ४ष, श.दा.

(११) प्रहीण म.व्यु.१३२२

(१२) मुक्त बो च.८.८७ग

(१३) वर्जित लं.सू.६१ख

ཐམས་ཅད་སྤངས་ विवर्जित सु.प्र.११३.२८, १२३.१८

ཡོངས་སུ་སྤངས་ परिवर्जित श.पं.२४

(१४) संत्यज्य बो.च.७.७ग, ८.२ग

སྤངས་ཏེ་ (१) अपहाय उद्रा.१८ १४

(२) अपास्य उद्रा.१८.२, ४७.१२, ४८.३५

(३) उन्मूल्य बो च ७.३२क

(४) जहति सं.नि.९ ८

(५) प्रहाणात् म.व्यु १४८१

(६) प्रहाय द.भू (°ནས་)२ग, ज, स

(७) विवर्ज्य द.भू.२र

(८) विहाय उद्रा.२३.१०

(९) ཐམས་~ प्रहाय उद्रा २०.१२प., वर्जिता का.प.४प.

སྤངས་ཏེ་གནས་པ་ सं. परिहारवत् न्या.बि.७५.
१८

སྤངས་ཏེ་སྤངས་པ་ प्रतिनिसृज्य म.व्यु २५४७

སྤངས་རྟོགས་ཕུལ་བྱུང་

~ཆོས་བརྩེགས་ཞབས་ द्र ཆོས་བརྩེགས་ भव.६३२

~གྲགས་བཟང་ཞབས་ द्र. གྲགས་བཟང་ भव.४१०

~མི་རྟོགས་པ་ द्र. མི་རྟོགས་པ་ भव २५३

སྤངས་མགོ་པ་ उज्झ वा.वा.

སྤངས་ནས་ (१) त्यक्त्वा बो.च.२.६१ख, भ.गी.५

(२) རྣམ་~ अपनूय वा.प १०

(३) मुक्त्वा का प.८७प., बो.च ७ १५ख, ८ ५७ख

(४) རྣམ་པར་~ विवर्जयित्वा का.प ९०प.

(५) वर्जित्वा सु.प्र.२७ ७

(६) རབ་~ प्रहाय उद्रा.५.३१प., ३१ १८प., का.प.१३प.

(७) हित्वा उद्रा.१९.२९, पा पं.१२६

སྤངས་པ་ (१) अनुपादान लं सू.१७४क

(२) अपयम लं.सू.१७६क

(३) अप्रचार क सू.६८ख

(४) अवकृष्ट का.प.२७प.

(५) उत्सर्ग लं.सू.८८ख

(६) उत्सृष्ट म.व्यु.२६०२

(७) निष्पर्जित ल.सू.१९५क

(८) त्यजन द.भू ११ग

(९) निसृजा म.व्यु.२५८६

(१०) नैष्क्रम्य म.व्यु.६४४४

(११) पराङ्मुख लं.सू.१७६क

(१२) परिवर्जक अ.अ.१.५७

(१३) परिवर्जित ल.सू.१४१क

(१४) परिहार अ.अ.२ ३१, न्या बि.७६.
१५ .

(१५) प्रतिक्रान्त म.व्यु.२५६३

(१६) प्रतिक्षिप्त सु.प्र.२४.१६

(१७) प्रतिविरत द.भू.

(१८) प्रहाण अ.अ.८.३९, प्रस.३४०.१४, बो च.९.४५क, सं.नि.४ ३

(१९) प्रतिवेरमण सु.प्र.

སྲོག་གཅོད་པ་~ प्राणातिपात-प्रतिवेरमण सु प्र.८.१०

(२०) རྣམ་པར་~ विप्रहाय उद्रा.२० ५

(२१) प्रहीण बो.च., म.व्यु.६५६६, ल.सू. ११३ख

མ་~ अप्रहीण बो.च.९.३१ख

རབ་~ प्रहीण उद्रा.३२.९प.

(२२) རྣམ་པར་~ विवर्जनता का.प.१५६

(२३) वर्जित अ अ.३.१२

རྣམ་པར་~ विवर्जित सु.प्र.५९.७

(२४) वर्ज्यमान स्र.स्तो.७२

(२५) वाहित म.व्यु.२५५४

(२६) विघातक लं.सू.२०४क

(२७) विधूत लं.सू.१८४क

(२८) विनिर्मुक्ति लं.सू.१६६क

(२९) विरत म.व्यु.७२९८, सु.प्र.१२.३

(३०) विरति बो.च.६.७८ग

(३१) विरह लं सू.१८३ख

(३२) वैशस श.पं.४४

(३३) समुत्सृष्ट म.व्यु.४२७

(३४) सं.००

ཆགས་དང་ཞེ་སྡང་སྤངས་པ་དང་ सं. [विश्वस्त-विन्यस्तपदं विस्पष्टार्थं मनोरमं] श्रुति-सौख्यं कृपामूलं [मृदुमन्दस्वरं वदेत्] बो.च. ५.७९

བལ་དམེལ་དུ་བཙུག་པའི་སྤྲང་བ་, བལ་སློལ་དུ་འཛུག་པའི་~ ऊर्णापरिकर्मजः म.व्यु. ८४०२

སྤངས་པ་དང་(འ)དོར་བ་ལ་སོགས་པའི་མིང་ལ་ निसृजापर्यायाः म.व्यु.२५४६

སྤངས་པ་དང་ལྡན་པ་ परिहारवत् न्या.बि.७६.१५

སྤངས་པ་མེད་པ་ अप्रहीण लं.सू.१०४क

སྤངས་པ་ཡིན་ वर्जित...भवन्ति म.व.५०ग

སྤངས་པའི་རྗེས་སུ་ཕྱོགས་པ་ उत्क्षिप्तानुवृत्ति म.व्यु ८४८०

སྤངས་པའི་རྣམ་གྲངས་ལ་ निसृजापर्यायाः म.व्यु. २५४६

སྤངས་པར་གྱུར་པ་ནས་ प्रतिविरत सु.प्र.

སྲོག་གཅོད་པ་~ प्राणातिपातप्रतिविरत सु.प्र. ८.१३

སྤངས་པར་འགྱུར་ वर्जित...भवन्ति म.व.५०ख

སྤངས་པར་བྱ་ हन्यात् बो.च.

ཆགས་པ་~(दे. °སྤང་བར་བྱ་) हन्यात्बौत्सुक्यम् बो.च.५.४५घ

སྤངས་པར་བྱ་བ་ परिहर्तव्य न्या.बि.१५६.३

སྤངས་པས་ (१) अनुपगम्य ल.वि.१६.२.२१

(२) °प्रहाणात् उद्रा.१०.२६, ११.७, १३.२४, १५.३२ ..

སྤངས་པོ་ अपवर्ग श.दा.

སྤངས་བྱ་ (१,२) अधम, अधन्य श.दा.

(३) निवर्त्यं बो.च.८.१००घ (दे. སྤང་བྱ་)

སྤངས་བྱས་ལ་

རབ་ཏུ་~ जहित्वा का.प.१प.

སྤངས་མ་ तुत्थक म.व्यु.५९२५

སྤངས་ཤིང་

(१) ཡོངས་སུ་~ परिवर्जितः का.प.६

(२) विक्षेपात् श.पं १५

སྤྲད་བཟོད་=མཐུ་ཡོད་པ་ प्रतिबलो भवति श.दा.

སྤུབས་ भल म.व्यु.४०५३

སྤུར་ (१) སྤོར་བ་ इत्यस्य भू., भवि.

(२)=སྤུར་མོ་ मुष्टि श.दा.

སྤུར་དུ་གསོལ་ कुर्वन्तु बो.च.३.५च

སྤུར་མོ་ मुष्टि उग्रा., श.दा.(=སྤུར་)

ས་~ पांशुमुष्टि उग्रा.३७.४, ५

སྤུར་ཞེས་བྱེད་པ་ उन्मलति म.व्यु.६७६९

སྤུ་ (१) कर्णा सु.प्र.१७८.१९

(२) केश म.व्यु.८८०३, सु.प्र.३५.१७

(३) पक्ष्मन् अ.हृ.१.७.११

(४) रोमन् अ.अ.८.१४, १५, ३०, व्या.वि. ७९.१२, १८, ८०.३, १०, १२, १६, ८१.१, ६, ७, ८, ११, १७..., भ.गी.३, म.व्यु.२५६, ४०५१, ६६९०, ९१९९, श.दा., सु.प्र.३६.९, १०, ल स्तो.७३, ७९

ཁབ་ཀྱི་སྤུ་ सूचिरोमन् <यक्ष-नाम> सु.प्र. १२६.२१

(५) लोमन् श.दा., सु.प्र.१४.१२

(६) वाल अ.हृ.१.२९ १९

སྤུ་གྲི་ (१) हनुगन्ध श.दा.

(२) क्षुर बो.च., म.व्यु.४९३९, श.दा.

སྤུ་གྲིའི་སོ་ क्षुरधार बो.च.७.६६क (*धारा), म.व्यु.४९३९

སྤུ་གྲིའི་སོར་ཚགས་སྤྲང་ཏེ་སྤྱ་ क्षुरधारामनुपम बो.च.७.६६क

སྤུ་འགྲེང་ स्तब्धरोमता अ.हृ.१.११.२२

སྤུ་ལྡང་ संजातपुलक बो.च.८.१५२ग

སྤུ་ཙུབ་པོ་=རྫིད་པ་ चामर श.दा.

སྤུ་ཟིང་ लोमहर्ष, लोमाञ्चित श.दा.

སྤུ་ཟིང་ཞེས་བྱེད་པ་ रोमहर्ष म.व्यु.६६९०

སྤུ་འོད་དཀར་རྣམས་ཀྱིས་ अलितोर्णरश्मिभिः सु.प्र.१७८.१९

སྤུ་ཡི་བུ་ག་ रोममुख सु.प्र.३९.९

སྤུ་གཡོ་བ་ रोमहर्षण लं.सू.१६९क

སྤུ་ར་ कुरि श.दा.

སྤུ་རིང་པོ་ जर्तु श.दा.

སྤུ་རེ་རེ་ནས་སྐྱེས་ཤིང་གཡས་སུ་འཁྱིལ་བ་ एकैकरोमप्रदक्षिणावर्त म.व्यु.२५६

སྤུ་ལ་འབབ་པ་ (१) भव्य म.व्यु.५२२१

(२) सं. योग्य म.व्यु.५२२२

སྤུ་ལང་བ་ हृष्ट लं.सू.८७ख

སྤུ་ལངས་ (१) पुलकित ना.आ.२

(२) रोमाञ्चयति ना.आ.७.२०

སྤུ་ལོང་ (१) पुलक श.दा.

(२) रोमहर्ष न्या.बि.(भा.) ७९, ८१

(३) रोमाञ्च ल स्तो.७९

(४) हृष्ट श.दा.

སྤུ་ཤེལ་ཏེ་ मलय श.दा.

སྤུག་ (१) कर्केतन श.दा.

(२) पुराणमलज म.व्यु.५१५६

སྤྲུགས་གྲོལ་བ་=ཧང་གྲོལ་བ་ आक्रोश श.दा.

སྤྲུང་བ་ भू., लोट् སྤྲུངས་

སྤྲུ(ང)་ས་ལ་སྐྱུང་བ་ལྟ་བུ་ रोमपात म.व्यु.११११

སྤྲུངས་ སྤྲུང་བ་ इत्यस्य भू., लोट्
जय श.दा.

སྤྲུངས་ནས་
ཕྲེ་མདའ་ཕྲུང་པོ་~ चूर्णराशिं कृत्वा सु.प्र.
४६.१४ "

སྤྲུངས་པ་ राशि म.व्यु.२५८८

སྤྲུངས་པ་ཅན་ पुञ्ज श.दा.

སྤྲུད་པ་ (१) आभरण म.व्यु.६००१
(२) उज्ज्वल बो.प.२.३ग
(३) अलङ्कारित अ.स्तो.७९
(४) विभूषण सु.प्र.५१.२६
द्र. སྤྲུན་

སྤྲུན་ (१) भानु उद्रा.२६.१२, म.व्यु.३८८१, लं.सू.
१६७ख, सु.प्र.१०८.३, १४७.१०, १६६.७
(२)= སྤྲུན་ཐྲ་ आतप श.दा.
(३) वितान म.व्यु.७५२०
(४) མ་སྤྲུན་ सोदर्य, समानोदर्य श.दा.

སྤྲུན་ཚོགས་ समस्तभ्रातरः सु.प्र.१६६.७

སྤྲུན་ཐྲ་ (१)=སྤྲུན་ आतप श.दा.
(२) सोदर प्र.व.२६

སྤྲུན་གསུམ་
དབྱུག་གུ་མ་~ मणिबीजम वि.प्र.११५ख

སྤྲུབ་པ་ भू. སྤྲུབས་

སྤྲུབས་ སྤྲུབ་པ་ इत्यस्य भू.
(१) कोष म.व्यु.६१६३
(२) ལག་སྤྲུབས་གཅིག་པ་ = ལག་སྤྲུགས་
एकलास म.व्यु.८८४७

སྤྲུའི་ཁྲང་བུ་ रोमकूप उद्रा.७.१४, लं.सू.७१क

སྤྲུའི་ཁྲང་བུ་ཐམས་ཅད་ सर्वरोमकूप उद्रा.७.१४,
ल.सू.६५ख

སྤྲུའི་བུ་ག་ रोमान्तर सु.प्र.१०२.१५

སྤྲེན་དོག་གྲིན་ गुलगुल्मक म.व्यु.६०४९

སྤྲེན་པ་ (१) हानि श.दा.
(२) हानिकर म.व्यु.३१८३, श.दा.

སྤྲེལ་ (१) वर्धन श.पं.७८
བློ་སྤྲེལ་ बुद्धिवर्धन श.पं.७८
(२) विवृद्धि अ.अ.८.२०
(३) वृद्धि बो.प.७ ३२ग
(४) ཚོར་སྤྲེལ་ अर्जन बो.प.८.७२क

སྤྲེལ་ནས་ वर्धयित्वा श.पं.३०

སྤྲེལ་བ་ འཕེལ་བ་ इत्यस्य सकर्मकः
ཡིགས་པར་~ संवर्धित श.पं.२०

སྤྲེལ་བ་ལ་ वर्धितुम् श.दा.

སྤྲེལ་སྤར་འདོད་པ་ विवर्धयितुकाम सु.प्र.८१.२

སྤེལ་མ་ (१) मिश्र का.आ.१.११

(२) मिश्रक म.व्यु.१४५५

(३) संसृष्टि का.आ.२.३५६

སྤེལ་མ་རྐྱང་དགག་གི་དཔེ་བ་ मिश्रकव्यतिरेक का.आ. १.३१

སྤེལ་མའི་དཔེ་བ་ संसृष्टिश्लेष का.आ.२.३५७

སྤེལ་མར་བརྗོད་པ་ मिश्रकाख्यान सं.सं.११५० (प्र. ११४७)

སྤེལ་ཡིགས་ संख्यान बो.च.२.१५ख

སྤོ་བ་ भू., लोट् སྤོས་

(१) निक्षेप श.वा.

(२) परिवास म.व्यु ८६४६, ८६५०-५१, श.वा.

(३) °स्थ म.व्यु.६१११

སྤོ་བ་ཞིག་(ཞིབ་)དུ་བཅུག་ संचारित् स.पं.१४०

སྤོ་ཁྲམས་ཅན་ सं. संक्रान्त बो.च ८ १२७ग

སྤོ་གཙུག་ उपरि द.भू.१०द

སྤོག་པ་ भू སྤགས་, भवि. སྤག་

སྤོགས་ प्र. ཁྲི་སྤོགས་

སྤོང་ भू. སྤངས་, भवि. སྤང་

(१) जह भद्र.८६३

(२) जहन्ति का.प.१८प.

(३) རྣམ་པར་སྤོང་ विजह्यात् का.प ५प.

(४) त्याग बु.च.४, १८

(५) प्रजहाति द.भू.४फ, ५फ

(६) ཕྱིག་པའི་གྲོགས་པོ་ཡོངས་སུ་སྤོང་ ཞིང་ पापमित्रविवर्जनात्... का.प.२५

(७) ཡོངས་སུ་སྤོང་ परिवर्जनीय का.प. १३प.

(८) རྣམ་པར་སྤོང་ विवर्जयेत् का.प.११प.

(९) རྣམ་པར་སྤོང་ विवर्जित का.प.१६प.

(१०) (दे. སྤོངས་) विमुच्य बो.च.४.४७ग

(११) हान (= प्रहाण हृ.म.) अ.अ.२ ८

སྤོང་སྐྱུར་ཅིག་ सु.प्र ३२ २५

སྤོང་འགྱུར་ཞིང་ हीयते बो.च.६.१२ख

སྤོང་བ་ भू སྤངས་, भवि སྤང་, लोट् སྤོངས་

(१) आरत म व्यु.७२६७

(२) उत्सर्ग म.व्यु ८४७६

(३) लोप्तृ (= प्रतिलोप हृ.म.) अ.अ १.५८

(४) °जह म.व्यु.५३५, ५६७

(५) जहाति म व्यु २५६०

(६) प्रतिलोप म.व्यु.८५०२

དམ་པའི་ཆོས་~ सद्धर्मप्रतिलोप का.प.११५

(७) प्रतिविरति म.व्यु.१६६१-६४

(८) प्रत्याख्यान म.व्यु २८०४

(९) प्रहाण ' अ अ.१.३७, ४२, का.प.६५, प्रस.४४८.१३, म.व्यु ६५६, ६६७-७०, ७६०६, श वा. (= སྤོང་བ་)

ཡང་དག་པར་~ सम्यक्प्रहाण का.प.६५,

१५४
(१०) रिञ्चति म.व्यु.२५५२
(११) वर्जन अ.अ.१.६३, ३.५, श.दा. (=འགྱེར་བ་, སྤང་བ་)
(१२) विरति बो.प., म.व्यु.१६८७-८९, ८६९३-८७००, श.दा.(=སྤང་བ་)
(१३) विवर्जयेत् का.प.११प.
(१४) समवहन्ति म.व्यु.२५१६

སྤོང་བ་ཆེན་པོ་ཉིད་ प्रहाणमहत्त्व प्र.पा.८९

སྤོང་བ་སྟེ་
མི་~ न प्रतिक्षिपति का.प.६

སྤོང་བ་བདུན་ལྡན་བཟང་པོའི་དཔལ་ मद्र.०० (११०५)

༄། །སྤོང་བ་བདུན་ལྡན་བཟང་པོའི་དཔལ། །

སྤོང་བ་པ་ भैक्षुक म.व्यु.२९९९, श.दा.(भिक्षुक)

སྤོང་བའི་ལྟུང་བ་ नैसर्गिकापत्ति म.व्यु.९३०९

སྤོང་བའི་མཚན་ཉིད་ प्रहाणलक्षण सं.नि.८.२३

སྤོང་བའི་སེམས་ विरतिचित्त बो.प.५.११ग

སྤོང་བར་ प्रहातुम् म.व्यु.७०२७

སྤོང་བར་གྱུར་ जहते सु.प्र.३४.४

སྤོང་བར་འགྱུར་ (१) त्यजति श.स्तो.६५
(२) प्रहीयते बो.प.९.३२घ

སྤོང་བར་བྱེད་ (१) क्षिपीत (sic) का.प.५प.
(२) जहति सं नि.७.२२, २३

སྤོང་བར་མི་ནུས་ त्यक्तुं न शक्यते बो.प.८.१३५घ

སྤོང་བར་རུང་བ་ लभ्या .प्रहातुम् म.व्यु.७०२७

སྤོང་བར་ཤོག་
ཉམས་པར་~ विवर्जयन्तु सु.प्र.२१.२३

སྤོང་བྱེད་
(१) ཉམས་པར་~ विवर्जयेया का.प.२७प.
(२) वृजि श दा.

སྤོང་བྱེད་ཅིང་
ཡོངས་སུ་~ परिवर्जयन्तः का.प.१२६प.

སྤོང་བྱེད་པ་ वृजिक श.दा.

སྤོང་ཞིང་ निराकृत्य उदा.२०.३४

སྤོང་(ས་) སྤོང་བ་ इत्यस्य लोट्

སྤོངས་ (१) ཡོངས་སྤོངས་ परित्याग बो.च.८.३ग
(२) प्रजहीते का.प.१४४
སྤོངས་དེ་ त्यज्यते बो.च.
མི་སྤོངས་དེ་ (वे. སྤོང་སྟེ་) न त्यज्यते बो.च.८.३ख
སྤོད་ (१) परिव्यय म.व्यु.५७०८
(२) वेसवार म.व्यु.५७०७
སྤོབས་ (१) प्रतिभा ल.पं.१५३
(२) प्रतिभान उद्रा.२३.२०
སྤོབས་ཀྱི་སྟོབས་བསྐྱེད་པ་ प्रतिभानबल ग.दा.५५७क
སྤོབས་དག་ནི་བརྩེགས་ प्रतिभानकूट भद्र.१०७
སྤོབས་པ་ (१) प्रतिभान अ.अ १.६८, का.प., द.भू.१अ, द, फ, २कु. ८प, ९न-ज, म.व्यु.२०० ३८९, ५८५, ७०३, ७०९, ८५१, ८७४, ८७५. ७१२४, म.सू., श.दा., स.रा.१९.३०, सु.प्र.१३ २, ७९.६. १०१.२८ ..
གསང་ཚིག་སྣ་ཚོགས་ཀྱི་སྤོབས་པ་ཅན་ विचित्रमन्त्रप्रतिभानः का.प.१३
(२) स्वभिधान द.भू.१ओ
སྤོབས་པ་བསྐྱེད་ཅིག་ प्रतिभातु द.भू.१ए
སྤོབས་པ་གྲགས་ प्रतिभानकीर्ति भद्र.२८२
སྤོབས་པ་གྲོལ་བ་ मुक्तप्रतिभान म.व्यु.८७५
སྤོབས་པ་རྒྱུན་མི་འཆད་པ་ अनाच्छेद्यप्रतिभान म.व्यु.८५१
སྤོབས་པ་ཅན་ (१) बल म.व्यु २९११
(२,३) धृष्णुक, विशारद श.दा.
སྤོབས་པ་མཐའ་ཡས་ཏོག་ अनन्तप्रतिभानकेतु भद्र.१३२
སྤོབས་པ་མཐའ་ཡས་པ་ अनन्तः प्रतिभानेन म.व्यु.३८९, ५८५
སྤོབས་པ་མཐའ་ཡས་པ་ཞེས་བྱ་བའི་ཏིང་ངེ་འཛིན་ अनन्तप्रतिभानो नाम समाधिः म.व्यु.५८५
སྤོབས་པ་མཐའ་ཡས་པའི་ཏོག་ अनन्तप्रतिभानकेतु भद्र १३२
སྤོབས་པ་མཐའ་ཡས་པའི་འོད་ཟེར་ अनन्तप्रति-भानरश्मि भद्र.१४२
སྤོབས་པ་མཐའ་ཡས་འོད་ཟེར་ अनन्तप्रतिभान-रश्मि भद्र.१४२
སྤོབས་པ་མཐའ་ཡས་འོད་ཟེར་མཚན་ द्र. སྤོབས་པ་མཐའ་ཡས་འོད་ཟེར་ भद्र १४२
སྤོབས་པ་དག་ནི་བརྩེགས་པ་ प्रतिभानकूट भद्र.१०७
སྤོབས་པ་དང་ལྡན་པ་ प्रतिभानवत् सु.प्र.६०.१५
སྤོབས་པ་མེད་པ་ (१) निष्प्रतिभ उद्रा.२३.२०
(२) निष्प्रतिभान ..व्यु.७१२४
སྤོབས་པ་བརྩེགས་པ་ प्रतिभानकूट भद्र.१०७, म.व्यु.७०३
སྤོབས་པ་མཚུངས་མེད་རྒྱལ་(པོ་) अतुलप्रतिभान-

राज भद्र.९८२

སྤོབས་པ་མཚུངས་མེད་རྒྱལ་པོ་དེ་ཞབས་ द्र. སྤོབས་པ་མཚུངས་མེད་རྒྱལ་པོ་ भद्र.९८२

སྤོབས་པ་ཞན་ अपटुत्व शा.दा.

སྤོབས་པ་སོ་སོ་ཡང་དག་པར་རིག་པ་ प्रतिभान-प्रतिसंवित् म.व्यु.२००, शा.दा.

སྤོབས་པའི་མཆོག་ प्रतिभानवर भद्र.७३१

སྤོབས་པའི་མདོག་ प्रतिभानवर्ण भद्र.७३१

སྤོབས་པའི་སྤྲིན་ प्रतिभानजमुत् भद्र.७३६

སྤོབས་པའི་བློ་གྲོས་ཀྱིས་ཞུས་པ་ (आर्य)प्रतिभानमतिपरिपृच्छा (नाम महायानसूत्र) कं.तं. १५१

སྤོབས་པའི་དབང་ལ་ཀུན་དུ་རྨོངས་པ་ प्रतिभानवशितासंमोह सं.नि.९.५.९

སྤོབས་པའི་ཚོགས་ प्रतिभानगण भद्र.७६९

སྤོར་བ་ भू, भवि. སྤར་

སྤོས་ སྤོ་བ་ इत्यस्य भू, लोट्

(१) गन्ध उद्रा.१७.३२, ३३, ४१.२, द.भू ७ आ., १०द, इ, ११ब, बो.च, म व्यु.७०४, ४१५१, ४२०२, ५७७९, ६११३, ७१०१, ८२०९, ८६९८, ल.सू.६६ख, सु.प्र.९.१, ३२.१७, ६३ ११

(२) धूप बो.च., म.व्यु.६८४७, शा.दा., सु.प्र, ६४.१५

(३) बोधन शा दा.

(४) संचारयति स्म म.व्यु.६६००(སོ་)

(५) संचार्य म.व्यु.६५९९

(६) सुगन्ध सु.प्र.३७.२७

द्र. སྡི་, བདུག་སྤོས་

སྤོས་ཀྱི་གླང་པོ་ गन्धहस्तिन् भद्र.७२, २५०, ३१९, शा.दा.

སྤོས་ཀྱི་གླང་པོ་ཆེ་ गन्धहस्तिन् म.व्यु.७०४

སྤོས་ཀྱི་གླང་པོ་དེ་སྟོབས་ गन्धहस्तिबल म.व्यु. ८२०९

སྤོས་ཀྱི་རྒྱལ་པོ་ जातिफल म.व्यु ५८११, शा.दा.

སྤོས་ཀྱི་ངད་ཅན་ गन्धमादन द.भू ११ब

སྤོས་ཀྱི་ངད་ལྡན་ गन्धमादन <गिरि-नाम> म·व्यु. ४१५१

སྤོས་ཀྱི་ངད་ལྡན་པ་ गन्धमादन सु.प्र.१५.२६

སྤོས་ཀྱི་ཆུ་ गन्धोदक बो.च.२.११ख

སྤོས་ཀྱི་དྲི་ཞིམ་པོ་ सुरभिगन्ध भद्र.१३८

སྤོས་ཀྱི་རྣམ་པའི་མིང་ལ་ सर्वधूपनामानि म.व्यु. ६२४७

སྤོས་ཀྱི་བློ་གྲོས་ धर्ममति भद्र.४१३

སྤོས་ཀྱི་དབང་ཕྱུག་ गन्धेश्वर भद्र.१५४

སྤོས་ཀྱི་སྦྱོར་བ་རེའུ་ཆར་བྱས་པ་ [अष्टापदीकृत-धूपयोग] कं तं.४३११

~དེའི་ཐབས་བཤད་པ་ [~विधानभाष्य] कं.तं. ४३२०

སྤོས་(ཀྱི་)གཟི་བརྗིད་ गन्धतेजस् भद्र.६४८

སྤོས་ཀྱི་འོད་ गन्धाभ भद्र.८६७

སྤོས་ཀྱི་ཤིང་ (१) गन्धकाष्ठ उग्रा ४६.२४
(२) गन्धकुल म.व्यु ४२०२
སྤོས་ཀྱིས་བྱུགས་པ་ गन्धोपलिप्त बो.च.२.१७ग
སྤོས་དཀར་ बल श.दा.
སྤོས་དཀར་ཤིང་ (१-४) कर्णिका, कर्णिकार, गन्ध-पुष्प, साल श.दा.
(५)=ལྷ་ཡིའི་སྤྲིན་པ་ कालसुम श.दा.
སྤོས་གླང་ (१) गन्धहस्तिन् मत्र.२५०, ३१९, श.दा.
(२) सबाबाल श दा
སྤོས་ངད་ལྡང་
རི་བོ་~ गन्धमादन श.दा.११७५क
སྤོས་ཅན་ मत्र.७३६
སྤོས་ཆབ་ गन्धोदक सु प्र ५८ २४, २६, ६३ ५, ६८.१४
སྤོས་ཆུ་ (१) गन्धजलाम्बु सु.प्र ११६.२७
(२) गन्धपानीय बो च.१०.१२क
སྤོས་མཆོག་ स्फीत बो.च.२ १६क
སྤོས་དང་ཁ་དོག་དང་བྱུག་(འབྱུག་?)པ་(བྱུང་བ་) དང་ཕྲེང་བ་(ཕྲེ་མ་?)སྤོགས་པ་སྤོང་བ་དང་ गन्धमाल्यविलेपनवर्णकधारणविरति म व्यु. ८६९८
སྤོས་ཏྲི་ (१)= ཏྲི་མཆོག་ཀྱི་ आजुगन्ध श.दा.
(२) गन्ध सु.प्र ६३.१९, ६४.४, ६५.४

སྤོས་ཏྲི་ཞིམ་ (१) गन्धसुगन्धा लं.सू.१०७क
(२) सुरभिगन्ध मत्र.१३८
སྤོས་ཏྲི་ཞིམ་པ་ सुरभिगन्ध मत्र १३८
སྤོས་ལྡན་མ་ गन्धवती म.व्यु.४३२४
སྤོས་གདམ་ स्थिलगन्ध मत्र.६६५
སྤོས་སྣ་ཚོགས་དང་སྦྱར་བའི་ཆུ་ नानागन्धपरि-भावितोदक उग्रा.१७.३२
སྤོས་སྤྲིན་ धूपकटच्छ सु प्र.६४.१५
སྤོས་པ་ "स्थ" म.व्यु.९१११
སྤོས་པོ་ गन्धहस्तिन् मत्र.७२
སྤོས་སྣ་ཡིའི་ཤིང་ बाल श.दा.
སྤོས་སྦྱར་བ་ गन्धयुक्ति म.व्यु.७१०१
སྤོས་སྦྱར་རིན་པོ་ཆེའི་ཕྲེང་བ་ धूपयोगरत्नमाला श दा.
སྤོས་འཚོང་ गान्धिक म.व्यु ३७८१
སྤོས་འཛིན་ गन्धारो नागराजा म व्यु.३२९८
སྤོས་གཞི་ गन्धतेजस् मत्र.६४८
སྤོས་བཟང་ सुगन्ध मत्र.२६७, ३२३, ९६६
སྤོས་འོད་ गन्धाभ मत्र.८६७
སྤོས་སིནྡྷུ་ सुवर्चक श.दा.
སྤྱང་ मेषचक्र म.व्यु ४७८५
སྤྱང་ཀི་ वृक म.व्यु ४७८३, सु.प्र १४४.१, ४, ६
སྤྱང་ཀུ་ वृक लं.सू.१७०क

སྤྱངས་པ་ (१) अवलम्बन म.व्यु.६७०८, श.दा.
(=འཛུམ་པ་)
(२) वान्तीकृत म.व्यु.२५४८
སྤྱངས་པ་ཉིད་ अवलम्बनत्व सं.नि.९.२०
སྤྱད་ སྤྱོད་པ་ इत्यस्य भू.
(१) अध्याय म.व्यु.४३९५
(२) आचरेत् बो.च.५.१०१ख
(३) आचार बो.च.५.१०५क
(४) དཀའ་སྤྱད་ दुष्कर श.पं.२०
(५) करण म.व्यु.९०३४
(६) चरित सु.प्र.१३३.१८
ལེགས་སྤྱད་ सुचरित बो.च.६.१ग
(७) चरेत् बो.च.५.७३घ
ཀུན་ཏུ་སྤྱད་ आचरेत् बो.च.५.८९घ
ཡང་དག་སྤྱད་ समाचरेत् बो.च.५.१०७घ
(८) चरेयम् भ.च.२१घ, २२घ, २४घ, ३३घ
(९) भञ्जिका म.व्यु ९०४९
(१०) सं. भाण्ड बो.च.८.१८४घ
(११) भुक्त(?) उद्रा २२.३१, श.दा.
(१२) भुक्त्वा बो.च.६.५९ख
(१३) भोक्ष्ये बो.च.८ १२५क, ग
(१४) དགེ་སྤྱད་སྐལ་ལྡན་ कुशलयोग्य
बो.च.४.१८क
(१५) स.००
སྦྱིན་པའི་པ་རོལ་ཕྱིན་ལ་སོགས། གོང་ནས་
གོང་དུ་ཁྱད་ཞུགས་སྤྱད་ उत्तरोत्तरतः श्रेष्ठा

दानपारमितादयः। [नेतरार्थं त्यजेच्छ्रेष्ठामन्य-
भाचारसेतुतः ॥] बो.च.५.८३
མཐུ་ཡོད་པ་འམ་ནུས་པ་འམ་དཔུང་ (སྤྱད་)
བཟོད་པ་(གཟོད་པ་) प्रतिबलो भवति
म.व्यु.९३३४
སྤྱད་དཀའ་ (?) दुर्जया म.सू.२१.३५प.
སྤྱད་གྱུར་དེ་
ལོངས་སྤྱོད་ ~ उपभुज्य भोगा का.प.१०७प.
སྤྱད་དེ་ चरित्वा सु.प्र.४६.२
སྤྱད་པ་ (१) अनुभूयते बो.च.२.३६ख
(२) उपचार द.भू.३ज
(३) कृत उ.व.१७
(४) चरण द.भू.९ज
(५) चरित सु.प्र.
ཉེས་པར་ ~ दुश्चरित सु.प्र.२३.३०
(६) चर्या म.व्यु.६६७९, ८३५६, सु.प्र.१४८.
१४
དཀའ་བ་ ~ दुष्करचर्या बो.च.१०.४७ख
(७) ब्रह्मचर्यं का.प.
~སྤྱོད་ན་ ब्रह्मचर्यं चरति का.प.१२५
(८) समाचर म.व्यु.९१४०
द्र. སྤྱོད་པ་
སྤྱད་པར་བགྱི་ चरेयम् भ.च.२७घ, ४१घ, ४५ख,
सु.प्र.२५.४, ३०.२०, ३९.२२
སྤྱད་པར་འདོད་པ་ (१) बुभुक्षित बो.च.३.३३ख

(२) भोक्तुकाम बो.च.१.८ग(ना.)

སྤྱད་པར་བྱ་ (१) आचरणीय बो.च.६.१२०ख

(२) आचरेत् बो.च.५.९७ख

(३) चरेत का.प.१२प.

(४) भोक्ष्ये (पा. भोक्ष्य°) बो च.५.७७ख

(५) समाचरेत् बो.च ५ ३८ख

(६) सं.००

ལུས་ཀྱིས་འདི་དག་སྤྱད་པར་བྱ་ सं. कायेनैव पठिष्यामि बो.च.५.१०९क

སྤྱད་པར་བྱ་བ་སྦྱེ་ नियुज्यते बो.च.५.१०७ख

སྤྱད་པར་བྱ་བ་ཤིན་ཏུ་སྤྱོད་ सुचरितचरण द.भू. १ल

སྤྱད་སྤྱད་ནས་ सं. भूत्वा भूत्वा बो.च.९.१५६ख

སྤྱད་བྱས་ कृत बो.च.५.१६ख

སྤྱད་བྱས་ནས་ भुक्त्वा उद्रा.१९.१७, २१, २५प.

སྤྱད་མི་བྱ་ मा समाचरेत् मु.प्र ११२.१६प.

སྤྱད་བཟོད་པ་ प्रतिबलो भवति म.व्यु.६३३४

སྤྱད་དོན་རིན་ཆེན་པ་ विचारचारत्न श.पं.६७

སྤྱད་ལྷག་ सं. लब्धाधिकम् उद्रा.२२.३१प.

སྤྱན་ (१) ईक्षण (=नेत्रता ह.भ.) अ.अ.८ १७

(२) चक्षुस् अ.अ.१.२२, म.व्यु.२०२, श.दा.

(३) दृष्टि बो च.१.१४ख (ना.ཚད་)

(४) नयन अ.अ.८.२९, बो.क.२१, म.व्यु. ३३१, ५२०९

(५) नेत्र अ.अ.८.२४, भद्र.४७८, म.व्यु.९६, ९७, २४०, ३२८, ३२९, ६७५-७८, श.दा., सु.प्र.३५.२१, ७५.१०, ८५.२२

(६) लोचन बो क.१६, म.व्यु.४२७८, सु.ग. २८.१६

द्र. མིག།

སྤྱན་དཀར་ནག་འབྱེད་ཤིང་པདྨའི་འདབ་མའི་ མདངས་(པ་)ལྟ་བུ་ सितासितकमल(दल)-शकलनयन म.व्यु.३३१

སྤྱན་ལྔ་ पञ्चचक्षुः —

(१) ཤའི་སྤྱན་ चर्मचक्षुः, (२) ལྷའི་སྤྱན་ दिव्यचक्षुः, (३) ཤེས་རབ་ཀྱི་སྤྱན་ प्रज्ञाचक्षुः, (४) ཆོས་ཀྱི་སྤྱན་ धर्मचक्षुः, (५) སངས་རྒྱས་ཀྱི་སྤྱན་ बुद्धचक्षुः श.दा.

སྤྱན་ལྔ་སྒོམ་རིམ་ पञ्चचक्षुर्भावनाक्रम नी.पु.२. ७३६

སྤྱན་སྔ་ན་ अग्रतः बो.च.५.३१ग

སྤྱན་སྔ་ནས་ अन्तिकात् उद्रा.

བཅོམ་ལྡན་འདས་ཀྱི་ ~ སོང་ངོ་ भगवतोऽन्तिकात् प्रक्रान्तः उद्रा.४.३९, ६.२८, १२. २४, २७.२२

སྤྱན་སྔར་ (१) अग्रत.. मु.प्र.२२.१९

(२) अन्तिके उद्रा.

བཅོམ་ལྡན་འདས་ཀྱི་~ भगवतोऽन्तिके उद्रा. १५.३१

(३) पुरतः बो.भ.३.३४ख, सु.प्र.२७.१३

(४) सकाशम् उद्रा.

བཅོམ་ལྡན་འདས་ཀྱི་~ भगवत्सकाशम् उद्रा.
१५ २०

སྤྱན་སྔར་མངོན་སུམ་དུ་ (१) अग्रतः बो.भ.२.६४क

(२) सं. अग्रतः स्थितः बो.भ.२ ६४क

སྤྱན་བཙུ་གཉིས་ द्वादशाक्ष श.दा.

སྤྱན་མཐོན་མཐིང་ལ་བའི་ཧྲི་མ་ལྟ་བུ་ अभिनीलनेत्र-गोपक्ष्मा म.व्यु.२४०

སྤྱན་(དག་)སྨུག་པའི་ཞལ་ प्रियचक्षुर्वक्त्र भद्र.७५६

སྤྱན་དྲངས་ (१) =སྤྱན་འདྲེན་པ་ आवाहन श.दा.

(२) उपनिमन्त्र्य उद्रा.५.११

སྤྱན་དྲངས་ཉེ་མ་ उपनिमन्त्रण श.दा.

སྤྱན་དྲངས་པ་ (१) आवाहन म.व्यु.४२५८

(२) निमन्त्रण श प.१२१

སྤྱན་འདྲེན་གྱུར་གསུམ་པ་ क.त.८४६(१)

སྤྱན་འདྲེན་པ་=སྤྱན་དྲངས་

སྤྱན་ལྡན་དྲི་མེད་

~སྤྲོད་པ་ལྡན་ द्र. སྤྱོད་པ་དང་ལྡན་པ་ भद्र.८९०

~བློ་མཆོག་དཔལ་ द्र. བློ་མཆོག་ भद्र.७३१

~སྣང་རྟེའི་ཞལ་ द्र སྣང་རྟེའི་ཞལ་ भद्र.४८८

~རབ་ཞི་བ་ द्र. རབ་ཏུ་ཞི་བ་ भद्र ८५८

སྤྱན་ལྡན་སེང་གེའི་ཁྲིན་པ་མཚན་ द्र. སེང་གེས་ཁྲིན་པ་ भद्र.१२९

སྤྱན་སྨུག་(པ་) ललितनेत्र भद्र.५५७

སྤྱན་སྨུག་པ་ཡི་ཞལ་ प्रियचक्षुर्वक्त्र भद्र.७५६

སྤྱན་སྨུག་ཞལ་ प्रियचक्षुर्वक्त्र भद्र.७५६

སྤྱན་ནི་ཡངས་ཤིང་ विशालनेत्रिन् सु.प्र.८५.२२

སྤྱན་ནི་རིང་ཞིང་ विशाल...नेत्र सु प्र.३५.२१ग

སྤྱན་རྣམ་པར་དག་པ་ विशुद्धनेत्र म.व्यु.३२८

སྤྱན་པ་ अभ्यञ्ज म.व्यु.३६८७

སྤྱན་དབྱེ་བའི་ཆོ་ག་ प्रतिष्ठाविधि क.तं.१२८४, २५२१, २५२२, २५८६ (पा. नेत्रोद्घाटविधिः)

སྤྱན་མ་ (१)= མིག་མ་ लोचन श.दा.

(२) लोचना <देवी-नाम> नी.पु.२.९७१

སྤྱན་མི་བཟང་ विरूपाक्ष वि.च.३२६, वि.पं.१४०ग, श दा (द्र मིག་མི་བཟང་)

སྤྱན་མ།

སྤྱན་དམར་ लोहिताक्ष श.दा.

སྤྱན་ཚབ་=བྱ་ར་བ་ पुलिनक श.दा.

སྤྱན་གཟིགས་ आवलोकन यह ५२४

སྤྱན་ཧྲི་ चक्षुर्गेय म.श्र.८.१७

སྤྱན་ཡངས་པ་ विशालाक्षेण म.व्यु.३२९

སྤྱན་ཡངས་མའི་སྒྲུབ་ཐབས་ विशालाक्षीसाधन क.तं.२०६२

སྤྱན་རས་ वृष्टि न.स्तो.७९

སྤྱན་རས་གཟིགས་ (१) (आर्य)अवलोकन (नाम महायानसूत्र) क.तं १९५
(२) अवलोकित बो.प.२ ५०अ, ८ ११८क
(३) अवलोकितेश्वर वि.वि.१४७, वि.पं. ६३ग, नी पु.२.१०४२



སྤྱན་རས་གཟིགས

བཀའ་གདམས་ལྷ་བཞིའི་ནང་གི་~ वि.पं.

३४क

ཁམས་གསུམ་དབང་འདུས་~ त्रैलोक्य-वशंकर अवलोकितेश्वर वि.व.१६७

འཁོར་~ अनुचर अवलोकितेश्वर वि.पं. ११ग

སྒྱུ་འཕྲུལ་དྲ་བའི་རིམ་པའི་~ मायाजाल-क्रम अवलोकितेश्वर वि.व.१७०

~ཀྱི་སྙིང་པོ་ क.तं.६९५,६११

~[ཀྱི་]དབང་ཕྱུག་ अवलोकितेश्वर म.नि. ९.१

~ཀྱིས་བླ་གསོ་བའི་ཚོ་ག་ क.तं.२८२३

~ཀྱིས་ནད་བསལ་བའི་ཚོ་ག་ क.तं.२८२२

~ཀྱིས་ནད་བསྲུང་བའི་ཚོ་ག་ क.त २८२१

~ཁ་སར་པ་ཎི་ खसर्पण अवलोकितेश्वर वि.व.१६०, वि.पं.३७अ (ཁ་སརྦ་ཎི་)



སྤྱན་རས་གཟིགས་ཁ་སར་པ་ཎི་

~སྤྲིམ་པས་མེད་པ་བསྒྲིགས་པའི་ཚིག་ कं.तं.
१८३१

~འཁོར་ལོ་གསུམ་བསྐོར་བ་ कं.तं.२७४४

~མགོན་ अवलोकितं नाथम् बो.प.२.५०ख

~རྒྱལ་བ་རྒྱ་མཚོ་ जिनसागर अवलोकिते-
श्वर चि.प.३४, चि.पं.२४३ग



སྤྱན་རས་གཟིགས་རྒྱལ་བ་རྒྱ་མཚོ

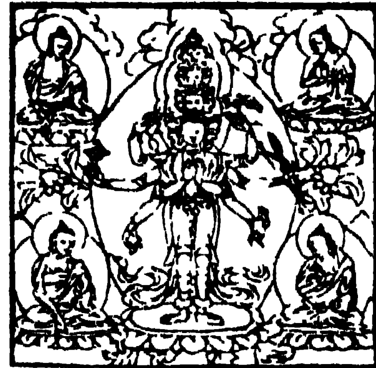
~བཅུ་གཅིག་པའི་ཞལ་ཅན་གྱི་སྒྲུབ་ཐབས་
कं त.२७५६

~བཅུ་གཅིག་ཞལ་དཔལ་མོ་ལུགས་ 'एका-
दशमुख अवलोकितेश्वर चि.पं.३४ख →

~འཇིགས་པ་བརྒྱད་སྐྱོབ་ अष्टभयत्राण अव-
लोकितेश्वर चि.पं.८६ग



སྤྱན་རས་གཟིགས་འཇིགས་པ་བརྒྱད་སྐྱོབ

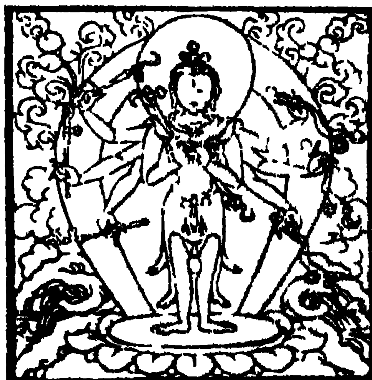


སྤྱན་རས་གཟིགས་བཅུ་གཅིག་ཞལ་དཔལ་མོ་ལུགས

~བརྟུལ་ཞུགས་ अवलोकितव्रत प्र.पा.४

~དོན་ཡོད་ལྕགས་ཀྱུ་ अमोघांकुश अवलोकि-

तेश्वर चि.पं.८८क



སྤྱན་རས་གཟིགས་དོན་ཡོད་ཞགས་པ

~དོན་ཡོད་མཆོད་པའི་ནོར་བུ་ अमोघपूजा-मणि अवलोकितेश्वर चि प ८८ख



སྤྱན་རས་གཟིགས་དོན་ཡོད་མཆོད་པའི་ནོར་བུ

~དྲི་མ་འཇིག་པའི་བུམ་པའི་ཆོ་ག་ क.त. २८१४

~བདུད་རྩི་བརྩེགས་པའི་ཐམས་ཀྱི་ཆོ་ག་ क.त. २७६९

~རྡོ་རྗེ་ཆོས་ वज्रधर्म अवलोकितेश्वर चि.प. १६४

~རྡོ་རྗེ་སྙིང་པོ་ वज्रगर्भ अवलोकितेश्वर चि प ४३क



སྤྱན་རས་གཟིགས་རྡོ་རྗེ་སྙིང་པོ

~རྡོ་རྗེའི་སྙིང་པོས་རབ་ཏུ་འཇོམས་པ་ वज्र-गर्भप्रमर्दी अवलोकितेश्वरः चि प.१७७ (द्र. རྡོ་རྗེའི་སྙིང་པོས་རབ་ཏུ་འཇོམས་པ་ चि.प. ८३)

~ནམ་མཁའི་རྒྱལ་པོ་ गगनराज अवलोकि-तेश्वर चि.पं.३१ख



སྤྱན་རས་གཟིགས་ཨ་ནནྟ་མ་ཁའི་རྒྱལ་པོ

~ལྷ་ཚོགས་དབང་པོ་ विश्वेश अवलोकितेश्वर वि.प.८७क



སྤྱན་རས་གཟིགས་ཕྱག་སྟོང་ ༡༠༠༠ པོ

~པདྨ་གར་དབང་ཕྱག་གཉིས་པ་ द्विभुज पद्म-नर्तेश्वर अवलोकितेश्वर वि.प.१६४

~པདྨ་དབང་འབྱེད་ पद्मविकासन अवलो-कितेश्वर वि.प.१५६

~པདྨའི་ཕྱག་ पद्मपाणि अवलोकितेश्वर वि.पं.८७ख



སྤྱན་རས་གཟིགས་པདྨོ་ཕྱག་

~ཕྱག་བཞི་པ་ चतुर्भुज अवलोकितेश्वर वि.प.१५८, वि.मि.८६, वि.पं.८५ग



སྤྱན་རས་གཟིགས་ཕྱག་བཞི་པ

~བྱང་ཆུབ་སེམས་དཔའ་ अवलोकितबोधिसत्त्व म.वा.

~དབང་ अवलोकितेश्वर बो प.१० १७क

~དབང་ཕྱུག་ अवलोकितेश्वर म.व्यु.६४५, गा.वा.

~དབང་ཕྱུག་ཁ་སར་པ་ཎིའི་སྒྲུབ་ཐབས་ (आर्य)अवलोकितेश्वरखसर्पणसाधन कं.तं २८५२

~དབང་ཕྱུག་གི་རྩ་བའི་རྒྱུད་ཀྱི་རྒྱལ་པོ་པདྨ་དྲ་བ་ (आर्य)अवलोकितेश्वरपद्मजालमूलकल्पराज कं.तं.६८१

~དབང་ཕྱུག་གི་མཚན་བརྒྱ་རྩ་བརྒྱད་པ་ (आर्य)अवलोकितेश्वरनामाष्टशतक कं.त ७०५, ७०६, ९००

~དབང་ཕྱུག་གི་མཚན་བརྒྱ་རྩ་བརྒྱད་པ་གཟུངས་སྔགས་དང་བཅས་པ་ (आर्य)अवलोकितेश्वराष्टोत्तरशतक नाम धारणी मन्त्रसहित कं.त ६३४, ८७४

~དབང་ཕྱུག་གི་གཟུངས་ (आर्य)अवलोकितेश्वर (नाम) धारणी कं.तं.६९६, ९१०

~དབང་ཕྱུག་གི་ཡུམ་ (आर्य)अवलोकितेश्वरमाता (नाम धारणी) क.त.७२५, ९०९

~དབང་ཕྱུག་གི་གསང་བའི་མཛོད་ཐོགས་པ་མེད་པའི་ཡིད་བཞིན་གྱི་འཁོར་ལོའི་སྙིང་པོ་ कं.तं ६९२, ८९८

~དབང་ཕྱུག་གིས་ཞུས་པ་ཆོས་བདུན་པ་ (आर्य)अवलोकितेश्वरपरिपृच्छासप्तधर्मक (नाम महायानसूत्र) क.त.१५०

~དབང་ཕྱུག་ཐུགས་རྗེ་ཆེན་པོའི་གཟུངས་ཕན་ཡོན་མདོར་བསྡུས་པ་ महाकारुणिकनाम-आर्यावलोकितेश्वरधारणी अनुशंसाहितसूत्रात् संगृहीता कं.तं.७२३

~དབང་ཕྱུག་ཕྱག་སྟོང་པའི་སྒྲུབ་ཐབས་ (आर्य)सहस्रभुजावलोकितेश्वरसाधन कं.तं. २७३६ (पा. आर्यावलोकितेश्वरसहस्र°)

~དབང་ཕྱུག་ཞལ་བཅུ་གཅིག་པ་ (आर्य) अवलोकितेश्वरैकादशमुख (नाम धारणी) क तं.६९३, ८९९

~དབང་ཕྱུག་ཡིད་བཞིན་གྱི་ནོར་བུའི་རྟོག་པ་ལས་སྨོན་ལམ་འབྱུང་བ་ क.त.७२२, ८१२, १०९४

~དབང་ཕྱུག་ལ་ཙཪྻ་བ་རིམ་བསྟོད་པ་ (आर्य) अवलोकितेश्वरस्य चर्यादिरचितस्तोत्र कं.तं. २७२६ (पा. °रचितस्तोत्रं)

~དབང་ཕྱུག་སེང་གེ་སྒྲའི་གཟུངས་ (आर्य) अवलोकितेश्वरसिंहनाद (नाम) धारणी कं.त. ७०३

~དབང་ཕྱུག་ཧ་ཡ་གྲཱི་ཝའི་གཟུངས་ (आर्य) अवलोकितेश्वरहयग्रीवधारणी कं.तं ७३३, ९०६

~དབང་སྒྲོང་བཙན་རྗེ་ भद्र.००(११२२)



~སྤྲུལ་རྣམ་ད་ भद्र.०० (११११) →

~ལྷ་ཁམས་དམར་པོ་ महाभूमिक (?) रक्त अवलोकितेश्वर चि.च १७२

~ཡི་གེ་དྲུག་པ་ཇོ་བོ་ལུགས་ आर्यक्रम षडक्षर अवलोकितेश्वर चि.प.३३ख



སྤྱན་རས་གཟིགས་ཡི་གེ་དྲུག་པ་ཇོ་བོ་ལུགས་



~ཡི་གེ་ཕྱེད་དང་བཞི་པ་ अर्धचतुर्थाक्षर अवलोकितेश्वर चि.पं.६९ग

སྤྱན་རས་གཟིགས་ཡི་གེ་དྲུག་དང་བཞེས

~ཡིད་བཞིན་འཁོར་ལོ་ चिन्तामणिचक्र अव-
लोकितेश्वर चि.पं.३९ग

སྤྱན་རས་གཟིགས་ཡིད་བཞིན་འཁོར་ལོ

~ཡིད་བཞིན་ནོར་བུ་ चिन्तामणि अवलोकि-
तेश्वर चि.प.१७६

~ཡིད་བཞིན་ནོར་བུ་ལྷ་ལྔ་ पञ्चदेव चिन्ता-
मणि अवलोकितेश्वर चि.पं.३८क

སྤྱན་རས་གཟིགས་ཡིད་བཞིན་ནོར ༡༠,༥༥

~ཡིད་བཞིན་ནོར་བུའི་སྒྲུབ་ཐབས་ कं तं.
२७५८

~སུ་ཁ་ཝ་ཏི་ सुखावती-अवलोकितेश्वर चि.पं.
८७ग



སྤྱན་རས་གཟིགས་སྲུ་ཁ་སྦྲ་ཧེ་

~སེང་གེའི་སྒྲ་ सिंहनाद अवलोकितेश्वर
पि.भ.१११, पि.पि.५४('སེང་གེ་སྒྲ་)



སྤྱན་རས་གཟིགས་སེང་གེ་སྒྲ་ལ་ནམོ།

~སེམས་ཉིད་ངལ་གསོ་ चित्तविश्रामण अवलो-
कितेश्वर पि.भ.१७५, पि.सं.३७क, ग



སྤྱན་རས་གཟིགས་སེམས་ཉིད་ངལ་གསོ
༡༢༥༧

~གསང་སྒྲུབ་ गुह्यसाधन अवलोकितेश्वर
पि.पि.७५



སྤྱན་རས་གཟིགས་གསང་སྒྲུབ་ལ་ནམོ།

སྤྱན་ལམ་ दर्शनपथ उग्रा.३३.२७

द्र. མིག་ལམ་

སྤྱན་ལེགས་ (१) सुनेत्र भद्र.११

(२) सुलोचन भद्र.६४५

སྤྱན་གསལ་གྲུབ་ प्रहसितनेत्र म.व्यु.९७, श.दा.
('གྲུབ་')

སྤྱན་གསུམ་པ་ त्रिलोचन गी.मु.२.१०५६ <सीमा-
करण-नाम>, श.दा.

སྤྱི་ (१) जाति श.दा.

(२) मूर्धन् प्र.व.२, बो.प ६.१२५ग

(३) समुदाय न्या.बि.४६.४, ७१.९, १२,
म.व्यु.६८८६, श.दा.

(४) समुचित म.व्यु.६९०२

(५) साधारण न्या बि.३२.१५. म.व्यु ६२४,
ल.सू.७७क

(६) सामान्य न्या.ह.२८७, न्या.प्र.५, न्या.बि.
२९.४, ३२.५, ७, १३ख, १५ख, ३३.१ ,
बो.प.३.३१ख, म.व्यु.४४४३, ४४६५-६६,
४६०५, ४६२८-२९, लं.सू.८१ख, श.दा.,
श.पं.४१

སྤྱི་ཆེན་པོ་ महासामान्य म.व्यु.४१२९

སྤྱི་ཉིད་ सामान्य न्या.बि.३२.१३क

སྤྱི་གདོལ་(རྡོལ་)ཆེ་བ་ प्रणालवाह्यत्व म.व्यु.
२४८०

སྤྱི་བརྡོལ་=སྤྱི་བརྡོལ་

སྤྱི་རྡོལ་ (ना. 'བརྡོལ་') प्रणाल बो.प.५.५३ख

སྤྱི་རྡོལ་ཅན་ ज्वाल म.व्यु ४८६३

སྤྱི་རྡོལ་ཆེ་བ་ [illegible] श दा.(སྤྱི་')

སྤྱི་བརྡོལ་ (१) = སྤྱི་བརྡོལ་=སྤྱི་བརྡོལ་=ངོ་ཚ་
མེད་པ་ धृष्णु श.दा.

(२) प्रणाल बो.प.५.५३ख (ना.), श.दा.
(=སྤྱི་ཐོད་)

(३) =སྤྱི་ཐོད་ मुकुट श दा.

སྤྱི་བརྡོལ་(སྐྱེས་) मुकुट श.पं.९

སྤྱི་བྲེར་ जालिन्य म.व्यु.४०९०

སྤྱི་མཐུན་ साधारण प.श.२२

སྤྱི་དང་ཁྱད་པར་བཞིན་ सामान्यविशेषवत् न्या प्र.
३८

སྤྱི་དང་བྱེ་བྲག་གི་ཚིག་གི་དོན་བརྟག་པ་ सामान्य-
विशेषशब्दार्थपरीक्षा न्या.ह.१२६, १२७

སྤྱི་དོན་ समुदायार्थ म.व्यु.६८८६

སྤྱི་མདུན་ཅན་ =སྤྱི་སྨྲུམ་ उपेत श.दा.

སྤྱི་བརྡོལ་=སྤྱི་བརྡོལ་

སྤྱི་ཕུད་ चूडिक म व्यु.३०४२

སྤྱི་བོ་ (१) अस्र श दा.

(२) चूडा न्या.बि.५.५

(३) मूर्धन् उग्रा., का प., द.भू.१०ग, म.व्यु.
३५५७, ३६७२, ३९३७, लं सू.१०५क,
श.दा., सु.प्र.

(४) शिरस् बो.च.५.७४ग, श.दा.

སྤྱི་བོ་སྐྱེས་=སྤྱི་ मूर्धज श.दा.

སྤྱི་བོ་ནས་སྐྱེས་ मूर्धज ,मी.पु.१.१२<राज-नाम>

སྤྱི་བོ་(ནས་)སྐྱེས་ मूर्धतः (मूर्धजात:?) <चक्रवर्ती राजा> म.व्यु.३५५७

སྤྱི་བོ་ནས་དབང་བསྐུར་བ་ (१) मूर्धाभिषिक्त का.प.८१

(२) मूर्धाभिषेक सु.प्र.९०.३

སྤྱི་བོར་དབང་བསྐུར་ मूर्धाभिषिक्त श.दा.

སྤྱི་བོར་དབང་བསྐུར་བ་ मूर्धाभिषिक्त उद्रा.१७.२७

སྤྱི་བླུགས་ (१,२) कनकभाण्ड, कमण्डलु श.दा.

(३) རིལ་བ་སྤྱི་བླུགས་ कुण्डिका म.व्यु.८९६२

སྤྱི་མོང་ साम्य म.व्यु ४२२६

སྤྱི་གཙུག་རྣམ་པར་ལྟ་བ་ཞེས་བྱ་བའི་ཏིང་ངེ་འཛིན་ विलोकितमूर्धा नाम समाधिः म.व्यु.५१३

སྤྱི་ཤུར་གྱི་ཤིང་ असन श.दा.

द्र. འཚོ་བྱེད་ཤིང་ श.दा.

སྤྱི་བླུམ་=སྤྱི་སྨད་ཅན་ उपेत श.दा.

སྤྱིང་ག་ अम्बूक लं.सू.१७०क

སྤྱིང་བ་ भू. སྤྱིངས་, लोट् སྤྱིང(ས་)

སྤྱིངས་ སྤྱིང་བ་ इत्यस्य भू., लोट्

སྤྱིན་ गव्यघृत म.व्यु.५९२१

སྤྱིའི་ཆོས་སྤྱོད་ कं.तं.१६३७

སྤྱིའི་དམ་ཚིག་མདོར་བསྡུས་པ་ कं.तं.३७२३

སྤྱིའི་དོན་ समुदायार्थ म.व्यु.६८८६

སྤྱིའི་ཚིག་གི་དོན་བརྟག་པ་ सामान्यशब्दार्थपरीक्षा न्या.ह.३२६

སྤྱིའི་ཚུགས་ (१) अधोमूर्धता द.भू.८न

(२) अवमूर्ध द.भू.१९६, १०६, म.व्यु.३०६८

(३) अवमूर्धक म.व्यु.६८०० (སྤྱིའུ°)

སྤྱིའི་མཚན་ཉིད་ सामान्यलक्षण न्या.बि.३२.५, ७, १३, १५, ३३.१, १९६.१९ .., लं.सू.८१ख, सं.नि.३.४

སྤྱིར་བསྐྱགས་པ་ वीप्सा म.व्यु.७५५६ (पा. °བསྐླེགས་པ་)

སྤྱིར་བཏང་བ་ उत्सर्ग म.व्यु.६८८४

སྤྱིར་བཏང་བ་ཡང་དག་པར་བསྡུས་པ་ अधिकार-संग्रह कं.तं.४२७३

སྤྱིལ་པོ་ (१) तृणकुटी म.व्यु.५५४५

(२) तृणकुटीर श.दा.

སྤྱིལ་བུ་ (१) कुटि उद्रा.३७.८

(२) कुटिका म.व्यु.५५५६

སྤྱིལ་བུ་ཅན་གྱི་སྐབས་ཐབས་ कं.तं.२८००

སྤྱིས་བརྟན་པོ་ प्रगल्भवाक्चर्य म.व्यु.२४८०

སྤྲུག་པ་ भू. སྤྲུགས་, लोट् སྤྲུག(ས་)

སྤྱུགས་ སྤྱུག་པ་ इत्यस्य भू., लोट्

སྤྱུགས་པ་ (१) निर्वासित श.दा.

(२) प्रव्राजन म.व्यु.२७८४

སྤྱུགས་ཤིག་ प्रवासयेत् म.व्यु.५२४३

སྤྱོ་བ་ भू., लोट् སྤྱོས་

(१) अपवाद म.व्यु.२६३६

(२) परिभाषा म.व्यु.२६४४, श.दा. (= འཕྱས་པ་)

སྤྱོ་བ་མཛད་ अभिशाप श.दा.

སྤྱོད་ (१) आचर बो.च.

ཕན་པར་སྤྱོད་ हितमाचर बो.च.८.१३१ख, १५१ख (द्र. ཕན་པ°)

(२) आचार ल.वि.१५.१४.१४, ल स्तो.६८

(३) उपचरित म.व्यु.१८३

(४) करण ल.सू.१०३ख

(५) कारिन् बो.च.

སྡིག་པ་སྤྱོད་ पापकारिन् बो.च.७.४१ख

(६) चरण द.भू.७अ.

སྤྱད་པར་བྱ་བ་ཤིན་ཏུ་སྤྱོད་ सुचरितचरण द.भू.१ल, र

(७) चरति बो.च.८.८७ख

ཉེ་བར་སྤྱོད་ཀྱི་ उपचरति का.प.३

(८) चरन्ति का.प.१३प.

(९) चरित बो.च.८.९क

(१०) चर्या तु.२२०, भ.च.२४क, स.स्तो. ८१

བྱང་ཆུབ་སྤྱོད་ बोधिचर्या बो.च.९.३७क(ना.), १०.१ख

(११) རྣམ་པར་སྤྱོད་ विचारण सु.प्र.४२.२०, २४

(१२) चारिन् का.प., बो.च.

ཤེས་བཞིན་དུ་སྤྱོད་ལ་ संप्रजानचारिन् का.प. १२३

(१३) प्रपद्येत बो.च ५.९९ग

(१४) ཡོངས་སུ་སྤྱོད་ परिभोक्ष्ये बो.च. ८.१५२ख

(१५) °भोग का.प.

ཡོངས་སུ་སྤྱོད་ परिभोग का.प.

ལོངས་སྤྱོད་ उपभोग का.प.४७, संभोग श.पं.१०९

(१६) वर्तते बो.च.५.४१ग, म.व्यु.७४२४

(१७) विवाह्य श.पं.१०

(१८) समुदाचार का.प.१२२

(१९) सं.००

མཁའ་ལྡིང་ལྟ་བུར་སྤྱོད་ गरुडायते बो.च. ७.५२ख

ས་ཕྱིར་ཙམ་དུའང་མི་སྤྱོད་ भूमिं चाङ्गुली-मपि न विन्दति श.पं.३७

द्र. ལོངས་སྤྱོད་

སྤྱོད་གྱུར་ཅིག་ (१) चरन्तु सु.प्र.२१.२४

(२) चरेयम् भ.च २३ख

སྤྱོད་བསྐྱེད་པ་ चरिष्यामि सु.प्र.२६.११प.

སྤྱོད་འགྱུར་བ་ चरिष्यति उद्रा.५.३०, ३१.१७

སྤྱོད་རྒྱུད་ཚེ་དཔག་མེད་ चर्यातन्त्र-अमितायुः चि.चि.८२



སྤྱོད་ཅན་ चरण द.भू ७आ.

སྤྱོད་ཅིང་ (१) आचर बो.च.८.५३ख

(२) चरमाण भ.च.१७क, २९घ

(३) चारिक भ.च.३०घ(पा. °कं)

(४) °चारिन् बो.च.

རང་དབང་~ स्वच्छन्दचारिन् बो.च.८.२७ग, ८८क

སྤྱོད་འཇུག་ बोधिचर्यावतार नी पु.२.६११, ६६५, ७४१, ८०९, ९९४

སྤྱོད་ཉེས་ दुश्चरित म.व्यु.४३७९

སྤྱོད་དེ་

ཀུན་ཏུ་~ परिभुंक्ते का.प.९

སྤྱོད་ལྡན་ (१) चारिक मन्न.८९०

(२) དམ་པའི་~ सद्वृत्त श.पं.२३

སྤྱོད་ན་

སྤྱད་པ་~ ब्रह्मचर्यं चरति का.प.१२५

སྤྱོད་པ་ भू. སྤྱད་

(१) अधिकरण म.व्यु.३६९६

(२) अधिकार म.व्यु.३६९६

(३) अवचर म.व्यु.२१५४, २९२०, ६८९५-९६

འདོད་པ་ན་~ कामावचर सु.प्र.११.३, ९८.३

གཟུགས་ན་~ रूपावचर सु.प्र.११.३

(४) आचरण बो.च.

བསོད་ནམས་མ་ཡིན་~ अपुण्याचरण बो.च.६.३६ग

(५) ཀུན་ཏུ་~ समुदाचरति उद्रा.

(६) आचार उद्रा., का.प., बो.च.५.९०घ

ཀུན་ཏུ་~ समुदाचार उद्रा.४१.२०

རྣལ་འབྱོར་~ योगाचार का.प.१०८

(७) उपभोग म.व्यु.८४३९, ८४६४

(८) उपविचार श.पं.६३

(९) ཡོངས་སུ་~ परिकर्मता का.प.२४

(१०) कारिन् म.व्यु.१६०८-१३

(११) चरि द.भू.१औ

(१२) चरण म.व्यु.१४४०, ९११९

དཀའ་འཐུབ་~ तपश्चरण सु.प्र.६७.२

(१३) चरि द.भू.७आ., अ., ९व, १०फ, म.व....

(१४) चरित द.भू.१क, ङ, र, ७ब, ९ख, १०ग, व, ज, ११च, ङ, गा.आ., बु.च, बो.प.४.१७क, म.व्यु.७९१, ८९६, १६८६, १६९०, १६९५, ७०७८, सु.प्र.६.१८

(१५) चरितवत् लं.सू.१६५ख

(१६) चरिताविन् लं.सू ११४क

(१७) चरिन् सु.प्र.९०.५

(१८) चरिया म.व.४६क. ग

(१९) ཚངས་པར་~ ब्रह्मचर्य उद्रा.१०.४०

(२०) चर्या अ.अ ३.८, ४.७, ४४(=प्रतिपत्ति हृ.म.), ५९, ५.३१, ७४, का.प.२३, १२६प., द.भू १कु, न, गग, कक, लल, मम, २ओ, ३ण, ५क ., बो प.६.५१ग, १०.५४च, म व. (आदि), म.व्यु.३६३, ७६६, ८७०, ८९६, ८९७, ९०२, ९२७, १२८०, २९९७, ३४१२, ४२६५, ६६७९, ८३५६, ८६९५, लं.सू. ११४क, श दा.(=ཚུལ་), सु.प्र.

དགེ་བ་~ कुशलचर्या का.प.

ཆོས་~ धर्मचर्या का.प.२३

སྙོམས་པར་~ समचर्या का.प.

བྱང་ཆུབ་~ बोधिचर्या बो.प.६.१०७ग, ९.१४ख, ३७क(टि.)

བྱང་ཆུབ་སེམས་དཔའི་~ बोधिसत्त्वचर्या सु प्र.१३३.१७

(२१) རབ་ཏུ་~ प्रचार का प १३५

རབ་ཏུ་~མེད་པ་ཡང་མ་ཡིན་པ་ नाप्रचारः का.प

(२२) स चारानुचारप्रयोग द भू ५ग

(२३) चारित्र म.व्यु.६८१, ७०७५, श.दा. (=ཚུལ་)

(२४) *चारिन् का प.१४७, द.भू.१उ ऊ, ३ह, ७अ., बो.प., म.व्यु.५७७, १००७, ११२३, ९१४४, ९२१९, ल.भू १६५ख

ཐུགས་རྗེས་~མ་འཁྲུལ་བ་ कृपाव्याकुलचारिन् बो.प.२ ५०क

ཚངས་པ་མཚུངས་པར་~ सब्रह्मचारिन् का प.१४७

(२५) चेष्टित बो.प., म.व्यु.७२५१

བྱིས་པའི་~ शिशुचेष्टित बो.प.६.९७ग

(२६) चारा द.भू.७अ.

(२७) नीति बो.प.

བྱང་ཆུབ་~ सर्वज्ञनीति बो.प.७.११ग

(२८) परिचित द भू १कुकु

(२९) परिभोग ५.व्यु ८४९३

(३०) प्रचार म व्यु ६६९५, लं.सू.६९ख

ལུས་ཀྱི་~ कायप्रचार सु प्र.२८.१

(३१) भुक्त गा.आ.६

(३२) भुज ल.स्तो.८५
(३३) ཡོངས་སུ་~ सं. परिभुञ्जीयम् उद्रा. १६.७
(३४) °भोग प्र.द.१६
ཡུལ་ལ་ཉེ་བར་~ उपभोग श.पं.१०९
ཡོངས་སུ་~ परिभोग का.प.११५, सु.प्र.९५.१९
(३५) भोजन का.प.
ཚུལ་ཁྲིམས་ཉམས་ཀྱང་~སྟེ་ च्युतशीलस्य भोजनम् का.प.११५प.
(३६) सं. लोकयात्रा म.व्यु.६४८६
(३७) वार्ता श.दा.
(३८) विचरन्ति द.भू.७अ.
(३९) विहार बो.च.५.२१क
(४०) वृत्त श.दा.
(४१) वृत्ति बो.च.१०.२८घ, श.पं.१०९
~ཞན་པ་ मन्दवृत्ति बो.च.५.१५घ
(४२) शक्ति श.पं.१२९
(४३) समाचरत् उ.व.११
(४४) समुदाचार म.व्यु.३५२, ७४३१
(४५) सेवक बो.च.
དམ་པའི་ཆོས་ནི་~འི་ལུས་ सद्धर्मसेवकं कायम् बो.च.५.८६क
(४६) सेवा (= उपभोग हृ.म.) अ.अ.४४८
द्र. ལོངས་སྤྱོད་པ་

སྤྱོད་པ་བཀག་པའི་ཤུགས་བསྟན་གྱི་སྦྱོར་ལམ་ प्र.पा.८८

སྤྱོད་པ་རྒྱ་ཆེ་ उदारचरित श.दा.

སྤྱོད་པ་རྒྱ་མཚོ་ चर्यासमुद्र म.व.४१क

སྤྱོད་པ་སྒྲུབ་པའི་ས་ चर्याप्रतिपत्तिभूमि द.भू.

སྤྱོད་པ་ཐམས་ཅད་སྟོན་ཀྱང་དེ་དག་དངོས་པོ་མེད་ सर्वचरिताभावविगत द.भू.१आ.

སྤྱོད་པ་ཐམས་ཅད་ལྡན་པའི་བློ་མངའ་བ་ सर्वचर्या-समन्वागतबुद्धि सं.नि.०.२

སྤྱོད་པ་དག་དང་སྨོན་ལམ་ चरिप्रणिधान म.व.२४ख

སྤྱོད་པ་དང་ལྡན་པ་ चारित्रक मद्र.८९०

སྤྱོད་པ་དང་ལྡན་པ་ཞེས་བྱ་བའི་ཏིང་ངེ་འཛིན་ चारित्रवती नाम समाधिः म.व्यु.५७९

སྤྱོད་པ་དངས་ चरणप्रसन्न मद्र.८७३

སྤྱོད་པ་བསྡུས་པའི་སྒྲོན་མ་ चर्यामेलापकप्रदीप क.तं.१८०३ (पा. चार्यमेलापनप्रदीपम्), नी.पु.१.३६२, २.७३६
(२) चर्यासंग्रहप्रदीप क.तं.३९६०, ४४६६

སྤྱོད་པ་བསྡུས་པའི་སྒྲོན་མ་ཞེས་བྱ་བའི་རྒྱ་ཆེར་བཤད་པ་ चर्यासमुच्चयप्रदीप नाम टीका क.तं.१८३४

སྤྱོད་པ་ན་
བྱང་ཆུབ་སེམས་དཔའི་སྤྱོད་པ་~ बोधिसत्त्व-चर्यां चरमाणस्य सु.प्र.१४८.१४

སྤྱོད་པ་རྣམ་དག་ चर्याविशुद्धि म.व.४४ख

སྤྱོད་པ་རྣམས་སྤྲོང་བ་ प्रणयविनिमय ल.स्तो.७१

སྤྱོད་པ་པ་ मीमांसक नी.पु.२.८३९, म.व्यु.३५१७

སྤྱོད་པ་པས་བརྟགས་པའི་བདག་བརྟག་པ་ मीमांसककल्पितात्मपरीक्षा न्या.द.३२६

སྤྱོད་པ་མི་གསལ་བ་ अप्रदुप्रचार म.व्यु.६६१५, श.दा.

སྤྱོད་པ་དམན་པ་ नीचवृत्ति म.व्यु.२४५५

སྤྱོད་པ་རྒྱུབ་པ་ = དྲག་ཤུལ་སྤྱོད་ अभिचारक श.दा.

སྤྱོད་པ་བཟང་པོ་ सुचेष्ट भद्र.६२१

སྤྱོད་(པ་)གསལ་ चरणप्रसन्न भद्र.८७३

སྤྱོད་པའི་གླུ་ चर्यागीति क.तं.१४६६, ४४७४

སྤྱོད་པའི་གླུའི་འགྲེལ་པ་ चर्यागीतिवृत्ति क.तं. १४६७

སྤྱོད་པའི་གླུའི་མཛོད་ཀྱི་འགྲེལ་པ་ चर्यागीतिकोषवृत्ति क.तं.२२९३

སྤྱོད་པའི་རྒྱུད་ चर्यातन्त्र नी.पु.१.३५१

སྤྱོད་པའི་སྟེགས་ चारित्रतीर्थ भद्र.८३२

སྤྱོད་པའི་སྟོབས་ चर्याबल म.व.३७ग (चर्य°), म.व्यु.७६६, श.दा.

སྤྱོད་པའི་དོ་ཧ་མཛོད་ཀྱི་གླུ་ चर्यादोहकोषगीतिका क.तं.२३४७

སྤྱོད་པའི་འདུ་ཤེས་ चर्यासंज्ञा अ.अ.३.३

སྤྱོད་པའི་འོད་ चीर्णप्रभ भद्र.६५७

སྤྱོད་པའི་ས་ चर्याभूमि ल.सू.६६ख

སྤྱོད་པར་བགྱི་ चरेयम् सु.प्र.४०.१६

སྤྱོད་པར་འགྱུར་ (१) उपभुञ्जन्तु सु.प्र.६५.२६
(२) उपभोक्ष्यन्ति सु.प्र.
ལོངས་སུ་སྤྱོད་པ་...~ परिभोगानि उपभोक्ष्यन्ति सु.प्र.६५.१९

སྤྱོད་པར་འགྱུར་བ་ (१) अनुप्राप्तो भविष्यति सु.प्र.५२ २२
(२) प्रचरिष्यति सु.प्र.५२.२१, ५३.१३

སྤྱོད་པར་འདོད་པ་ (१) भोक्तुकाम द.भू.९३, बो.प.१ ८ग(दे)

སྤྱོད་པར་ལྡན་ चारित्रक भद्र.८९०

སྤྱོད་(དེ. སྤྱད་)པར་བྱ་ चरेत् बो.प.८.१२०घ

སྤྱོད་པར་བྱེད་
དགའ་མགུ་~ परिचारयति उग्र.४७.१३, ३५

སྤྱོད་པར་ཤོག་ (१) कुर्वन्तु बो.प.१०.३१घ(दे. བྱེད་°)
(२) चरन्तु सु.प्र.३३.८
(३) चरेयम् भ.च.१८घ
(४) རང་དབང་དུ་ནི་~ सन्तु स्वाधीनवृत्तयः बो.प.१०.२८घ
འགྲོ་བ་བདེ་ལ་~ जगत्सुखितमस्तु च बो.प.१०.५६घ

སྤྱོད་པོ་ भोक्तृ बो.प.९.७२घ

སྤྱོད་ཕྱོགས་ चर्यापक्ष नी.पु.२.४७०

སྤྱོད་བྱེད་པ་ भुञ्जान उग्र १९.२२, २६प.

སྤྱོད་བྱེད་མ་ कामिनी श.दा.

སྤྱོད་མེད་ निर्ग्रन्थक श.दा.

སྤྱོད་མཛད་པ་ चरति बो.च.१०.५४ग

སྤྱོད་བཟང་ सुचेष्ट भद्र.१२१

སྤྱོད་...ཡིན་པ་ भुंक्ते बो.च.८.८८ग

སྤྱོད་ཡུལ་ (१) अवचर म.व्यु.२१२०

(२) ཚོ་ག་དང་ །~དང་ །སྤྱོད་པ་ཕུན་སུམ་ཚོགས་ཤིང་ आचारगोचरसंपन्न का.प. १२३

(३) गति लं.मू.६५ख

(४) गोचर अ.अ.२.२२, ४.२३(=विषय ह.भ.), ३३, ५.२७, ३०, द.भू १अ, क, कु, ओओ, ७ज, ल, न, म, ९ल, ज, १०अ, च, ज, न्या.बि.१२.५, ४१.९, प्रस.३६४.२, ७, बो.च. ४.१३घ, म.व्यु.३५८, ८१८, १३७६, ७३८३, लं.मू.६७ख, श.दा., सं.नि.१०.९, मु.प्र.३.१२ ..

(५) गोचरि भ.च.३४ग

(६) प्रवेशित द.भू.१कु

(७) विषय द.भू.७च, न्या.बि.२८.१७, श.दा.

(८) विषयिन् लं.मू.६७ख

(९) वेशित द.भू.१कु

(१०) सं. स्वगोचर लं.मू.८०ख

སྤྱོད་ཡུལ་གྱིས་མི་འཕྲོག(ས)་པ་ असंहार्यगोचर म.व्यु ३५८, सं.नि.०.२

སྤྱོད་ཡུལ་བ་ गोचर सु.प्र.५.७, ६.१...

སྤྱོད་ཡུལ་མ་ཡིན་པ་ अतर्क्यविचार श.दा.

སྤྱོད་ཡུལ་མིན་ अगोचर बो.च.९.२ग

སྤྱོད་ཡུལ་མིན་པ་ अगोचर लं सू.१४९क

སྤྱོད་ཡུལ་མེད་གྱུར་ अगोचरीभूत उद्रा.४०.४

སྤྱོད་ཡུལ་མཚུངས་པ་ समविषय सं.नि.५.४

སྤྱོད་ཡུལ་ཡོངས་སུ་དག་པ་ गोचरपरिशुद्ध म.व्यु. १३७६

སྤྱོད་ཡུལ་རན་པར་མཐུན་པ་ प्रतिरूपो गोचरेण म.व्यु.३७९

སྤྱོད་ཡུལ་བསམ་མི་ཁྱབ་ अचिन्त्यफलगोचर लं सू.१८६ख

སྤྱོད་ཡུལ་ཀླག་མ་དང་བཅས་པ་ཡིན་ अवद्योतगोचर उद्रा ४०.२

སྤྱོད་ལམ་ ईर्यापथ उद्रा.१८.३७, २९.३, ४५.२६, ३४, का.प.२४, २७प., १२३, द.भू.७द, ८र, म.व्यु.२१२, ७८३, १११४, ७३८२

སྤྱོད་ལམ་ཞི་བར་འདུག་གོ་ शान्तेनेर्यापथेनाव-स्थितः उद्रा.२९.३, ४५.२६

སྤྱོད་ལམ་རབ་ཏུ་ཞི་བ་ཕུན་སུམ་ཚོགས་པ་ प्रशान्ते-र्यापथसंपन्न म.व्यु.१११४, सं.नि.०.३

སྤྱོད་ཤེས་ (१) ऋगिति म.व्यु.८२२३

(२) ऋटिति म.व्यु ८२२४

(३) रिगिति म.व्यु.८२२२

སྤྱོན་

བྱང་ཆུབ་རིམ་པར་སངས་རྒྱས་སྤྲིན་ मोन्तु
...बोधि विबुद्धा म.च.१४घ
སྤྲོམ་པ་ भू. སྤྲོམས་
སྤྲོམས་པ་ विकत्थन म.व्यु.७१३३
སྤྲོམས་པའི་སྤྱོད་པ་ विकत्थन म.व्यु ७१३३
སྤྲོས་ སྤྲོ་བ་ इत्यस्य भू., लोट्
निर्भर्त्सित म.व्यु ७१८३
སྤྲོས་ཀྱང་མི་གཞི་ आकुञ्च्य नाकोचति का.प.१०७प.
སྤྲོས་པ་ (१) निर्भर्त्सन श.दा. (=བཀའ་བཀྱོན་པ་)
(२) निर्भर्त्सित म.व्यु.७१८३
སླ་ཅལ་=སླ་ཆལ་
སླ་ཆལ་=འགྱུར་བྱེད་ चञ्चल श.दा.
སླ་བ་ भू. སླས་, लोट् སློས་
द्र. བསྒྱུར་པ་
སླ་བའི་མེ་ཏོག་ बकपुष्प म.व्यु.६२१३, श.दा.
སླ་ཚིལ་ सिक्थक श.दा.
སླང་པོ་ यावनक श.दा.
द्र. དབུལ་པོ་
སླད་
གཡུལ་སླད་ विग्रहिन् बो.च.४.४३ख
ཕྲག་པ་མི་སླད་ लोढौकिकया म.व्यु.८५५३
སླད་ནི་
གཉའ་བ་~ कण्ठे परिष्वज्य उद्रा.१७.३१

སླད་པ་ (१) मर्कट श.दा.
(२) स.००
གཉིས་ཀྱིས་གཉིས་~ द्वयद्वयसमापत्तिः म.व्यु. ९४६९
ལན་ཅིག་གཉིས་~, ལན་གཅིག་གཉིས་སླད་པ་
पाटर्पाटिकः म.व्यु.९३९७
སླས་ སླ་བ་ इत्यस्य भू.
(१) རྒྱན་སླས་ आभरण बो.च.२.३ग
(२) खचित का.प.
མཚན་གྱིས་ལུས་སླས་ लक्षणविचित्रितांग का.प. ८६ग.
(३) विचित्रित सु प्र.२९.११, १७५.१५
སླས་པ་ (१) अर्चित म.व्यु.६०५६
(२) अवलम्बित लं.सू.६१ख
(३) खचित म.व्यु.६०५५, श.दा.
(४) चित्रित म.व्यु ३७७, सु.प्र.७५.१८
(५) प्रत्युप्त द.भू.१०ज, म.व्यु.६०५४. सु.प्र. ८.२३, ९.५
(६) प्रदीप्त श.दा.
(७) रचित म.व्यु.६०५७, श.दा.(=བསྒྲིམས་པ་, བཀོད་པ་)
(८) रञ्जित श.दा.
(९) विचित्रित द.भू.७अ
སླས་ཤིང་བསྒྱུར་པ་ प्रत्यर्पित द.भू.१०ग, ल
སླི་ पीयूष श दा.
སླི་(མ་) पीयूष म.व्यु.५६९२

སྤྲིག་ཀ་གན་དྷ་ स्पृक्कागन्ध श.दा.

སྤྲིང་ उद्रा ९.१२

སྤྲིང་བ་

འཕྲིན་ཇི་སྐད་ ~ यथासंदिष्टम् उद्रा.३८.३८

སྤྲིང་བ་ भू, लोट् སྤྲིངས་

སྤྲིངས་ སྤྲིང་བ་ इत्यस्य भू., लोट्

སྤྲིངས་བསྐུལ་ प्रेषय्य श दा.

སྤྲིངས་ཏེ་ अनुप्रेषित उद्रा १२.१४

སྤྲིངས་ཡིག་ वातव्य उद्रा ३.६

སྤྲིན་ (१) = སྤྲིན་པ་ अब्द श दा.

(२) अभ्र उद्रा., द.भू १प, १०ह, बु.च.६५, म व्यु.१८६१, श.दा. (=སྤྲིན་པ་), सु.प्र १३०.८, ल स्तो.६०

(३) अम्बुद म.व्यु ४६३३

(४) घन द.भू १०ह, बो.च., लं.सू ७१क

(५) ཆར་སྤྲིན་འདྲ་བ་ལགས་ जलदायते श पं. ७३

(६) =སྤྲིན་པ जीमूत श दा.

(७) =སྤྲིན་པ་ तोयधर श दा.

(८) बलाहक का प (व॰), बु.च ४७, श दा. (=སྤྲིན་པ་)

(९) मेघ अ अ.१ २०, का.प., द.भू.३म, १०द, ह, ११च, ए, बो च.२ २०च, २३ग, १०.१५ख, म.व्यु.२२५, ८९५, १३३७, ३३४७, लं सू. ९०क, श.दा. (=སྤྲིན་པ་)

ཆོས་ཀྱི་སྤྲིན་ धर्ममेघ का.प.४४

མཆོད་པའི་སྤྲིན་ पूजामेघ बो.च.१०.३८ग

བསོད་ནམས་སྤྲིན་ पुण्यमेघ बो.च ९.१६६ख

སྤྲིན་སྐྱེས་ तडित् श.दा.

སྤྲིན་འཁྲིགས་པར་སྣང་བ་ मेघोन्नतिदर्शनात् म.व्यु. ४६३५

སྤྲིན་གྱི་རྒྱལ་མཚན་ मेघध्वज भद्र.९६४

སྤྲིན་གྱི་སྒྲ་དབྱངས་མངོན་པར་སྒྲོག་པོ་ मेघा नदन्ति स्म द.भू ११ए

སྤྲིན་གྱི་སྒྲོན་མ་ཚོགས་ཀྱི་བདག་པོ་སྒྲུབ་པའི་ཐབས་ मेघालोकगणपतिसाधन कं.तं.३७४०

སྤྲིན་གྱི་རྔ་སྒྲ་ दुन्दुभिमेघस्वर भद्र.७५५

སྤྲིན་གྱི་སྙིང་པོ་ =ག་བུར་ कर्पूर, घनसार श.दा.

སྤྲིན་གྱི་ཏོག་ (१) जीमूतकेतु तु.२३३

(२) मेघध्वज भद्र ९६४

སྤྲིན་གྱི་དྲྭ་བ་མེད་ཅིང་ अभ्रजालनिर्मुक्त सु.प्र. १३०.८

སྤྲིན་གྱི་རྡོ་བ་ करक श.दा.

སྤྲིན་གྱི་ཕོ་ཉ་ मेघदूत कं त.४३०२, श.दा.

སྤྲིན་གྱི་མེ་ཏོག་ मेघपुष्प श.दा.

སྤྲིན་གྱི་ཚ་བ་ནར་བར་སྣང་བ་ལས་ཆར་འབབ་པར་རྗེས་སུ་དཔག་པ་(དཔོག་པ་) लग्नाम्बुवर्षणात् वर्षानुमानम् म.व्यु.४६३३

སྤྲིན་གྱི་ཚོགས་ जलवाह लं.सू.७१क

སྤྲིན་གྱི་བཞོན་ जीमूतवाहन पु.५२३

སྤྲིན་གྱི་བཞོན་པ་ जीमूतवाहन ना.आ.४, ४.२

སྤྲིན་གྱི་ཕུག་ས་ཅན་ (१) बलाहक म.व्यु.४७७४
(२) मेघवेश्मिन् जी पु १ ३६०

སྤྲིན་མགྲིན་ मेघग्रीव जी.पु.१.३, १२, १४

སྤྲིན་ཆེན་ महामेघ बो.प.१०.५ख, सं.सू १७२क

སྤྲིན་ཆེན་པོ་ महामेघ क.तं.२३२(आर्य~नाम महा-यानसूत्र), २३५(आर्य~), म.व्यु.२२५

སྤྲིན་ཆེན་པོ་རླུང་གི་དཀྱིལ་འཁོར་གྱི་ལེའུ་ཀླུ་ཐམས་ཅད་ཀྱི་སྙིང་པོ་ (आर्य) महामेघवायुमण्डल-परिवर्त सर्वनागहृदय (नाम महायानसूत्र) क.त २३४, ६५८, १०६४

སྤྲིན་ཆེན་པོའི་མདོ་ལས་ཕྱོགས་བཅུའི་བྱང་ཆུབ་སེམས་དཔའ་རྒྱ་མཚོ་འདུས་པའི་དགའ་སྟོན་ཆེན་པོ་ལ་རྩེ་བ་ (आर्य) महामेघसूत्रात् दश-दिग्बोधिसत्त्वसमुद्रसंनिपातिमहोत्सवविक्रीडित नाम परिवर्त क तं २३३

སྤྲིན་ཆེན་ལས་བྱུང་བ་ महामेघसंभव बो.प १०.५ख

སྤྲིན་ཏོག་ मेघध्वज मद्र १६४

སྤྲིན་དག་པ་ भेक श दा.

སྤྲིན་དང་སྤྲིན་གྱི་ཕུང་པོ་ अभ्रकूट लं.सू.२०ख

སྤྲིན་འདེགས་ चातक श.दा.

སྤྲིན་ལྡན་མ་ मेघवती श.दा.

སྤྲིན་པ་=སྤྲིན་

སྤྲིན་ཕྲལ་ विघन बो.प ८.५७क

སྤྲིན་དབྱངས་ मेघस्वर मद्र ७४

སྤྲིན་(ལ)བྱུང་ मेघसंभव म.व्यु.३३४७

སྤྲིན་མེད་ (१) अनभ्रक अमा.३१७, म पा.५८, म व्यु ३०१८
(२) अभ्र का.प.४३

སྤྲིན་དམར་ कोहालक श.दा.

སྤྲིན་ཙ་བ་ पिप्पलीमूल श.दा.

སྤྲིན་ལ་ཞོན་ जीमूतवाहन श.पं.१७

སྤྲིན་ལ་སྒྲོང་=ཁྲག་ཏུ་ चातक श.दा.

སྤྲིན་གསར་ काली श दा

སྦྲུག་ संधुक्षक म व्यु ८५८९

སྦྲུག་པ་ भू., कोद् སྦྲུགས་
(१) आधुनाति म.व्यु २४२२
(२) =སྦྲད་པ་ भय श दा.
(३) =ཕྲུ་བ་ प्रस्फोटन श.दा.

སྦྲུགས་ སྦྲུག་པ་ इत्यस्य भू., कोद् प्रबाल श दा

སྦྲུགས་པ་ प्रस्फोटन म व्यु ६४२२

སྦྲུགས་བསྲིགས་ अपस्फोटन म.व्यु.७५६०(पा. °གསྲིགས་), श.दा.(अप°)

སྤྲུལ་ (१) निर्मित सु.प्र.

མི་རྣམས་ཀྱི་ནི་དབང་པོར་སྤྲུལ་ निर्मितो मनुजेश्वरः सु.प्र.१०५.२२

(२) नैर्माणिक लं.सू.१७३ख

द्र. སྤྲུལ་

སྤྲུལ་སྐུ་ निर्माणकाय नी.पु.१.१३२, २.७७२, प्र.पा.४७, ८४, श.दा.

ཚེ་དཔག་མེད་~ निर्माणकाय अमितायुस् चि.पं.६३ख

སྤྲུལ་དེ་

མངོན་པར་~ ऋद्ध्या . अभिनिर्माय उद्रा.३७.८

སྤྲུལ་པ་ (१) རྣམ་པར་~ विकुर्वित का.प.८१

(२) निर्माण द.भू.२अ., ६अ, ७अ, ८न, १०फ, बो.च ५.५७ग, म.व्यु.११८, ८५४, श.दा., सं.नि.१०.९, अ.स्तो.६६, ८३

(३) निर्मित उद्रा.३०.३०, ३४, का.प.१४१, बो च ९.१४३क, ख, म.च.६१ख, म.व्यु.२८१३, लं.सू.६१क

དེ་བཞིན་གཤེགས་པའི་~ तथागतनिर्मित का.प.१४७

(४) निर्मितक का.प.१४२, १४८

(५) प्रपञ्च श दा.

द्र. ཆོ་འཕྲུལ་

སྤྲུལ་པ་(སྐུ་) नैर्माणिक अ.अ.१.१७, ८.३३

སྤྲུལ་པ་ཐམས་ཅད་ཀྱི་རྣམ་པར་དགོད་པ་དང་རྣམ་པར་མི་དགོད་པ་ सर्वनिर्माणकल्पाकल्पता द.भू.१०फ

སྤྲུལ་པ་སྤྲུལ་དོ་ निर्मिमीते स्म का.प.१४१

སྤྲུལ་བ་སྤྲུལ་བྱེད་ निर्मातृ श.दा.

སྤྲུལ་པའི་སྐུ་ (१) निर्माणकाय म.व्यु.११८, लं.सू.१६६क, श.दा., सं.नि.१०.४, ९, १०

(२) निर्मितं कायम् सु.प्र.१६.२१

སྤྲུལ་པའི་སྐུའི་མཚན་ཉིད་ निर्माणकायलक्षण म.नि.१०.३

སྤྲུལ་པའི་བྱིན་གྱིས་རླབས་ निर्मिताधिष्ठानाभिसमय लं.सू.१२२क

སྤྲུལ་པའི་བྱིན་གྱིས་རླབས་ཀྱི་ཉན་ཐོས་ निर्मिताधिष्ठानश्रावक लं.सू १८२क

སྤྲུལ་པའི་གཟུགས་བརྙན་དཔག་ཏུ་མ་མཆིས་པ་དག་ अप्रमेयनिर्माणप्रतिबिम्ब सं.नि.१०.१०

སྤྲུལ་པའི་སངས་རྒྱས་ (१) निर्माणिक (बुद्ध) लं.सू.७१ख

(२) निर्मितबुद्ध लं.सू.१६६ख

སྤྲུལ་བྱེད་ निर्मातृ म.व्यु.६४७४

སྤྲུལ་བསྒྲུངས་ वण्डवालिक म.व्यु.३७४१

སྤྲེ་=སྤྲེའུ་ कपि, प्लवंगम, वानर, हरि श.दा.

སྤྲེ་གཞུག་རི་དྭགས་ पनस, मर्कट श.दा.

སྤྲེའུ་ (१) कपि म.व्यु.४८३०

(२) मर्कट म.व्यु.४८२९, ८८२७, ८८४४, ८८५२, ८८६२, सु.प्र.१२६.२०<यक्ष-नाम>

(३) वानर का.ए.१९, म.व्यु.४८२८, लं.सू.८९ख

द्र. སྤྲེ་

སྤྲེའུ་བརྒྱད་པ་

མི་གཡོ་བ་~ अष्टकपि अचल वि.व.३४८, वि.पं.६३क (°མ་)

སྤྲེའུ་བདུལ་ कपिजित् <ध्यान-नाम> नी.पु १.२१

སྤྲེའུའི་གནས་ किष्किन्धा श.दा.

སྤྲོ་ཐུང་ངན་པ་ कटुक म.व्यु.२९६४

སྤྲོ་ཐུང་བ་ कटुक म.व्यु २९६४

སྤྲོ་བ་ मू. སྤྲོས་

(१) उत्सव बो.च.९.१५४घ

འཐབ་དང་~འི་རྒྱུ་དག་གིས་ कलहोत्सव-हेतुभिः बो.च ९.१५४घ

(२) उत्सहते उद्रा.

དེ་གསོད་པར་~འགའ་ཡང་མེད་དོ་ न कश्चिदुत्सहते प्रघातयितुम् उद्रा.२७ ८

(३) उत्साह बो.च.७.२क, ७७ग, म.व्यु.२१००, श.दा., सु.प्र.१०२.१९, १४३.७, १५६.२

(४) उत्सूहि म.व्यु.१७८८-८९

(५) ऊर्जी द.भू.१ब

(६) औत्सुक्य म.व्यु.१८०३, श.दा., सु.प्र.५५.१९, ७४.१२, ८७ २६

(७) रस द.भू.३ङ

(८) सौष्ठव श.पं.१२८

(९) स्फुरण श.दा.

སྤྲོ་ག་སྐྱེ་ सर्पयति श पं.९२

སྤྲོ་བ་འཕེལ་བ་ उत्साहवर्धन श.दा

སྤྲོ་བ་. བྱས་པ་ युज्यमान उद्रा.

དེ་གཉིས་ཀྱིས་སྤྲོ་བ་.. བྱས་པས་ ताभ्यां युज्यमानाभ्याम्... उद्रा.११.३

སྤྲོ་བའི་རྣམ་གྲངས་ལ་ म.व्यु.१७८८

སྤྲོ་བར་བྱ་བ་

མངོན་པར་~ अभ्युत्साहना उद्रा.६.५, ८.५ (°བགྱི་བ་)

སྤྲོ་བར་བྱས་ནས་ प्रोत्साहित उद्रा.२७.७

སྤྲོ་བས་དབང་བསྐུར་(द्र. བསྐུར་)ཏེ་ उत्साहवशां यायात् बो.च ७.७७ग

སྤྲོ་བྱེད་པ་ विशत् बो.क.२०

སྤྲོ་ཞིང་ समुत्सहेयम् सु.प्र.

བསྐལ་པར་གནས་པར་~ सं. कल्पं समुत्-सहेयम् सु.प्र १५५.२०

སྤྲོ་ཞིང་བརྩོན་པ་ལ་སོགས་པའི་མིང་ལ་ म.व्यु.१७८८

སྤྲོ་བསྒྲིངས་ आश्वासित श.दा.

སྤྲོ་བསྐྱིངས་ཏེ་ समादापयित्वा सु.प्र.१७०.१६

སྤྲོག་ करण्डक, करण्डिक म.व्यु.९३७१

སྤྲོད་ = དཔྱ་སྤྲུལ་དུ་ वर्तमान घ दा.

སྤྲོད་འཕྲང་མོ་ परिभाषा घ.दा.

སྤྲོད་དེ་ निःसृत्य घ दा.

སྤྲོད་པ་

གཉིས་ཀྱི་དབང་པོ་གཉིས་~ द्वीन्द्रियसमापत्ति व.मू.

སྤྲོས་ སྤྲོ་བ་ इत्यस्य भू । སྤྲུ་བ་ इत्यस्य च लोट्

སྤྲོས་རྒྱུར་ सर्वयित्वा घ प १२७

སྤྲོས་དང་ལྡན་པ་ व्यासवत् घ पं.६७

སྤྲོས་དང་བྲལ་བ་ निष्प्रपञ्च म.व्यु.२९२५

སྤྲོས་པ་ (१) गगन घ.दा.

(२) प्रपञ्च का.आ.१.१२, प्रस.१४२.१४, मू.का., क सू.६१क, घ.दा.

(३) सर्ग घ.दा.

སྤྲོས་པ་ཐམས་ཅད་ལས་ཡང་དག་པར་འདས་པ་ सर्वप्रपञ्चसमतिक्रान्त स.रा.२२ १०

སྤྲོས་པ་མེད་ (१) अप्रपञ्च सं नि.९.१८.२.६

(२) निष्प्रपञ्च स नि.१०.१

སྤྲོས་པ་མེད་པ་ (१) अप्रपञ्च म व्यु १७४, २९२४, सं नि.१०.८

(२) निष्प्रपञ्च द.भू ६ज, ८ज, म.व्यु. ४३०८

སྤྲོས་པ་མེད་པའི་སྒྲུབ་ཐབས་ अरपचनसाधन क.त.३१७२ (पा. अप्रपञ्चसाधन), ३१७३

སྤྲོས་སྤྲོད་ प्रपञ्चचर्या गी पु.१.३५९

• • •